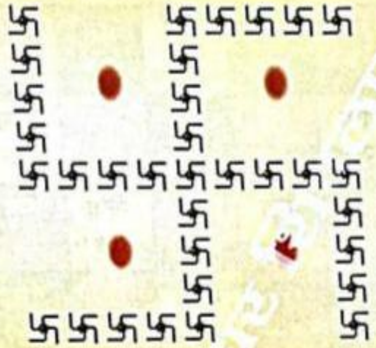
MANAV ASTRO & VEDIC

LADNUN [RJ] , BANGALORE [KA] 8586094945 , 8302680069



मंडल कुण्डनिर्माणम्



द्वादश गणेशमण्डलं द्विधा

रक्त १	पीत २	हरित ३
पीत ४	रक्त ५	पीत ६
हरित ७	पीत ८	हरित ९
कृष्ण १०	रक्त ११	पीत १२

अन्यत्र

पीत १२	रक्त ५	पीत ४
रक्त ११	पीत ६	हरित ३
कृष्ण १०	हरित ७	पीत २
हरित ९	पीत ८	रक्त १

गायत्री होमे

षोडशमातृका द्विधा मंडल

अजमेर प्रान्त प्रसिद्ध

पूर्व

उत्तर					दक्षिण
	१६	१२	८	४	
	१५	११	७	३	
	१४	१०	६	२	
	१३	९	५	१	गौरी गणेश

पश्चिम

१६	१२	८	४
१५	११	७	३
१४	१०	६	२
१३	९	५	१

अखण्डज्योति मथुरा

६४ योगिनीमण्डलम् (समचौरस)

१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७
२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८
३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९
४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	६०
५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	६१
६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	६२
७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	६३
८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	६४

प्राचीन श्रीधरी श्रीचंडांशु पञ्चाङ्ग

४९ क्षेत्रपालचक्रम (समचौरस)

कृष्ण १	रक्त २४	हरा २३	श्वेत २२	हरा २१	रक्त २०	कृष्ण १९
रक्त २	पीला २५	रक्त ४०	हरा ३९	रक्त ३८	पीला ३७	रक्त १८
हरा ३	रक्त २६	पीला ४१	रक्त ४८	पीला ४७	रक्त ३६	हरा १७
श्वेत ४	हरा २७	रक्त ४२	श्वेत ४९	रक्त ४६	हरा ३५	श्वेत १६
हरा ५	रक्त २८	पीला ४३	रक्त ४४	पीला ४५	रक्त ३४	हरा १५
रक्त ६	पीला २९	रक्त ३०	हरा ३१	रक्त ३२	पीला ३३	रक्त १४
कृष्ण ७	रक्त ८	हरा ९	श्वेत १०	हरा ११	रक्त १२	कृष्ण १३

सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।

बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी

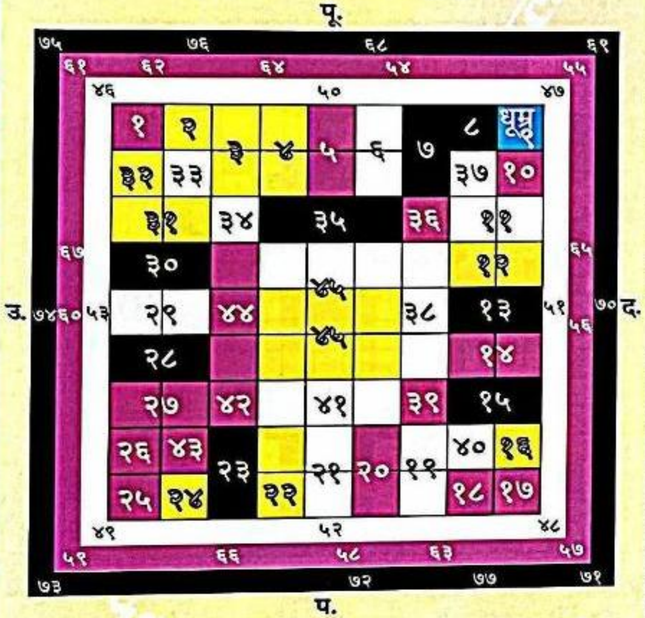
ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक

किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

प्राचीन श्रीधरी श्रीचंडांशु पञ्चाङ्ग

81 कोष्ठात्मक गृहवास्तु मण्डलम्

(देवप्रतिष्ठा में नहीं)



सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।

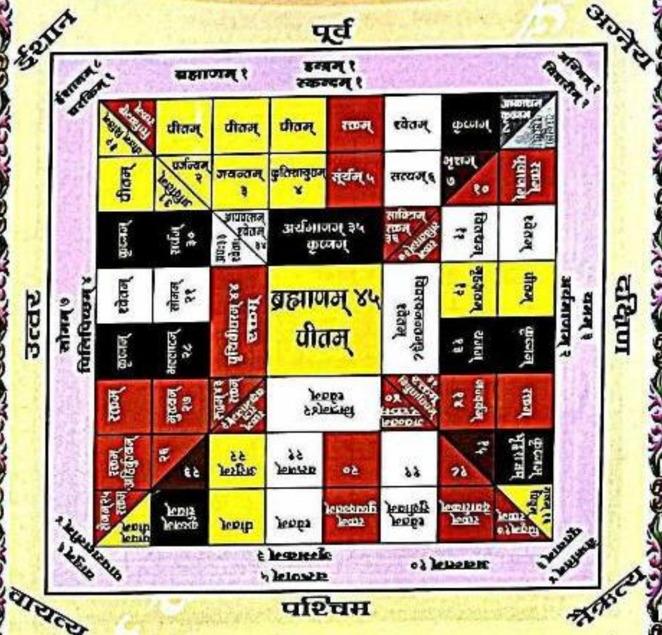
बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी

ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक

किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

प्राचीन श्रीधरी श्रीचंडांशु पञ्चाङ्ग

चतु:षष्टिपदं देववास्तु मण्डलचक्रम्



सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।

बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी

ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक

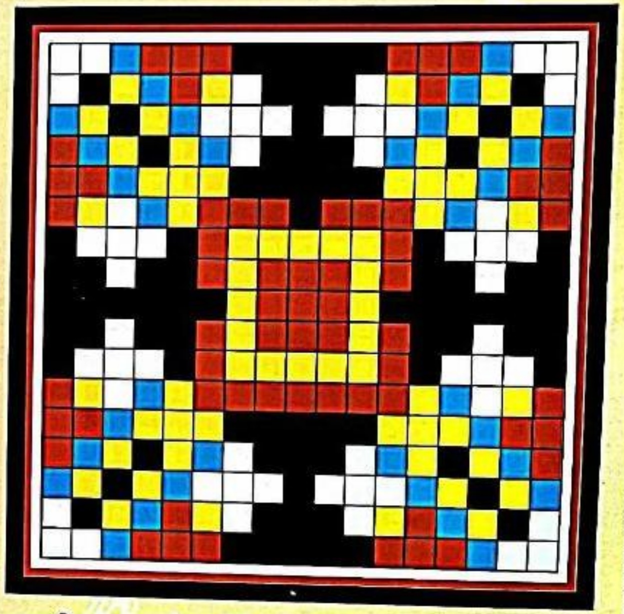
किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

॥ सर्वतोभद्रमण्डलं सरजस्कमिदम्॥



प्राचीन श्रीधरी श्रीचंड़ांशु पञ्चाङ्ग

॥ अथ चतुर्लिंतोभद्रे 32 देवता स्थापनम् ॥



सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि
की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।
बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी
ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक
किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

श्रीधरी पंचांग समझने के लिए संकेताक्षर


स्व. पं. बृजमोहन गौड़

अ.=अश्विनी (नक्षत्र), अतिगंड (योग), अग्नि (पंचक), अक्टूबर, अगस्त, अप्रैल (मास)।
आ. = आर्द्रा (नक्षत्र), आषाढ़, आश्विन (मास)।
अं. = अंग्रेजी (तारीख, मास) अंश। उ. = उपरान्त, उदित, उत्तर। अ. गो. = अन्य गोधूलि (लग्न)।
उ. गो. = उत्तर गोल। उ. भा. = उत्तराभाद्रपद।
पू.भा.= पूर्वाभाद्रपद। ऐं.= ऐन्द्र (योग) क.= कला, कर्क, कन्या (राशि), या. = यावत्
का. = कार्तिक (मास)। क्रा. सा. = क्रान्ति साम्य (महापात)। कृ. = कृतिका (नक्षत्र) कृष्ण पक्ष।

गु. = गुरुवार, गुरु (ग्रह)। गु. दा. = गुरुदान
गो. = गोधूलि, गं.= गंड (योग)। घं. = घंटा, घ.= घटी,
प. = पल। चै. = चैत्र (मास)। चि.=चित्रा (नक्षत्र)
चं. = चन्द्र (वार), चन्द्र (ग्रह)। ज. = जयन्ती, जनवरी (मास)
जू. = जून (मास)। जु.=जुलाई (मास)।
ज्ये. = ज्येष्ठा (नक्षत्र), ज्येष्ठ (मास)।
ता. = तारीख। दि.ल.= दिवा लग्न। द.गो.= दक्षिण गोलीय
ध. = धनु (राशि), धनिष्ठा (नक्षत्र)। ध्रु. = ध्रुव (योग),
धृ. = धृति (योग)। नि. = निम्बार्क (संप्रदाय)। नृ.= नृप (पंचक)
प. = परिघ (योग) पल। प्र.= प्रथम, प्रवेश। प्रा. = प्रारम्भ
प्री. = प्रीति (योग)। फा. = फाल्गुन (मास)। पुन. =पुनर्वसु (नक्षत्र)
पु. = पुष्य (नक्षत्र), पू.षा. =पूर्वाषाढा (नक्षत्र) ब्र. = ब्रह्म (योग)
पू.फा. = पूर्वाफाल्गुनी (नक्षत्र)। बु. = बुध (वार), बुध (ग्रह)
भ. = भद्रा, भरणी (नक्षत्र)। भा. = भाद्रपद (मास) भारतीय (दिनांक)
म. = मघा (नक्षत्र), मकर (राशि), मई (मास)। मा.= मार्गी
मि. = मिथुन (राशि या लग्न), मिनट, मिति

मु. = मुहूर्त, मुसलमानी (दिनांक-मास)
मृ. = मृगशिरा (नक्षत्र), मृत्यु (पंचक)। मे. =मेष (राशि) लग्न
मू. = मूल (नक्षत्र)। मी. =मीन (राशि)। मा.= मार्गशीर्ष, माघ, मार्च (मास)
मं. = मंगल (वार), मंगल (ग्रह)। रे.=रेवती, या. = यावत्
रा. = राहु (ग्रह), राष्ट्रीय, राशि। र. = रवि (वार)
रो = रोहिणी (नक्षत्र), रोग (पंचक)
वृ. = वृद्धि (योग), वृष, वृश्चिक (राशि)
वै. = वैष्णव (संप्रदाय), वैधृति (योग), वैशाख (मास)
वि.मु. = विवाह मुहूर्त, वि. = विशाखा (नक्षत्र), विष्कुंभ (योग)
वि. = विकला, व्र. = व्रत, ल= लग्न। व्य. = व्यतिपात,
व. = वज्र, वरियान (योग), वणिज (करण), वक्रगति
सौ. = सौभाग्य (योग)। सु. = सुकर्मा (योग)। सू.= सूर्यवार, सूर्य (ग्रह)
सि. = सिंह (राशि व लग्न)। सि. = सिद्धि (योग), सितम्बर (मास)
स्वा. = स्वाति (नक्षत्र)। स्मा.= स्मार्त्त (संप्रदाय)।
श्रा. = श्रावण (मास)। सा. = साध्य (योग), सायन
शु. = शुक्रवार, शुक्र (ग्रह), शुक्ल (योग), शुक्ल (पक्ष)
शि. = शिव (योग)। श.दा. = (शनि दान से)
श. = शनि (ग्रह), (शनिवार), शतभिषा (नक्षत्र)
हि. = हिन्दी (मास-तारीख) हिजरी। ह. = हस्त (नक्षत्र), हर्षण योग
सर्वा. = सर्वार्थ सिद्धि योग। अमृत. = अमृतसिद्धि योग।

नोटः-पंचांग में दिये गये घंटा-मिनटों को निमानुसार जानें। सूर्योदय से दोपहर १२ बजे तक घंटा-मिनट सामान्य रूप से देखें। दोपहर १ बजे को १३ घंटा, २ बजे को १४ घंटा, ३ बजे को १५ घंटा, ४ बजे को १६ घंटा, ५ बजे को १७ घंटा, ६ बजे को १८ घंटा, ७ बजे को १९ घंटा, ८ बजे को २० घंटा, ९ बजे को २१ घंटा, १० बजे को २२ घंटा, ११ बजे को २३ घंटा रात्रि १२ बजे को २४ घंटा, रात्रि १ बजे को २५ घं., २ बजे को २६ घं., ३ बजे को २७ घं., ४ बजे को २८ घं., ५ बजे को २९ घं. तथा अगले दिन सूर्योदय नही हुआ तो ६ बजे को ३० घंटा और ७ बजे को ३१ घंटा जाने। इसी अनुरूप पंचांग में समय दिया गया है।

घटी-पल से घंटा-मिनट बनाने की सारिणी

घटी	पल	घंटा	मिनट	घटी	पल	घंटा	मिनट	घटी	पल	घंटा	मिनट	घटी	पल	घंटा	मिनट
१	००	०	२४	८	००	३	१२	१५	००	६	००	२२	००	८	४८
१	३०	०	३६	८	३०	३	२४	१५	३०	६	१२	२२	३०	९	००
२	००	०	४८	९	००	३	३६	१६	००	६	२४	२३	००	९	१२
२	३०	१	००	९	३०	३	४८	१६	३०	६	३६	२३	३०	९	२४
३	००	१	१२	१०	००	४	००	१७	००	६	४८	२४	००	९	३६
३	३०	१	२४	१०	३०	४	१२	१७	३०	७	००	२४	३०	९	४८
४	००	१	३६	११	००	४	२४	१८	००	७	१२	२५	००	१०	००
४	३०	१	४८	११	३०	४	३६	१८	३०	७	२४	२५	३०	१०	१२
५	००	२	००	१२	००	४	४८	१९	००	७	३६	२६	००	१०	२४
५	३०	२	१२	१२	३०	५	००	१९	३०	७	४८	२६	३०	१०	३६
६	००	२	२४	१३	००	५	१२	२०	००	८	००	२७	००	१०	४८
६	३०	२	३६	१३	३०	५	२४	२०	३०	८	१२	२७	३०	११	००
७	००	२	४८	१४	००	५	३६	२१	००	८	२४	२८	००	११	१२
७	३०	३	००	१४	३०	५	४८	२१	३०	८	३६	२८	३०	११	२४

घटी	पल	घंटा	मिनट
२९	००	११	३६
२९	३०	११	४८
३०	००	१२	००

ढैय्या गणना सारिणी

घटी	घंटा	घटी	घंटा
२॥	१	३२॥	१३
५	२	३५	१४
७॥	३	३७॥	१५
१०	४	४०	१६
१२॥	५	४२॥	१७
१५	६	४५	१८
१७॥	७	४७॥	१९
२०	८	५०	२०
२२॥	९	५२॥	२१
२५	१०	५५	२२
२७॥	११	५७॥	२३
३०	१२	६०	२४

घटी पल से घंटा मिनट बनाने की विधि

१ घटी = २४ मिनट। २ घटी = ४८ मिनट। ३० पल = १२ मिनट। १५ पल = ६ मिनट। ७॥ पल = ३ मिनट। २॥ पल = १ मिनट। १ पल = २४ सेकेंड। ६० विपल= १ पल। २॥ विपल = १ सेकेंड। ६० पल = १ घटी। ६० घटी = १ दिन। इसी प्रकार घटी पल में २॥ ढाई का भाग देने से घंटा मिनट प्राप्त होंगे, तथा इनको अभिष्ट दिन के सूर्योदय में जोड़ने पर घंटा-मिनटादि मध्य स्पष्ट समाप्ति काल प्राप्त होंगे।

संपादकः-
पं. आशीष गौड़ (ज्योतिष रत्न)
पुराना शहर, किशनगढ़ (राज.)

-: विषय सूची :-

1

भारतीय व्रत-पर्व-जयंतियां-त्यौहार एवं शासकीय अवकाश संवत् २०८३ सनाब्द २०२६-२०२७

व्रत-पर्व	तारीख-माह	वार
□ चैत्री नवरात्रि प्रारंभ	१९ मार्च	गुरू
▲ चेतीचंद झूलेलाल जयंती	२० मार्च	शुक्र
श्री मत्स्य जयंती दशाऽवतारे	२१ मार्च	शनि
□ श्री गणगौर पूजा	२१ मार्च	शनि
▲ इदुल फितर मीठी ईद	२१ मार्च	शनि
चैत्री दुर्गाष्टमी पूजा	२६ मार्च	गुरू
▲ श्री राम जं. दुर्गा नवमी पूजा	२६ मार्च	गुरू
अनंग त्रयोदशी पर्व	३० मार्च	सोम
▲ श्री महावीर जयंती जैन	३१ मार्च	मंगल
श्री हनुमान प्राकट्योत्सव पर्व	०२ अप्रैल	गुरू
गुरू तेग बहादुर जयंती	०७ अप्रैल	मंगल
गुरू अर्जुनदेव जयंती	०९ अप्रैल	गुरू
▲ ज्येतिबाफूले जयंती	११ अप्रैल	शनि
श्री वल्लभाचार्य जयंती वैष्णव	१३ अप्रैल	सोम
वैशाखी पर्व-श्री खालसा जं.	१४ अप्रैल	मंगल
मेष संक्रान्ति पुण्य	१४ अप्रैल	मंगल
▲ डॉ. अम्बेडकर जन्म	१४ अप्रैल	मंगल
पाराशर ऋषि जयंती	१८ अप्रैल	शनि
श्री छत्रपति शिवाजी जन्म	१९ अप्रैल	रवि
● श्री परशुराम प्राकट्यो.(राज. में)	१९ अप्रै.	रवि
अक्षय तृतीया-आखातीज	१९ अप्रैल	रवि
श्री आद्य शंकराचार्य जयंती	२१ अप्रैल	मंगल
श्री सूरदास जयंती	२१ अप्रैल	मंगल
श्री रामानुजाचार्य ज. उ.भारत में	२२ अप्रैल	बुध
श्री नृसिंह प्राकट्योत्सव पर्व	३० अप्रैल	गुरू
श्री कूर्म जयंती	०१ मई	शुक्र
□ श्री बुद्ध जयंती-पीपल पूनम	०१ मई	शुक्र
कवि टैगोर जयंती	०७ मई	गुरू
वट सावित्री अमावस्या पूजा	१६ मई	शनि
श्री शनि जयंती पर्व	१६ मई	शनि
पुरूषोत्तम अधिक मास प्रा	१७ मई	रवि
रोहिणी रवि-तपनकाल प्रारंभ	२५ मई	सोम
□ श्री गंगादशहरा-स्नान पर्व	२५ मई	सोम
▲ बकरा ईद मुस.	२७ मई	बुध
▲ श्री राणा प्रताप जयंती	१७ जून	बुध
श्रुति पंचमी जैन	१९ जून	शुक्र
अरण्य षष्ठी	२० जून	शनि
वर्षा ऋतु प्रारंभ, रविदक्षिणायणे	२१ जून	रवि

व्रत-पर्व	तारीख-माह	वार
विश्व योग दिवस	२१ जून	रवि
श्री महेश नवमी-माहेश्वरीय	२३ जून	मंगल
श्री बटुक भैरव जयंती	२४ जून	बुध
□ श्री निर्जला एकादशी व्रत	२५ जून	गुरू
▲ मोहर्रम ताजिया-मुस्लिम	२६ जून	शुक्र
वटसावित्री पूजा व्रत ३ दिन	२७-२९ जून	श-सो
□ श्री कबीर जयंती	२९ जून	सोम
गुप्त नवरात्रि प्रारंभ	१५ जुलाई	बुध
□ श्री जगन्नाथ रथयात्रापुरी	१६ जुलाई	गुरू
भड्डली नवमी	२२ जुलाई	बुध
बालगंगाधर तिलक जयंती	२३ जुलाई	गुरू
शहीद चन्द्रशेखर आजाद ज.	२३ जुलाई	गुरू
देवशयनी एकादशी व्रत	२५ जुलाई	शनि
श्री गुरूपूर्णिमा पूजन पर्व	२९ जुलाई	बुध
नागपंचमी-राजस्थाने	०३ अगस्त	सोम
▲ आदिवासी दिवस	०९ अगस्त	रवि
हरियाली अमावस्या पर्व	१२ अगस्त	बुध
हरियाली तीज-झूला तीज	१५ अगस्त	शनि
▲ राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस	१५ अगस्त	शनि
नागपंचमी देशाचारीय	१७ अगस्त	सोम
श्रीकल्की जयंती दशाऽवतारे	१८ अगस्त	मंगल
गोस्वामी तुलसीदास जयंती	१९ अगस्त	बुध
▲ बारहवफात मुस.	२६ अगस्त	बुध
▲ रक्षाबंधन भद्रोपरांत	२८ अगस्त	शुक्र
सातु तीज व्रत पर्व	३१ अगस्त	सोम
बहुला चतुर्थी व्रत	३१ अगस्त	सोम
हलचन्दन षठी उबछठ व्रत	०२ सितम्बर	बुध
▲ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत सर्वे.	०४ सित.	शुक्र
गोगा नवमी, नन्दोत्सव	०५ सितम्बर	शनि
खेड़ापति बालाजी मेला सले.	०६ सितम्बर	रवि
बछबारस गौ सेवा संकल्प	०८ सितम्बर	मंगल
श्री पर्युषण पर्व प्रा. श्वे. जैन	०८ सितम्बर	मंगल
सती पूजा अमावस्या अग्रवंशे	११ सितम्बर	शुक्र
वराह जयंती दशाऽवतारे	१३ सितम्बर	रवि
हरितालिका तीज व्रत	१३ सितम्बर	रवि
□ श्री गणेश जयंती	१४ सितम्बर	सोम
ऋषि पंचमी पर्व,पर्युषण प्रा.	१५ सितम्बर	मंगल

व्रत-पर्व	तारीख-माह	वार
बलदेव छठ, सूर्यषष्ठी	१७ सितम्बर	गुरू
श्रीराधाष्टमी, श्री दधिचि जयंती	१९ सितम्बर	शनि
श्री चन्द्र नवमी	२० सितम्बर	रवि
श्रीरामदेव जं., तेजादशमी	२१ सितम्बर	सोम
जलझूलनी ११ व्रत फूलडोल	२२ सितम्बर	मंगल
श्री वामन जं. दशाऽवतारे	२३ सितम्बर	बुध
अनन्त चतुर्दशी पर्व	२५ सितम्बर	शुक्र
महालय श्राद्धपक्षारंभ	२६ सितम्बर	शनि
शहीद भगतसिंह जयंती	२८ सितम्बर	सोम
☆ बैंक अर्द्धवार्षिक लेखा.	३० सितम्बर	बुध
▲ श्री गांधी-शास्त्री जयंती	०२ अक्टूबर	शुक्र
सर्वपितृ अमावस्या तर्पण	१० अक्टूबर	शनि
▲ नवरात्रि प्रा., अग्रसेन ज.	११ अक्टूबर	रवि
दुर्गाष्टमी पूजा, महाष्टमी पूजा	१९ अक्टूबर	सोम
महानवमी पूजा, दुर्गानवमी	२० अक्टूबर	मंगल
▲ विजयादशमी दशहरा	२० अक्टूबर	मंगल
शरद पूर्णिमा महोत्सव	२५ अक्टूबर	रवि
□ श्री वाल्मिकी जयंती	२६ अक्टूबर	सोम
करक-करवा चतुर्थी व्रत	२९ अक्टूबर	गुरू
अहोई अष्टमी पूजा	०१ नवम्बर	रवि
धनतेरस-यमदीपदान	०६ नवम्बर	शुक्र
नरक-रूपचतुर्दशी स्नान	०८ नवम्बर	रवि
▲ दीपावली महालक्ष्मी पूजा	०८ नवम्बर	रवि
श्रीमहावीर स्वामी निर्वाण	०९ नवम्बर	सोम
▲ अन्नकूट, गोवर्धन पूजा	१० नवम्बर	मंगल
भाई दूज, यम द्वितीया	११ नवम्बर	बुध
सौभाग्य लाभ पंचमी	१४ नवम्बर	शनि
सूर्यषष्ठी डालाषष्ठी	१५ नवम्बर	रवि
गोपाष्टमी गौसेवा संकल्प	१७ नवम्बर	मंगल
देवप्रबोधिनी ११ व्रत	२०-२१ नव.	शु-श.
वैकुण्ठ चवदश	२३ नवम्बर	सोम
▲ गुरूनानक जयंती	२४ नवम्बर	मंगल
श्री पुष्करराज स्नान मेला	२४ नवम्बर	मंगल
श्री काल भैरवाष्टमी	०१ दिसम्बर	मंगल
धनु संक्रान्ति मलमास प्रा.	१६ दिसम्बर	बुध
मोक्षदा एकादशी व्रत	२० दिसम्बर	रवि
श्री गीता जयंती पर्व	२० दिसम्बर	रवि

व्रत-पर्व	तारीख-माह	वार
श्रीदत्त प्रभु जयंती	२३ दिसम्बर	बुध
▲ ईसा जन्म क्रिसमस डे	२५ दिसम्बर	शुक्र
ईस्वी वर्ष पूर्णता	३१ दिसम्बर	गुरू
ईस्वी नववर्ष २०२७ प्रारम्भ	०१ जन.२७	शुक्र
श्रीपार्श्वनाथ ज., पौषी दशमी	०२ जनवरी	शनि
स्वामी विवेकानन्द जन्म ता.से	१२ जनवरी	मंगल
□ लोहड़ी पर्व पंजाब	१३ जनवरी	बुध
□ मकर संक्रान्ति पर्व	१४ जनवरी	गुरू
पुत्रदा एकादशी व्रत	१८-१९ जन.	चं.-मं.
नेताजी सुभाष जयंती	२३ जनवरी	शनि
माघी संकष्ट तिल चतुर्थी व्रत	२५ जनवरी	सोम
▲ राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस	२६ जनवरी	मंगल
विवेकानन्द-रामानन्दाचार्य ज.	२८ जनवरी	गुरू
श्री गांधी पुण्य दिवस	३० जनवरी	शनि
गुप्त नवरात्रा प्रारम्भ	०७ फरवरी	रवि
□ सरस्वती ज. बसंत पंचमी	११ फरवरी	गुरू
नर्मदा जयंती, देवनारायण ज.	१३ फरवरी	शनि
□ विश्वकर्मा ज.,गोरखनाथ ज.	१९ फरवरी	शुक्र
रामस्नेही जयंती शाहपुरा	२० फरवरी	शनि
गुरू रविदास जयंती	२० फरवरी	शनि
दुर्मतिनाम संवत्सर ५५वां प्रारंभ	२० फरवरी	शनि
▲ महाशिवरात्रि व्रत	०६ मार्च	शनि
दयानन्द बोधोत्सव	०७ मार्च	रवि
शिवखप्पर पूजा	०८ मार्च	सोम
श्री रामकृष्ण परमहंस जंयती	१० मार्च	बुध
श्री दादूदयाल ज., होलाष्टक प्रा.	१६ मार्च	मंगल
श्री खाटूश्याम जी मेला	१८ मार्च	गुरू
▲ होलिका दहन पर्व	२१ मार्च	रवि
चैतन्य महाप्रभु जंयती	२२ मार्च	सोम
▲ छारंडी-धुलंडी	२२ मार्च	सोम
▲ गुड फ्राईडे	२६ मार्च	शुक्र
श्री रंग पंचमी	२७ मार्च	शनि
शीलसप्तमी पूजा बासोड़ा	२९ मार्च	सोम
शीतलाष्टमी पूजा	३० मार्च	मंगल
दशामाता व्रत	०१ अप्रैल	गुरू
पापमोचिनी ११ व्रत	०२-०३ अप्रैल	शु-श
रंगतेरस	०४ अप्रैल	रवि
चांद्र वर्ष पूर्ति सम्वत् २०८३	०६ अप्रैल	मंगल

अवकाश हेतु सूचना- (१) इस चिन्ह ☆ के अवकाश केवल बैंक व्यवस्था में ही मान्य है। (२) इस चिन्ह □ के अवकाश सभी प्रांतो में मान्य नहीं। माननीय जिलाधीश महोदय की आज्ञा अनुसार मान्य। (३) ▲ चिन्ह के अवकाश समूचे राज./भारत में मान्य रहेंगे। वर्ष पर्यंत प्रत्येक मास के रविवार एवं द्वितीय शनिवार को शासकीय अवकाश मान्य रहेगा एवं कई प्रान्तों में चारों शनिवार को भी स्वीकृत प्रशासनिक विभागों में अवकाश मान्य रहेगा। (४) कई बार स्थान भेद, चन्द्रदर्शन विभेद वश तथा धर्म सम्प्रदाय तिथि विभेद एवं मतान्तर स्थिति के कारण १ दिन का अन्तर भी मान्य हो सकता है। (५) चन्द्रदर्शन विभेद वश तारीख आगे पीछे हो जाने पर इन मुस्लिम त्यौंहारों के दिन में १ दिन का अन्तर संभव है। (६) पाठकगण सरकारी गजट आने पर अवकाश का मिलान अवश्य कर लेवें।

विभिन्न संवत् एवं वर्ष ज्ञानाय परिपत्र

श्री विक्रम संवत् २०८३
श्री राष्ट्रीय शाक: १९४८
श्री वल्लभाब्द ५४८-५४९
श्री ईस्वी सन् २०२६-२७
श्री रामानुजाब्द १०१०-११
श्री रामानन्दाब्द ७२८-२९
श्री बुद्ध संवत् २५६९-७०
मलयालम् वर्ष १७०१-१७०२
श्री रामचरणाब्द ३०७-३०८
श्री कृष्ण संवत् ५२५२-५३
श्री निम्बार्काब्द ५१२२-२३
पारसी शहंशाही १३९५-९६
भारत स्वातंत्र्य संवत् ७९-८०
श्री कबीराब्द वर्ष ६२८-२९
श्री फसली बंगाली १४३२-३३
हिजरी मुस्लिम सन् १४४७-४८
श्री खालसा सिक्ख पंथ ३२६-२७
श्री महावीर जैन संवत् २५५२-५३
श्री हरिदासाब्द वृन्दावने ५४७-४८
श्री खरतरगच्छ श्री संघ संवत् १००३
श्री जैन राजेन्द्र गुरू संवत् ११९-१२०

दिन का चौघड़िया

६ बजे से प्रातः के समय	चौघ.	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
६ से ७.३०	पहली	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ	चंच.	काल
७.३० से ९	दूसरी	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ
९ से १०.३०	तीसरी	लाभ	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग
१०.३० से १२	चौथी	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.
१२ से १.३०	पांचवी	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ	चंच.
१.३० से ३	छठवीं	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ
३ से ४.३०	सातवीं	रोग	लाभ	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.
४.३०से६शाम	आठवीं	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ	चंच.	काल

रात का चौघड़िया

६ बजे से रात के समय	चौघ.	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
६ से ७.३०	पहली	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ
७.३० से ९	दूसरी	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.
९ से १०.३०	तीसरी	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ
१०.३० से १२	चौथी	रोग	लाभ	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.
१२ से १.३०	पांचवी	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ	चंच.
१.३० से ३	छठवीं	लाभ	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग
३ से ४.३०	सातवीं	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ	शुभ	चंच.	काल
४.३० से ६	आठवीं	शुभ	चंच.	काल	उद्वे.	अमृ.	रोग	लाभ

शुभकार्य हेतु चौघड़िया मुहूर्तः- जब कभी नक्षत्र, वार और योगादि के अनुसार शुभ मुहूर्त्त नहीं मिले तब चौघड़िया (चौघटिका वेला) का मुहूर्त्त मान्य कहा गया है। इस मुहूर्त्त के अनुसार यात्रा, राजकार्य, अधिकारियों अथवा वांछित उत्तम पुरूषों से संपर्क, वाहन चालन अथवा नये कार्य का आरंभ किया जाना शुभ माना गया है। दिन और रात दोनों को आठ-आठ भागों में विभक्त करने पर दिन के आठ ओर रात के आठ चौघड़िया बन जाते है। स्थुल मान से एक चौघड़िया १.३० घण्टे का होता है। इसमें अमृत, शुभ और लाभ चौघड़िये शुभ होते है। उद्वेग और चंचल चोघड़िये चिंता देने वाले होते है ओर रोग तथा काल चौघड़िये नेष्ट फल देने वाले माने गये हैं। (इस प्रकार कुल ७ चौघड़िये होते है एक चौघड़िया की आवृत्ति होती है।) दिन का प्रथम चौघड़िया सूर्योदय के साथ तथा रात का चौघड़िया सूर्यास्त के साथ प्रांरभ होता है। तालिकाओं में १२ घण्टे का दिन और १२ घण्टे की रात मान कर मध्यमान से सूर्योदय प्रातः ६ बजे और सूर्यास्त सांय ६ बजे मानते हुए समयावधि दी गई है। चौघड़िया का सही समय जानने के लिए दिनमान अथवा रात्रिमान को ८ का भाग देकर प्रत्येक चौघड़िये का समय निकालकर फिर सूर्योदय अथवा सूर्यास्त में उस अवधि को क्रम से जोड़ते हुए वांछित चौघड़िये का समय प्राप्त किया जा सकता है। □□□

वार	समय	राहुकाल वेला	समय	गुलिक कालम्	समय	यमगण्डम्
रवि	सायं	०४।३० से ०६।००	दिवा	०३।०० से ०४।३०	दिवा	१२।०० से ०१।३०
सोम	प्रातः	०७।३० से ०९।००	दिवा	०१।३० से ०३।००	प्रातः	१०।३० से १२।००
मंगल	दिवा	०३।०० से ०४।३०	दिवा	१२।०० से ०१।३०	प्रातः	०९।०० से १०।३०
बुध	दिवा	१२।०० से ०१।३०	प्रातः	१०।३० से १२।००	प्रातः	०७।३० से ०९।००
गुरू	दिवा	०१।३० से ०३।००	प्रातः	०९।०० से १०।३०	प्रातः	०६।०० से ०७।३०
शुक्र	प्रातः	१०।३० से १२।००	प्रातः	०७।३० से ०९।००	दिवा	०३।०० से ०४।३०
शनि	प्रातः	०९।०० से १०।३०	प्रातः	०६।०० से ०७।३०	दिवा	०१।३० से ०३।००

आश्लेषा नक्षत्र	
प्रथम-५ घटी	ऐश्वर्य प्राप्ति
द्वितीय- ७ घटी	पिता को कष्ट
तृतीय- २ घटी	माता को कष्ट
चतुर्थ- ३ घटी	कामी
पंचम- ४ घटी	पितृ भंक्ति
षष्ठी- ८ घटी	शक्ति सम्पन्न
सप्तम- ११ घटी	स्वतः को दुखदायी
अष्टम- ६ घटी	त्यागी
नवम- ९ घटी	भोगी
दशम- ५ घटी	धनवान

ज्येष्ठा नक्षत्र	
प्रथम-६ घटी	नानी को अशुभ
द्वितीय- ६ घटी	नाना को कष्ट
तृतीय- ६ घटी	मामा को कष्ट
चतुर्थ- ६ घटी	माता को कष्ट
पंचम- ६ घटी	स्वयं को कष्ट
षष्ठी- ६ घटी	कुटुम्बी को कष्ट
सप्तम- ६ घटी	माता-पिता-कुल कष्ट
अष्टम- ६ घटी	बड़े भाई को कष्ट
नवम- ६ घटी	श्वसुर को कष्ट
दशम- ६ घटी	कुटुम्ब को कष्ट

मूल नक्षत्र	
प्रथम-८ घटी	मूल- खराब
द्वितीय-६ घटी	तना- धन हानि
तृतीय-११ घटी	छाल-भ्रातृनाश
चतुर्थ-९ घटी	डालियां-मातृ कष्ट
पंचम-१४ घटी	पत्ते-परिवारक्षय
षष्ठी-६ घटी	पुष्प-ऐश्वर्यप्राप्ति
सप्तम-४ घटी	फल-राजसुख
अष्टम-३ घटी	शिखा-अल्पायु

ॐ ॐ सर्वकार्यसिद्धि होरा मुहूर्त चक्र ॐ ॐ

घण्टा⇨ वार ⇩	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
सूर्य	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु
चंद्र	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु
मंगल	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु
बुध	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श
गुरू	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू
शुक्र	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं
शनि	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं

ॐ ☆ सर्वकार्यसिद्धि होरा मुहूर्त्त विचार ॐ ☆

विधिः- सर्वकार्य सिद्धि के लिए होरा मुहूर्त्त पूर्ण फलदायक और अचूक है। पाठक इसका प्रयोग कर अपना मनोरथ सफल करेंगें। सात ग्रहों के सात होरे है जो दिन रात के २४ घण्टों में घूमकर मनुष्य को कार्य सिद्धि के लिए अशुभ समय में सुसमय सुअवसर प्रदान करते है। प्रत्येक वार को सूर्योदय के समय उसी वार की पहली होरा एक घण्टे की होती है। दिन-रात के २४ घण्टों में २४ होरे व्यतीत होने से अगले वार के सूर्योदय के समय उसी वार के स्वामी की होरा आ जाती है। होरा का समय ढाई घटी यानि एक घण्टा का होता है। इस प्रकार प्रत्येक घण्टे पर होरा बदल जाती है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वराशि के स्वामी ग्रह के शत्रु ग्रहों की होरा में शुभ कार्यो का त्याग कर देना चाहिये, अन्यथा अशुभ फल प्राप्त होगा। स्वराशि को भिन्न ग्रहों की होरा में कार्य आरम्भ श्रेयस्कर होता है। □□□

किस ग्रह की होरा में कोनसा कार्य करें- (१) सूर्य की होराः- नौकरी व राजकार्य (चार्ज लेन देन के लिए अच्छा होता है) निविदा कार्य। (२) चन्द की होराः- सर्वसिद्धि कारक है। (३) मंगल की होराः- द्युत, यात्रा, कर्ज देना, सभा सोसायटी में जाना, मुकदमा, युद्ध विवाद, कलह आदि के लिए उत्तम है। (४) बुध की होराः- ज्ञानार्जन, कोष संग्रह, नवीन व्यापार करना, नवीन लेख, पुस्तक प्रकाशन, प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के लिए शुभ होती है। (५) गुरू की होराः- विवाह संबंधी कार्य एवं बुध की होरा में किये जाने वाले सभी कार्य शुभ होते है। (६) शुक्र की होराः- यात्रा, आभुषण, नवीन वस्त्र धारण, सौभाग्यवर्धन कार्य व सिनेमा शूटिंग के कार्यो के लिए शुभ होती है। (७) शनि की होराः- द्रव्य संग्रह, लोह लक्खड़, खदान, पैट्रोल, पदार्थ, चमड़ा, योग, साधना, स्थिर कार्यो के लिए शुभ होती है। उदाहरणः- कल्पना कीजिए कि आज सूर्यवार है, किसी व्यापार का आरंभ करना है तो सूर्योदय से तीसरी १०, १७, २४ वीं होरा बुध की है, जिससे संबंधित कार्य किये जा सकते है। इसी प्रकार अन्य कार्यो को करने के लिए होरा मुहूर्त्त का विचार करना चाहिये। २४ घण्टे में कब कोनसी होरा है- जानने के लिए निम्न चक्र देखें। □□□

मूल नक्षत्र एवं शान्ति विचारः- शांति उपाय अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल और रेवती ये ६ नक्षत्र मूल नक्षत्र कहलाते है। इन नक्षत्रों में जन्म लेने वाले बालक या बालिका को मूल पड़ने की संज्ञा दी जाती है। ऐसे शिशु का मुख मूल शांति तक पिता को देखना वर्जित है। मूल शांति १२ वें दिन या उसी नक्षत्र के २६, २७, २८वें दिन करना चाहिये। मूल शांति के पहले यदि अभाग्य से पिता की मृत्यु हो जावें तो मूल शांति कराना व्यर्थ है। मूल नक्षत्रों का फलः- मूल नक्षत्रों का फल केवल अशुभ ही नहीं होता है, वरन् शुभ भी होता है। अश्विनी, मघा तथा मूल के प्रथम चरण मे पिता के लिए, द्वितीय चरण माता के लिए, तृतीय चरण धन के लिए अशुभ होता है तथा चतुर्थ चरण शुभ होता है। इसी प्रकार आश्लेषा, ज्येष्ठा एवं रेवती के प्रथम चरण का फल शुभ तथा द्वितीय चरण धन के लिए, तृतीय चरण माता के लिए और चतुर्थ चरण पिता के लिए अशुभ होता है। मूल की शांति कराने से दोष नष्ट हो जाता है। मूल शांति के पश्चात् पिता शिशु का मुख देखें। बड़े मूलों का घटी के अनुसार भी फलाफल माना गया है जो निम्नानुसार है-सारणी में जो १० भाग दिये गये हे वे आश्लेषा नक्षत्र का समय ६० घटी मानकर २४ घण्टे किये गये है। २४ मिनट=१घटी। यदि सम्पूर्ण अश्लेषा नक्षत्र ६० से अधिक या कम घटीयों का होतो उसी अनुपात से प्रत्येक भाग को घटाया या बढाया जाना चाहिये।

विक्रम संवत् २०८३ (सन् २०२६-२०२७) में रविवार के (दिवा के) श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय एवं अभिजित् मुहूर्त

दिनांक / मास	चंचल का चौघड़िया प्रातः	लाभ-अमृत का चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहर्त्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया अपराह्न
२२ मार्च२६	०८।१४ से ०९।४४	०९।४४ से १२।४५	१२।२१ से १३।०९	१४।१५ से १५।४५
२९ मार्च	०८।०८ से ०९।३९	०९।३९ से १२।४३	१२।१८ से १३।०७	१४।१४ से १५।४६
०५ अप्रैल	०८।०२ से ०९।३५	०९।३५ से १२।४१	१२।१६ से १३।०५	१४।१४ से १५।४७
१२ अप्रैल	०७।५६ से ०९।३०	०९।३० से १२।३९	१२।१४ से १३।०४	१४।१३ से १५।४७
१९ अप्रैल	०७।५० से ०९।२६	०९।२६ से १२।३७	१२।१२ से १३।०३	१४।१३ से १५।४८
२६ अप्रैल	०७।४५ से ०९।२२	०९।२२ से १२।३६	१२।१० से १३।०२	१४।१३ से १५।४९
०३ मई	०७।४१ से ०९।१९	०९।१९ से १२।३५	१२।०९ से १३।०१	१४।१३ से १५।५१
१० मई	०७।३७ से ०९।१६	०९।१६ से १२।३४	१२।०८ से १३।०१	१४।१३ से १५।५२
१७ मई	०७।३४ से ०९।१४	०९।१४ से १२।३४	१२।०८ से १३।०१	१४।१४ से १५।५४
२४ मई	०७।३२ से ०९।१३	०९।१३ से १२।३५	१२।०८ से १३।०२	१४।१६ से १५।५६
३१ मई	०७।३१ से ०९।१२	०९।१२ से १२।३५	१२।०८ से १३।०३	१४।१७ से १५।५८
०७ जून	०७।३१ से ०९।१३	०९।१३ से १२।३७	१२।०९ से १३।०४	१४।१९ से १६।०१
१४ जून	०७।३१ से ०९।१३	०९।१३ से १२।३८	१२।११ से १३।०५	१४।२० से १६।०३
२१ जून	०७।३२ से ०९।१५	०९।१५ से १२।४०	१२।१२ से १३।०७	१४।२२ से १६।०४
२८ जून	०७।३४ से ०९।१६	०९।१६ से १२।४१	१२।१४ से १३।०८	१४।२३ से १६।०६
०५ जुलाई	०७।३६ से ०९।१८	०९।१८ से १२।४२	१२।१५ से १३।०९	१४।२४ से १६।०६
१२ जुलाई	०७।३९ से ०९।२०	०९।२० से १२।४३	१२।१६ से १३।१०	१४।२५ से १६।०६
१९ जुलाई	०७।४१ से ०९।२२	०९।२२ से १२।४४	१२।१७ से १३।११	१४।२५ से १६।०६
२६ जुलाई	०७।४४ से ०९।२४	०९।२४ से १२।४४	१२।१७ से १३।११	१४।२४ से १६।०४
०२ अग.	०७।४७ से ०९।२६	०९।२६ से १२।४४	१२।१७ से १३।१०	१४।२३ से १६।०२
०९ अग.	०७।४९ से ०९।२७	०९।२७ से १२।४३	१२।१७ से १३।०९	१४।२१ से १५।५९
१६ अग.	०७।५१ से ०९।२८	०९।२८ से १२।४२	१२।१६ से १३।०८	१४।१९ से १५।५६
२३ अग.	०७।५३ से ०९।२९	०९।२९ से १२।४०	१२।१५ से १३।०६	१४।१६ से १५।५२
३० अग.	०७।५५ से ०९।२९	०९।२९ से १२।३८	१२।१३ से १३।०३	१४।१३ से १५।४७
०६ सितं.	०७।५६ से ०९।३०	०९।३० से १२।३६	१२।११ से १३।०१	१४।०९ से १५।४२
१३ सितं.	०७।५८ से ०९।३०	०९।३० से १२।३४	१२।०९ से १२।५८	१४।०५ से १५।३७
२० सितं.	०८।०० से ०९।३०	०९।३० से १२।३१	१२।०७ से १२।५५	१४।०२ से १५।३२
२७ सितं.	०८।०१ से ०९।३०	०९।३० से १२।२९	१२।०५ से १२।५२	१३।५८ से १५।२७

दिनांक / मास	चंचल का चौघड़िया प्रातः	लाभ-अमृत का चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहर्त्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया अपराह्न
०४ अक्टू.	०८।०३ से ०९।३१	०९।३१ से १२।२६	१२।०३ से १२।५०	१३।५४ से १५।२२
११ अक्टू.	०८।०५ से ०९।३१	०९।३१ से १२।२४	१२।०१ से १२।४७	१३।५१ से १५।१७
१८ अक्टू.	०८।०७ से ०९।३२	०९।३२ से १२।२३	१२।०० से १२।४५	१३।४८ से १५।१३
२५ अक्टू.	०८।१० से ०९।३४	०९।३४ से १२।२२	११।५९ से १२।४४	१३।४६ से १५।०९
०१ नवम्बर	०८।१३ से ०९।३६	०९।३६ से १२।२१	११।५९ से १२।४३	१३।४४ से १५।०७
०८ नवम्बर	०८।१७ से ०९।३८	०९।३८ से १२।२१	१२।०० से १२।४३	१३।४३ से १५।०४
१५ नवम्बर	०८।२१ से ०९।४१	०९।४१ से १२।२२	१२।०१ से १२।४४	१३।४३ से १५।०३
२२ नवम्बर	०८।२५ से ०९।४५	०९।४५ से १२।२४	१२।०२ से १२।४५	१३।४३ से १५।०३
२९ नवम्बर	०८।२९ से ०९।४८	०९।४८ से १२।२६	१२।०५ से १२।४७	१३।४५ से १५।०३
०६ दिस.	०८।३४ से ०९।५२	०९।५२ से १२।२९	१२।०८ से १२।४९	१३।४७ से १५।०५
१३ दिस.	०८।३८ से ०९।५६	०९।५६ से १२।३२	१२।११ से १२।५३	१३।५० से १५।०७
२० दिस.	०८।४२ से १०।००	१०।०० से १२।३५	१२।१४ से १२।५६	१३।५३ से १५।१०
२७ दिस.	०८।४६ से १०।०३	१०।०३ से १२।३९	१२।१८ से १२।५९	१३।५६ से १५।१४
०३ जन.२७	०८।४८ से १०।०६	१०।०६ से १२।४२	१२।२१ से १३।०३	१४।०० से १५।१८
१० जनवरी	०८।५० से १०।०८	१०।०८ से १२।४५	१२।२४ से १३।०६	१४।०४ से १५।२२
१७ जनवरी	०८।५० से १०।०९	१०।०९ से १२।४८	१२।२७ से १३।०९	१४।०७ से १५।२६
२४ जनवरी	०८।५० से १०।१०	१०।१० से १२।५०	१२।२८ से १३।११	१४।१० से १५।३०
३१ जनवरी	०८।४८ से १०।०९	१०।०९ से १२।५१	१२।३० से १३।१३	१४।१२ से १५।३३
०७ फरवरी	०८।४५ से १०।०८	१०।०८ से १२।५२	१२।३० से १३।१४	१४।१४ से १५।३६
१४ फरवरी	०८।४२ से १०।०५	१०।०५ से १२।५२	१२।३० से १३।१४	१४।१५ से १५।३९
२१ फरवरी	०८।३७ से १०।०२	१०।०२ से १२।५२	१२।२९ से १३।१४	१४।१६ से १५।४१
२८ फरवरी	०८।३३ से ०९।५८	०९।५८ से १२।५०	१२।२८ से १३।१३	१४।१६ से १५।४२
०७ मार्च	०८।२७ से ०९।५४	०९।५४ से १२।४९	१२।२६ से १३।१२	१४।१६ से १५।४४
१४ मार्च	०८।२१ से ०९।५०	०९।५० से १२।४७	१२।२४ से १३।११	१४।१६ से १५।४५
२१ मार्च	०८।१५ से ०९।४५	०९।४५ से १२।४५	१२।२१ से १३।०९	१४।१५ से १५।४५
२८ मार्च	०८।०९ से ०९।४०	०९।४० से १२।४३	१२।१९ से १३।०७	१४।१५ से १५।४६
०४ अप्रैल	०८।०३ से ०९।३५	०९।३५ से १२।४१	१२।१६ से १३।०६	१४।१४ से १५।४७

विक्रम संवत् २०८३ (सन् २०२६-२०२७) में सोमवार के (दिवा के) श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय एवं अभिजित् मुहूर्त

दिनांक / मास	अमृत का चौघड़िया प्रातः	शुभ का चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहूर्त मध्याह्न	चंचल-लाभ-अमृत चौघड़िया अपराह्न	दिनांक / मास	अमृत का चौघड़िया प्रातः	शुभ का चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहूर्त मध्याह्न	चंचल-लाभ-अमृत चौघड़िया अपराह्न
२३ मार्च२६	०६।४३ से ०८।१३	०९।४४ से ११।१४	१२।२० से १३।०९	१४।१५ से १८।४७	०५ अक्टू.	०६।३६ से ०८।०३	०९।३१ से १०।५८	१२।०३ से १२।४९	१३।५४ से १८।१६
३० मार्च	०६।३५ से ०८।०७	०९।३९ से ११।११	१२।१८ से १३।०७	१४।१४ से १८।५०	१२ अक्टू.	०६।३९ से ०८।०५	०९।३२ से १०।५८	१२।०१ से १२।४७	१३।५० से १८।०९
०६ अप्रैल	०६।२८ से ०८।०१	०९।३४ से ११।०७	१२।१६ से १३।०५	१४।१४ से १८।५३	१९ अक्टू.	०६।४३ से ०८।०८	०९।३३ से १०।५८	१२।०० से १२।४५	१३।४८ से १८।०२
१३ अप्रैल	०६।२० से ०७।५५	०९।२९ से ११।०४	१२।१३ से १३।०४	१४।१३ से १८।५७	२६ अक्टू.	०६।४७ से ०८।१०	०९।३४ से १०।५८	११।५९ से १२।४४	१३।४५ से १७।५६
२०अप्रैल	०६।१४ से ०७।४९	०९।२५ से ११।०१	१२।११ से १३।०२	१४।१३ से १९।००	०२ नवं.	०६।५१ से ०८।१४	०९।३६ से १०।५९	११।५९ से १२।४३	१३।४४ से १७।५१
२७ अप्रैल	०६।०८ से ०७।४५	०९।२२ से १०।५९	१२।१० से १३।०१	१४।१३ से १९।०४	०९ नवं.	०६।५६ से ०८।१७	०९।३९ से ११।००	१२।०० से १२।४३	१३।४३ से १७।४७
०४ मई	०६।०२ से ०७।४०	०९।१८ से १०।५७	१२।०९ से १३।०१	१४।१३ से १९।०७	१६ नवं.	०७।०१ से ०८।२१	०९।४२ से ११।०२	१२।०१ से १२।४४	१३।४३ से १७।४४
११ मई	०५।५७ से ०७।३७	०९।१६ से १०।५५	१२।०८ से १३।०१	१४।१३ से १९।११	२३ नवं.	०७।०६ से ०८।२६	०९।४५ से ११।०५	१२।०३ से १२।४५	१३।४३ से १७।४२
१८ मई	०५।५४ से ०७।३४	०९।१४ से १०।५४	१२।०८ से १३।०१	१४।१४ से १९।१५	३० नवं.	०७।११ से ०८।३०	०९।४९ से ११।०८	१२।०५ से १२।४७	१३।४५ से १७।४१
२५ मई	०५।५१ से ०७।३२	०९।१३ से १०।५४	१२।०८ से १३।०२	१४।१६ से १९।१८	०७ दिस.	०७।१६ से ०८।३५	०९।५३ से ११।११	१२।०८ से १२।५०	१३।४७ से १७।४२
०१ जून	०५।४९ से ०७।३१	०९।१२ से १०।५४	१२।०९ से १३।०३	१४।१७ से १९।२२	१४ दिस.	०७।२१ से ०८।३९	०९।५७ से ११।१४	१२।१२ से १२।५३	१३।५० से १७।४३
०८ जून	०५।४९ से ०७।३१	०९।१३ से १०।५५	१२।१० से १३।०४	१४।१९ से १९।२५	२१ दिस.	०७।२५ से ०८।४३	१०।०० से ११।१८	१२।१५ से १२।५६	१३।५३ से १७।४६
१५ जून	०५।४९ से ०७।३१	०९।१४ से १०।५६	१२।११ से १३।०६	१४।२१ से १९।२८	२८ दिस.	०७।२८ से ०८।४६	१०।०४ से ११।२१	१२।१८ से १३।००	१३।५७ से १७।५०
२२ जून	०५।५० से ०७।३३	०९।१५ से १०।५७	१२।१२ से १३।०७	१४।२२ से १९।२९	०४ जन.२७	०७।३० से ०८।४८	१०।०६ से ११।२४	१२।२२ से १३।०३	१४।०१ से १७।५५
२९ जून	०५।५२ से ०७।३४	०९।१७ से १०।५९	१२।१४ से १३।०८	१४।२३ से १९।३०	११ जन.	०७।३१ से ०८।५०	१०।०८ से ११।२७	१२।२५ से १३।०७	१४।०४ से १८।००
०६ जुलाई	०५।५५ से ०७।३७	०९।१९ से ११।००	१२।१५ से १३।१०	१४।२४ से १९।३०	१८ जन.	०७।३१ से ०८।५०	१०।०९ से ११।२९	१२।२७ से १३।०९	१४।०७ से १८।०५
१३ जुलाई	०५।५८ से ०७।३९	०९।२१ से ११।०२	१२।१६ से १३।१०	१४।२५ से १९।२९	२५ जन.	०७।२९ से ०८।४९	१०।१० से ११।३०	१२।२९ से १३।११	१४।१० से १८।११
२० जुलाई	०६।०१ से ०७।४२	०९।२३ से ११।०३	१२।१७ से १३।११	१४।२५ से १९।२७	०१ फर.	०७।२६ से ०८।४८	१०।०९ से ११।३०	१२।३० से १३।१३	१४।१३ से १८।१६
२७ जुलाई	०६।०५ से ०७।४४	०९।२४ से ११।०४	१२।१८ से १३।११	१४।२४ से १९।२४	०८ फर.	०७।२३ से ०८।४५	१०।०७ से ११।३०	१२।३० से १३।१४	१४।१४ से १८।२१
०३ अग.	०६।०८ से ०७।४७	०९।२६ से ११।०५	१२।१७ से १३।१०	१४।२३ से १९।२०	१५ फर.	०७।१८ से ०८।४१	१०।०५ से ११।२८	१२।३० से १३।१४	१४।१६ से १८।२६
१० अग.	०६।११ से ०७।४९	०९।२७ से ११।०५	१२।१७ से १३।०९	१४।२१ से १९।१५	२२ फर.	०७।१२ से ०८।३७	१०।०२ से ११।२७	१२।२९ से १३।१४	१४।१६ से १८।३१
१७ अग.	०६।१५ से ०७।५१	०९।२८ से ११।०५	१२।१६ से १३।०७	१४।१८ से १९।०९	०१ मार्च	०७।०६ से ०८।३२	०९।५८ से ११।२४	१२।२७ से १३।१३	१४।१६ से १८।३५
२४ अग.	०६।१८ से ०७।५३	०९।२९ से ११।०४	१२।१५ से १३।०५	१४।१६ से १९।०२	०८ मार्च	०६।५९ से ०८।२६	०९।५४ से ११।२१	१२।२५ से १३।१२	१४।१६ से १८।३९
३१ अग.	०६।२१ से ०७।५५	०९।२९ से ११।०४	१२।१३ से १३।०३	१४।१२ से १८।५५	१५ मार्च	०६।५१ से ०८।२०	०९।४९ से ११।१८	१२।२३ से १३।११	१४।१६ से १८।४३
०७ सितं.	०६।२४ से ०७।५७	०९।३० से ११।०३	१२।११ से १३।००	१४।०९ से १८।४८	२२ मार्च	०६।४४ से ०८।१४	०९।४४ से ११।१५	१२।२१ से १३।०९	१४।१५ से १८।४६
१४ सितं.	०६।२७ से ०७।५८	०९।३० से ११।०२	१२।०९ से १२।५८	१४।०५ से १८।४०	२९ मार्च	०६।३६ से ०८।०८	०९।४० से ११।११	१२।१८ से १३।०७	१४।१४ से १८।४९
२१ सितं.	०६।२९ से ०८।००	०९।३० से ११।००	१२।०७ से १२।५५	१४।०१ से १८।३२	०५ अप्रैल	०६।२९ से ०८।०२	०९।३५ से ११।०८	१२।१६ से १३।०६	१४।१४ से १८।५३
२८ सितं.	०६।३२ से ०८।०१	०९।३० से १०।५९	१२।०५ से १२।५२	१३।५७ से १८।२४					

विक्रम संवत् २०८३ (सन् २०२६-२०२७) में मंगलवार के (दिवा के) श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय एवं अभिजित् मुहूर्त्त

दिनांक / मास	चंचल का चौघड़िया प्रातः	लाभ-अमृत का चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहूर्त्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया अपराह्न	दिनांक / मास	चंचल का चौघड़िया प्रातः	लाभ-अमृत का चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहूर्त्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया अपराह्न
२४ मार्च२६	०९।४३ से ११।१४	११।१४ से १४।१५	१२।२० से १३।०८	१५।४६ से १७।१६	०६ अक्टू.	०९।३१ से १०।५८	१०।५८ से १३।५३	१२।०२ से १२।४९	१५।२१ से १६।४८
३१ मार्च	०९।३८ से ११।१०	११।१० से १४।१४	१२।१८ से १३।०७	१५।४६ से १७।१८	१३ अक्टू.	०९।३२ से १०।५८	१०।५८ से १३।५०	१२।०१ से १२।४७	१५।१६ से १६।४२
०७ अप्रैल	०९।३३ से ११।०७	११।०७ से १४।१३	१२।१५ से १३।०५	१५।४७ से १७।२०	२० अक्टू.	०९।३३ से १०।५८	१०।५८ से १३।४७	१२।०० से १२।४५	१५।१२ से १६।३७
१४ अप्रैल	०९।२९ से ११।०४	११।०४ से १४।१३	१२।१३ से १३।०३	१५।४८ से १७।२२	२७ अक्टू.	०९।३४ से १०।५८	१०।५८ से १३।४५	११।५९ से १२।४४	१५।०९ से १६।३२
२१ अप्रैल	०९।२५ से ११।०१	११।०१ से १४।१३	१२।११ से १३।०२	१५।४९ से १७।२५	०३ नव.	०९।३६ से १०।५९	१०।५९ से १३।४३	११।५९ से १२।४३	१५।०६ से १६।२८
२८ अप्रैल	०९।२१ से १०।५८	१०।५८ से १४।१३	१२।१० से १३।०१	१५।५० से १७।२७	१० नव.	०९।३९ से ११।००	११।०० से १३।४३	१२।०० से १२।४३	१५।०४ से १६।२५
०५ मई	०९।१८ से १०।५६	१०।५६ से १४।१३	१२।०८ से १३।०१	१५।५१ से १७।२९	१७ नव.	०९।४२ से ११।०२	११।०२ से १३।४३	१२।०१ से १२।४४	१५।०३ से १६।२३
१२ मई	०९।१६ से १०।५५	१०।५५ से १४।१४	१२।०८ से १३।०१	१५।५३ से १७।३२	२४ नव.	०९।४६ से ११।०५	११।०५ से १३।४४	१२।०३ से १२।४५	१५।०३ से १६।२२
१९ मई	०९।१४ से १०।५४	१०।५४ से १४।१५	१२।०८ से १३।०१	१५।५५ से १७।३५	०१ दिस.	०९।४९ से ११।०८	११।०८ से १३।४५	१२।०६ से १२।४८	१५।०४ से १६।२२
२६ मई	०९।१३ से १०।५४	१०।५४ से १४।१६	१२।०८ से १३।०२	१५।५७ से १७।३८	०८ दिस.	०९।५३ से ११।११	११।११ से १३।४८	१२।०९ से १२।५०	१५।०६ से १६।२४
०२ जून	०९।१२ से १०।५४	१०।५४ से १४।१७	१२।०९ से १३।०३	१५।५९ से १७।४१	१५ दिस.	०९।५७ से ११।१५	११।१५ से १३।५०	१२।१२ से १२।५३	१५।०८ से १६।२६
०९ जून	०९।१३ से १०।५५	१०।५५ से १४।१९	१२।१० से १३।०४	१६।०१ से १७।४३	२२ दिस.	१०।०१ से ११।१९	११।१९ से १३।५४	१२।१५ से १२।५७	१५।११ से १६।२९
१६ जून	०९।१४ से १०।५६	१०।५६ से १४।२१	१२।११ से १३।०६	१६।०३ से १७।४५	२९ दिस.	१०।०४ से ११।२२	११।२२ से १३।५७	१२।१९ से १३।००	१५।१५ से १६।३३
२३ जून	०९।१५ से १०।५८	१०।५८ से १४।२२	१२।१३ से १३।०७	१६।०५ से १७।४७	०५ जन.२७	१०।०७ से ११।२५	११।२५ से १४।०१	१२।२२ से १३।०४	१५।१९ से १६।३७
३० जून	०९।१७ से १०।५९	१०।५९ से १४।२४	१२।१४ से १३।०९	१६।०६ से १७।४८	१२ जन.	१०।०९ से ११।२७	११।२७ से १४।०५	१२।२५ से १३।०७	१५।२३ से १६।४२
०७ जुलाई	०९।१९ से ११।०१	११।०१ से १४।२४	१२।१५ से १३।१०	१६।०६ से १७।४८	१९ जन.	१०।१० से ११।२९	११।२९ से १४।०८	१२।२७ से १३।१०	१५।२७ से १६।४७
१४ जुलाई	०९।२१ से ११।०२	११।०२ से १४।२५	१२।१६ से १३।११	१६।०६ से १७।४८	२६ जन.	१०।१० से ११।३०	११।३० से १४।११	१२।२९ से १३।१२	१५।३१ से १६।५१
२१ जुलाई	०९।२३ से ११।०३	११।०३ से १४।२५	१२।१७ से १३।११	१६।०५ से १७।४६	०२ फरवरी	१०।०९ से ११।३०	११।३० से १४।१३	१२।३० से १३।१३	१५।३४ से १६।५६
२८ जुलाई	०९।२५ से ११।०४	११।०४ से १४।२४	१२।१८ से १३।११	१६।०४ से १७।४३	०९ फरवरी	१०।०७ से ११।३०	११।३० से १४।१५	१२।३० से १३।१४	१५।३७ से १७।००
०४ अग.	०९।२६ से ११।०५	११।०५ से १४।२३	१२।१७ से १३।१०	१६।०१ से १७।४०	१६ फरवरी	१०।०४ से ११।२८	११।२८ से १४।१६	१२।३० से १३।१४	१५।३९ से १७।०३
११ अग.	०९।२७ से ११।०५	११।०५ से १४।२१	१२।१७ से १३।०९	१५।५८ से १७।३६	२३ फरवरी	१०।०१ से ११।२६	११।२६ से १४।१६	१२।२९ से १३।१४	१५।४१ से १७।०६
१८ अग.	०९।२८ से ११।०५	११।०५ से १४।१८	१२।१६ से १३।०७	१५।५५ से १७।३१	०२ मार्च	०९।५७ से ११।२४	११।२४ से १४।१६	१२।२७ से १३।१३	१५।४३ से १७।०९
२५ अग.	०९।२९ से ११।०४	११।०४ से १४।१५	१२।१४ से १३।०५	१५।५० से १७।२६	०९ मार्च	०९।५३ से ११।२१	११।२१ से १४।१६	१२।२५ से १३।१२	१५।४४ से १७।१२
०१ सित.	०९।२९ से ११।०४	११।०४ से १४।१२	१२।१३ से १३।०३	१५।४६ से १७।२०	१६ मार्च	०९।४८ से ११।१८	११।१८ से १४।१६	१२।२३ से १३।१०	१५।४५ से १७।१४
०८ सित.	०९।३० से ११।०३	११।०३ से १४।०८	१२।११ से १३।००	१५।४१ से १७।१४	२३ मार्च	०९।४४ से ११।१४	११।१४ से १४।१५	१२।२० से १३।०९	१५।४६ से १७।१६
१५ सित.	०९।३० से ११।०१	११।०१ से १४।०४	१२।०८ से १२।५७	१५।३६ से १७।०७	३० मार्च	०९।३९ से ११।११	११।११ से १४।१४	१२।१८ से १३।०७	१५।४६ से १७।१८
२२ सित.	०९।३० से ११।००	११।०० से १४।००	१२।०६ से १२।५४	१५।३१ से १७।०१	०६ अप्रैल	०९।३४ से ११।०७	११।०७ से १४।१४	१२।१६ से १३।०५	१५।४७ से १७।२०
२९ सित.	०९।३० से १०।५९	१०।५९ से १३।५७	१२।०४ से १२।५२	१५।२५ से १६।५४	किराणा बाजार, शेयर बाजार, सोने चांदी में तेजी मंदी हेतु श्रीधरी तेजी मंदी रिपोर्ट प्रतिवर्ष मंगावें।				

विक्रम संवत् २०८३ (सन् २०२६-२०२७) में बुधवार के (दिवा के) श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय

दिनांक / मास	लाभ-अमृत का चौघड़िया प्रातः	शुभ का चौघड़िया पुर्वाह्न	चंचल का चौघड़िया अपराह्न	लाभ का चौघड़िया अपराह्न	दिनांक / मास	लोभ-अमृत का चौघड़िया प्रातः	शुभ का चौघड़िया पुर्वाह्न	चंचल का चौघड़िया अपराह्न	लाभ का चौघड़िया अपराह्न
२५ मार्च२६	०६।४० से ०९।४२	११।१३ से १२।४४	१५।४६ से १७।१७	१७।१७ से १८।४८	०७ अक्टू.	०६।३६ से ०९।३१	१०।५८ से १२।२५	१५।२० से १६।४७	१६।४७ से १८।१४
०१ अप्रैल	०६।३३ से ०९।३७	११।१० से १२।४२	१५।४६ से १७।१९	१७।१९ से १८।५१	१४ अक्टू.	०६।४० से ०९।३२	१०।५८ से १२।२४	१५।१५ से १६।४१	१६।४१ से १८।०७
०८ अप्रैल	०६।२५ से ०९।३३	११।०६ से १२।४०	१५।४७ से १७।२१	१७।२१ से १८।५४	२१ अक्टू.	०६।४४ से ०९।३३	१०।५८ से १२।२२	१५।११ से १६।३६	१६।३६ से १८।०१
१५ अप्रैल	०६।१८ से ०९।२८	११।०३ से १२।३८	१५।४८ से १७।२३	१७।२३ से १८।५८	२८ अक्टू.	०६।४८ से ०९।३५	१०।५८ से १२।२१	१५।०८ से १६।३१	१६।३१ से १७।५५
२२ अप्रैल	०६।१२ से ०९।२४	११।०० से १२।३६	१५।४९ से १७।२५	१७।२५ से १९।०१	०४ नवम्बर	०६।५२ से ०९।३७	१०।५९ से १२।२१	१५।०५ से १६।२८	१६।२८ से १७।५०
२९ अप्रैल	०६।०६ से ०९।२१	१०।५८ से १२।३५	१५।५० से १७।२७	१७।२७ से १९।०५	११ नवम्बर	०६।५७ से ०९।३९	११।०१ से १२।२२	१५।०४ से १६।२५	१६।२५ से १७।४६
०६ मई	०६।०१ से ०९।१८	१०।५६ से १२।३५	१५।५१ से १७।३०	१७।३० से १९।०८	१८ नवम्बर	०७।०२ से ०९।४३	११।०३ से १२।२३	१५।०३ से १६।२३	१६।२३ से १७।४३
१३ मई	०५।५६ से ०९।१५	१०।५५ से १२।३४	१५।५३ से १७।३३	१७।३३ से १९।१२	२५ नवम्बर	०७।०८ से ०९।४६	११।०५ से १२।२५	१५।०३ से १६।२२	१६।२२ से १७।४१
२० मई	०५।५३ से ०९।१४	१०।५४ से १२।३४	१५।५५ से १७।३६	१७।३६ से १९।१६	०२ दिस.	०७।१३ से ०९।५०	११।०८ से १२।२७	१५।०४ से १६।२३	१६।२३ से १७।४१
२७ मई	०५।५० से ०९।१३	१०।५४ से १२।३५	१५।५७ से १७।३८	१७।३८ से १९।२०	०९ दिस.	०७।१८ से ०९।५४	११।१२ से १२।३०	१५।०६ से १६।२४	१६।२४ से १७।४२
०३ जून	०५।४९ से ०९।१२	१०।५४ से १२।३६	१५।५९ से १७।४१	१७।४१ से १९।२३	१६ दिस.	०७।२२ से ०९।५८	११।१५ से १२।३३	१५।०९ से १६।२६	१६।२६ से १७।४४
१० जून	०५।४९ से ०९।१३	१०।५५ से १२।३७	१६।०१ से १७।४४	१७।४४ से १९।२६	२३ दिस.	०७।२६ से १०।०१	११।१९ से १२।३७	१५।१२ से १६।३०	१६।३० से १७।४७
१७ जून	०५।४९ से ०९।१४	१०।५६ से १२।३९	१६।०३ से १७।४६	१७।४६ से १९।२८	३० दिस.	०७।२९ से १०।०५	११।२२ से १२।४०	१५।१६ से १६।३४	१६।३४ से १७।५१
२४ जून	०५।५१ से ०९।१५	१०।५८ से १२।४०	१६।०५ से १७।४७	१७।४७ से १९।३०	०६ जन.२७	०७।३१ से १०।०७	११।२५ से १२।४३	१५।२० से १६।३८	१६।३८ से १७।५६
०१ जुलाई	०५।५३ से ०९।१७	१०।५९ से १२।४२	१६।०६ से १७।४८	१७।४८ से १९।३०	१३ जनवरी	०७।३१ से १०।०९	११।२८ से १२।४६	१५।२४ से १६।४३	१६।४३ से १८।०१
०८ जुलाई	०५।५५ से ०९।१९	११।०१ से १२।४३	१६।०६ से १७।४८	१७।४८ से १९।३०	२० जनवरी	०७।३० से १०।१०	११।२९ से १२।४९	१५।२८ से १६।४७	१६।४७ से १८।०७
१५ जुलाई	०५।५९ से ०९।२१	११।०२ से १२।४४	१६।०६ से १७।४७	१७।४७ से १९।२९	२७ जनवरी	०७।२९ से १०।१०	११।३० से १२।५०	१५।३१ से १६।५२	१६।५२ से १८।१२
२२ जुलाई	०६।०२ से ०९।२३	११।०४ से १२।४४	१६।०५ से १७।४६	१७।४६ से १९।२६	०३ फरवरी	०७।२५ से १०।०९	११।३० से १२।५२	१५।३५ से १६।५६	१६।५६ से १८।१८
२९ जुलाई	०६।०६ से ०९।२५	११।०४ से १२।४४	१६।०३ से १७।४३	१७।४३ से १९।२३	१० फरवरी	०७।२१ से १०।०७	११।२९ से १२।५२	१५।३७ से १७।००	१७।०० से १८।२३
०५ अग.	०६।०९ से ०९।२६	११।०५ से १२।४४	१६।०१ से १७।४०	१७।४० से १९।१८	१७ फरवरी	०७।१६ से १०।०४	११।२८ से १२।५२	१५।४० से १७।०४	१७।०४ से १८।२८
१२ अग.	०६।१२ से ०९।२८	११।०५ से १२।४३	१५।५८ से १७।३५	१७।३५ से १९।१३	२४ फरवरी	०७।१० से १०।०१	११।२६ से १२।५१	१५।४२ से १७।०७	१७।०७ से १८।३२
१९ अग.	०६।१६ से ०९।२८	११।०५ से १२।४१	१५।५४ से १७।३०	१७।३० से १९।०७	०३ मार्च	०७।०४ से ०९।५७	११।२३ से १२।५०	१५।४३ से १७।१०	१७।१० से १८।३६
२६ अग.	०६।१९ से ०९।२९	११।०४ से १२।३९	१५।५० से १७।२५	१७।२५ से १९।००	१० मार्च	०६।५७ से ०९।५२	११।२० से १२।४८	१५।४४ से १७।१२	१७।१२ से १८।४०
०२ सित.	०६।२२ से ०९।२९	११।०३ से १२।३७	१५।४५ से १७।१९	१७।१९ से १८।५३	१७ मार्च	०६।४९ से ०९।४८	११।१७ से १२।४६	१५।४५ से १७।१४	१७।१४ से १८।४४
०९ सित.	०६।२५ से ०९।३०	११।०२ से १२।३५	१५।४० से १७।१३	१७।१३ से १८।४५	२४ मार्च	०६।४२ से ०९।४३	११।१४ से १२।४४	१५।४६ से १७।१६	१७।१६ से १८।४७
१६ सित.	०६।२७ से ०९।३०	११।०१ से १२।३२	१५।३५ से १७।०६	१७।०६ से १८।३८	३१ मार्च	०६।३४ से ०९।३८	११।१० से १२।४२	१५।४६ से १७।१८	१७।१८ से १८।५०
२३ सित.	०६।३० से ०९।३०	११।०० से १२।३०	१५।३० से १७।००	१७।०० से १८।३०					
३० सित.	०६।३३ से ०९।३०	१०।५९ से १२।२८	१५।२५ से १६।५३	१६।५३ से १८।२२					

विक्रम संवत् २०८३ (सन् २०२६-२०२७) में गुरुवार के (दिवा के) श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय एवं अभिजित् मुहूर्त

दिनांक / मास	शुभ का चौघड़िया प्रातः	चंचल-लाभ-अमृत चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहूर्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया सायं	दिनांक / मास	शुभ का चौघड़िया प्रातः	चंचल-लाभ-अमृत चौघड़िया पूर्वाह्न	अभिजित मुहूर्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया सायं
२६मार्च२६	०६।३९ से ०८।१०	११।१३ से १५।४६	१२।१९ से १३।०८	१७।१७ से १८।४८	०८ अक्टू.	०६।३७ से ०८।०४	१०।५८ से १५।१९	१२।०२ से १२।४८	१६।४६ से १८।१३
०२ अप्रैल	०६।३२ से ०८।०४	११।०९ से १५।४६	१२।१७ से १३।०६	१७।१९ से १८।५१	१५ अक्टू.	०६।४० से ०८।०६	१०।५८ से १५।१५	१२।०१ से १२।४६	१६।४१ से १८।०६
०९ अप्रैल	०६।२४ से ०७।५८	११।०६ से १५।४७	१२।१५ से १३।०५	१७।२१ से १८।५५	२२ अक्टू.	०६।४४ से ०८।०९	१०।५८ से १५।११	१२।०० से १२।४५	१६।३५ से १८।००
१६ अप्रैल	०६।१७ से ०७।५३	११।०३ से १५।४८	१२।१२ से १३।०३	१७।२३ से १८।५८	२९ अक्टू.	०६।४९ से ०८।१२	१०।५८ से १५।०८	११।५९ से १२।४३	१६।३१ से १७।५४
२३ अप्रैल	०६।११ से ०७।४७	११।०० से १५।४९	१२।११ से १३।०२	१७।२५ से १९।०२	०५ नवम्बर	०६।५३ से ०८।१५	१०।५९ से १५।०५	११।५९ से १२।४३	१६।२७ से १७।४९
३० अप्रैल	०६।०५ से ०७।४३	१०।५८ से १५।५०	१२।०९ से १३।०१	१७।२८ से १९।०५	१२ नवम्बर	०६।५८ से ०८।१९	११।०१ से १५।०४	१२।०० से १२।४३	१६।२४ से १७।४५
०७ मई	०६।०० से ०७।३९	१०।५६ से १५।५२	१२।०८ से १३।०१	१७।३० से १९।०९	१९ नवम्बर	०७।०३ से ०८।२३	११।०३ से १५।०३	१२।०२ से १२।४४	१६।२३ से १७।४३
१४ मई	०५।५६ से ०७।३५	१०।५५ से १५।५३	१२।०८ से १३।०१	१७।३३ से १९।१३	२६ नवम्बर	०७।०८ से ०८।२८	११।०६ से १५।०३	१२।०४ से १२।४६	१६।२२ से १७।४१
२१ मई	०५।५२ से ०७।३३	१०।५४ से १५।५५	१२।०८ से १३।०१	१७।३६ से १९।१६	०३ दिस.	०७।१४ से ०८।३२	११।०९ से १५।०४	१२।०६ से १२।४८	१६।२३ से १७।४१
२८ मई	०५।५० से ०७।३१	१०।५४ से १५।५८	१२।०८ से १३।०२	१७।३९ से १९।२०	१० दिस.	०७।१९ से ०८।३६	११।१२ से १५।०६	१२।१० से १२।५१	१६।२४ से १७।४२
०४ जून	०५।४९ से ०७।३१	१०।५४ से १६।००	१२।०९ से १३।०३	१७।४२ से १९।२३	१७ दिस.	०७।२३ से ०८।४१	११।१६ से १५।०९	१२।१३ से १२।५४	१६।२७ से १७।४४
११ जून	०५।४९ से ०७।३१	१०।५५ से १६।०२	१२।१० से १३।०५	१७।४४ से १९।२६	२४ दिस.	०७।२७ से ०८।४४	११।२० से १५।१३	१२।१६ से १२।५८	१६।३० से १७।४८
१८ जून	०५।४९ से ०७।३२	१०।५६ से १६।०४	१२।१२ से १३।०६	१७।४६ से १९।२८	३१ दिस.	०७।२९ से ०८।४७	११।२३ से १५।१६	१२।२० से १३।०१	१६।३४ से १७।५२
२५ जून	०५।५१ से ०७।३३	१०।५८ से १६।०५	१२।१३ से १३।०८	१७।४७ से १९।३०	०७ जन.२७	०७।३१ से ०८।४९	११।२६ से १५।२०	१२।२३ से १३।०५	१६।३९ से १७।५७
०२ जुलाई	०५।५३ से ०७।३५	११।०० से १६।०६	१२।१४ से १३।०९	१७।४८ से १९।३०	१४ जनवरी	०७।३१ से ०८।५०	११।२८ से १५।२४	१२।२६ से १३।०८	१६।४३ से १८।०२
०९ जुलाई	०५।५६ से ०७।३८	११।०१ से १६।०६	१२।१६ से १३।१०	१७।४८ से १९।३०	२१ जनवरी	०७।३० से ०८।५०	११।२९ से १५।२८	१२।२८ से १३।१०	१६।४८ से १८।०८
१६ जुलाई	०५।५९ से ०७।४०	११।०३ से १६।०६	१२।१७ से १३।११	१७।४७ से १९।२८	२८ जनवरी	०७।२८ से ०८।४९	११।३० से १५।३२	१२।२९ से १३।१२	१६।५३ से १८।१३
२३ जुलाई	०६।०३ से ०७।४३	११।०४ से १६।०५	१२।१७ से १३।११	१७।४५ से १९।२६	०४ फरवरी	०७।२५ से ०८।४७	११।३० से १५।३५	१२।३० से १३।१४	१६।५७ से १८।१९
३० जुलाई	०६।०६ से ०७।४६	११।०५ से १६।०३	१२।१८ से १३।११	१७।४३ से १९।२२	११ फरवरी	०७।२१ से ०८।४३	११।२९ से १५।३८	१२।३० से १३।१४	१७।०१ से १८।२४
०६ अगस्त	०६।०९ से ०७।४८	११।०५ से १६।०१	१२।१७ से १३।१०	१७।३९ से १९।१८	१८ फरवरी	०७।१५ से ०८।३९	११।२८ से १५।४०	१२।२९ से १३।१४	१७।०४ से १८।२८
१३ अगस्त	०६।१३ से ०७।५०	११।०५ से १५।५७	१२।१७ से १३।०८	१७।३५ से १९।१२	२५ फरवरी	०७।०९ से ०८।३५	११।२६ से १५।४२	१२।२८ से १३।१४	१७।०७ से १८।३३
२० अगस्त	०६।१६ से ०७।५२	११।०५ से १५।५३	१२।१५ से १३।०७	१७।३० से १९।०६	०४ मार्च	०७।०३ से ०८।२९	११।२३ से १५।४३	१२।२७ से १३।१३	१७।१० से १८।३७
२७ अगस्त	०६।१९ से ०७।५४	११।०४ से १५।४९	१२।१४ से १३।०४	१७।२४ से १८।५९	११ मार्च	०६।५६ से ०८।२४	११।२० से १५।४४	१२।२५ से १३।१२	१७।१२ से १८।४०
०३ सित.	०६।२२ से ०७।५६	११।०३ से १५।४४	१२।१२ से १३।०२	१७।१८ से १८।५२	१८ मार्च	०६।४८ से ०८।१८	११।१७ से १५।४५	१२।२२ से १३।१०	१७।१५ से १८।४४
१० सित.	०६।२५ से ०७।५७	११।०२ से १५।३९	१२।१० से १२।५९	१७।१२ से १८।४४	२५ मार्च	०६।४१ से ०८।११	११।१३ से १५।४६	१२।२० से १३।०८	१७।१७ से १८।४७
१७ सित..	०६।२८ से ०७।५९	११।०१ से १५।३४	१२।०८ से १२।५६	१७।०५ से १८।३६	०१ अप्रैल	०६।३३ से ०८।०५	११।१० से १५।४६	१२।१७ से १३।०६	१७।१९ से १८।५१
२४ सित	०६।३१ से ०८।००	११।०० से १५।२९	१२।०६ से १२।५४	१६।५९ से १८।२९					
०१ अक्टू.	०६।३४ से ०८।०२	१०।५९ से १५।२४	१२।०४ से १२।५१	१६।५२ से १८।२१					

विक्रम संवत् २०८३ (सन् २०२६-२०२७) में शुक्रवार के (दिवा के) श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय एवं अभिजित् मुहूर्त

दिनांक / मास	चंचल-लाभ-अमृत का चौघड़िया प्रातः	अभिजित मुहर्त्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया अपराह्न	चंचल का चौघड़िया सायं	दिनांक / मास	चंचल-लाभ-अमृत का चौघड़िया प्रातः	अभिजित मुहर्त्त मध्याह्न	शुभ का चौघड़िया अपराह्न	चंचल का चौघड़िया सायं
२०मार्च२६	०६।४६ से ११।१६	१२।२१ से १३।०९	१२।४५ से १४।१५	१७।१५ से १८।४५	०२ अक्टू.	०६।३४ से १०।५९	१२।०३ से १२।५०	१२।२७ से १३।५५	१६।५२ से १८।२०
२७ मार्च	०६।३८ से ११।१२	१२।१९ से १३।०८	१२।४३ से १४।१५	१७।१७ से १८।४८	०९ अक्टू.	०६।३७ से १०।५८	१२।०२ से १२।४८	१२।२५ से १३।५२	१६।४५ से १८।१२
०३ अप्रैल	०६।३१ से ११।०९	१२।१७ से १३।०६	१२।४१ से १४।१४	१७।१९ से १८।५२	१६ अक्टू.	०६।४१ से १०।५८	१२।०० से १२।४६	१२।२३ से १३।४९	१६।४० से १८।०५
१० अप्रैल	०६।२३ से ११।०५	१२।१४ से १३।०४	१२।३९ से १४।१३	१७।२१ से १८।५५	२३ अक्टू.	०६।४५ से १०।५८	११।५९ से १२।४४	१२।२२ से १३।४६	१६।३५ से १७।५९
१७ अप्रैल	०६।१७ से ११।०२	१२।१२ से १३।०३	१२।३८ से १४।१३	१७।२३ से १८।५९	३० अक्टू.	०६।४९ से १०।५८	११।५९ से १२।४३	१२।२१ से १३।४४	१६।३० से १७।५३
२४ अप्रैल	०६।१० से ११।००	१२।१० से १३।०२	१२।३६ से १४।१३	१७।२६ से १९।०२	०६ नवम्बर	०६।५४ से १०।५९	११।५९ से १२।४३	१२।२१ से १३।४३	१६।२७ से १७।४९
०१ मई	०६।०४ से १०।५७	१२।०९ से १३।०१	१२।३५ से १४।१३	१७।२८ से १९।०६	१३ नवम्बर	०६।५९ से ११।०१	१२।०० से १२।४३	१२।२२ से १३।४३	१६।२४ से १७।४५
०८ मई	०५।५९ से १०।५६	१२।०८ से १३।०१	१२।३४ से १४।१३	१७।३१ से १९।०९	२० नवम्बर	०७।०४ से ११।०३	१२।०२ से १२।४४	१२।२३ से १३।४३	१६।२३ से १७।४२
१५ मई	०५।५५ से १०।५४	१२।०८ से १३।०१	१२।३४ से १४।१४	१७।३३ से १९।१३	२७ नवम्बर	०७।०९ से ११।०६	१२।०४ से १२।४६	१२।२५ से १३।४४	१६।२२ से १७।४१
२२ मई	०५।५२ से १०।५४	१२।०८ से १३।०१	१२।३५ से १४।१५	१७।३६ से १९।१७	०४ दिस.	०७।१४ से ११।०९	१२।०७ से १२।४९	१२।२८ से १३।४६	१६।२३ से १७।४१
२९ मई	०५।५० से १०।५४	१२।०८ से १३।०२	१२।३५ से १४।१७	१७।३९ से १९।२१	११ दिस.	०७।१९ से ११।१३	१२।१० से १२।५२	१२।३१ से १३।४९	१६।२५ से १७।४२
०५ जून	०५।४९ से १०।५४	१२।०९ से १३।०३	१२।३६ से १४।१८	१७।४२ से १९।२४	१८ दिस.	०७।२४ से ११।१७	१२।१३ से १२।५५	१२।३४ से १३।५२	१६।२७ से १७।४५
१२ जून	०५।४९ से १०।५५	१२।१० से १३।०५	१२।३८ से १४।२०	१७।४४ से १९।२७	२५ दिस.	०७।२७ से ११।२०	१२।१७ से १२।५८	१२।३८ से १३।५५	१६।३१ से १७।४८
१९ जून	०५।५० से १०।५७	१२।१२ से १३।०६	१२।३९ से १४।२१	१७।४६ से १९।२९	०१ जन.२७	०७।३० से ११।२३	१२।२० से १३।०२	१२।४१ से १३।५९	१६।३५ से १७।५३
२६ जून	०५।५१ से १०।५८	१२।१३ से १३।०८	१२।४१ से १४।२३	१७।४८ से १९।३०	०८ जनवरी	०७।३१ से ११।२६	१२।२३ से १३।०५	१२।४४ से १४।०३	१६।३९ से १७।५८
०३ जुलाई	०५।५४ से ११।००	१२।१५ से १३।०९	१२।४२ से १४।२४	१७।४८ से १९।३०	१५ जनवरी	०७।३१ से ११।२८	१२।२६ से १३।०८	१२।४७ से १४।०६	१६।४४ से १८।०३
१० जुलाई	०५।५६ से ११।०१	१२।१६ से १३।१०	१२।४३ से १४।२५	१७।४८ से १९।३०	२२ जनवरी	०७।३० से ११।२९	१२।२८ से १३।११	१२।४९ से १४।०९	१६।४९ से १८।०९
१७ जुलाई	०६।०० से ११।०३	१२।१७ से १३।११	१२।४४ से १४।२५	१७।४७ से १९।२८	२९ जनवरी	०७।२८ से ११।३०	१२।२९ से १३।१२	१२।५१ से १४।१२	१६।५३ से १८।१४
२४ जुलाई	०६।०३ से ११।०४	१२।१७ से १३।११	१२।४४ से १४।२४	१७।४५ से १९।२५	०५ फरवरी	०७।२४ से ११।३०	१२।३० से १३।१४	१२।५२ से १४।१४	१६।५७ से १८।१९
३१ जुलाई	०६।०७ से ११।०५	१२।१८ से १३।११	१२।४४ से १४।२३	१७।४२ से १९।२२	१२ फरवरी	०७।२० से ११।२९	१२।३० से १३।१४	१२।५२ से १४।१५	१७।०१ से १८।२४
०७ अग.	०६।१० से ११।०५	१२।१७ से १३।१०	१२।४३ से १४।२२	१७।३८ से १९।१७	१९ फरवरी	०७।१५ से ११।२७	१२।२९ से १३।१४	१२।५२ से १४।१६	१७।०५ से १८।२९
१४ अग.	०६।१३ से ११।०५	१२।१६ से १३।०८	१२।४२ से १४।२०	१७।३४ से १९।११	२६ फरवरी	०७।०८ से ११।२५	१२।२८ से १३।१४	१२।५१ से १४।१६	१७।०८ से १८।३३
२१ अग.	०६।१७ से ११।०५	१२।१५ से १३।०६	१२।४१ से १४।१७	१७।२९ से १९।०५	०५ मार्च	०७।०२ से ११।२३	१२।२६ से १३।१३	१२।४९ से १४।१६	१७।१० से १८।३७
२८ अग.	०६।२० से ११।०४	१२।१४ से १३।०४	१२।३९ से १४।१४	१७।२३ से १८।५८	१२ मार्च	०६।५५ से ११।१९	१२।२४ से १३।११	१२।४८ से १४।१६	१७।१३ से १८।४१
०४ सितं.	०६।२३ से ११।०३	१२।१२ से १३।०२	१२।३७ से १४।१०	१७।१७ से १८।५१	१९ मार्च	०६।४७ से ११।१६	१२।२२ से १३।१०	१२।४६ से १४।१५	१७।१५ से १८।४५
११ सितं..	०६।२५ से ११।०२	१२।१० से १२।५९	१२।३४ से १४।०६	१७।११ से १८।४३	२६ मार्च	०६।४० से ११।१३	१२।१९ से १३।०८	१२।४४ से १४।१५	१७।१७ से १८।४८
१८ सितं.	०६।२८ से ११।०१	१२।०८ से १२।५६	१२।३२ से १४।०३	१७।०४ से १८।३५	०२ अप्रैल	०६।३२ से ११।०९	१२।१७ से १३।०६	१२।४२ से १४।१४	१७।१९ से १८।५१
२५ सितं.	०६।३१ से ११।००	१२।०५ से १२।५३	१२।२९ से १३।५९	१६।५८ से १८।२७	किराणा बाजार, शेयर बाजार, सोने चांदी में तेजी मंदी हेतु श्रीधरी तेजी मंदी रिपोर्ट प्रतिवर्ष मंगावें।				

विक्रम संवत् २०८३ (सन् २०२६-२०२७) में शनिवार के (दिवा के) श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय एवं अभिजित् मुहूर्त

दिनांक / मास	शुभ का चौघड़िया प्रातः	अभिजित मुहूर्त मध्याह्न	चंचल का चौघड़िया अपराह्न	लाभ-अमृत का चौघड़िया अपराह्न	दिनांक / मास	शुभ का चौघड़िया प्रातः	अभिजित मुहूर्त मध्याह्न	चंचल का चौघड़िया अपराह्न	लाभ-अमृत का चौघड़िया अपराह्न
२१ मार्च२६	०८।१५ से ०९।४५	१२।२१ से १३।०९	१२।४५ से १४।१५	१४।१५ से १७।१५	०३ अक्टू.	०८।०३ से ०९।३१	१२।०३ से १२।५०	१२।२७ से १३।५५	१३।५५ से १६।५१
२८ मार्च	०८।०९ से ०९।४०	१२।१९ से १३।०७	१२।४३ से १४।१५	१४।१५ से १७।१७	१० अक्टू.	०८।०५ से ०९।३१	१२।०१ से १२।४८	१२।२५ से १३।५१	१३।५१ से १६।४५
०४ अप्रैल	०८।०२ से ०९।३५	१२।१६ से १३।०६	१२।४१ से १४।१४	१४।१४ से १७।१९	१७ अक्टू.	०८।०७ से ०९।३२	१२।०० से १२।४६	१२।२३ से १३।४८	१३।४८ से १६।३९
११ अप्रैल	०७।५७ से ०९।३१	१२।१४ से १३।०४	१२।३९ से १४।१३	१४।१३ से १७।२१	२४ अक्टू.	०८।१० से ०९।३४	११।५९ से १२।४४	१२।२२ से १३।४६	१३।४६ से १६।३४
१८ अप्रैल	०७।५१ से ०९।२६	१२।१२ से १३।०३	१२।३७ से १४।१३	१४।१३ से १७।२४	३१ अक्टू.	०८।१३ से ०९।३६	११।५९ से १२।४३	१२।२१ से १३।४४	१३।४४ से १६।३०
२५ अप्रैल	०७।४६ से ०९।२३	१२।१० से १३।०२	१२।३६ से १४।१३	१४।१३ से १७।२६	०७ नवम्बर	०८।१६ से ०९।३८	११।५९ से १२।४३	१२।२१ से १३।४३	१३।४३ से १६।२६
०२ मई	०७।४१ से ०९।१९	१२।०९ से १३।०१	१२।३५ से १४।१३	१४।१३ से १७।२८	१४ नवम्बर	०८।२० से ०९।४१	१२।०१ से १२।४४	१२।२२ से १३।४३	१३।४३ से १६।२४
०९ मई	०७।३८ से ०९।१७	१२।०८ से १३।०१	१२।३४ से १४।१३	१४।१३ से १७।३१	२१ नवम्बर	०८।२४ से ०९।४४	१२।०२ से १२।४५	१२।२३ से १३।४३	१३।४३ से १६।२२
१६ मई	०७।३५ से ०९।१४	१२।०८ से १३।०१	१२।३४ से १४।१४	१४।१४ से १७।३४	२८ नवम्बर	०८।२९ से ०९।४८	१२।०४ से १२।४७	१२।२६ से १३।४४	१३।४४ से १६।२२
२३ मई	०७।३२ से ०९।१३	१२।०८ से १३।०१	१२।३५ से १४।१५	१४।१५ से १७।३७	०५ दिस.	०८।३३ से ०९।५२	१२।०७ से १२।४९	१२।२८ से १३।४६	१३।४६ से १६।२३
३० मई	०७।३१ से ०९।१३	१२।०८ से १३।०२	१२।३५ से १४।१७	१४।१७ से १७।४०	१२ दिस.	०८।३८ से ०९।५६	१२।११ से १२।५२	१२।३१ से १३।४९	१३।४९ से १६।२५
०६ जून	०७।३१ से ०९।१३	१२।०९ से १३।०४	१२।३६ से १४।१८	१४।१८ से १७।४२	१९ दिस.	०८।४२ से ०९।५९	१२।१४ से १२।५५	१२।३५ से १३।५२	१३।५२ से १६।२८
१३ जून	०७।३१ से ०९।१३	१२।११ से १३।०५	१२।३८ से १४।२०	१४।२० से १७।४५	२६ दिस.	०८।४५ से १०।०३	१२।१७ से १२।५९	१२।३८ से १३।५६	१३।५६ से १६।३१
२० जून	०७।३२ से ०९।१५	१२।१२ से १३।०७	१२।३९ से १४।२२	१४।२२ से १७।४६	०२ जन.२७	०८।४८ से १०।०६	१२।२१ से १३।०२	१२।४२ से १४।००	१४।०० से १६।३५
२७ जून	०७।३४ से ०९।१६	१२।१३ से १३।०८	१२।४१ से १४।२३	१४।२३ से १७।४८	०९ जनवरी	०८।४९ से १०।०८	१२।२४ से १३।०६	१२।४५ से १४।०३	१४।०३ से १६।४०
०४ जुलाई	०७।३६ से ०९।१८	१२।१५ से १३।०९	१२।४२ से १४।२४	१४।२४ से १७।४८	१६ जनवरी	०८।५० से १०।०९	१२।२६ से १३।०९	१२।४७ से १४।०७	१४।०७ से १६।४५
११ जुलाई	०७।३८ से ०९।२०	१२।१६ से १३।१०	१२।४३ से १४।२५	१४।२५ से १७।४८	२३ जनवरी	०८।५० से १०।१०	१२।२८ से १३।११	१२।५० से १४।०९	१४।०९ से १६।४९
१८ जुलाई	०७।४१ से ०९।२२	१२।१७ से १३।११	१२।४४ से १४।२५	१४।२५ से १७।४७	३० जनवरी	०८।४८ से १०।०९	१२।२९ से १३।१३	१२।५१ से १४।१२	१४।१२ से १६।५४
२५ जुलाई	०७।४४ से ०९।२४	१२।१७ से १३।११	१२।४४ से १४।२४	१४।२४ से १७।४५	०६ फरवरी	०८।४६ से १०।०८	१२।३० से १३।१४	१२।५२ से १४।१४	१४।१४ से १६।५८
०१ अगस्त	०७।४६ से ०९।२५	१२।१७ से १३।१०	१२।४४ से १४।२३	१४।२३ से १७।४२	१३ फरवरी	०८।४२ से १०।०६	१२।३० से १३।१४	१२।५२ से १४।१५	१४।१५ से १७।०२
०८ अगस्त	०७।४९ से ०९।२७	१२।१७ से १३।०९	१२।४३ से १४।२१	१४।२१ से १७।३८	२० फरवरी	०८।३८ से १०।०३	१२।२९ से १३।१४	१२।५२ से १४।१६	१४।१६ से १७।०५
१५ अगस्त	०७।५१ से ०९।२८	१२।१६ से १३।०८	१२।४२ से १४।१९	१४।१९ से १७।३३	२७ फरवरी	०८।३३ से ०९।५९	१२।२८ से १३।१४	१२।५१ से १४।१६	१४।१६ से १७।०८
२२ अगस्त	०७।५३ से ०९।२९	१२।१५ से १३।०६	१२।४१ से १४।१६	१४।१६ से १७।२८	०६ मार्च	०८।२८ से ०९।५५	१२।२६ से १३।१२	१२।४९ से १४।१६	१४।१६ से १७।११
२९ अगस्त	०७।५५ से ०९।२९	१२।१३ से १३।०४	१२।३९ से १४।१३	१४।१३ से १७।२२	१३ मार्च	०८।२२ से ०९।५०	१२।२४ से १३।११	१२।४८ से १४।१६	१४।१६ से १७।१३
०५ सितं.	०७।५६ से ०९।३०	१२।११ से १३।०१	१२।३६ से १४।१०	१४।१० से १७।१६	२० मार्च	०८।१६ से ०९।४६	१२।२२ से १३।०९	१२।४६ से १४।१५	१४।१५ से १७।१५
१२ सितं.	०७।५८ से ०९।३०	१२।०९ से १२।५८	१२।३४ से १४।०६	१४।०६ से १७।१०	२७ मार्च	०८।१० से ०९।४१	१२।१९ से १३।०८	१२।४३ से १४।१५	१४।१५ से १७।१७
१९ सितं.	०७।५९ से ०९।३०	१२।०७ से १२।५६	१२।३१ से १४।०२	१४।०२ से १७।०३	०३ अप्रैल	०८।०४ से ०९।३६	१२।१७ से १३।०६	१२।४१ से १४।१४	१४।१४ से १७।१९
२६ सितं.	०८।०१ से ०९।३०	१२।०५ से १२।५३	१२।२९ से १३।५८	१३।५८ से १६।५७	किराणा बाजार, शेयर बाजार, सोने चांदी में तेजी मंदी हेतु श्रीधरी तेजी मंदी रिपोर्ट प्रतिवर्ष मंगावें।				

ॐ☆✵❀ होरा. ❀✵☆ॐ

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	अं.
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	१५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

ॐ✦★✶ द्रेष्काण. ✦★✶ॐ

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	अं.
०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	१०
०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	२०
०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	३०

☆विषमे त्रिंशांशका: समे त्रिंशांशका:☆

अ.	मे.	मि.	सि.	तु.	ध.	कुं.	वृ.	क.	क.	वृ.	म.	मी.	अ.
०५	०१	०१	०१	०१	०१	०१	०२	०२	०२	०२	०२	०२	०५
१०	११	११	११	११	११	११	०६	०६	०६	०६	०६	०६	१२
१८	०९	०९	०९	०९	०९	०९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
२५	०३	०३	०३	०३	०३	०३	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
३०	०७	०७	०७	०७	०७	०७	०८	०८	०८	०८	०८	०८	३०

✪☆सप्तांशक ४।१७।८।३४✪☆

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.	अ.	
०१	०८	०३	१०	०५	१२	०७	०२	०९	०४	११	०६	०४	१७
०२	०९	०४	११	०६	०१	०८	०३	१०	०५	१२	०७	०८	३४
०३	१०	०५	१२	०७	०२	०९	०४	११	०६	०१	०८	१२	५१
०४	११	०६	०१	०८	०३	१०	०५	१२	०७	०२	०९	१७	०८
०५	१२	०७	०२	०९	०४	११	०६	०१	०८	०३	१०	२१	२५
०६	०१	०८	०३	१०	०५	१२	०७	०२	०९	०४	११	२५	४२
०७	०२	०९	०४	११	०६	०१	०८	०३	१०	०५	१२	१०	००

❁ॐ✪☆ नवमांशक. ❁ॐ✪☆

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.	अ.	
०१	१०	०७	०४	०१	१०	०७	०४	०१	१०	०७	०४	०३	२०
०२	११	०८	०५	०२	११	०८	०५	०२	११	०८	०५	०६	४०
०३	१२	०९	०६	०३	१२	०९	०६	०३	१२	०९	०६	१०	००
०४	०१	१०	०७	०४	०१	१०	०७	०४	०१	१०	०७	१३	२०
०५	०२	११	०८	०५	०२	११	०८	०५	०२	११	०८	१६	४०
०६	०३	१२	०९	०६	०३	१२	०९	०६	०३	१२	०९	२०	००
०७	०४	०१	१०	०७	०४	०१	१०	०७	०४	०१	१०	२३	२०
०८	०५	०२	११	०८	०५	०२	११	०८	०५	०२	११	२६	४०
०९	०६	०३	१२	०९	०६	०३	१२	०९	०६	०३	१२	३०	००

✵❀❁ॐ द्वादशांशक. ✵❀❁ॐ

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.	अ.	
०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	०२	३०
०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	०१	०५	००
०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	०१	०२	०७	३०
०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	१०	००
०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	१२	३०
०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	०५	१५	००
०७	०८	०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	०५	०६	१७	३०
०८	०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	२०	००
०९	१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	२२	३०
१०	११	१२	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	२५	००
११	१२	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	२७	३०
१२	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	३०	००

✵ विंशोत्तरी दशा की गणना ✵

सू.	चं.	मं.	रा.	गु.	श.	बु.	के.	शु.
०६	१०	०७	१८	१६	१९	१७	०७	२०
कृ.	रो.	मृ.	आ.	पु.	पु.	आश.	म.	पू.
उ.	ह.	चि.	स्वा.	वि.	अ.	ज्ये.	मू.	पू.
उ.	श्र.	ध.	श.	पू.	उ.	रे.	अ.	भ.

ॐ योगिनी दशा की गणना ॐ

मं.	पि.	ध.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
आ.	पु.	पु.	ऽश्ले	म.	पू.	उ.	ह.
चि.	स्वा.	वि.	अ.	ज्ये.	मू.	पू.	उ.
श्र.	ध.	श.	पू.	उ.	रे.	०	०
०	०	०	अ.	भ.	कृ.	रो.	मृ.
१	२	३	४	५	६	७	८

दशाभुक्त भोग्य की कर्त्तव्यता गत नक्षत्र की घटी ६० में से घटा इष्ट घटी जोड़े उसे भयात और ६० में घटाया उसी में प्रवेश नक्षत्र की घटी जोड़े उसे भभोग कहते है। भयात की पलों को दशा के वर्ष से गुणा कर भभोग की पलों का भाग दे लब्ध अंक वर्ष फिर शेषांक को १२ गुणा. भभोग की पलों का भाग दे लब्ध मास फिर ३० गुणाकर दिन तथा ६० से गुणाकर घटी और पल ले फिर दशा का भुक्त यह है इसे दशा के वर्षों में घटा दे ये भोग्यवर्ष होता है।

रविरेखा ४८ दि. ३।४५

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०१	०३	०१	०३	०५	०६	०१	०३
०२	०६	०२	०५	०६	०७	०२	०४
०४	१०	०४	०६	०९	१२	०४	०६
०७	११	०७	०९	११		०७	१०
०८		०८	१०			०८	११
०९		०९	११			०९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चन्द्ररेखा ४९ दि. १६।५१

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०३	०१	०२	०१	०१	०३	०३	०३
०६	०३	०३	०३	०४	०४	०५	०६
०७	०६	०५	०४	०७	०५	०६	१०
०८	०७	०६	०५	०८	०७	११	११
१०	१०	०९	०७	१०	०९		
११	११	१०	०८	११	१०		
		११	१०	१२	११		
			११				

भौमरेखा ३९दि.५।३।३९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०३	०३	०१	०३	०६	०६	०१	०१
०५	०६	०२	०५	१०	०८	०४	०३
०६	११	०४	०६	११	११	०७	०६
१०		०७	११	१२	१२	०८	१०
११		०८				०९	११
		१०				१०	
		११				११	

बुधरेखा ५४ दि.३।१७

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०५	०२	०१	०१	०६	०१	०१	०१
०६	०४	०२	०३	०८	०२	०२	०२
०९	०६	०४	०५	११	०३	०४	०४
११	०८	०७	०६	१२	०४	०७	०६
१२	१०	०८	०९		०५	०८	०८
	११	०९	१०		०८	०९	१०
		१०	११		०९	१०	११
		११	१२		११	११	

गुरूरे. ५६ मा.१।१८।५४

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०१	०२	०१	०१	०१	०२	०३	०१
०२	०५	०२	०२	०२	०५	०५	०२
०३	०७	०४	०४	०३	०६	०६	०४
०४	०९	०७	०५	०४	०९	१२	०५
०७	११	०८	०६	०७	१०		०६
०८		१०	०९	०८	११		०७
०९		११	१०	१०			०९
१०			११	११			१०
११							११

भृगुरेखा ५२दि३।५२।५१

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०८	०१	०३	०३	०५	०१	०३	०१
११	०२	०५	०५	०८	०२	०४	०२
१२	०३	०६	०६	०९	०३	०५	०३
	०४	०९	०९	१०	०४	०८	०४
	०५	११	११	११	०५	०९	०५
	०८	१२			०८	१०	०८
	०९				०९	११	०९
	११				१०		११
	१२				११		

इष्टचक्रम्

मेष	वृष	मिथु.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
गु.६	शु.८	बु.६	मं.७	गु.६	बु.७	श.६	मं.७	गु.१२	बु.७	शु.७	शु.१२
शु.६	बु.६	शु.६	शु.६	शु.५	शु.१०	बु.८	शु.४	शु.५	गु.७	बु.६	गु.४
बु.८	गु.८	गु.५	बु.६	श.७	गु.४	गु.७	बु.८	बु.४	शु.४	गु.७	बु.३
मं.५	श.५	मं.७	गु.७	बु.६	मं.७	शु.७	गु.५	मं.५	श.८	मं.५	मं.४
श.५	मं.३	श.६	श.४	मं.६	श.२	मं.२	श.६	श.४	मं.४	श.५	श.२

शनिरे. ३९मा.३।२२।२२

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०१	०३	०३	०६	०५	०६	०३	०१
०२	०६	०५	०८	०६	११	०५	०३
०४	११	०६	०९	११	१२	०६	०४
०७		१०	१०	१२		११	०६
०८		११	११				१०
१०		१२	१२				११
११							

ॐ☆लग्ने रेखा ४९ॐ☆

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
०३	०३	०१	०१	०१	०१	०१	०३
०४	०६	०३	०२	०२	०२	०३	०६
०६	१०	०६	०४	०४	०३	०४	१०
१०	११	१०	०६	०५	०४	०६	११
११		११	०८	०६	०५	१०	
१२			१०	०७	०८	११	
			११	०९	०९		
				१०	११		
				११			

ॐ☆ निसर्गमैत्री. ॐ☆

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ग्र
चं. मं. बृ.	सू. बु.	सू. चं. बृ.	सू. शु.	सू. चं. मं.	बु. श.	बु. शु.	मित्र ग्र
बु.	श मं. गु. शु.	शु. श.	मं. बृ. श.	श.	मं. बृ.	बृ.	सम ग्र
शु. श.	०	बु.	चं.	बु. शु.	सू. चं.	सू. चं. मं.	शत्रु ग्र

तात्कालमैत्री

मित्रा:	शत्रव:
०२	०१
०३	०५
०४	०६
१०	०७
११	०८
१२	०९

अवस्थाजाग्र.

सुप्ता.	३०	जा.
स्वप्ना.	२०	स्व.
जाग्र.	१०	सु.
त्रिं.	ऊं.	सं.

कष्ट:स्यादेकरेखायांद्वाभ्यामर्थक्षयो भवेत्। त्रिभि: क्लेशं विजानीयाच्चतुर्भिस्समतां वदेत्॥ १ ॥ पंचभिश्च वदेन्सौख्यंषड्भिश्चैव धनागम:। सप्तभि:परमानंदमष्टभि-स्सर्वसंमदम्॥ २ ॥ टीका:- जिस ग्रह का बल देखना हो उसकी रेखा जन्मकुंडली लिखके लगानी फिर विचारणीय राशि में कितनी रेखा पाया हैं यदि १ से ३ तक पाया तो निर्बल ग्रह हुआ, ४ पाया तो सम ५ से ८ पाया है तो बली ऐसे ही विचार विवाह जनेऊ आदि कर्म में करना चाहिये, रेखा ४ से ऊपर जितनी अधिक रेखा प्राप्त होगी, ग्रह प्रभावशील बनते गोचर में ४-८-१२ गणना का भी शुभ मान्य रहेगा सभी ग्रहों की रेखा एक जगह करने से आयु का निर्णय भी ठीक हो जाता है।

पंचधामैत्रीसप्तकवर्गीफलम्

०१	सप्तकवर्ग में स्वगृहीका.	३०	००	००
०२	मित्रमित्रको अति मित्रताको.	२२	३०	००
०३	मित्रसमको मित्रहोपताको.	१५	००	००
०४	मित्रशत्रुको सम होयताको.	०७	३०	००
०५	सम शत्रुका शत्रु होयताको.	०३	४५	००
०६	शत्रुशत्रुको अतिशत्रुहो.	०१	५२	३०

अवस्थाच.

विषमे.		समे.
मृता.	३०	बाल.
वृद्धा.	२४	कुमार
युवा.	१८	युवा.
कुमा.	१२	वृद्धा.
बाल.	०६	मृता.

नवीन मानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी श्रीधरीय

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३	३८	५३	९
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	१	२४	४७	१०
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३६	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८

गताब्द	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८
वार	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	२	१८
पल	३३	५६	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१
विपल	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६

गताब्द	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२
वार	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६
घटी	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२२	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७
पल	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५	४८	११	३४	५७	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	०९	३२
विपल	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	०६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४

गताब्द	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६
वार	०	१	३	४	५	६	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१
घटी	४२	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०	४५	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	५	२१	३६
पल	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	०२	२५	४८	११	३४	५७	२०	४२
विपल	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२

वर्ष की मुंद्दा दशा ज्ञात करना : जन्म नक्षत्र की संख्या (अश्विनी नक्षत्र से जोड़े) में गत वर्षो को जोड़ कर योगफल से २ घटा कर अवशेष में ९ का भाग देवे भागफल का त्याग करदेवें। शेषफल १,२,३ आदि को सारिणी में दी गई क्रमशः सूर्य, चन्द्र, भोमादि ग्रह की वर्ष प्रवेश प्रारम्भ मुद्दा दशा प्राप्त होगी शेष ० बचे तो ९ समझे।

विंशोत्तरी मुद्दा दशा ज्ञानाय चक्रम्

शेष	१	२	३	४	५	६	७	८	९
ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	राहु	गुरू	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	०	१	०	१	१	१	१	०	२
दिन	१८	००	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०

योगिनी मुद्दा दशा ज्ञात करना : जन्म नक्षत्र की संख्या (अश्विनी नक्षत्रसे जोड़े) में गत वर्ष तथा ३ जोड़ने पर योगफल में ८ का भाग देने से शेषफल १, २, ३ आदि में क्रमशः मंगला, पिंगला, धान्यादि के सामने दिये गये मास दिन योगिनी वर्ष प्रवेश प्रारंभ दशा होगी। शेष दशा क्रम से चलेगी।

योगिनी मुद्दा दशा चक्रम्

शेष	१	२	३	४	५	६	७	८
योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	०	०	१	१	१	२	२	२
दिन	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०



त्रिपताकिचक्रम् : तीन रेखा खड़ी एवं तीन रेखा तिरछी खीचने पर त्रिपताकिचक्र बन जाता है चक्र में बीच वाली रेखा के ऊपर लग्न लिखा है, वहाँ पर वर्षप्रवेश लग्न रखकर राशियों के क्रम से शेष राशियां स्थापित करें, पश्चात् जन्म ग्रह देखना। ध्यान रहे कि त्रिपताकिचक्र में समस्त ग्रह जन्म कुण्डली के ही आएगें। वर्ष कुण्डली के ग्रह इस कुण्डली में नही आयेगें। गताब्द में १ जोड़कर ९ का भाग देने से जो शेष बचे चन्द्र होगा एवं गताब्द में १ जोड़कर ४ का भाग देने पर जो बचे वो शेषादि ग्रह होंगे। विशेष : जितना शेष बचे उतने स्थान जन्म कुण्डली में चलाकर जिस राशि पर ग्रह आए उस राशि पर ग्रह को इस चक्र में लिखना ध्यान रहें कि राहु व केतु को उलटा कर गिनना है।

पंचाधिकारी : १ जन्मलग्नेश (पुरेश) २ वर्षलग्न (राजा) ३ मुन्थेश (मुन्थापति) ४ त्रिराशिपति ५ दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य राशि का स्वामी रात्रि में प्रवेश हो तो चन्द्र राशि का स्वामी (सेनापति) ये पांचों ग्रह वर्ष पत्रिका में विशेष पंचाधिकारी माने जाते है।

त्रिराशिपति चक्रम् (रसेश) : दिन में वर्ष प्रवेश हो तो मेषादि क्रमशः सूर्य-शुक्र-शनि आदि ग्रह त्रिराशिपति होते है तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो गुरू-चन्द्र-बुधादि ग्रह त्रिराशिपति माने जाते है।

वर्ष लग्न	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
दिन के स्वामी	सूर्य	शुक्र	शनि	शुक्र	गुरू	चन्द्र	बुध	मंगल	शनि	मंगल	गुरू	चन्द्र
रात्रि के स्वामी	गुरू	चन्द्र	बुध	मंगल	सूर्य	शुक्र	शनि	शुक्र	शनि	मंगल	गुरू	चन्द्र

नवीन वेधसिद्ध सूक्ष्म वर्षमान ३६५ दिन १५ घटी २२ पल ५७ विपल है भारत भू भाग पर प्रकाशित अधिकांश पंचांग वेधसिद्ध दृग्गणित से ही निर्माण किया जाता है अतऐव यहाँ वेधसिद्ध सूक्ष्म वर्ष प्रवेश सारिणी प्रस्तुत की गई है। सिद्धान्त अनुसार जन्म कालिक सूर्य स्पष्ट एवं वर्ष कालिक सूर्य स्पष्ट लगभग समान होवे। वर्ष प्रवेश स्थान के अक्षांश/रेखांश अनुसार वर्ष प्रवेश लग्न साधन किया जाना चाहिये। तत्पश्चात् वर्ष फलादेश सटिक मिलेगा।

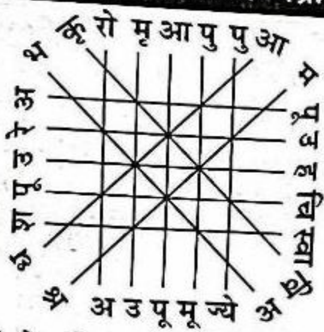
नववर्ष प्रवेश साधन : अभिष्ट संवत् में से जन्म संवत् घटा दें। जो शेष वर्ष बचे उन्हें गताब्द (शेषाब्द) कहते है पश्चात् उपरोक्त नवीन मतानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी से गताब्द की सहायता से वार घटी-पल-विपल प्राप्त होगें इसे सारिणी द्वारा प्राप्त वारादि इष्ट कहेगें। पश्चात् जन्म के वार इष्ट घटी-पल-विपल में सारिणी से प्राप्त गताब्द वार-घटी-पल-विपल को जोड़ने पर वर्ष प्रवेश के वार, इष्ट, घटी, पल, विपल प्राप्त होगें। जिस दिन जन्म तारीख हो उस दिन या उससे एक दिन पहले या बाद में जिस दिन अभिष्ट वार प्राप्त हो उसी दिन ईष्ट पर वर्ष प्रवेश होगा। इससे लग्न साधन कर कुण्डली बना लेवें। लग्न स्पष्ट वर्ष प्रवेश स्थान के अक्षांश/रेखांश अनुसार तथा ग्रह स्पष्ट, भाव स्पष्ट, जन्म पत्रिका की तरह स्पष्ट कर लेने के पश्चात् पंचवर्गी बल तथा हर्ष बल आदि साधन करना चाहिये।

नोट : वार की गणना रविवार से करें तथा वार के स्थान में ७ (सात) से अधिक हो तो ७ घटाकर फिर वार का विचार करें तथा जोड़ घट्यादि के स्थान में ६० से अधिक हो तो ६० घटाकर शेष ग्रहण करें और वार के स्थान में १ जोड़ देवें।

उदाहरण : जन्मवार शुक्रवार इष्ट १२/१५/३६ अर्थात् ०६/१२/१५/३६ वारादि इष्ट प्राप्त हुये। संवत् २०५७ ज्येष्ठ शुक्ल ८ शुक्रवार दिनांक ०९-०६-२००० को जन्म हुआ तथा जन्म लग्न कर्क है। अभिष्ठ संवत् २०६९ का वर्ष प्रवेश निकालना है। अभिष्ठ संवत् २०६९- जन्म संवत् २०५७ =१२ गताब्द, गताब्द १२ से वर्ष प्रवेश सारिणी से प्राप्त मान १/०४/३५/२४ + जन्म का वारादिईष्ट ०६/१२/१५/३६ =०७/१६/५१/०० वर्ष प्रवेश कालिक वारादिईष्ट। वार ७ का अर्थ जन्म तारीख या उसके एक दिन पूर्व या पश्चात् शनिवार को ईष्ट १६/५१/०० से १२ वाँ वर्ष पूर्ण होकर वर्तमान १३वाँ वर्ष प्रवेश होगा संवत् २०६९ का पंचांग देखने पर ज्ञात हुआ कि ०९/०६/२०१२ को शनिवार मिल रहा है।

मुंथा : जन्म लग्न की राशि संख्या में गताब्द की संख्या जोड़कर १२ का भाग देने से शेष तुल्य मुन्था राशि होती है। जन्म समय में मुन्था जन्म लग्न में होती है प्रतिवर्ष एक राशि में भोग करती हुई पुनः १३वें वर्ष में जन्मलग्नांक राशि में मुन्था आ जाती है।

विवाहे पंचशलाका चक्रम्



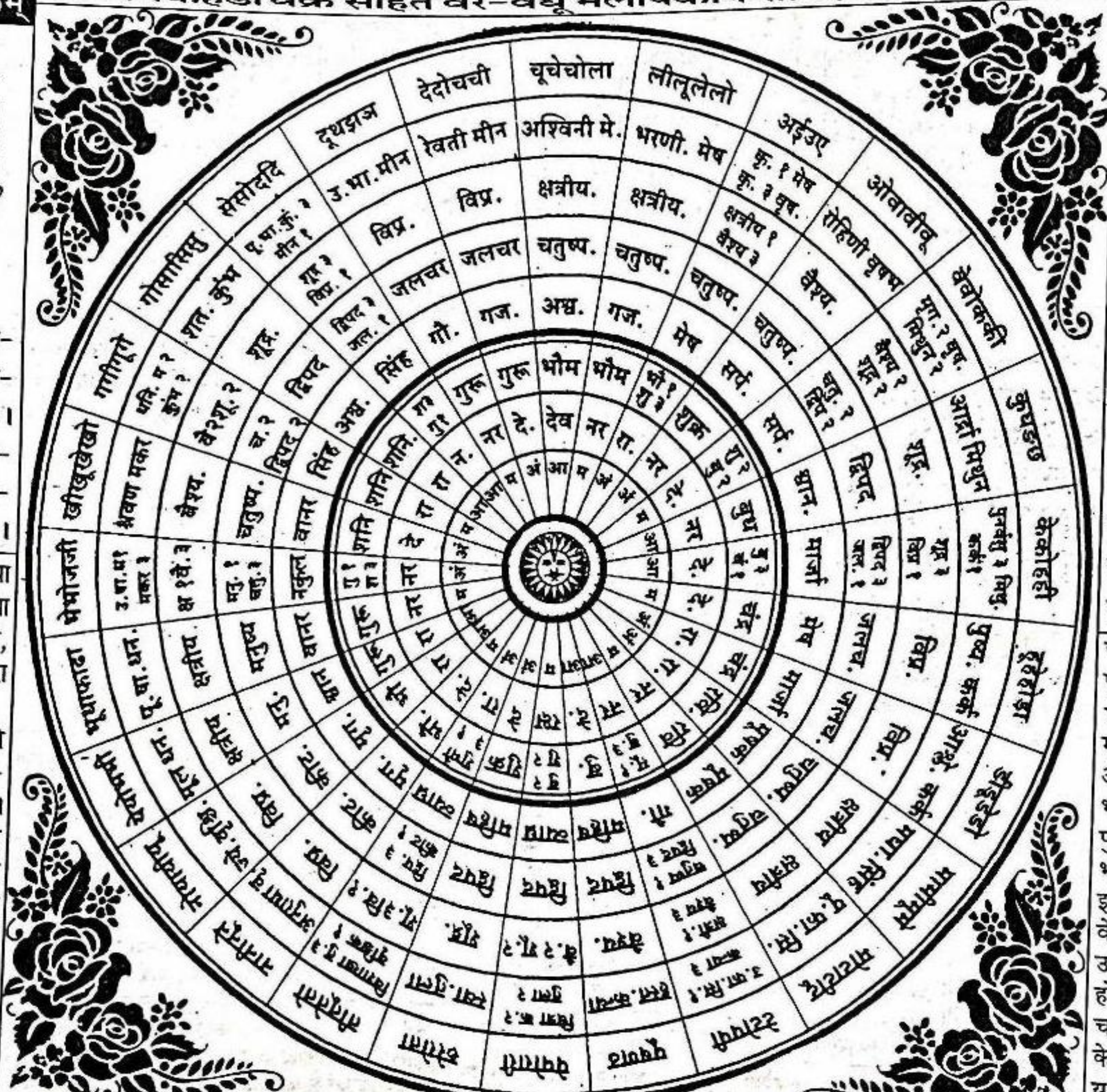
वेधोऽन्योन्यमसौ विरिंच्यभिजितोर्याम्यानुराधर्क्षयोर्विश्वेद्वोर्हरिपित्र्ययोर्ग्रहकृतो हस्तोत्तराभाद्रयोः। स्वातीवारूणयोर्भवेन्निर्ऋतिभादित्योस्तथोफांत्ययोः खेटे तत्र गतेतुरीयचरणाद्योर्वा तृतीयद्वयोः।

रोहिणी, अभिजित् ★ भरणी, अनुराधा ★ उत्तराषाढ़ा, मृगशिर ★ श्रवण, मघा ★ हस्त, उत्तराभाद्रपदा ★ स्वाती, शतभिषा ★ मूल, पुनर्वसु ★ उत्तरा फाल्गुनी, रेवती ★

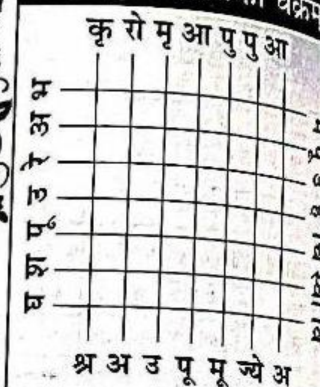
वधू प्रवेशने दानेवरणे पाणिपीड़ने वेधः पञ्चशलाकाख्येऽन्यत्रसप्तशलाककः ॥ इतिशास्त्रीयसूत्रम् ॥ इन दो-दो नक्षत्रों में परस्पर गृह कृत वेध होता है एवं इन दो दो नक्षत्रों में इष्टकालिक गोचर ग्रह के रहनें पर चतुर्थ प्रथम चरणों में तथा तृतीय द्वितीय चरणों में परस्पर वेध होता है। ☆☆☆

श्रीधरी पंचांग बम्बई कार्यालय किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

✿✿ अवकहडाचक्र सहित वर-वधू मेलापकोपयोगिशतपद चक्रम् ✿✿



अन्यत्र सप्तशलाका चक्रम्



शुक्रे ज्ये शतभानिले जलशिवे पौष्णार्यमर्क्षे वसुद्वीशे वैश्वसुधांशुभेहयभगे सार्पानुराधे मिथः। हस्तोपांतिमभे विधातृविधिभे मूलादिती त्वाष्ट्रभाजांघ्री याम्यमेघे कृशानुहरिभे विद्धेकुभृ द्रेखिके॥

ज्येष्ठ, पुष्य ★ शततारका, स्वाति ★ पूर्वाषाढ़ा, आर्द्रा ★ रेवती, उ.फाल्गुनी ★ धनिष्ठा, विशाखा ★ उत्तराषाढ़ा, मृगशिरा ★ अश्विनी, पूर्वाफाल्गुनी ★ आश्लेषा, अनुराधा ★ हस्त, उत्तरा भाद्रपद ★ रोहिणी, अभिजित् ★ मूल, पुनर्वसु ★ चित्रा, पूर्वाभाद्रपद ★ भरणी, मघा ★ कृतिका, श्रवण ★ इन नक्षत्रों का आपस में सप्तशलाका वेध होता है। **शास्त्रीय वेध सूत्रः-** उपर्युक्त नक्षत्रों का वेध यदि पाप ग्रह से हो तो उस सम्पूर्ण नक्षत्र का त्याग करना चाहिए। यदि शुभ ग्रह से वेध हो तो केवल चरण वेध ही त्याज्य होता है। **यथा श्रीनारदीयसूत्रमः- पदमेवशुभैर्विद्धमशुभैर्नैव कृत्स्त्रतः।** ☆☆☆

अवकहड़ा चक्रः नक्षत्र-राश्यादि स्वामी योनि-वर्ण-वश्यादि बोधक सारिणी

नक्षत्र	चरणाक्षर	राशि	राशि स्वामी	वर्ण	वश्य	योनि	गण	नाड़ी	युञ्जा	हंसक तत्व	नक्षत्र संज्ञा	नक्षत्र देवता	नक्षत्र स्वामी	लोचन	पु. स्त्री.
अश्विनी	चू चे चो ला					अश्व	देव	आदि	पूर्व		क्षिप्र लघु	अश्विनी कुमार	केतु	मन्द	पुरूष
भरणी	ली लू ले लो	मेष	मंगल	क्षत्रिय	चतुष्पद	गज	मनुष्य	मध्य	पूर्व	अग्नि	उग्र क्रूर	यमराज	शुक्र	मध्य	पुरूष
कृत्तिका	अ ० ० ०					मेष	राक्षस	अन्त्य	पूर्व		मिश्र साधारण	अग्नि	सूर्य	सुलोच	पुरूष
कृत्तिका	० इ उ ए					मेष	राक्षस	अन्त्य	पूर्व		मिश्र साधारण	अग्नि	सूर्य	सुलोच	पुरूष
रोहिणी	ओ वा वी वु	वृषभ	शुक्र	वैश्य	चतुष्पद	सर्प	मनुष्य	अन्त्य	पूर्व	पृथ्वी	ध्रुव स्थिर	ब्रह्मा	चन्द्र	अन्ध	पुरूष
मृगशिरा	वे वो ० ०					सर्प	देव	मध्य	पूर्व		मृदु मैत्र	चन्द्रमा	मंगल	मन्द	पुरूष
मृगशिरा	० ० क की					सर्प	देव	मध्य	पूर्व		मृदु मैत्र	चन्द्रमा	मंगल	मन्द	पुरूष
आर्द्रा	कु घ ङ छ	मिथुन	बुध	शूद्र	मानव	श्वान	मनुष्य	आदि	मध्य	वायु	तीक्ष्ण दारुण	शिव	राहु	मध्य	स्त्री
पुनर्वसु	के को ह ०					मार्जा	देव	आदि	मध्य		चर चलं	अदिति	गुरु	सुलोच	स्त्री
पुनर्वसु	० ० ० ही					मार्जा	देव	आदि	मध्य		चर चलं	अदिति	गुरु	सुलोच	स्त्री
पुष्य	हू हे हो डा	कर्क	चन्द्र	विप्र	जलचर	मेष	देव	मध्य	मध्य	जल	क्षिप्र लघु	बृहस्पति	शनि	अन्ध	स्त्री
आश्लेषा	डी डू डे डो					मार्जा	राक्षस	अन्त्य	मध्य		तीक्ष दारु	सर्प देवता	बुध	मन्द	स्त्री
मघा	मा मी मू मे					मूषक	राक्षस	अन्त्य	मध्य		उग्र क्रूर	पितर	केतु	मध्य	स्त्री
पूर्वाफाल्गुनी	मो टा टी टू	सिंह	सूर्य	क्षत्रिय	वनचर	मूषक	मनुष्य	मध्य	मध्य	अग्नि	उग्र क्रूर	भग - सूर्य	शुक्र	सुलोच	स्त्री
उत्तराफाल्गुनी	टे ० ० ०					गौ	मनुष्य	आदि	मध्य		ध्रुव स्थिर	अर्यमा - सूर्य	सूर्य	अन्ध	स्त्री
उत्तराफाल्गुनी	० टो प पी					गौ	मनुष्य	आदि	मध्य		ध्रुव स्थिर	अर्यमा - सूर्य	सूर्य	अन्ध	स्त्री
हस्त	पू ष ण ठ	कन्या	बुध	वैश्य	मानव	महिष	देव	आदि	मध्य	पृथ्वी	क्षिप्र लघु	सूर्य देवता	चन्द्र	मन्द	स्त्री
चित्रा	पे पो ० ०					व्याघ्र	राक्षस	मध्य	मध्य		मृदु मैत्र	त्वष्टा	मंगल	मध्य	स्त्री
चित्रा	० ० रा री					व्याघ्र	राक्षस	मध्य	मध्य		मृदु मैत्र	त्वष्टा	मंगल	मध्य	स्त्री
स्वाति	रू रे रो ता	तुला	शुक्र	शूद्र	मानव	महिष	देव	अन्त्य	मध्य	वायु	चर चल	वायुदेव	राहु	सुलोच	स्त्री
विशाखा	ती तू ते ०					व्याघ्र	राक्षस	अन्त्य	मध्य		मिश्र साधारण	इन्द्राग्नि	गुरु	अन्ध	नपु.
विशाखा	० ० ० तो					व्याघ्र	राक्षस	अन्त्य	मध्य		मिश्र साधारण	इन्द्राग्नि	गुरु	अन्ध	नपु.
अनुराधा	ना नी नू ने	वृश्चिक	मंगल	विप्र	कीट	मृग	देव	मध्य	मध्य	जल	मृदु मैत्र	मित्र	शनि	मन्द	नपु.
ज्येष्ठा	नो या यी यू					मृग	राक्षस	आदि	अन्त्य		तीक्ष दारु	इन्द्र	बुध	मध्य	नपु.
मूल	ये यो भ भी				मानव	श्वान	राक्षस	आदि	अन्त्य		तीक्ष दारु	राक्षस	केतु	सुलोच	पुरूष
पूर्वाषाढ़ा	भू ध फ ढ	धनु	गुरु	क्षत्रिय		वानर	मनुष्य	मध्य	अन्त्य	अग्नि	उग्र क्रूर	जल	शुक्र	अन्ध	पुरूष
उत्तराषाढ़ा	भे ० ० ०				चतुष्पद	नकुल	मनुष्य	अन्त्य	अन्त्य		ध्रुव स्थिर	विश्वेदेव	सूर्य	मन्द	पुरूष
उत्तराषाढ़ा	० भो जा जी				चतुष्पद	नकुल	मनुष्य	अन्त्य	अन्त्य		ध्रुव स्थिर	विश्वेदेव	सूर्य	मन्द	पुरूष
श्रवण	खी खू खे खो	मकर	शनि	वैश्य		वानर	देव	अन्त्य	अन्त्य	पृथ्वी	चर चल	विष्णु	चन्द्र	सुलोच	पुरूष
धनिष्ठा	गा गी ० ०				जलचर	सिंह	राक्षस	मध्य	अन्त्य		चर चल	वसु	मंगल	अन्ध	पुरूष
धनिष्ठा	० ० गू गे					सिंह	राक्षस	मध्य	अन्त्य		चर चल	वसु	मंगल	अन्ध	पुरूष
शतभिषा	गो सा सी सू	कुंभ	शनि	शूद्र	मानव	अश्व	राक्षस	आदि	अन्त्य	वायु	चर चल	वरुण	राहु	मन्द	पुरूष
पूर्वाभाद्रपद	से सो द ०					सिंह	मनुष्य	आदि	अन्त्य		उग्र क्रूर	अजपाद	गुरु	मध्य	पुरूष
पूर्वाभाद्रपद	० ० ० दी					सिंह	मनुष्य	आदि	अन्त्य		उग्र क्रूर	अजपाद	गुरु	मध्य	पुरूष
उत्तराभाद्रपद	दू थ झ ञ	मीन	गुरु	विप्र	जलचर	गौ	मनुष्य	मध्य	अन्त्य	जल	ध्रुव स्थिर	अहिर्बुन्ध्य	शनि	सुलोच	पुरूष
रेवती	दे दो चा ची					गज	देव	अन्त्य	पूर्व		मृदु मैत्र	पूषा	बुध	अन्ध	पुरूष

ग्रहों के अंश कलादि के स्पष्ट द्वारा नक्षत्र चरण प्रवेश काल बोधक सारिणी

सूर्य एवं चन्द्रादि ग्रह अश्विनी आदि २७ नक्षत्रों के क्रांतिव्रत का पूरा परिभ्रमण करने में भिन्न-भिन्न समय लेते हैं। क्रान्तिव्रत का मान ३६०° होता है। ३६० अंश में २७ का भाग देने से प्रत्येक नक्षत्र का मध्य मान १३ अंश २० कला होता है तथा प्रत्येक नक्षत्र के ४ चरण होने से प्रत्येक नक्षत्र के एक चरण का मान (१३°-२०') ÷ ४ = ३°-२०' होगा, शून्य से प्रारम्भ होकर प्रत्येक ग्रह इसी प्रकार क्रमानुसार नक्षत्र चरण राशि आदि परिवर्तन करता है।

रा. अं. क.	नक्षत्रपाद राशि	रा. अं. क.	नक्षत्रपाद राशि	रा. अं. क.	नक्षत्रपाद राशि
०-००-००	अश्विनी (१) मेष	४-००-००	मघा (१) सिंह	८-००-००	मूल (१) धनु
०-०३-२०	"(२)"	४-०३-२०	"(२)"	८-०३-२०	"(२) धनु
०-०६-४०	"(३)"	४-०६-४०	"(३)"	८-०६-४०	"(३)"
०-१०-००	"(४)"	४-१०-००	"(४)"	८-१०-००	"(४)"
०-१३-२०	भरणी (१)"	४-१३-२०	पूफा (१)"	८-१३-२०	पूषा (१)"
०-१६-४०	"(२)"	४-१६-४०	"(२)"	८-१६-४०	"(२)"
०-२०-००	"(३)"	४-२०-००	"(३)"	८-२०-००	"(३)"
०-२३-२०	"(४)	४-२३-२०	"(४)"	८-२३-२०	"(४)"
०-२६-४०	कृत्तिका (१) मेष	४-२६-४०	उफा (१)"	८-२६-४०	उषा (१)"
१-००-००	"(२) वृष	५-००-००	"(२) कन्या	९-००-००	उषा (२) मक
१-०३-२०	"(३)"	५-०३-२०	"(३)"	९-०३-२०	"(३)"
१-०६-४०	"(४)"	५-०६-४०	"(४)"	९-०६-४०	"(४)"
१-१०-००	रोहिणी "(१)"	५-१०-००	हस्ते (१)"	९-१०-००	श्रवण (१)"
१-१३-२०	"(२)"	५-१३-२०	"(२)"	९-१३-२०	"(२)"
१-१६-४०	"(३)"	५-१६-४०	"(३)"	९-१६-४०	"(३)"
१-२०-००	"(४)"	५-२०-००	"(४)"	९-२०-००	"(४)"
१-२३-२०	मृगशिर (१)"	५-२३-२०	चित्रा (१)"	९-२३-२०	धनिष्ठा (१)"
१-२६-४०	"(२)"	५-२६-४०	"(२)"	९-२६-४०	"(२)"
२-००-००	"(३) मिथुन	६-००-००	चित्रा (३) तुला	१०-००-००	"(३) कुम्भे
२-०३-२०	"(४)"	६-०३-२०	"(४)"	१०-०३-२०	"(४)"
२-०६-४०	आर्द्रा (१)"	६-०६-४०	स्वाती (१)"	१०-०६-४०	शतभिषा (१)"
२-१०-००	"(२)"	६-१०-००	"(२)"	१०-१०-००	"(२)"
२-१३-२०	"(३)"	६-१३-२०	"(३)"	१०-१३-२०	"(३)"
२-१६-४०	"(४)"	६-१६-४०	"(४)"	१०-१६-४०	"(४)"
२-२०-००	पुनर्वसु (१)"	६-२०-००	विशाखा (१)"	१०-२०-००	पूभा (१)"
२-२३-२०	"(२)"	६-२३-२०	"(२)"	१०-२३-२०	"(२)"
२-२६-४०	"(३)"	६-२६-४०	"(३)"	१०-२६-४०	"(३)"
३-००-००	पुनर्वसु (४) कर्क	७-००-००	"(४) वृश्चिक	११-००-००	पूभा (४) मीन
३-०३-२०	पुष्ये (१)"	७-०३-२०	अनुराधा (१)"	११-०३-२०	उभा (१)"
३-०६-४०	"(२)"	७-०६-४०	"(२)"	११-०६-४०	"(२)"
३-१०-००	"(३)"	७-१०-००	"(३)"	११-१०-००	"(३)"
३-१३-२०	"(४)"	७-१३-२०	"(४)"	११-१३-२०	उभा (४) मीन
३-१६-४०	अश्ले (१)"	७-१६-४०	ज्येष्ठा (१)"	११-१६-४०	रेवती (१)"
३-२०-००	"(२)"	७-२०-००	"(२)"	११-२०-००	"(२)"
३-२३-२०	"(३)"	७-२३-२०	"(३)"	११-२३-२०	"(३)"
३-२६-४०	अश्ले (४) कर्क	७-२६-४०	ज्येष्ठा (४) वृश्चि.	११-२६-४०	रेवती (४) मीने
				१२-००-००	अश्वि. (१) मेषे

अथ नक्षत्र कष्टावली चक्रम्

नक्षत्र	विष घटी से-तक	चरणागत कष्ट दिन १	२	३	४	जपार्थ मंत्राः	रोग उत्पत्ति कष्ट दिन	जप सं. (सहस्त्र)	दान पदार्थाः	आराध्य वृक्ष	नक्षत्र	विष घटी से-तक	चरणागत कष्ट दिन १	२	३	४	जपार्थ मंत्राः	रोग उत्पत्ति कष्ट दिन	जप सं. (सहस्त्र)	दान पदार्थाः	आराध्य वृक्ष
अश्विनी	५०-५४	९	११	१	२०	मृत्युञ्जय मन्त्रजपः	९ दिन	५ सहस्त्र	भोजन दानम्	कुचला वृक्ष	स्वाति	१४-१८	६०	१७	३०	०	वायोरग्रेति मंत्रः	मृत्यु तुल्य	१० सह.	गोघृत दानम्	अर्जुन वृक्ष
भरणी	२४-२८	०	८०	४०	११	यमायतवेति मन्त्रः	११ दिन	१० सह.	गौअन्न दानम्	आंवला	विशाखा	१४-१८	१५	०	४	१३	इन्द्राग्निइति मंत्रः	१६ दिन	१० सह.	गोस्वर्ण दानम्	नागकेशर
कृतिका	३०-३४	९	११	१६	२७	अग्निर्मर्धेति मंत्रः	९ दिन	१० सह.	स्वर्ण दानम्	गूलर	अनुराधा	१०-१४	६०	१२	३६	३०	नमोमित्रेति मंत्रः	स्थिर रोग	१० सह.	गोघृत दानम्	नागकेशर
रोहिणी	४०-४४	३	९	१८	३०	ब्रह्मययेति मंत्रः	७ दिन	५ सहस्त्र	घृत दानम्	जामून	ज्येष्ठा	१४-१८	६९	९	६	४	त्रातारमिन्द्रमिति मंत्रः	मृत्यु तुल्य	५ सहस्त्र	तिल दानम्	नीम वृक्ष
मृगशिरा	१४-१८	९	५	७	१०	इमं देवेति मंत्रः	एक मास	१० सह.	तिल दानम्	खैरी	मूल	५६-६०	०	९	१५	६	मातापुत्रेति मंत्रः	९ दिन	५ सहस्त्र	रजतपात्र दानम्	वेत वृक्ष
आर्द्रा	२१-२५	०	१८	०	०	नमस्तेरूद्रइति मंत्रः	मृत्यु तुल्य	१० सह.	गौ दानम्	कृष्णागुरू	पूर्वाषाढ़ा	२४-२८	०	१५	२४	१०	आपोधर्मेति मंत्रः	मृत्यु तुल्य	५ सहस्त्र	गौमुक्ता दानम्	अर्क वृक्ष
पुनर्वसु	३०-३४	७	१४	२	२१	अदितिद्योरिति मंत्रः	७ दिन	१० सह.	पीतल दानम्	कीकर	उत्तराषाढ़ा	२०-२४	३०	२४	२६	१६	विश्वेदेवेति मंत्रः	एक मास	१० सह.	भोजन दानम्	कटहल वृक्ष
पुष्य	२०-२४	६	७	१०	२१	वृहस्पतेति मंत्रः	७ दिन	१० सह.	तेलान्न दानम्	पीपल	श्रवण	१०-१४	६०	२४	६	९	विष्णोरराटेति मंत्रः	११ दिन	१० सह.	श्रीफल दानम्	श्वेत वृक्ष
आश्लेषा	३२-३६	०	०	४१	०	नमोऽस्तुसर्पेति मंत्रः	मृत्यु तुल्य	१० सह.	गोऽजादि दानम्	नागचम्पा	धनिष्ठा	१०-१४	१५	४	२०	२१	वसोःपवित्रेति मंत्रः	१५ दिन	१० सह.	अश्वान्न दानम्	नारियल वृक्ष
मघा	३०-३४	१५	७	१७	२०	पितृभ्यइति मंत्रः	२० दिन	१० सह.	वस्त्राज्यदानम्	वटवृक्ष	शतभिषा	१८-२२	०	४५	३	२२	वरूणस्योत्तमिति मंत्रः	११ दिन	१० सह.	भोजनान्न दानम्	आम वृक्ष
पू. फा.	२०-२४	०	१५	०	३०	भगप्रणेति मंत्रः	मृत्यु तुल्य	१० सह.	भोजन दानम्	अशोक वृक्ष	पू. भाद्र.	१६-२०	०	१२	२१	१९	अजेकचरणोक्त मंत्रः	मृत्यु तुल्य	१० सह.	भोजन दानम्	कदम्ब वृक्ष
उ. फा.	१८-२२	७	१४	७	६०	दध्यावद्धेति मंत्रः	७ दिन	१० सह.	अन्न दानम्	खेजड़ी वृक्ष	उ. भाद्र.	२४-२८	१०	३	९	१५	अहिर्बुध्येति मंत्रः	७ दिन	१० सह.	अन्न दानम्	मेहंदी वृक्ष
हस्त	२१-२५	१५	१७	१५	०	उदुत्यंजातवेदेति मंत्रः	१५ दिन	५ सहस्त्र	तैल दानम्	जूही	रेवती	३०-३४	१८	१०	९	२०	पूषन्तव वव्रेति मंत्रः	स्थिर रोग	५ सहस्त्र	वृष दानम्	बेर वृक्ष
चित्रा	२०-२४	११	९	९	१६	त्वष्टातुरीगति मंत्रः	११ दिन	१० सह.	दुग्ध दानम्	बिल्व वृक्ष	बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलालजी ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर किशनगढ़-सिटी जिला-अजमेर (राज.) फोन- २४४१६०										

अथ बृहदद्वादशराशि गुणधर्म विवेचन चक्रम् पञ्चाङ्गे श्रीधरीय

राशि	पुरूष / स्त्री	चरादि	तत्व	पुष्टकृश	पाद	वर्ण	गुण	धातु	शब्द	स्थान	क्रूरादि	बलस	सम / विषम	दिशा	स्त्रीसंग	क्रांति	जाति	उदय	ऋतु	बुरज	साईन	राशि
मेष	पुरूष	चर	अग्नि	दृढ	चतुष्पद	रक्त-लाल	तप्तदेह	पित्त	अतिरवर	पर्वत	उग्र	दिवा	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	पृष्ठोदय	वसन्त	हमल	एरिज	मेष
वृषभ	स्त्री	स्थिर	पृथ्वी	दृढ	चतुष्पद	श्वेत	शीत	वायु	अतिरवर	समभूमि	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	मध्य	रूक्ष	वैश्य	पृष्ठोदय	ग्रीष्म	सौर	ट्यूरस	वृषभ
मिथुन	पुरूष	द्विस्व.	वायु	मृदु	द्विपद	हरित	तप्त	समधा	दीर्घशब्द	वनचर	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	मध्य	स्निग्ध	शूद्र	शीर्षोदय	ग्रीष्म	जोबझ	जेमिनी	मिथुन
कर्क	स्त्री	चर	जल	मृदु	अपद	श्वेत	शीत	कफ	शब्दहीन	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	पृष्ठोदय	वर्षा	सर्तान्	केन्सर	कर्क
सिंह	पुरूष	स्थिर	अग्नि	दृढ	चतुष्पद	धूम्र-लाल	उष्णा	पित्त	दीर्घशब्द	पर्वत	उग्र	दिवा	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	शीर्षोदय	वर्षा	अशद	लियो	सिंह
कन्या	स्त्री	द्विस्व.	पृथ्वी	कृश	द्विपद	पांडुरंग	शीत	वायु	अर्धशब्द	समभूमि	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	अल्प	रूक्ष	वैश्य	शीर्षोदय	शरद	संवुला	विर्गो	कन्या
तुला	पुरूष	चर	वायु	दृढ	द्विपद	विचित्र	उष्णा	समधा	शब्दहीन	वनचर	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	अल्प	स्निग्ध	शूद्र	शीर्षोदय	शरद	मीझान	लीब्रा	तुला
वृश्चिक	स्त्री	स्थिर	जल	कृश	बहुपद	श्वेत-ताम्र	शीत	कफ	शब्दहीन	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	शीर्षोदय	हेमन्त	अक्रव	स्कार्पिओ	वृश्चिक
धनु	पुरूष	द्विस्व.	अग्नि	दृढ	द्विपद	सुवर्ण	उष्णा	पित्त	अतिशब्द	पर्वत	उग्र	दिवा	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	पृष्ठोदय	हेमन्त	कौश	सेगीटेरी	धनु
मकर	स्त्री	चर	पृथ्वी	दृढ	चतुष्पद	भूरा	शीत	वायु	अतिशब्द	वनचर	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	अल्प	रूक्ष	वैश्य	पृष्ठोदय	शिशिर	जदी	केप्रीकोर्न	मकर
कुंभ	पुरूष	स्थिर	वायु	दृढ	अपद	कृष्ण	उष्णा	समधा	खंडशब्द	भूमि	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	मध्य	स्निग्ध	शुद्र	शीर्षोदय	शिशिर	दलव	एक्वारीस	कुंभ
मीन	स्त्री	द्विस्व.	जल	दृढ	अपद	धूम्र-पीला	शीत	कफ	हीनशब्द	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	उभयोदय	वसन्त	हुत	पिसेस	मीन

❋ अथ वरकन्ययोर्नक्षत्रमेलापके वर्णादिनाड्यन्तानामष्टकूटानां गुणस्य संख्या श्रीधरीय ❋

(१) वर्ण गुणज्ञान चक्र
☆ परस्पर कार्यक्षमता ☆

कन्या / वरस्य	ब्रा.	क्ष.	वै.	शु.
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रीय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

(६) गण मैत्रीगुणज्ञान चक्र
☆ एक दूसरे की अभिरूचि ☆

कन्या / गण	देव	मनुष्य	राक्षस
देव	६	५	१
मनुष्य	६	६	०
राक्षस	०	०	६

(४) योनी गुणज्ञान चक्र
☆ एक दूसरे का विवेक संतुलन ☆

वर → / कन्या योनी	अ.	गज	मेष	सर्प	श्वा.	मा.	मूष.	गौ.	महि	व्या.	मृग.	वान	नकु	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	३	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
मेष	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	२	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	२	२	२	१	०	२	२	१
मार्जा	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	१
मूषक	३	३	३	१	२	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	३	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महि	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	२	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	१	२	२	०	१	४	१	२	२	१
मृग	३	३	३	२	०	३	२	३	३	१	४	२	२	१
वानर	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	१
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	१	२	२	१	१	१	१	१	२	४

(७) राशिकूट गुणज्ञान चक्र
☆ एक दूसरे की जीवनशैली व्यवहार ☆

वर → / कन्या राशि	मेष	वृष.	मिथु	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मेष	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०
वृषभ	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७
मिथु.	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७
कर्क	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०
सिंह	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०
कन्या	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७
तुला	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०
वृश्चि.	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०
धनु	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७
मकर	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७
कुंभ	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०
मीन	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७

(२) वश्य गुणज्ञान चक्र
वर → ☆ परस्पर संबंध ☆

कन्या / वश्य	चतु.	मा.	ज.	वन.	की.
चतु.	२	१	१	०	१
मान.	१	२	१/२	०	०
जल.	१	१/२	२	१	१
वन.	०	०	१	२	०
कीट	१	०	१	०	२

(८) नाड़ी गुणज्ञान चक्र
शारीरिक संबंध एवं संतान पक्ष

☆ वरस्य ☆

कन्या / नाड़ी	आ.	म.	अं.
आदि	०	८	८
मध्य	८	०	८
अंत्य	८	८	०

(३) तारा गुणबोधक चक्र
वर → ☆ एक दूसरे को समझने की शक्ति ☆

कन्या / ता.	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१.५	३	१.५	३	१.५	३	३
२	३	३	१.५	३	१.५	३	१.५	३	३
३	१.५	१.५	०	१.५	०	१.५	०	१.५	१.५
४	३	३	१.५	३	१.५	३	१.५	३	३
५	१.५	१.५	०	१.५	०	१.५	०	१.५	१.५
६	३	३	१.५	३	१.५	३	१.५	३	३
७	१.५	१.५	०	१.५	०	१.५	०	१.५	१.५
८	३	३	१.५	३	१.५	३	१.५	३	३
९	३	३	१.५	३	१.५	३	१.५	३	३

तारा ज्ञान-कन्या के नक्षत्र से वर नक्षत्र तक तथा वर के नक्षत्र से कन्या नक्षत्र तक गणना करें। अलग-अलग दोनों में नौ के भाग से शेष ३-५-७ बचें तो तारा अशुभ शेष अंक १-२-४-६-८-० में शुभ पूर्ण ३ तक।

(५) ग्रहमैत्री गुणबोधक चक्र
→ ☆ परस्पर प्राकृतिक स्वभाव ☆

वर → / कन्या ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
चंद्र	५	५	४	१	४	१/२	१/२
मंगल	५	४	५	१/२	५	३	१/२
बुध	४	१	१/२	५	१/२	५	४
बृह.	५	४	५	१/२	५	१/२	३
शुक्र	०	१/२	३	५	१/२	५	५
शनि	०	१/२	१/२	४	३	५	५

विवाहे खूंटी रोपण

मेष	कुंभ	मीन	नैऋत्य
वृषभ	मिथुन	कर्क	आग्नेय
सिंह	कन्या	तुला	ईशान
वृश्चिक	धनु	मकर	वायव्य

चन्द्र राशि वासः- चन्द्रमा एक राशि पर सवा दो दिन अर्थात कुल १३५ घटी वास करता है, सो १३५ घटी में आठ दिशा चन्द्र भोगता है जिस दिशा का चन्द्रमा उस दिशा से गिनें।

वर्णादि	वर	गुण	कन्या
वर्ण	विप्र	१	क्षत्रिय
वश्य	जल	१	मनुष्य
तारा	शेष२	३	शेष९
योनि	गज	२	श्वान
ग्रह.मै.	गुरु	५	गुरु
गण.मै.	देव	०	राक्षस
भकूट	चार	७	दश
नाड़ी	अन्त्य	८	आदि
एवं	गुण	२७	योग

अथ गुणानयन उदाहरणः-

वर का नाम चंद्र चूड़ कन्या का नाम भवानी वर का जन्म नक्षत्र रेवती कन्या का जन्म नक्षत्र मूल इनके गुण २७ हुये। अतः विवाह शुभ है। गण नहीं मिला उसके परिहार में राशि मैत्री उत्तम बनी है अतः दोष विशेष नहीं। गुण १८ से अधिकाधिक शुभ रहते हैं तथा १८ से कम हीन हैं। किन्हीं दोषों के रहते यदि परिहार वाक्य अच्छे बनते हो तो दोष नगण्य होंगे तथा गुण वृद्धि में सहायक होंगे।

राशियां			राशि तत्व ज्ञान
मेष	सिंह	धनु	अग्नि तत्व
वृषभ	कन्या	मकर	भूमि तत्व
मिथुन	तुला	कुंभ	वायु तत्व
कर्क	वृश्चिक	मीन	जल तत्व

○ चर-स्थिर एवं द्विस्वभाव राशियां ○

चर राशियां	मेष, कर्क, तुला, मकर
स्थिर राशियां	वृष, सिंह, वृश्चिक, कुंभ
द्विस्वभाव राशिया	मिथुन, कन्या, धनु, मीन

○ अपने नाम से वैर वर्ग देखने का कोष्ठक ○

अ ई उ ए	क ख ग घ ङ	च छ ज झ ञ	ट ठ ड ढ ण	त थ द ध न	प फ ब भ म	य र ल व	श ष स ह
गरूड़	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेष

अपने वर्ग से गणना करने पर पंचम ५ शत्रु वर्ग जाने, चौथा मित्र एवं तीसरा सम मित्र समझें।

○ युंजा ज्ञान चक्र ○

पूर्व युंजा	अश्वि.-भर.-कृ.-रोहि.-मृग.-रेव.
मध्य युंजा	आ.-पुन.-पुष्य-आश्ले.-म.-पू.फा.-उ.फा.-ह.-चि.-स्वा.-विशा.-अनु.
अन्त्य युंजा	ज्ये.-मू.-पू.षा.-उ.षा.-श्रव.-धनि.-शत.-पू.भा.-उ.भा.

अष्टकूट-परिहार सूत्रम् (आठों कूटों के परिहारक तत्त्व)

(१.) **वर्णः**– (1) राशीश मैत्री को (वर कन्या दोनों के राशीश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम)। (2) दोनों का राशीश एक ही हो। (3) नवमांशेश मैत्री हो (दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (4) दोनों का नवमांशेश एक ही हो। (5) वर के राशीश वर्ण कन्या के राशीश के वर्ण से उत्तम हो।

(२) **वश्यः**– (1) राशीश मैत्री हो (दोनों के राशीश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (2) दोनों का राशीश एक ही हो। (3) नवमांशेश मैत्री हो (दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (4) दोनों का नवमांशेश एक ही हो। (5) योनि शुद्धि (योनिमैत्री) हो।

(३) **ताराः**– (1) राशीश मैत्री हो (दोनों के राशीश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों। (2) दोनों का राशीश एक ही हो। (3) नवमांशेश मैत्री हो (दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (4) दोनों का नवमांशेश एक ही हो।

(४) **योनिः**– (1) राशीशमैत्री हो (दोनों के राशीश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों) (2) दोनों का राशीश एक ही हो। (3) नवमांशेश मैत्री हो (दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (4) दोनों का नवमांशेश एक ही हो। (5) भकूटशुद्धि (सद्भकूट) हो। (6) वश्य शुद्धि हो।

(५) **राशीश मैत्रीः**– (1) नवमांशेश मैत्री हो (दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (2) दोनों का नवमांशेश एक ही हो। (3) एक नक्षत्र भिन्न राशियां हों। (4) भकूट शुद्धि (सद्भकूट) हो।

(६) **गणः**– (1) राशीशमैत्री हो दोनों के राशीश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र सम हों। (2) दोनों का राशीश एक ही हो। (3) नवमांशेश मैत्री हो (दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (4) दोनों का नवमांशेश एक ही हो। (5) भकूटशुद्धि (सद्भकूट) हो। (6) यदि वश्य के गुण 2, तारा के गुण 3, योनि के गुण 4, राशीश के गुण 5, भकूट के गुण 7 और नाड़ी के गुण 8 योग 29 गुण मिलने पर भी गणदोष का परिहार हो जाता है।

(७) **भकूटः**– (1) राशीशमैत्री हो (दोनों के राशीश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों) (2) दोनों का राशीश एक ही हो। (3) नवमांशेश मैत्री हो (दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों)। (4) दोनों का नवमांशेश एक ही हो।

(८) **नाड़ीः**– (1) दोनों की राशि एक हो और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हों। (2) दोनों का नक्षत्र एक और राशियां भिन्न-भिन्न हों। (3) दोनों का नक्षत्र एक और चरण भिन्न भिन्न हों। (4) पादवेध न हो।

(1) राशियों या नवमांशेशों की मैत्री या एकता के साथ यदि वश्यशुद्धि व ताराशुद्धि में से कोई एक भी मिल जाए तो षडाष्टक का परिहार उत्तम होगा-ऐसा आचार्य कहते हैं।

(2) दोनों के राशीश या नवमांशेश यदि परस्पर मित्र-सम हो तो नवम पञ्चम का परिहार नहीं माना जाता। इसका परिहार तभी माना जाता है जब कि के राशीश परस्पर मित्र हों, नवमांशेश मित्र-मित्र हों या दोनों का नवमांशेश एक ही हो। ध्यान रहेः- नवपञ्चम भकूट में दोनों का राशीश कभी एक नही होता।

(3) उक्त दोषों में नाड़ी दोष को प्रमुखता दी गई है जिसका परिहार होना नितांत आवश्यक है। अन्यथा नाड़ी दोष रहने पर अथवा उसका परिहार न होने पर विवाह सम्बन्ध की अनुमति ज्योतिष शास्त्र कदापि नहीं देता। माने ही वर्ण आदि जानों कूट शुद्ध ही क्यों न हो। उक्त अष्ट कूटों के परिहार मिलने पर प्राप्तांक न्यूनतम अंक में कुछ अंक और जोड़े जाने है तब सपरिहार अष्ट कूट सारणी बनती है जो ही मुक्ति संगठन व उचित परम्परा है। जिसका निर्वाह प्रायः अधिकांश ज्योतिषी नहीं करते।

मंगलिक दोष विचार

निम्नलिखित स्थितियों में कुज दोष (मंगल दोष) माना गया है।

(1) जन्म कुण्डली में 1, 4, 7, 8 या 12 वें भाव में मंगल या अन्य क्रूर ग्रह उपस्थित हो।
(2) चन्द्र कुण्डली से 1, 4, 7, 8 या 12 वें भाव में मंगल या अन्य क्रूर ग्रह उपस्थित हो।
(3) शुक्र से भी कोई मंगल या अन्य कोई क्रूर ग्रह 1, 4, 7, 8 या 12 वें हो तो कुज दोष माना गया है।
(4) कुज दोष बनाने वाला ग्रह यदि अस्त, नीचस्थ या शत्रुराशिस्थ हो तो कुज दोष का फल अधिक माना गया है।
(5) कुज दोष दाम्पत्य जीवन के लिये अच्छा नही माना गया है।
(6) कही कहीं द्वितीय भावस्थ मंगल या अन्य क्रूर ग्रह को भी कुज दोष में माना गया है।
(7) मंगली योग का वैवाहिक जीवन पर प्रभाव–

1. पति या पत्नि के स्वास्थ्य की हानि। 2. वैवाहिक सुख में कमी अथवा विवाह में विलम्ब। 3. किसी एक की आयु की हानि। 4. शैय्या सुख में कमी।

(8) कन्या को वैधव्य योग।

1. यदि पाप ग्रह अष्टम तथा द्वादश में हो तो विधवा हो।
2. यदि पाप ग्रह लग्न में हो तो विधवा हो।
3. यदि पाप ग्रह लग्न में तथा आठवें हो तो विधवा हो।
4. यदि पाप ग्रह छठे, आठवें या बारहवें हों तो विधवा हो।
5. लग्न तथा चन्द्रमा पापग्रहों के मध्य में हो तो श्वसुर कुल का क्षय हो।
6. वैधव्य के लिये या वैवाहिक जीवन को नष्ट करने वाला ग्रह केवल मंगल ही नहीं है। अपितु अन्य क्रूर ग्रह भी मंगल की तरह वैवाहिक सुख में कमी कर सकते हैं।

संकेत-सदोष वर-वधु गुण मिलान सारिणीयां चार पेजों में दी गई है। सारिणी की स्पष्टता हेतु ऊपर वर की राशि, नक्षत्र चरणाक्षर एवं नक्षत्र चरण दिये गये है। बांयी ओर कन्या की राशि-नक्षत्र चरणाक्षर, एवं नक्षत्र चरण दिये गये हैं। इनके नीचे गुणों की संख्या व दोषो का संकेत दिया गया है। शब्द संकेत- ब-वर्ण दोष, त-तारा दोष, य-योनि दोष, र- राशीश दोष, ग- गण दोष, न- नाड़ी दोष, व-वश्य दोष।

मांगलिक दोष परिहार सूत्रम्

कुजदोषवती देया कुजदोषवते किल। नास्ति न चानिष्टं दम्पत्योः सुखवर्धनम्॥

अर्थ-मंगलीक (मंगल दोषवाली) कन्या, मंगल दोष वाले वर को देने से मंगल का दोष नहीं लगता और कोई अनिष्ट भी नहीं होता। बल्कि वर-वधू का दाम्पत्य सुख बढ़ता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित्पापो वा तादृशो भवेत्। तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्॥

अर्थ-वर-कन्या की जन्मकुण्डली में अनिष्ट स्थान स्थित शनि, मंगल अथवा उसी के जोड़-तोड़ का अन्य कोई पापग्रह हो और उसका जवाब देने वाला लड़की अथवा लड़के की जन्मकुण्डली में उन्हीं स्थानों में शनि, मंगल अथवा तत्समान अन्य कोई पापग्रह हो तो मंगल का दोष नहीं लगता।

भौमेन सदृशो भौमः पापो तादृशो भवेत्। विवाहः शुभदः प्रोक्ताश्चिरायुः पुत्रपौत्रदः॥

अर्थ- यदि वर अथवा कन्या दोनों की ही कुण्डली में समान भावों में ही मंगल अथवा तत्सदृश अन्य कोई पाप ग्रह हो अर्थात् कन्या की कुण्डली में जिस भाव में मंगल बैठा हो और जिन भावों में अन्य पापग्रह बैठे हों वर की कुण्डली में उन्हीं भावों में यदि उन्हीं के समान अनिष्ट कारक मंगल और अन्य पापग्रह हों तो वह विवाह कल्याण कारक है, पुत्र-पौत्र आदि को देने वाला है और वर-वधू के आयुष्य को बढ़ाने वाला है।

वक्रिणि नीचारिस्थे वार्कस्थे वा न कुजदोषः।

अर्थ- वर-वधू की जन्मकुण्डली के किसी भी अनिष्ट स्थान में स्थित मंगल यदि वक्री हो वा नीच (कर्क राशि) का हो अथवा शत्रु (मिथुन वा कन्या) राशि का हो वा अस्तगत हो तो उस प्रकार का मंगल अनिष्टकारक नहीं होता।

शुभयागादिकर्तृत्वे नाऽशुभं कुरुते कुजः। कुजः कर्कटलग्नस्थो न कदाचन दोषकृत्॥
नीचराशिगतः सोऽयं शत्रुक्षेत्रगतोऽपि च। शुभाऽशुभफलं नैव दद्यादस्तंगतोऽपि च॥

अर्थ- शुभ ग्रहों के साथ सम्बन्ध करने वाला मंगल अशुभकारक नहीं होता। कर्क लग्न में स्थित मंगल कभी भी अनिष्टकारक नहीं होता है। अपने नीच राशि में स्थित हो अथवा शत्रु क्षेत्र (मिथुन वा कन्या राशि) का हो किंवा अस्तगत हो तो शुभ वा अशुभ कोई फल नहीं देता।

तनुधनसुखमदनायुर्लाभव्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्। विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुङ्गमित्रगेहे वा॥

अर्थ- प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम, एकादश और द्वादश इनमें से किसी एक स्थान में भी मंगल बैठा हो तो वह वर-वधू का विघटन करता है, परन्तु यदि वह अपने घर का हो, उच्च का हो, किंवा मित्रक्षेत्री हो तो दोष कारक नहीं होता।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे। धने मीने घटे चाष्टौ भौमदोषो न विद्यते॥

अर्थ- मेष राशि का मंगल लग्न में, धन का मंगल व्यय स्थान में, वृश्चिक राशि का मंगल चतुर्थ स्थान में, मीन का मंगल सप्तम स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल अष्टम स्थान में हो तो मंगल का दोष नहीं लगता।

कुजो जीवसमायुक्तो युक्तो वा शशिना यदा। चन्द्रः केन्द्रगतो वाऽपि तस्य दोषो न मङ्गली॥

अर्थ- जिस वर अथवा कन्या की कुण्डली में चौथे, सप्तम, अष्टम, द्वादश आदि अरिष्ट कारक स्थानों में से किसी एक स्थान में मंगल बृहस्पति के अथवा चन्द्रमा के साथ बैठा हो किंवा चन्द्रमा केन्द्र में हो तो वह मंगल 'मंगली' दोष वाला नहीं कहा जाता।

चतुः सप्तमगे भौमे मेषकर्कालिनक्रगे। कुजदोषो न तत्र स्यात्स्वोच्चादिराशियोगताः॥

अर्थ-मेष, कर्क, वृश्चिक, और मकर राशि का होकर मंगल चौथे या सातवें स्थान में हो तो स्वक्षेत्री और स्वोच्चराशि के योग से वह मंगलीक जन्य दोष वाला नहीं होता।

केन्द्रे कोणे शुभाढयाश्चेत् त्रिषडायेऽप्यसद्ग्रहाः। तदा भौमस्य दोषो न मदने मदपस्तथा॥

अर्थ- केन्द्र और त्रिकोण में यदि शुभ ग्रह हो तथा ३-६-११ स्थानों में पाप ग्रह हो और सप्तम भाव का स्वामी सप्तम भाव में ही हो तो मंगलीक जन्य दोष से दूषित नहीं होता।

द्वितीये भौमदोषस्तु युग्मकन्यकयोर्विना। द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोर्विना॥
चतुर्थे भौमदोषस्तु मेषवृश्चिकयोर्विना। सप्तमे भौमेदोषस्तु नक्रकर्कटयोर्विना॥
अष्टमे भौमेदोषस्तु धनुर्मीनद्वयोर्विना। कुम्भे सिंहे न दोषः स्याद्विशेषेण कुजस्य च।

अर्थ- द्वितीय स्थान यदि मिथुन और कन्या राशि का हो, बारहवाँ स्थान यदि वृष और कर्क का हो, चतुर्थ स्थान यदि मेष और वृश्चिक का हो, सप्तम स्थान यदि मकर और कर्क का हो, अष्टम स्थान यदि धनु और मीन का हो तो उन-उन स्थानों में बैठे हुए मंगल का दोष नहीं लगता और कुम्भ तथा सिंह राशि यदि अनिष्ट स्थान की होवे तो उस स्थान में भी बैठे हुए मंगल का दोष नहीं लगता।

जामित्रे निधने च पापरहिते युक्ते शुभैर्वीक्षिते। सौशील्यादिपतिव्रता बहुगुणः सीमन्तिनीनां कुले॥
युक्ता ख्यातिभवा स्वभर्तृवशगा भूत्वा चिरं जीवति। यद्वा भाग्यगृहे शुभौ भवति चेत्सत्पुत्रपौत्रान्विता॥

अर्थ- जिस कन्या का सप्तम और अष्टम स्थान पापग्रह रहित हो और उन दोनों स्थानों में शुभग्रह बैठें हो अथवा उन स्थानों को देखते हो तो कन्या अच्छे स्वभाव वाली, पतिव्रता आदि अनेक गुणों वाली, श्रेष्ठ स्त्रियों में अत्यन्त प्रसिद्ध तथा अपने पति के वश में रहकर दीर्घायुष्य वाली होती है और भाग्य (नवम) स्थान में यदि शुभ ग्रह हो तो अच्छे पुत्र और पौत्र से सुखी रहती है।

दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे रन्ध्रलग्ने। लग्नाच्च शुक्रादपि खलु निवसन् भूमिपुत्रस्तयोश्च।
दाम्पत्यं दीर्घकालं सुतधनबहुलं पुत्रलाभश्च सौख्यं। दद्यादेकत्र हीनौ मृतिमखिलभयं पुत्रनाशं करोति॥

अर्थ- यदि वर और वधू दोनों की कुण्डली में लग्न से, चन्द्रमा से और शुक्र से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम और अष्टम एवं द्वादश इन छह स्थानों में से किसी भी एक स्थान में यदि मंगल एक ही प्रकार से बैठा हो अर्थात् वर की कुण्डली में जिस स्थान में बैठा हो उसी स्थान में कन्या की कुण्डली में भी बैठा हो और वधू की कुण्डली में जिस स्थान में बैठा हो वर की कुण्डली में भी उसी स्थान में बैठा हो तो उन दोनों का दाम्पत्य सुख चिरस्थायी रहता है, धन-धान्य-पुत्र-पौत्रादि की अभिवृद्धि होती है और दोनो सदा सुखी रहते है। किन्तु यदि वर-वधू में से किसी एक ही की कुण्डली में उक्त प्रकार से मंगल बैठा हो और उसके जोड़ की दूसरी कुण्डली में उससे भिन्न-भिन्न स्थानों में बैठा हो तो ऊपर लिखे फल से सर्वथा विपरीत समझना चाहिए।

जन्मोत्थञ्च विलोक्य बालविधवायोगं विधाय व्रतं। सावित्र्य उत पैप्पलं हि सततया दद्यादिमां वा रह।
सल्लेग्नेऽच्युतमूर्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाहं स्फुटं। दद्यात्तां चिरजीविनेऽत्र न भवेद् दोषः पुनर्भूभवः॥

अर्थ- जिस किसी कन्या की जन्म कालीन ग्रह संख्या के अथवा प्रश्न लग्न से उसका बालविधवा होना निश्चित हो जाय उस कन्या को सावित्री का अथवा पीपल का व्रत कराकर एकान्त में विष्णु की मूर्ति, पीपल या घट विवाह करने से वैधव्य योग नष्ट हो जाता है।

कार्यसिद्धि की यात्रा, उच्चवर्ग से सम्पर्क, न्यायालय-विवाद, मोटर-ट्रक, ट्रेक्टर, स्कूटर, साइकिल, गाड़ी आदि वाहन प्रयोग, रोगादि में घातचन्द्र देखें।

अथ द्वादशाराशिपरत्वेन नवग्रहादि

घात चक्रम्

द्यूत प्रवास, मेल मिलाप संपर्क विशिष्ठ यात्रा में वर्ज्य करें। विवाहोपनयन तथा अन्य सभी शुभ मांगलिक कार्य, तीर्थ यात्रा में घात चन्द्र का विचार नहीं करें।

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
घात मास	कार्तिक	मंगसर	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
घात तिथि	१-६-११	५-१०-१५	२-७-१२	२-७-१२	३-८-१३	५-१०-१५	४-९-१४	१-६-११	३-८-१३	४-९-१४	३-८-१३	५-१०-१५
घात वार	रविवार	शनिवार	सोमवार	बुधवार	शनिवार	शनिवार	गुरुवार	शुक्रवार	शुक्रवार	मंगलवार	गुरुवार	शुक्रवार
घात नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाती	अनुराधा	मूल	श्रवण	शतभिषा	रेवती	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
घात योग	विष्कुंभ	शुक्ल	परिघ	व्याघात	धृति	शुक्ल	शुक्ल	व्यतिपात	वज्र	वैधृति	गंड	वज्र
घात करण	बव	शकुनि	कौलव	नाग	बव	कौलव	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनी	किंस्तुघ्न	चतुष्पाद
प्रहर	१	४	३	१	१	१	४	१	१	४	३	४
पुरूष चन्द्र	मेष	कन्या	कुंभ	सिंह	मकर	मिथुन	धनु	वृषभ	मीन	सिंह	धनु	कुम्भ
स्त्री चन्द्र	मेष	धनु	धनु	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक	मीन	धनु	कन्या	वृश्चिक	मिथुन	कुम्भ

सूर्यादि ग्रह पीड़ासु स्नानर्थमोषधानि

(यथा सिद्धौधै रोगान्नश्येयुर्मन्त्रतो। तथा स्नान विधानेन ग्रहदोषः प्रणश्यति)

सूर्य	चन्द्र	मङ्गल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मेनशिल	पंचगव्य	बिल्वछाल	गोबर	मालती	इलायची	कालेतिल	लोबान	लोबान
देवदारू	गजमद	रक्त चंदन	अक्षत	पुष्प	मेनशिल	सुरमा	तिलपत्र	तिलपत्र
रक्त पुष्प	शंख	धमनी	फल	श्वेत	सुवृक्षमूल	लोबान	गजदंत	मुत्थरा
रक्त कनेर	सीपी	रक्त पुष्प	गोराचन	सरसों	केशर	धमनी	कस्तूरी	गजदंत
मुलठी	स्फटिक	सिंगरफ	मधु	मुलेठी	–	सौंफ	मुत्थरा	छागमूत्र
खस	चन्दन	माल	मोती	मधु	–	मुत्थरा	–	–
ईलायची	–	कांगनी	स्वर्ण	मालती	–	खिल्ली	–	–
केशर	–	मोलसिरी	–	–	–	–	–	–

सर्वग्रहाणां दोषोपशान्त्यर्थ

॥ सामान्यमौषधि स्नानम्॥

कूट खिली कांगनी लाजवंती (छूईमुई) जब सरसूं देवदारू हल्दी सर्वोषधि लोध इन औषधियों के जल से स्नान करने से ग्रह पीड़ा शरीर कष्ट दूर होवे। तथा ग्रहों के जो भी दान होवे वे करने चाहिये। सत्य वार्ता मानना पूजनीय व्यक्तियों का अनुचरण वन्दना वेद धर्म शाश्वत रूप में मानना, ज्ञानियों से वार्तालाप मन की शुद्धता उत्तम ज्योतिर्विद की सलाह जप दान होम करने से दुष्ट स्थानों में स्थित ग्रह पीड़ा नहीं करते (उडद, मूंग, चना, गेंहू, जो, चावल कांगनी से स्नधान है इनके ग्रहजन्य कष्ट दूर होता है।)

जन्मराशि-प्रचलित नामराशि विचारः– विवाह कार्य, सभी मांगलिक कार्य-मुहूर्त, यात्रा मुहूर्त, दिनमान-ग्रहगोचर गणना दिनदशा हेतु जन्मराशि से ही विचार करना। देश, ग्रामवास नगर घर, युद्ध सेना, न्यायालय-कोर्ट रजिस्ट्रीकरण आदि में नाम राशि की ही मान्यता है, इनमे जन्मराशि का विचार नहीं करना चाहिये। **भद्रावासः–** मुहूर्त चिंतामणी एवं ज्योतिषसार के मतानुसार मेष, वृष, मिथुन, वृश्चिक के चन्द्र में भद्रा **स्वर्ग में**, कन्या, तुला, धनु, मकर के चन्द्र में भद्रा **पाताल की** तथा कुंभ, मीन, कर्क, सिंह के चन्द्र में भद्रा **मृत्युलोक** की मानी जाती है। **भद्रापरिहारः–** शुक्लपक्ष की ४-११ तिथि, कृष्ण पक्ष में ३-१० तिथि वाली भद्रा दिन में शुभ होती है। शुक्ल पक्ष की ८-१५ तथा कृष्ण पक्ष की ७-१४ तिथि में रात्रि में भद्रा शुभ है तथा भद्रा भोमवार व्यातीपात, वैधृति, जन्मनक्षत्र तथा ५वीं तारा ये मध्याह्न /दोपहर के पीछे शुभ है। **भद्रा का शुभोपयोगः–** न्यायालय कार्य, विशेष व्यक्ति से सम्पर्क, शत्रु विरोधी कार्य, चिकित्सा एवं डॉ. से सम्पर्क, स्त्री प्रसंग, किसी को मारना, बांधना, विष देना, अग्नि लगाना, अस्त्रफेंकना, उच्चाटन आदि तथा घोड़ा भैंस ऊंट आदि का क्रय विक्रय भद्रा मे शुभ होता है।

पाया विचारः– जन्मकुण्डली के १, ६, ११वें स्थान में चन्द्रमा हो तो स्वर्णपाद। २, ५, ९वें स्थान में हो तो चांदी। ३, ७, १०वें स्थान में हो तो तांबा ४, ८, १२वें स्थान पर हो तो लोहे के पाया से जन्म हुआ जाने।

जन्मनक्षत्र सेः– आर्द्रादशरूपाणां विशाखा नव ताम्रका। रेवतीषट् हैम्नश्च शेषाः लोहाः प्रकीर्तिता॥ **अर्थ–** आर्द्रा से दस नक्षत्रों में जन्म हो तो चांदी का पाया। विशाखा से नौ तक तांबे का पाया। रेवती से छः तक सोने का और शेष नक्षत्रों में लोहे का पाया जानना। **अन्य मतानुसार** आर्द्रा से १० नक्षत्र चांदी के पाया, विशाखा से ४ नक्षत्र तक लोहे के पाया, पूषा से ७ नक्षत्र तक तांबे का पाया तथा रेवती से ६ नक्षत्र तक सोने का पाया जानना।

शिववासः– तिथि को दूगना करके ५ और जौड़े, योग में ७ का भाग देवें शेष १ बचे तो कैलाश में सुख, २ गौरी संन्निध में सुख संपत्र, ३ वृषभा-रूढ़ में अभिष्ट सिद्धि, ४ सभा में संतापकारक, ५ भोजन में पीड़ा कारक ६ क्रीड़ा में कष्ट, ० शमशान में मृत्यु होवे जानो। **शिववास शुभ तिथियां**–शुक्ल पक्ष की २-५-६-९-१२-१३ व कृष्ण पक्ष की १-४-५-८-११-१२-३०तिथियां शुभ।

नवीन वर्ष प्रवेश ज्ञानाय वर्ष सारणी

गत वर्ष के वारादि जन्म वारादि इष्ट में जोड़ देने से वर्ष प्रवेश का इष्ट तथा वारादि होते हैं।

गता.	वार	घटी	पल	विपल
०१	०१	१५	३१	३०
०२	०२	३१	०३	००
०३	०३	४६	३४	३०
०४	०५	०२	०६	००
०५	०६	१७	३७	३०
०६	००	३३	०९	००
०७	०१	४८	४०	३०
०८	०३	०४	१२	००
०९	०४	१९	४३	३०
१०	०५	३५	१५	००
२०	०४	१०	३०	००
३०	०२	४५	४५	००
४०	०१	२१	००	००
५०	०६	५६	१५	००
६०	०५	३१	३०	००
७०	०४	०६	४५	००
८०	०२	४२	००	००

भद्रा मुख, पुच्छ, घटी सूत्रम्

विवरण	शुक्ल पक्ष				कृष्णपक्ष			
भद्रा	उ.	पू.	उ.	पू.	उ.	पू.	उ.	पू.
तिथि	४	८	११	१५	३	७	१०	१४
प्रहर	५	२	७	४	८	३	६	१
आदिमुखघटी	५	५	५	५	५	५	५	५
प्रहर	८	१	६	३	७	२	५	४
अन्तपुच्छघटी	३	३	३	३	३	३	३	३

विधि :– तिथि प्रयोग (आरंभ से अन्त) के घट्यादि पूर्ण मान में ८ का भाग देने से लब्धांक १ प्रहर का मान होगा। पुच्छ घटीकाल शुभ एवं मुख घटी काल नेष्ट मान्य है।

ईशान १४	पूर्व १७	अग्नि १५
उत्तर १५	सर्वघ. १३५	दक्षिण २१
वायव्य १९	पश्चिम १८	नैऋत्य १६

सूर्य की संक्रान्ति के इतने दिन ५।७।९।१५।२१। २४ वें दिन भूमिशयन मानते है, सूर्य नक्षत्रात् से ५।७।९।१२।१९।२६ भूशैयनम जाने। ग्रहारंभ, शिलान्यास, कुआ खुदवाने में निषेध है।

✪☆ नवग्रह गुणधर्म विषयक विविधज्ञान चक्रम् ✪☆

रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	ग्रहाणां
मेष १०	वृषभ ०३	मकर २८	कन्या १५	कर्क ०५	मीन २७	तुला २०	मिथुन १५	धनु १५	उच्च राश्यंश
तुला १०	वृश्चिक ०३	कर्क २८	मीन १५	मकर ०५	कन्या २७	मेष २०	धनु १५	मिथुन १५	नीच राश्यंश
सिंह	कर्क	मेष,वृश्चि	कं., मि.	ध., मी.	वृष, तु.	म., कुं.	कन्या	मीन	स्वगृही
माणक	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनी	रत्न
२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४८	ग्रहवर्ष
३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	१पाददृष्टि
५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	२पाददृष्टि
४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	३पाददृष्टि
७	७	४।७।८	७	५।७।९	७	३।७।१०	७	७	पूर्णदृष्टि
चं. मं. गु.	र. बु.	र. गु. चं.	र. रा. शु.	र. चं. मं.	बु. रा. श.	बु. रा. शु.	बु. श. शु.	बु.	मित्रग्रह
बु.	मं. शु. गु. श.	शु. श.	मं. श. गु.	श. रा.	मं. गु.	गु.	गु.	०	समग्रह
श. रा. शु.	रा.	बु. रा.	चं.	बु. शु.	र. चं.	र. चं. मं.	र. चं. मं.	०	शत्रुग्रह
अर्क	पलाश	खदिर	अपामार्ग	पीपल	गूलर	शमी	दुर्वा	कुशा	ग्रहसमि.
मास १	दिन २।	मास १॥	मास १	मास १३	मास १	मास ३०	मास १८	मास १८	राशिभुक्तिमान
पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैर्ऋत्य	सर्वदिक्	दिशा
सन्	मून	मार्स	मर्क्युरी	जुपिटर	वीनस	सॅटर्न	डूगोंस	डूगोंस	प्लेनेट
आफ.	महताब	मिरीख	उता.रूद	मुस्तरी	झाहार	झाहल	रास.	जनव.	सितारा
गेहूँ	चावल	मसूर	हरे मूंग	चनादाल	चांवल	उडद	तिल	तिल	दानवस्तु
कमल लालपु.	श्वेत पुष्प	लाल कनेर	सभी पुष्प	पीला पुष्प	श्वेत पुष्प	काला पुष्प	काला पुष्प	काला पुष्प	ग्रहों के पुष्पादि
पशु भू.	जल भू.	दग्धे	श्मशान	देवस्थान	जल भू.	उत्कर	ऊषर	ऊषर	स्थान
अग्नि	वरूण	स्कन्द	विष्णु	इन्द्र	इन्द्राणी	ब्रह्मा	वायु	आकाश	देवता
स्थिर	चर	चर	द्विस्व.	स्थिर	चर	पक्षीस्थिर	चर	पक्षी	चरादि
अस्थि	रक्त	मांस मज्जा	चर्म त्वचा	मेद चर्बी	वीर्य ओज	स्नायु	नस	नस	शरीर धातु

♣ राशि के ऊपर से गोचर एवं कुण्डली के ग्रहों का शुभाऽशुभ फल कोष्टक ♣

राशि	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मेष	स्थानना	हर्ष	शत्रुभय	बंधुलाभ	भय	शत्रुनाश	धननाश	हानि	हानि
वृषभ	भय	वित्तना	धननाश	धनलाभ	धनलाभ	द्रव्यलाभ	धनहानि	वित्तनाश	वित्तनाश
मिथुन	श्रीप्राप्ति	द्रव्यलाभ	श्रीलाभ	क्लेशकर	रोग	वित्तलाभ	धनलाभ	द्रव्यलाभ	द्रव्यलाभ
कर्क	मानभंग	कुक्षिरोग	शत्रुभय	अर्यलाभ	द्रव्यना	धनलाभ	शत्रुभय	बैर	भय
सिंह	दैन्य	कार्यनाश	धनप्राप्ति	शत्रुवृद्धि	सौख्य	पुत्रलाभ	अर्थलाभ	शोक	शोक
कन्या	रिपुनाश	वित्तलाभ	द्रव्यलाभ	स्थान प्रा.	शोक	शत्रुभय	अन्नलाभ	वित्तलाभ	वित्तलाभ
तुला	गमन	धनस्त्रीला	शोक	शरीरपीड़ा	राजमान	शोक	दोषसंग्रह	कलह	कलह
वृश्चिक	पीड़ा	मृत्यु	शत्रुभय	धनलाभ	मृत्यु	अन्नलाभ	शरीरपीड़ा	प्राणनाश	प्राणनाश
धनु	कांतिक्षय	राजभय	कार्यनाश	पीड़ा	सौख्य	वस्त्रलाभ	धननाश	पाप	पाप
मकर	कार्यसिद्धि	महासौख्य	शोक	सौख्य	दैन्य	सौख्य	कर्मलाभ	वैर	वैर
कुंभ	वित्तलाभ	विविधला	वस्त्रलाभ	धनलाभ	द्रव्यलाभ	धनलाभ	द्रव्यलाभ	यश	यश
मीन	हानि	रोगधननाश	रोगधननाश	वित्तनाश	पीड़ा	द्रव्यलाभ	अनर्थ	हानि	हानि

✣ ✣ विवाहे रवि चन्द्र शुद्धि चक्र तथा गोचर ग्रहफल शुभ-अशुभ बोधकचक्र ✣ ✣

सूर्यः	चन्द्रः	मंगलः	बुधः	गुरूः	शुक्रः	श. रा. के.	ग्रहाः
३।६ १०।११	१।२।३।५।६ ७।९।१०।११	३।६ १०।११	२।६ १०।११	२।५।७ ९।११	१।२।३ ९।११	३।६ १०।११	शुभस्थान
१।२।५ ७।९	किसी आचार्य ने १२ शुभ माना है	१।२।५ ७।९	१।३।५ ७।९	१।३।६ १०	५।६ ७।१०	१।२।५ ७।९	पुज्यस्थान
४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	अपुज्यस्थान

♣ साढ़े तीन स्वयं सिद्ध मुहूर्त्त ♣

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, वैशाख शुक्ल अक्षय तृतीया, आश्विन शुक्ल विजयादशमी और कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा ये ४ स्वयं सिद्ध मुहूर्त्त है। इन मुहूर्त्तों में किसी भी कार्य को करने के लिए पंचांग शुद्धि देखने की आवश्यकता नही होती, चौथा अर्धबली होने से इन्हे साढ़े तीन मुहूर्त्त या अबूझ मुहूर्त्त कहते है।

♣ लोक प्रसिद्ध मुहूर्त्त ♣

१. आषाढ़ शुक्ल भड्डुली नवमी, २. कार्तिक शुक्ल देवउठनी एकादशी, ३. माघ शुक्ल बसंत पंचमी, ४. फाल्गुन शुक्ल फूलेरा दूज ये चारों मुहूर्त्त लौकिक व्यवहार में प्रसिद्ध अभिष्ट सिद्धदायक माने गये है।

☆ ☆ चोरी में गई वस्तु का ज्ञान ☆ ☆

अंधलो.	रो	पु.	उ.	वि.	पू.	ध	रे.	मिले पूर्व
मंदलो.	मृ	आ	ह.	ज्ये	उ.	श.	अ.	प्राप्तिदक्षिण
मध्यलो.	आ.	म.	चि.	ज्ये.	अ.	पू.	भ.	प्राप्ति पश्चिम
सुलोच.	पु.	पू.	स्वा.	मू.	श्र.	उ.	कृ.	कुयोग उत्तर

अन्धनक्षत्र में गई वस्तु शीघ्र मिले। मंदनक्षत्र में गई वस्तु ३ दिन में, मध्यनक्षत्र में गई वस्तु ६४ दिन में एवं सुलोचन मे गई वस्तु कभी नही मिले।

बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलालजी
ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, किशनगढ़

काल परिचय :- प्रतिदिन प्रत्येक स्थान का दिनमान न्यूनाधिक होता रहता है। अभीष्ट दिन के दिनमान को ५ भागों में विभाजित करने पर प्रत्येक भाग को जिस नाम से जाना जाता है उसका निम्न विवरण है। **१. प्रातःकाल २. संगव काल या पूर्वाह्नकाल ३. मध्याह्नकाल ४. अपराह्नकाल ५. सायंकाल** । दिनमान के १५ भाग करने पर ८वां भाग अभिजित् मुहूर्त्त कहलाता है। और १०वां भाग विजय मुहूर्त्त कहलाता है। रात्रिमान के १५ भाग करने पर ३ भाग तक **प्रदोष वेला** और ८ वां भाग **निशीथकाल**, १३वां भाग **ब्रह्ममुहूर्त्त**, १४वां भाग उषःकाल और १५ वां भाग **अरूणोदयकाल** कहलाता है। **प्रातःसंध्या** सूर्योदय उपरांत ७२ मि. तक **सायंसंध्या** सूर्यास्त के पश्चात ७२ मिनट तक होती है।

मिहिराचार्य शिवघटी मुहूर्त्त बोधक सारिणी श्रीधरीय

वार	चैत्र, वैशाख, श्रावण, भादवा, माघ, फाल्गुन	वार	ज्येष्ठ-आषाढ़	वार	आसोज, कार्त्तिक, मंगसर, पौष
रवि	दिन- म. ६.४८, अ. १०.० व. २.० शू. ५.१२, अ. ६.० रात्रि- शू. ६. ४८, म. ७.३६ शू. ८.२४, अ. १०.०० शू. १०.४८, व १.१२ शू. ३.३६ म. ४.२४, अ. ६.०	रवि	दिन-अ. ८.२४ व. ११.३६ अ. २.४८ शू. ३.३६ म. ४.२४ शू. ६.० रात्रि- शू. ६.४८ अ. १०.० व. १२.२४ अ. २.४८ व. ४.२४ म. ६.०	रवि	दिन-शू. ७.३६ अ. १०.० व. १२.२४ अ. २.४८ व. ४.२४ अ. ५.१२ शू. ६.० रात्रि- शू. ७.३६ अ. ९.१२ व. ११.३६ अ. २.० शू. ३.३६ व. ६.०
चन्द्र	दिन-अ. ७.३६, व. १०.४८, अ. १.१२, व. ३.३६ अ. ५.१२ शू. ६.० रात्रि- व. ७.३६, म. ९.१२, अ. १०.० व. १.१२ अ. २.४८ शू. ४.२४ व. ५.१२ शू. ६.०	चन्द्र	दिन-अ. ७.३६ व. ९.१२ अ. ११.३६ व. ६.० रात्रि- व. ८.२४ अ. ११.३६ व. २.४८ म. ३.३६ व. ६.०	चन्द्र	दिन- अ. ९.१२ म. १०.४८ शू. १.१२ अ. ३.३६ म. ६.० रात्रि- व. ८.२४ अ. ११.३६ व. २.० अ. ३.३६ शू. ४.२४ व. ६.०
मंगल	दिन-अ. ८.२४ शू. ९.१२ व. १०.० अ. १२.२४ शू. ३.३६ अ. ५.१२ शू. ६.० रात्रि- व. ७.३६ म. ९.१२ अ. १०.० व. १२.२४ अ. २.० शू. २.४८ व. ३.३६ म. ४.२४ अ. ६.०	मंगल	दिन-शू. ७.३६ व. १०.० अ. ११.३६ शू. १.१२ व. ३.३६ शू. ४.२४ अ. ६.० रात्रि- शू. ६.४८ अ. १०.० व. १२.२४ अ. २.४८ व. ५.१२ म. ६.०	मंगल	दिन- अ. ७.३६ व. १०.० अ. १०.४८ शू. १२.२४ म. २.४८ शू. ५.१२ व. ६.० रात्रि- व. ८.२४ अ. ११.३६ व. २.० अ. ३.३६ शू. ४.२४ व. ६.०
बुध	दिन-व. ७.३६ अ. ९.१२ व. ११.३६ अ. १.१२ शू. २.० व. ३.३६ म. ४.२४ अ. ६.० रात्रि- शू. ६.४८ अ. ९.१२ म. १०.४८ व. १२.२४ शू. २.० अ. ६.०	बुध	दिन-शू. ६.४८ म. ८.२४ अ. १०.० व. १२.२४ शू. १.१२ व. २.४८ अ. ५.१२ शू. ६.० रात्रि- व. ७.३६ अ. ९.१२ व. १२.२४ अ. २.४८ शू. ६.०	बुध	दिन- शू. ६.४८ म. ८.२४ अ. ११.३६ व. २.० शू. ५.१२ व. ६.० रात्रि-शू. ६.४८ अ. १०.४८ व. २.० अ. ४.२४ शू. ५.१२ व. ६.०
गुरु	दिन- अ. ८.२४ शू. ९.१२ व. १०.४८ अ. १.१२ व. ४.२४ अ. ६.० रात्रि- व. ७.३६ म. ९.१२ अ. १०.० व. १.१२ अ. २.४८ शू. ४.२४ अ. ६.०	गुरु	दिन-अ. ७.३६ व. १०.० अ. ११.३६ शू. १.१२ व. ३.३६ शू. ४.२४ अ. ६.० रात्रि- व. ९.१२ अ. ११.३६ व. २.० अ. ४.२४ व. ६.०	गुरु	दिन- अ. ६.४८ शू. ८.२४ व. १०.४८ अ. १२.२४ शू. १.१२ व. २.४८ अ. ५.१२ म. ६.० - रात्रि- शू. ७.३६ व. ९.१२ शू. १०.० अ. १२.२४ व. २.४८ शू. ३.३६ व. ६.०
शुक्र	दिन- शू. ६.४८ अ. १.१२ व. ४.२४ अ. ५.१२ शू. ६.० रात्रि- व. ७.३६ शू. ८.२४ अ. १०.४८ व. १.१२ म. ३.३६ शू. ४.२४ अ. ६.०	शुक्र	दिन-अ. ६.४८ व. ७.३६ अ. १०.० व. १२.२४ अ. ३.३६ शू. ४.२४ व. ६.० रात्रि- व. ७.३६ अ. ९.१२ शू. १०.४८ म. ११.३६ व. १.१२ अ. २.४८ शू. ६.०	शुक्र	दिन- व. ९.१२ अ. १०.४८ शू. ११.३६ अ. १२.२४ व. २.० अ. ४.२४ म. ६.० - रात्रि- व. ७.३६ शू. ८.२४ अ. १०.४८ शू. १.१२ म. २.० शू. २.४८ व. ६.०
शनि	दिन- शू. ७.३६ व. ८.२४ शू. ९.१२ अ. १२.२४ शू. १.१२ व. २.० शू. ३.३६ अ. ५.१२ शू. ६.० रात्रि- व. ८.२४ अ. १०.४८ व. १२.२४ शू. २.० अ. ३.३६ शू. ४.२४ अ. ६.०	शनि	दिन- म. ६.४८ शू. ९.१२ अ. १२.२४ व. ४.२४ शू. ६.० रात्रि- शू. ६.४८ व. ८.२४ म. ९.१२ अ. १०.४८ शू. २.४८ अ. ३.३६ व. ४.२४ शू. ५.१२ अ. ६.०	शनि	दिन- शू. ७.३६ व. ९.१२ शू. १०.४८ अ. २.० शू. २.४८ व. ४.२४ शू. ५.१२ म. ६.० - रात्रि- शू. ६.४८ व. ८.२४ अ. १०.४८ व. १२.२४ अ. २.४८ व. ४.२४ अ. ६.०

☞ निम्न मुहूर्त्त का आधार भारतीय माह व वारानुसार है। मिहिराचार्य द्वारा समय को ४ भागो में विभक्त किया है। १. महेन्द्र २. अमृत ३. वक्र ४. शुन्य ये चार काल है। महेन्द्र को सर्वश्रेष्ठ काल माना गया है। इस समयावधि में किये गये कार्यों में पूर्ण सफलता प्राप्त होती है। अमृत काल को भी श्रेष्ठ माना है। वक्रकाल कष्टकारक बाधायुक्त एवं अड़चनो का माना गया है। तथा शून्य काल को नेष्ट अशुभ व्यर्थ माना गया है।

निम्न तालिका में १२ घण्टे का दिन व १२ घण्टे की रात्रि मानकर मध्यमान से सूर्योदय प्रातः ६ बजे तथा सूर्यास्त सायं ६ बजे मानते हुए समयावधि दी गई है। सूक्ष्म गणना हेतु इष्ट दिन के दिनमान या रात्रिमान के कम अधिक होने पर अनुपात से समय न्यूनाधिक करना युक्तियुक्त है। **नोटः** तालिका में **म.-महेन्द्र, अ.-अमृत, व.-वक्र, शू.-शून्य** अक्षरों में दर्शाया गया है। साथ ही इसके समाप्त होने का समय दिया गया है। **उदाहरण**-जैसे रविवार को प्रातः ६ बजे से ६। ४८ तक महेन्द्र काल, ६। ४८ से १०। ०० तक अमृत काल इसी अनुरूप अन्य जाने। इस मुहूर्त्त में राहु काल के समय का त्याग करना आवश्यक है।

अथ द्वादश राशि मध्ये शनि परिभ्रमण विवेक पाद-वाहन-देह निवास सूत्रफलम्

शनिपानोतिविचार- अपनी जन्मराशि से शनि गोचर भ्रमण करते १२, १, २ स्थान गणनानुगत बने, तो इस स्थिति में उस जातक को साढ़ेसाती ७॥ बृहत्कल्याणी शनि दशा कालांश बनता है। तथा इसी प्रकार जन्म राशि से गणना करते ४-८ स्थान पर शनि राशि भ्रमण बने तो ढैय्या दशा-लघुकल्याणी शनि दशा कालांश बनता है। प्रथम १ शनि पेट पर २ पैरों पर तथा बारहवाँ १२ नैत्रों पर प्रभावशाली रहता है।

शनिपाद ज्ञान- जिस नक्षत्र पर शनि हो उसकी संख्या में अपने जन्म नक्षत्र की संख्या जोड़कर चार ४ का भाग देवें। १ शेष रहते सोने का, २ शेष रहते लोहे का, ३ शेष रहते ताम्बे का तथा शून्य शेष रहे तो चांदी पाद समझें। स्वर्ण पाद से सुख-हानि, लोहपाद से धन द्रव्यनाश, ताम्र-तांबा से सामान्य फलद तथा चांदी पाया शुभ श्रीकार होता है।

शनिवाहन ज्ञान- शनि नक्षत्रचार से अपने जन्म नक्षत्र तक गणना करें, उसमें ९ का भाग देवें। तथा शेष १ रहते गंधर्व, २ शेष से अश्व, ३ शेष से गज,, ४ शेष से मेष, ५ शेष से जम्बूक (सियार) तथा ६ से सिंह, ७ से काग, ८ से मृग तथा ० शून्य ९ शेष रहते मयूर वाहन होगा। इनमें अश्व-गज-मयूर वाहन योगवाही सुखद होता है।

साढ़े साती ७॥ वर्ष मध्ये शनिनिवास - शनिदेव ३ मास १० दिन मुख पर, १ वर्ष १ मास १० दिन दाहिनी भुजा पर, १० मास दाहिने पैर पर, १० मास बायां वाम पैर तथा १ वर्ष ४ मास २० दिन हृदय पर १ वर्ष १ मास १० दिन वाम बाँयी भुजा पर, १० मास मस्तिष्क सिर पर तथा ३ मास १० दिन बायां वाम नैत्र, ३ मास १० दिन दाहिने नेत्र पर, ६ मास २० दिन गुदा पर निवास करते है। इनका स्थान प्रतिफल यह है कि- मुख वास हानिप्रद, दाहिनी भुजा विजय उत्साह प्रदायक, दाहिनापाद भ्रमण प्रदायक, हृदय निवास, धन धान्य-सम्पदा कारक, बाँयी वाम भुजा पीड़ा विकार प्रदायक, मस्तिष्क शिरवास, शांति विधायक, सौख्यप्रद, नैत्र निवास शुभ फलद तथा गुदा स्थान चिंता, विकार पीड़ा प्रदायक रहता है।

साढ़े साती शनि स्थिति प्रतिफल- जन्म कुण्डली में यदि शनि मित्र राशि, उच्च राशि तथा शुभ ग्रह से संबंधशील हो तो शनि जनित ढैय्या साढ़े साती का कालांश विशेष अशुभ फल का सूचक नहीं, अपितु योगवाही शुभकारक प्रतिफल भी बन पाता है तथा जन्म कुण्डली में चन्द्र तथा शनि अशुभ ग्रहों से युक्त तथा नीच शत्रु राशि में तब भी नेष्टफल सूचक रहता है। यथा अवनति, मानहानि, अपवाद, स्थाननाश, विरोधाभास, कार्य व्यवसाय में न्यूता, हानि शरीर सुख में कमी तथा रोग शोक सहज बन पाता है। व्यर्थ कार्यो में गति, मतिविभ्रम, कोर्ट-कचहरी आदि में यापन, पारिवारिक अशांति, अशोभनीय वार्ता, राजकर्म-भाग्य पक्ष में न्यूनता का प्रारूप सहज बन पाता है। यदि जन्म में लग्न-पंचम-नवम भाव का स्वामी बनते ३-६-११ भाव स्थान में शनि स्थित हो तो उपर्युक्त कुफल में न्यूनता बन कर सुख सम्पदा वृद्धि तथा मनोत्साह, सुखद दिनचर्या-रात्रिचर्या बन पाती है-

चन्द्र बलाबल माह- चन्द्रमा शुक्लपक्ष की १० से लेकर कृष्णपक्ष की ५ तक परिपूर्ण कहलाता है। यवनाचार्यानुसार शुक्लपक्ष की १ से १० तक चन्द्रमा मध्य बली होता है तथा १० से लेकर कृष्णपक्ष की ५ तक पूर्ण बली होता है। एवं कृष्णपक्ष की ३० तक क्षीण बली होता है। शुभग्रह से दृष्ट हो तो सदा बली रहता है। **प्रश्न जन्मपत्रयोः शुभाशुभज्ञान - माह**-यदि शुभग्रह केन्द्र (१,४,७,१०) तथा त्रिकोण ९, ५ भाव में हो और पापग्रह अष्टम भाव छोड़ अन्य स्थानों में हो तो प्रश्नकर्ता की इच्छाओं की पूर्ति होगी।

समस्त शुभकार्यो मे वर्जनीय- जन्म नक्षत्र, जन्म मास, जन्म तिथि, व्यतीपात, भद्रा, वैधृतियोग अमावस्या तिथि, पिता माता के श्राद्ध दिन, तिथिक्षय, तिथिवृद्धि, क्षयमास, कुलिकयोग अर्धयाम अर्धप्रहर तथा महापात योग सभी शुभ कार्यो में वर्जनीय हैं। विष्कुम्भ तथा बज्रयोग की आदि ३ घड़ी (७२ मि.) परिघ योग का पहला आध, शूलयोग की आदि ५ घटी गण्ड अतिगण्ड योग की आदि ६ घटी सर्वथा त्याज्य है। ग्रहण गुरु, शुक्र के बाल वृद्ध अस्त दिन भी निषेध है। **सभी कार्यो में सामान्य लग्न शुद्धि- व्यायाष्टशुद्धौपचये लग्नगे शुभदृग्युते। चंद्रत्रिषड़दशायस्थे सर्वारम्भः प्रसिद्धयति॥**
भावार्थ-कार्य करने वाले के जन्म लग्न से या जन्म राशि से उपचय ३।६।१०।११ राशि के लग्न तथा लग्न से १२।८ स्थान शुद्ध (ग्रहों से रहित) लग्न पर शुभ ग्रह की दृष्टि अथवा युति तथा चन्द्रमा ३।६।१०।११ स्थान में हो तो ऐसे योग मे सभी कार्यो का करना शुभ होता है। शुभ ग्रह बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्र तथा पाप ग्रह रवि, मंगल, शनि, राहु, केतु आदि है।

❁ दिशाशूलदोषचक्रम् ❁

पूर्व
चन्द्र शनि

उत्तर
मंगल बुध

दिशाशूल ले जावो
वामे राहु योगिनी पूठ।
सन्मुख लेवे चन्द्रमा
ल्यावे लक्ष्मी लूट॥

गुरुवार
दक्षिण

रवि शुक्र
पश्चिम

❁ योगिनीवासचक्रम् ❁

ईशान ८/३०
पूर्व १/९
आग्नेय ३/११

उत्तर २/१०

योगिनी सुखदा वामे
पृष्ठे वांछितदायिनी॥
दक्षिणे धनहंत्री च
सन्मुखे मरणप्रदा॥

५/१३ दक्षिण

वायव्य ७/१५
६/१४ पश्चिम
नैऋत्य ४/१२

❁ कालराहुचक्रम् ❁

ईशान रवि
पूर्व शनि
आग्नेय शुक्र

उत्तर रवि

अर्कोत्तरे वायुदिशां च सोमे
भौमे प्रतीच्यां बुधनैर्ऋते च,
याम्ये गुरौवन्हिदिशां च शुक्रे
मंदे च पूर्वे प्रवदंति कालः

गुरु दक्षिण

वायव्य सोम
भौम पश्चिम
नैऋत्य बुध

❁ नक्षत्रशूलचक्रम् ❁

पूर्व
ज्ये. पूषा. उषा.

उत्तर
पूफा. हस्त विशा.

आग्नेय पूर्व दिग्ज्ञेया
दक्षिणदिक् च नैर्ऋती।
वायवी पशिचमादिक्
स्यादैशानी च तथोत्तरा॥

अ. श. पूभा. उभा.
दक्षिण

रो. पुष्य. मृ.
पश्चिम

❁ यात्रा मे चन्द्र विचार ❁

मषेच सिंहे धनुपूर्व भागे वृषेचकन्या मकरे च याम्ये। युग्मेतुलेकुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशिचोत्तरास्यां॥

अर्थ- मेष, सिंह, धनु पूर्व। वृष, कन्या, मकर, दक्षिण। मिथुन तुला कुंभ पश्चिमे। कर्क वृश्चिक मीन उत्तर।

फलम- सन्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसंपदा। पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चंद्रे धनक्षयः।

अर्थ- सन्मुख का चन्द्रमा धन दाता, दाहिना सुखदाता। पीठ का प्राणहर्ता और बायां धनहर्ता॥

विशेषः- गोकुलनाथ गोरक्षनाथजी के मतानुसार उपरोक्त यात्रा मुहूर्त्त प्राचीन समय से ही मान्य है। इस मुहूर्त्त को मुहूर्त्तराज कहा गया है। इन मुहूर्त्तों में यात्रा करने वालों को चन्द्रदोष, भद्रा, योगिनी, दिशाशूल, नक्षत्रशूल, काल, घातवार आदि किसी कुयोग का दोष नहीं होता है। यह स्वयं सत्यसिद्ध है। प्रथम बांयी तरफ १२ कोष्ठ में बारह मास के नाम दिये गयें है। नीचे तिथियां दी गई है। आगे मास तिथियों का फल दिया गया है। इसके पश्चात् ४ कोष्ठों में चार पहर का अलग-अलग फल दिया गया है। बाद में चार कोष्ठ में चारों दिशाओं का फल दिया गया है। मासों के नीचे दी गई तिथियां को मास के कृष्ण व शुक्ल दोनों पक्ष की समझनी चाहियें। इनमें १३, १४, १५/३० तिथियां नहीं दी गई है। अतः १३ तिथि का फल ३ तिथि के समान, १४ तिथि का फल ४ तिथि के समान, १५ तिथि का फल ५ तिथि के समान समझना चाहिए। अमावस्या में यात्रा करना वर्जित है। वल्लभ सम्प्रदाय के वैष्णव इसी को श्री गोकुलनाथजी का वचनामृत कहते है।

यात्रा मुहूर्त्तः- तिथिः- भद्रादि दोष रहित २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ एवं कृष्ण पक्ष प्रतिपदा। **नक्षत्रः-** अश्वि., मृग., पुन., पु., ह., अनु., श्रव., धनि., रेव. विशेष शुभ। रो., तीनों उत्तरा, तीनों पूर्वा, ज्ये., मू., शत. मध्यम। स्वा., कृति., आ., वि., चि., आश्ले., मघा, भर. आदि ८ नक्षत्र यात्रा में वर्जित है। **शुभ होराः-** चन्द्र, बुध, गुरू, शुक्र। **श्रेष्ठ चोघड़ियाः-** अमृत, चर, लाभ, शुभ। **शुभ लग्नः-** १, ४, ५, ७, ९, १०वें स्थान में शुभ ग्रह (सप्तम शुक्र नेष्ट)३, ६, १०, ११ स्थानों में पापग्रह हो (दशवें में शनि नेष्ट)। **शुभ चन्द्रः-** जन्मराशि से १, ३, ६, ७, १०, ११ वीं राशि का चन्द्रमा शुभ होता है तथा शुक्ल पक्ष में २, ५, ९वीं राशि का चन्द्रमा शुभ होता है।

❁ गोरख पतड़ा (यात्रा मुहूर्त्त) श्री गोरखनाथ जी का वचनामृत ❁

पौष	माघ	फाल्गु.	चैत्र	वैशा.	ज्येष्ठ	आषा.	श्राव.	भाद्र.	आश्वि.	कार्ति.	मार्गा.	✱ तिथियों का फल ✱	प्रहर १	प्रहर २	प्रहर ३	प्रहर ४	पूर्व दिशा	दक्षिण दिशा	पश्चिम दिशा	उत्तर दिशा
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहुत सुख और अर्थपूर्ण हो, क्लेश न हो।	अर्थ	सुख	शोक	सुख	सुख	क्लेश	भीति	द्र.लाभ
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभय जीवहानि पछतावा हो सकुशल घर आवे।	भय	क्लेश	सुख	सुख	शून्य	नेष्ट	दारिद्र	समता
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	कामना सिद्धव अर्थपूर्ण हो सकुशल घर आवें।	लाभ	सुख	सुख	हानि	क्लेश	दुःख	इष्टला	धन प्रा.
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	क्लेश व जीव हानि, कुशल से घर न आवे।	क्लेश	लाभ	क्लेश	विना	लाभ	सुख	मंगल	श्री प्रा.
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ हो, व्याधि व संकट कटे, मित्र मिलें।	संकट	क्लेश	भाग्य	सुख	लाभ	द्रव्यला	धनप्रा.	सुख
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	घर की चिंता, मित्र संकट हो, कदाचित घर आवे।	संकट	क्लेश	भय	अर्थ	भीति	लाभ	मृत्यु	अर्थला.
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	भाग्योदय, मित्र व साधनों की प्राप्ति, रत्नादि।	विलम्ब	लाभ	सुख	सुख	लाभ	कष्ट	द्रव्यला	सुख
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	बहुत बुरा हो, लेन-देन करना नहीं, जीव नाश हो।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	कष्ट	सुख	क्लेश	सुख
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	कामना व आशा पूर्ण हो, सौभाग्य का उदय हो।	लाभ	भाग्य	मित्र	मित्र	सुख	लाभ	का.सि.	कष्ट
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य प्राप्त हो, बहुत दिन लगे, यात्रा प्रवास।	लाभ	सम्पूर्ण	मरण	कुशल	क्लेश	कष्ट	अर्थ	श्री प्रा.
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लश हो, जीव हानि नहीं, सौभाग्य पावे नहीं।	मरण	अर्थ	कुशल	मरण	मृत्यु	लाभ	द्रव्यला	शून्य
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि, मित्र मिलें, विघ्न मिटे, लाभ।	मरण	सुख	सुख	सुख	शून्य	सुख	मृत्यु	अतिक.

दिशाशूल परिहारः- रविवार को तांबुल, सोम को चंदन, मंगल को मट्टी, बुध को पुष्प, गुरू को दही, शुक्र को घृत, शनि को तिलदान कर यात्रा करने से दिशाशूल दोष नहीं लगता है।

शकुन विचारः- यात्रा के समय लोहा, तैल, घास, मठ्ठा, पत्थर, लकड़ी, बिलाव मिले तो अशुभ। दही, चांवल, चांदी, पानी का घड़ा, पुष्प, हंस तथा मुर्दा मिले तो शुभ।

वार शुलः- रात्रि में रवि, गुरू, शुक्र इन वारों का, दिन में सोम, मंगल, शनि इन वारों का दोष नहीं रहता।

विदिशाः- चन्द्रवास, दिशाशूलसमग व नक्षत्रशूल के विचार में आग्नेय कोण की पूर्व में, नैर्ऋत्य की दक्षिण में, वायव्य की पश्चिम में और ईशान की गणना उत्तर दिशा में की जाती है।



卐।। श्रीमन् महामंगलमूर्त्तयेनमः।।卐।। श्री सरस्वत्यै नमो नमः।।卐 स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्। वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम्।। १।। दशावतारो भुवनैकमल्लो गोपांगनासेवित-पादपद्मः। श्री कृष्णचन्द्रः पुरूषोत्तमोऽयं ददातुवः सर्व समीहितं मे।। २।। यं शैवाः समुपासते शिव इति ब्रह्मेति वेदान्तिनो, बौद्धाबुद्ध इति प्रमाणपटवः कर्तेति नैयायिकाः। अर्हन्नित्यथ जैन शासनरताः कर्मेति मीमांसका, सोऽयंवोविदधातु वांछितफलं त्रैलोक्यनाथोहरिः।।३।। गणेशादीन् सुरान् सर्वान् नत्वा सूर्यादिखे-चरान् तिथिवारादिपंचांगकालमानं विलिख्यते।। ४।। यं ब्रह्मवेदान्तविदो वदंति परं प्रधानं पुरुषं तथान्ये विश्वोद्गतेः कारणमीश्वरं वा तस्मै नमो विघ्नविनाशनाय।। ५।। ग्रहा राज्यं प्रयच्छन्ति ग्रहाराज्यं हरन्ति च। ग्रहैर्व्याप्तमिदं सर्व त्रलोक्यं सचराचरम्।। ६।। स्वस्ति श्री भारत केसरी श्री इन्द्रप्रस्थपति श्री राष्ट्रपति महोदयाः।। श्रीमन्त स्वस्ति श्री मन्मुकुटमणिः छत्रपतिः श्री राजराजेश्वर महाराजा श्री विक्रमादित्य महोदयाः श्रीमतां विजय राज्ये सज्योतिः "**श्री चंडांशु श्रीधर शिवलाल पञ्चाङ्ग**" सन्मान्य सुख्यातम्।। एवं कालक्रमेण अथास्मिन् वर्षे ब्रह्मणोदिनोदयात् ब्रह्मणो **गताब्दाः** १९७२९४९१२७ तथा च **बलिबन्धनतो गताब्दा** १९६०८८९१२७, **श्रीराम-रावणयुद्धतो गताब्दा** ८८०१६८, **कृष्णावतारतो गताब्दा** ५२५२ **कुरूपाण्डवयुद्धतो गताब्दा** ५१२६ एवं युगादि कालांश गति व्यवस्था विषयेऽपि **सत्ययुग प्रमाणं** १७२८००० **त्रेतायुग प्रमाणं** १२९६००० **द्वापर युग प्रमाणं** ८६४००० **कलियुग प्रमाणं** ४३२००० तन्मध्ये गतकलि वर्षाणि ५१२७ एवं विगणनया अनुक्रमे अवशेष **भोग्यकलि वर्षाणि** ४२६८७३ तथा च कल्कि अवतारः कलियुगस्य ८२१ वर्षाऽवशेष काले स्यात् एवं चतुर्युग व्यवस्था मतानुगते अनुक्रमणिका।।卐

अथास्मिन् विक्रमाब्दे २०८३ **शाके** १९४८ एवं देश स्वातंत्र्य वर्ष ७९-८० गणराज्य वर्ष ७७-७८ तन्मध्ये दशाधिकारिणां मान्यता राजा **गुरूः**, मंत्री **भौमः**, सस्येश **गुरूः** (पूर्व अन्नाऽधिपः) धान्येश **बुधः** (पश्चादन्नाधिपः) मेघेश **चन्द्रः**, रसेश **शनिः**, नीरसेश **गुरूः**, फलेशः **चन्द्रः**, धनेशः **गुरूः**, दुर्गेश रक्षाऽधिपः **चन्द्रः** एते वर्षमध्ये संवत्सरीय **दशाधिकारिणः**।। एवं गणनानुक्रमे विक्रमाब्द २०८२ मध्ये गुरुवत्सरादि विगणना नियामके संवत्सर संख्या ५४ **रौद्रः** नामकीय संवतारंभे गतिशीलः तथा अनुपातिके सौर वर्षीय मानतः माघ शुक्ल पक्षः १४ कालांशतः संवत्सर संख्या ५५ **दुर्मतिः** नामकीय गतिशीलः। **वर्षनाम पौषः** तथा च चतुर्मेघ गणना नियामके तू **पुष्करः** नामक संज्ञकीयः **रोहिणी निवास समुद्रः**-सागर मध्य संभागे एवं संहिता मतानुगते **समय निवास मालाकर** गृहे स्यात्।। **समय वाहन चातकः** (पपीहा) तथा च अंगारकीय भौम चतुर्थी ३, सोमवती पंचमी ३, सूर्य सप्तमी २, सूर्य दशमी १, सोमवती अमावस्या ३, बुधाष्टमी २, शनैश्चरीय दृष्टिः रचना उत्तर दिशा मध्ये, बुधोदय भाद्रपद मासीय, उत्पत्ति विश्वा १२३, खपति विश्वा ८७, समय मुहूर्त्ताः ३४५, समय दिनानी ३८३, संवत् विश्वा १८, क्षय तिथयः १८, वृद्धि तिथयः ११ तथा च अगस्त्यः सिंहाऽर्कस्यसप्तांशे उदितं स्यात्।। **वर्षेस्मिन भारतवर्षीय भू संभागे ग्रहण १ मांद्य चन्द्र ग्रहण दृश्यते। एवं वार्षिक ग्रहतिथ्यादि उपकरणानि।। श्रीरस्तु।। काले वर्षतु पर्जन्यः पृथ्वी सस्य शालिनी। देशोऽयं क्षोभ रहितो सुप्रजा सन्तु निर्भयाः।। अपुत्राः पुत्रिणः सन्तु पौत्रिणः संत्तुपौत्रिणः। अधनाः सधनाः सन्तु सर्वे सन्तु निरामयाः।। एवं चराऽचर जड़ चेतनमूर्त्त अमूर्त्त वर्गादि विषये मानसिक शुभ संकल्पः सर्वेषां भूतलस्थानां जीवानां कृते सन्मान्य।। भारते भातु भारती।।** 卐 卐 卐 卐

अथाय व्ययौ (लाभ+खर्च) २०८३ विक्रमाब्दे

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
लाभ	१४	०८	१४	०८	११	१४	०८	१४	११	०५	०५	११
खर्च	०२	११	०८	०५	०२	०८	११	०२	०८	११	११	०८

卐 लाभ खर्च फल विवेक 卐

लाभ खर्च के दोनों अंकों का योग करें १ घटावें तथा ८ का भाग देवें। यदि शेष १ रहे तो वर्ष में लाभ रहे, २ शेष में सौख्य प्राप्ति, ३ शेष में क्लेश, ४ में रोग, ५ में अपयश, ६ शेष में सन्मान, ७ शेष मे विजय, लाभ, ८ शेष में हानि, अपव्यय जानना चाहिये। ० शेष रहे तो भी ८ का फल जानना।

अथ विशेष शुभाऽशुभ ज्ञानाय विशिष्ट विंशोपकाः

▲ वर्षा विश्वा १७, धान्य ११, तृण ५, शीत १३, तेज १७, वायु १३, वृद्धि १५, क्षय १५, विग्रह ११, क्षुधा ५, तृष्णा ३, निद्रा ९, आलस्य ९, उद्यम ७, शांति ९, क्रोध ७, दम्भ १३, लोभ ३, मैथुन १५, रसनिष्पत्ति ९, फल निष्पत्ति १३, उत्साह ११, उग्रता ११, पाप १३, पुण्य ३, व्याधि ३, व्याधिनाश १, आचार १, अनाचार ७, मृत्यु ५, जन्म १५, देशोपद्रव ५, देश स्वास्थ्य ११, चौरभय १, चौरभयनाश ११, उद्भिज (वृक्ष लता बेलादि) ९, जरायुज (मनुष्य गौ आदि पशु) ३, अण्डज (पक्षी एवं विषजीव) ११, स्वेदज (जू खटमल मच्छर कीट) ५।

▲ **वर्षा विश्वा प्रमाण** ▲ प्रत्येक वर्ष में विंशोपक विश्वाफल गणितागत आते हैं। शुभाऽशुभ हीन वृद्धि फलाशय अनुपात नियम से समझना चाहिये। पूर्ण विश्वा २० होते हैं इसमें अधिकतम १७ विश्वा तथा मध्य ११ विश्वा एवं न्यून ५ विश्वा तक अनुपातिक समझें। तथापि अन्य ग्रज जनित योग-कुयोग का फलाशय भी विचारणीय रहता है। शास्त्र वचन एवं 'बहुविध संचिंत्यदेवज्ञै कथनीयं शुभाऽशुभम्'।

अभिजित मुहूर्त्त

प्रायः शोधित मुहूर्त्त तालिका में अभिजित मुहूर्त्त में कार्य करें एवं लिखा रहता है। उसका अर्थ यह है कि नित्य के १५ मुहूर्त्तों में आठवां ८ अभिजित् संज्ञक शुभफलद है। इष्ट दिन के दिनमान घटि पल को आधा करें तथा ढाई २।। भागित करके घंटा मिनट बनावें। इस दिनार्द्ध घंटा मिनट को सूर्योदय काल में जोड़ें, यह मध्याह्न काल होगा। इस मध्याह्न काल से २४ मिनिट पहले तथा २४ मिनिट बाद का समय अभिजित मुहूर्त्त है। इस मुहूर्त्त वेला का प्रयोग बुधवार के दिन शास्त्र सम्मत नहीं तथा अन्य वारों में कार्य प्रसाधना योग्य।





०७	१२	०१	१४
०२	१३	०८	११
१६	०३	१०	०५
०९	०६	१५	०४

सद्बिुद्धिप्रदे देवि भुक्ति–मुक्ति प्रदायिनी।
मंत्रपूते सदा देवि महालक्ष्मी नमोस्तु ते।।
नमस्तेऽस्तु महामाये श्रीपीठे सुरपूजिते।
शंख चक्र गदाहस्ते महालक्ष्मी नमोस्तु ते।।

बही खाता निर्माण वा आनयन मुहूर्त्त

(१) स्वस्ति शुभ संवत् २०८३ आश्विन शुक्ल पक्ष ८ सोमवार उत्तराषाढ़ा नक्षत्र तारीख १९–१०–२०२६ ई. शुक्र अस्त
(२) आश्विन शुक्ल पक्ष १५ सोमवार तारीख २६–१०–२०२६ ई. शुक्र अस्त
(३) कार्त्तिक कृष्ण पक्ष ५ शुक्रवार मृगशिरा नक्षत्र दिवा ०९।०४ तक तारीख ३०–१०–२०२६ ई. शुक्र अस्त
(४) कार्त्तिक कृष्ण पक्ष ७ रविवार पुष्य नक्षत्र तारीख ०१–११–२०२६ ई. रविपुष्य सुयोग
(५) कार्त्तिक कृष्ण पक्ष १२ शुक्रवार हस्त नक्षत्र एवं धन तेरस पर्व तारीख ०६–११–२०२६ ई.
(७) कार्त्तिक कृष्ण पक्ष १४ रविवार दीपावली पर्व तारीख ०८–११–२०२६ ई.

<u>श्री कुबेर पूजा, धनत्रयोदशी पर्व शुभारंभ</u>-श्री संवत् २०८३ कार्त्तिक कृष्ण पक्ष १२ शुकवार मानक रचना अनुसार तारीख ०६–११–२०२६ ई. श्री धनवंतरी पूजा सायं प्रदोष वेला यमदीपदानं एवं श्री पूजन ०५।४९ से ०८।१३ पर्यन्त श्रेष्ठ रहेगा।

<u>माघी गुप्त नवरात्रि:</u> माघ शुक्ल पक्ष १ रविवार तारीख ०७–०२–२०२७ ई. दिवा १०।०८ से १२।५२ तक लाभ–अमृत वेला, दिवा १२।३० से ०१।१४ अभिजित वेला में पूजन एवं घटस्थापना करना श्रेष्ठ रहेगा।

<u>होलिका दहन मुहूर्त्त:</u> फाल्गुन शुक्ल पक्ष १४ रविवार तारीख २१–०३–२०२७ ई. को सायं प्रदोष वेला ०६।४५ से ०९।०९ तक होलिका दहन करना श्रेष्ठ रहेगा। जलती हुई होली में विभिन्न नवग्रह दोषो के शमन तथा सुख शान्ति समृद्धि हेतु विशेष मुहूर्त्त में तैयार की गई श्रीधरी नवग्रहशान्ति धूप स्टिक ९ नग, कपूर, गुगल अवश्य डालें। संपर्क सूत्र–मो. 09462504750

।। ॐ श्री गणेशाय नमः।।
श्री वर्ष लग्नम् ०९।२७



भैरव भवानी–संवाद



।। ॐ श्री सरस्वत्यै नमः।।
श्री वर्षेश लग्नम् ०१।२५



श्री जननी जगदम्बिका, आप विश्व प्रतिपाल। शुभागमन नववर्ष का, विविध योग श्रीपाल।।
अम्बाजी कहे ज्ञान से, सुनिये भैरव मंत्र। जीव प्रजा का कर्मफल, श्रीधर पत्र सुतंत्र।।
सुनो देव! संवत् पति गुरूदेव अधिराज। लोकतंत्र विज्ञान हित, सबल होय सबकाज।।
पद मंत्री मंगल गति, आदि व्याधि दक्ष। सचिव सभासद आपदा, लोक तंत्र नव लक्ष।।
सस्य–धान्य के श्रीपति, गुरू बुधे आलक्ष। कृषि खेत खलिहान में, वसुधा भारत दक्ष।।
रसाधीश शनि क्रूरता, नीरसेश गुरू लक्ष। लोभी लेवे आपदा, संग्राहक पक्ष भक्ष।।
रक्षापद अमृत शशि, धननायक गुरू देश। निर्धन सुविधा योजना, शासन चित्त विशेष।।
हरित श्वेत क्रान्ति सघन, दलित पक्ष उद्धार। फलनायक शशि देवता, चन्द्र मेघ पथचार।।
रोहिणी वास सागर गति, माली वर्ष निहार। मेघ गाज नभ गर्जना, बरसे विविध प्रकार।।
ज्येष्ठ मास अधिवर्ष का, ऋतुताप प्रतिचार। चक्रवात आंधी विषय, तट सागर क्षतिसार।।
शनि भौम की वक्रता, परम रूप गतिचार। शान्ति विश्व में न्यूनता, लोभ प्रलोभ विचार।।
राहत सेहत पक्ष में, व्यय विशेष अभिलक्ष। आमद से खर्चे अधिक, विश्व देश आलक्ष।।,
कर्क–सिंह गणना सबल, देवगुरू गतिचार। शनि मंद राशि मीने, तृष्णा विपुल असार।।
कर्त्तव्य मार्ग गतिशील नहो, कर्मवाद ही सार। श्रीधर सांचो गणितफल, कोविद् करे विचार।।
श्रीधर देखो कथन फल, पण्डित श्री आशीष। श्रीराधा कृष्ण सन्नाम से, सानन्द रहे चहुंदीश।।

प्रमुख त्यौंहारों के पूजनादि शुभ मुहूर्त्त

<u>चैत्री बसंत नवरात्रि:</u> चैत्र कृष्ण पक्ष ३० गुरूवार ता. १९–०३–२०२६ ई. दिवा १२।२२ से दिवा ०१।१० तक अभिजित वेला तथा आवश्यकता में प्रातः ०६।५३ से ०८।१७ तक शुभ वेला, दिवा ११।१६ से ०३।४६ तक चंचल समगतिक मान्य, लाभ,अमृत वेला में दुर्गा पूजन एवं घटस्थापना करना श्रेष्ठ रहेगा।

<u>आषाढ़ी गुप्त नवरात्रि :-</u> आषाढ़ शुक्ल पक्ष १ बुधवार ता. १५–०७–२०२६ ई. प्रातः ०५।५९ से ०९।२१ तक लाभ–अमृत वेला, दिवा ११।०२ से १२।०० तक शुभ वेला में पूजन एवं घट स्थापना करना श्रेष्ठ रहेगा।

<u>रक्षाबंधन पर्व मुहूर्त्त :-</u> श्रावण शुक्ल पक्ष १५ शुक्रवार ता. २८–०८–२०२६ ई. दिवा ०६।२१ से ११।०५ तक चंचल, लाभ –अमृत वेला, दिवा १२।१४ से दिवा ०२।१४ तक अभिजित, शुभ वेला, दिवा ०५।२३ से ०६।५८ तक चंचल समगतिक मान्य वेला में रक्षासूत्र बंधन श्रेष्ठ रहेगा।

<u>श्रीगणेश पूजन मुहूर्त्त:-</u> भाद्रपद शुक्ल पक्ष ३ सोमवार ता. १४–०९–२०२६ ई. को मध्याह्न में श्रीगणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। शास्त्रानुसार श्रीगणेश पूजन का श्रेष्ठ समय मध्याह्न काल (वृश्चिक लग्न सहित) माना गया है। वृश्चिक लग्न दिवा ११।१३ से ०१।२९ तक तथा चौघड़िया काल समयानुसार दिवा ०९।३० से ११।०२ तक शुभ, दिवा ०२।०५ से ०६।४० तक चंचल समगतिकमान्य–लाभ–अमृत वेला श्री गणेश पूजन श्रेष्ठ रहेगा।

<u>आश्विन शरद नवरात्रि :-</u> आश्विन शुक्ल पक्ष १ रविवार ता. ११–१०–२६ ई. को प्रातः ०८।०५ से ०९।३१ तक चंचल वेला समगतिक मान्य, दिवा ०९।३१ से १२।४७ तक लाभ–अमृत–अभिजित वेला में पूजन एवं घटस्थापना श्रेष्ठ रहेगा।

श्री महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त्त वेला संवत् २०८३

▲ ***श्री महालक्ष्मी पूजा दीपावली-दीपोत्सव पर्व मुहूर्त वेला***- श्री शुभ संवत् २०८३ कार्त्तिक कृष्ण पक्ष १४ रविवार तिथि मानक रचना अनुसार तारीख ०८–११–२०२६ ई. दिवस वेला पर प्रालेपन गादी स्थापना–स्याही भरना–कलम दवात संवारने हेतु शुभ चौघडिया काल समय अनुसार दिवा ०८। १७ से ०९। ३८ तक चंचल वेला समगतिक मान्य, दिवा ०९। ३८ से १२। २१ तक लाभ–अमृत वेला, दिवा १२।०० से १२।४३ तक अभिजित वेला, दिवा ०१।४३ से ०३।०४ तक शुभ वेला में श्रेष्ठ रहेगा। **श्री पूजन मुहूर्त**- दैनिक लग्न विगणना मान्यता अनुसार सायं गोधूलि प्रदोष वेला का समय मानक सायं सूर्यास्त समय ०५।४७ से ०८।११ रात्रि पर्यन्त तथा स्थिर संज्ञक वृषभ लग्न वेला सायं समय मानक ०६।१५ से ०८।११ रात्रि पर्यंत तथा अर्धरात्रि स्थिर संज्ञक सिंह लग्न वेला मध्य रात्रि १२।४३ से ०२।५८ पर्यंत एवं इस सिंह लग्न में कनकधारा स्तोत्र का पठन पाठ विशेष श्रीकारक सिद्ध होता है। प्रकारांतर से पूजन समय परिहार समाधान सूचक वृश्चिक स्थिर लग्न प्रातः ०७।३५ से ०९।५१ तक, स्थिर संज्ञक कुंभ लग्न दिवा ०१।३९ से ०३।०९ पर्यंत की समय मान्यता भी सामान्य पक्ष अनुसार व्यवहार जनक है। ▲ ***श्री रोकड़ मिलान लेखन कार्य***- श्री नवकार्य शुभारंभ हेतु कार्त्तिक सुदी १ मंगलवार प्रतिपदा तिथि मानक एवं ता. १०–११–२०२६ ई. दिवा ०९।३९ से ११।०० तक चंचल वेला समगतिक मान्य, दिवा ११।०० से ०१।४३ तक लाभ–अमृत वेला श्रीकार। ▲ ***श्री शासकीय लेखाबही लेखन कार्य***- (१) चैत्र बदी २ बुधवार चित्रा नक्षत्र ता. २४–०३–२०२७ ई. (२) चैत्र बदी ३ गुरूवार स्वाति नक्षत्र दिवा १२।३८ से ता. २५–०३–२०२७ ई.। श्रीसुक्तम् एवं कनकधारा स्तौत्र पुस्तक मंगवाने हेतु मो. नं. 09462504750

आद्य प्रणेता पं. श्रीधर शिवलाल जी, प्रकाशक एवं मुद्रक पं. इन्द्रमोहन गौड़, पौत्र स्व. पं. महावीर प्रसाद जी गौड़, अध्यक्ष-ज्ञानसागर छापाखाना किशनगढ़ (राज.)

अथवर्षफलं संवत्सर राजामन्त्री दशाधिकारिणां प्रतिफलं लिख्यते सं.२०८३

प्राप्तेनूतन वत्सरे प्रतिगृहे कुर्यात् ध्वजारोपणं स्नानं मंगलमाचरेत् द्विजवरै सार्धं सुपूजोत्सवम्। देवानां गुरूयोषितां च शिशवोऽलंकार वस्त्रादिभिः, संपूज्यो गणकः फलं च श्रृणुयात्त स्माच्चलाभप्रदम्।। १।। राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मंत्रिश्रवात्कौशलं धान्येशात्कमलास्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात्। धर्मबुद्धिरति-स्थिरा रसपते दीर्घायुप्राप्ति-र्भवेत्सस्येशाद्विमला यतः शुभकारी राजा वलिः श्रूयताम्।। २।। सरस्वतीं च दैवज्ञं पूजयित्वा विनायकं दैवज्ञ मुखतो भक्त्या श्रृणु वर्षफलं मुदा।। ३।। गणेशादीन् सुरान् सर्वान् नत्वा सूर्यादि खेचरान् संवत्सरफलं वक्ष्ये सर्वेकामार्थ सिद्धये।। ४।। अथ स्वस्ति श्री मनृपति विक्रमार्क राज्य समयातीत संवत् २०८३ राष्ट्रीय शाकेः १९४८ तन्मध्ये श्री रौद्र नाम ५४+श्री दुर्मति नाम ५५ संवत्सरस्य फलम् श्री रौद्र नाम संवत्सरे प्रतिफलम्- रौद्रेब्दे नृपसंभूतक्षोभक्लेशसमानिने। सततंत्वखिलालोकामध्य सस्यार्घ कष्टयः।। तथा च श्री दुर्मति नाम संवत्सरे प्रतिफलम्- दुर्मत्यब्देखिलालोभूपादुर्मतयस्सदा। तथा पिसुखिनः सर्वे संग्रामाः सन्तिचेदपि।।

भावार्थ- इस नवीन विक्रम वर्ष में श्री रौद्र एवं दुर्मति नामकीय संवत्सर की गणना से प्रभावशील बना है। तद्नुसार संहिता प्रतिफल- रौद्र नाम संवत्सरे का प्रतिफल यहकि देश दिशा भूसंभाग में कहीं विशेष वर्षा सजल बाढ़ रूपक रचना तथा किसी देश संभाग में सामान्य तथा कतिपय भागों में सामान्य से न्यून वर्षा गति। सजल विशेष तथा अल्प जल गति से दुर्भिक्ष की अभिवृद्धि, राष्ट्रीय उत्पत्ति-उत्पादन एवं विविध औद्योगिक विकास में अनुपातिक न्यूनता बनें। राष्ट्रनायक, राजनैतिक दलों में आपसी मनमुटाव विरोध का चलन कलन बनें। चौर्यकर्मशील द्वारा ठगी, लूटपाट, हिंसा जनित विशेष गतिविधि की रचना से भय व्याप्त बनें। केन्द्र शासन सरकार पर विविध-समस्या का स्वरूप असामयिक विघटित बनें, साथ ही राष्ट्रीय अखण्डता विषयक त्रोटक का प्रारूप प्रतीत होवें। विविध प्रांतीय सरकार स्तर पर भी सुयोगद विकास एवं व्यवस्थित कार्य रचना का प्रारूप नहीं बन पावें। विशिष्ट अधिकारी वर्ग, सचिव, राजपत्रित अधिकारी, राजदूत, अधिशासी अभियंता विविध योजना आयोग के अध्यक्ष आदि पर प्रताडना विघटित बन पावें। केन्द्र शासन में वैचारिक गतिरोध तथा नायक नेतागण अशोभनीय व्यवहार गतिरत बन पावें। आतंकहिंसा का गतिक्रम चरितार्थ रहें। श्री दुर्मति नाम संवत्सरे का प्रतिफल यहकि देश विशेष के राष्ट्र नायकों में द्वन्द युद्ध का वातावरण बनें। राष्ट्रनायक, राजनैतिक दलों में मनमुटाव विरोध का चलन-कलन बनें। चौर्यकर्मशील, ठगी, हिंसा, हिंसाजनित विशेष अपराध का बोलबाला रहे। जन समाज विविध आपदा से ग्रस्त बनें। तथा प्रजा हानि सूत्र अनुसार जनधन क्षति की रचना बन पावे। शासक प्रजा के मध्य असंतोष एवं शासकीय नीति रीति व्यवहार से जनमानस आन्दोलित प्रवृति को प्राप्त करें। कृषि खेत खलिहान पक्ष में उत्पत्ति उत्पादन में न्यूनता तथा श्रम साधना अनुकूल तस्करी कारोबार विशेषकर बनें। आतंकवाद हिंसा का गतिक्रम चरितार्थ रहे। तथापि यह वर्ष आतंकवाद निवारण में सफलीभूत सिद्ध होवें। तथा विश्व रंगमंच पर प्रभावशील रहे। भारतीय समुद्र नौ सेना-वायु सेना-थल सेना सीमा संभाग सुरक्षा में अग्रसर बनते प्रभुता वर्चस्व कायम करने में सार्थक रहेगी। सशक्त गठबंधन मे न्यूनता का प्रारूप, स्पष्ट नीति नियामक की रचना नहीं बन पावें।

वर्षेश राजा-गुरूः तत् फलम्- गुरौ नृपे वर्षति सर्व भूतले पयोधराः काम दुधाश्च धनेवः। सर्वत्रलोका बहुदानतत्पराः पराभावे नैव सदैव नन्दनम्।।१।।

भावार्थ- इस वर्ष का वर्षनायक अधिपति पदभार देवगुरू बृहस्पति के हस्तगत बना है। पदासीन स्थिति अनुसार प्रतिफल यहकि कृषि उत्पादन विकास, दुग्ध विकास योजना, दुग्ध सहकारी संस्था, पशुधन विकास पक्ष हेतु शासकीय सुखद योगदान बनें। साथ ही बाल शिक्षा विकास, जन स्वास्थ्य चिकित्सा सुविधा तथा हरित वसुन्धरा के सुखद स्वरूप हेतु विविध योजना सूत्र का निर्धारण बनें। न्यायपालिका शिक्षा पालिका का वर्चस्व बनते लोककल्याण परियोजना का सकारात्मक विस्तार बनते निर्बल निर्धन अबल अल्पसंख्यक वर्ग संवृद्धि विकास हेतु नवीन दिशा पथ का सूत्रपात भी चरितार्थ होवें। विविध सेवा भावी संस्था समुदाय मण्डल क्लब आदि द्वारा धर्म पुण्यद कार्यों में विशेषकर गतिविधि तथा जन सेवा हेतु सुकृत विभावना का प्रारूप चरितार्थ बनें। विशाल राजपथ मार्ग निर्माण नहर, बांध, सिंचाई, अभिवृद्धि, वृक्षारोपण कार्यक्रम में विशेष अभिरूचि योगदान। अन्नादि में भाव गति एवं गल्ला में भाव सम गतिक बनें। वर्षा में अभिवृद्धि से कृषि उत्पाद में आशानुरूप वृद्धि से कृषक वर्ग में खुशहाली का वातावरण बनें।

वर्ष मन्त्री भौमस्तस्यफलम् - निदानतः स्याद् गुरूदेव निन्दा भूमावती सार गदस्य भूमा। धूमा कुला भूर्जना नेत्र रोगाः कुजे भवेन्मत्रिणि द्वन्द योगः।।२।।

भावार्थ- इस वर्ष का प्रधानमंत्री पदभार भूमिसुत मंगल-भौमदेव को प्राप्त हुआ है। संहिता शास्त्रानुसार प्रतिफल यहकि शिक्षक, प्राचार्य, कुलपति वर्ग के मानद रूप में न्यूनता तथा मन मानस प्रपीड़ित बनें। नीति न्याय की न्यूनता तथा शिक्षा-स्वास्थ्य पक्ष हेतु राष्ट्रीय चिन्तन की गतिमति। न्याय पालिका पर कार्य प्रभार, न्याय विषयक नीति रीति से जनमानस असंतुष्ट बन पावे। धार्मिक तथा सम्प्रदायिक एवं भाषा-भूषा-प्रान्त स्तरीय जातिगत विद्वेष उन्माद की गतिमति विशेषकर बनें। जन समाज में उदर पेट विकार, अतिसार, आंत्रशोध तथा नेत्र विषयक संक्रामक आदि व्याधि का स्वरूप बनें। राष्ट्रीय संविधान नियामक अनुसार नीति रीति विधि सिद्धान्त रचना निर्धारण में न्यूनता बनते, लोकसभा-राज्यसभा आदि में व्यर्थ समय यापन तथा अनुशासन मर्यादा सिद्धांत विषयक चिंतन बन पावें। प्रदुषण विषमता से भूमण्डलीय त्रास रचना एवं पर्यावरण विकास हेतु सांसारिक स्तर पर अनुचिन्तन बनें।

सस्येश गुरूः तथा धान्येश बुधस्तस्यफलम्- आनन्दः सर्वलोकानां सुवृष्टिस्तु प्रजायते। निष्पत्तिर्बहुसस्यानां यत्र सस्याधिपो गुरूः।। धान्येश्वर चन्द्रसुते राजानः प्रीतिमाश्रिताः। क्वचित् वृष्टिः स्यात् निष्पद्यते क्वचित्।।३-४।।

भावार्थ- इस वर्ष सस्य धान्य विभाग क्रमशः गुरू तथा चन्द्रसुत बुधदेव को प्राप्त हुआ है। प्रथम खरीफ फसल के स्वामी गुरू तथा शीत कालीन रबी फसल के अधिपति बुध देव बने है। पूर्व खरीफ की साख सन्तुलन ठीक बनें है। श्रम अनुकूल लाभांश जीव प्रजा के भाग्य से प्राप्त होवें। वसुधा हरित रूप वर्ण से आच्छादित प्रतीत होवें। कृषक समाज में मनोत्साह बनें। पृथ्वी पर बीज वपन फलद बनतें, आर्थिक सुलाभ चरितार्थ होवे। तथा शीतकालीन फसल दिशा भू-भेद से न्यूनाधिक स्थिति की ही बन पावें। उर्वरक खाद् बीज एवं रसायन कृषि औषध हेतु शासकीय योगदान सुखद बनें। नवीनतम कृषि विकास सूत्रों का प्रचार प्रसार कृषि विज्ञाता वर्ग द्वारा समय समय पर संचालित तथा हरित क्रान्ति विकास अभियान में मनोत्साह बनें। तथापि जल विषयक चिंतन, ऋतु परिताप कुचक्रवश कृषक वर्ग में अनुत्साह रहे।

मेघेश चन्द्रस्तस्य फलं- चन्द्रे मेघाधिपतौ सस्याद्विज सौख्य वृद्धिरतुला स्यात् । परिपूर्णजला पृथिवी विद्वज्जन सम्प्रवृद्धिश्च ।।५।।

भावार्थ- इस वर्ष मेघ पर्जन्य नायक का पद अधिभार अमृत रश्मि नायक चन्द्रदेव को प्राप्त बना है। यह संहिता शास्त्रानुसार सुयोगद फल विधायक प्रारूप है। वसुन्धरा पर बीज वपन सार्वत्रिक बनें। तथा सिंचाई क्षेत्रफल जलाशय, बांध, नहरों का माध्यम सुखद बन पावें। कृषि सम्पदा के विकास विस्तार हेतु विविध कृषि महाविद्यालय अधीक्षण गण द्वारा समाधान सूत्र बन पावें। साथ ही शासकीय कृषि विभाग कृषक वर्ग विकास उत्थान हेतु सकारात्मक क्रियाशील बन पावें। नवीन वैज्ञानिक कृषि प्रसाधनों की अभिवृद्धि एवं विद्युत समस्या समाधान में अभियंतागण प्रदान करे।

रसेशः शनिः तथा निरसेशः गुरूस्यफलं- रसेश्वर सूर्य सुत धरित्र्यां दुःखेन लभ्यानि रसायनानि। सुगंध वस्तुनि धृतिक्षुकन्द-मुलानी चान्यत् सुलभं भुवि स्यात्। हरिद्रा पीत वस्तुनि पीत वस्त्रदिकं च यत्। नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीति रूत्तमा ।।६-७।।

भावार्थ- इस वर्ष का रसेश पद का कार्य प्रभार मंद गति नायक शनिदेव के हस्तगत तथा निरसेश पद का कार्य प्रभार देव गुरू बृहस्पति के हस्तगत बना है संहिता नियामक अनुसार फलाशय यहकि सुगंध वस्तु, गुगल, इत्र, सेन्ट, अगरबत्ती, धूप, श्रृंगारिक सामान आदि तथा गुड़, शक्कर, धी, तेल, कन्दमूल, द्रव्य पदार्थ श्रम साध्य प्राप्त होवें। तथा इन पदार्थ वस्तु विषयक कार्य व्यवसाय लाभ प्रदायक बनें। एवं रस तरल द्रव्य, डीजल, क्रूड ऑयल, घासलेट, स्प्रीट, रसायन-केमिकल आदि के भाव उन्नत तेज तथा दानामेथी, तुअर, हल्दी, सरसों, चना आदि पीले रंग की वस्तु एवं कन्दमूल यथा अदरक, लहसुन, प्याज, आलू, अरबी, जमीकंद, असगंध, मूली, गाजर आदि का कार्य व्यवसाय लाभ प्रदायक बनें। रसनायक शनि नीरसनायक गुरू बृहस्पति का चयन प्राकृतिक नियामक से विशेष शुभत्व का सूचक नहीं।

फलेश चन्द्रस्तस्यफलं:- यदि विधुः फलयो द्रुमराशयः फलयुता व्रतिभिः कुसमैर्युताः। द्विजमुखा वर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः।।८।।

भावार्थ- इस वर्ष फलनायक पद भार अमृत रश्मि प्रसारक चन्द्रदेव के हस्तगत बना है। फलनायक चन्द्र प्रभाववश वन जंगल सम्पदा का विकास क्रम सुखद तथा वृक्षारोपण अभियान में विशेष गति मति बनें। विविध फल फूलों के उत्पादन में विशेष रचना विविध फल फूल की उत्पत्ति उत्पादन में सुखद गति। कलाविद, पत्रकार, साहित्यकार एवं वैज्ञानिक विषयकार वर्ग का उत्थान मानद सूचक एवं राष्ट्रीय विकास पक्ष में इन वर्ग का योगदान श्रीकार देश विदेश से विभिन्न दृष्टि से राजनैतिक राजनयिक सम्बंध स्थापित होकर आयात निर्यात का प्रारूप योगद बनें, साथ ही भारत भू भाग हेतु विश्व समुदाय द्वारा विविध दृष्टि से अनुकूल सहयोगिक विभावना का प्रारूप बनें।।

धनेश बृहस्पतिस्तस्यफलं- सुमनसां च गुरूर्दुविणधियो वणिज वृत्तिपराः सुख भाजना फलित पुष्पित भूमिरूहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः।।९।।

भावार्थ- इस वर्ष का धन नायक-वित्त विभाग का कार्यभार देवगुरू बृहस्पति के हस्तगत बना है। यह सुयोग विषयक तथ्य है। राष्ट्रीय व्यापार-व्यवसाय उद्योग धन्धो का चलन कलन श्रीकार योगद बनते आर्थिक लाभांश सुख सम्पदा का विकास मुद्रा कोष में अभिवृद्धि तथा विविध जन कल्याण योजनाओं का सूत्रपात एवं बहुविध रचनात्मक कार्य चरितार्थ होवें। सधन निर्धन सभी वर्ग हेतु आर्थिक विकास योजना नीति रीति का सुखद निर्धारण बनें। उत्पत्ति उत्पादन हेतु शासन द्वारा आर्थिक नवीन नीति का सूत्रपात तथा अन्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष विकास संघ-विश्व संघ-विश्व बैंक की मनोवृत्ति-मान्यता भारत भू सम्भाग हेतु धारक अनुकूल बन पावें। राष्ट्रीय बैंक एवं क्षेत्रीय बैंकिंग व्यवस्था हेतु भी नवीन दिशा सूत्र का निर्धारण तथा लोक कल्याण जनहित में बैंक माध्यम से ऋण सुविधा आदान प्रदान अनुक्रम में सरलता का प्रारूप बन पावें।

दुर्गेश रक्षानायक पदभार शशि-चन्द्रस्तस्य फलम्- गढ़पतिर्मगलांछनको यदा नृपसुराज्य विलासिता पौराजाः बहुधनेक्षुजगोरस भोगिनो नरवरा नरवर्णित विग्रहाः।।१०।।

भावार्थ- इस वर्ष का रक्षा संरक्षा विभाग वर्षनायक शशिराज चन्द्रदेव के हस्तगत बना है एवं संहिता फलाशय यहकि राष्ट्रद्रोही प्रलोभी संकुचित जनमानस वर्ग, आतंकवादी वर्ग के पलायन विनाश हेतु सर्वदेशीय सहयोगिक विभावना योजना का सूत्रपात विकसित, विकासशील राष्ट्रनायक मानव कल्याण हेतु विविध शिखर सम्मेलनों का समायोजन करने में अभिरूचिशील एवं कतिपय भूसंभाग विवादित विषय का समाधान सुयोग भी बन पावें। राष्ट्रीय रक्षा सुरक्षा हेतु इन विषयक पदनायक मनोत्साह पूर्वक कर्त्तव्यनिष्ठ सेवाशील मनोवृत्ति प्रधान बनते विकास प्रदायक रचना निर्माण पक्ष में सफलीभूत भी बन पावे।

वर्षनाम पौषस्तस्य फलम्- पौषब्दे सुखिनः सर्वे गुरू पुजारता जनाः। क्षेमं सुभिक्षमारोग्यं वृष्टिः कार्षक सम्मता।।

भावार्थ- यह विक्रम वर्ष बृहस्पति चलन कलन नियामक से पौष संज्ञक वर्ष चरितार्थ है। फलाशय यह कि राष्ट्रीय विविध समस्या निवारण में सुगति निर्धन सधन सभी वर्ग हेतु जनकल्याणक विस्तार परियोजनाओं में वृद्धि योग्य कलाविद् कुशल व्यक्तित्व वर्ग हेतु मानद स्वरूप, वर्चस्व अनुकूल स्थान न्यास का समायोजन तथा राष्ट्रीय उद्योग, कल-कारखाने, भूसम्पदा, कृषि क्षेत्र विकास हेतु नायक निष्ठाशील संकल्पित गतिमति युक्त रहें।

रोहिणी निवास समुन्द्र भागीय तत् फलम्- सागर समुद्र भागीय महावृष्टि।

समय निवास मालाकार गृहे तत्फलम्- सर्व वस्तु समर्घ स्यान्मालाकार गृहेऽब्दके। चतुर्मेघ नाम पुष्कर- पुष्करो मन्द वृष्टिश्च जलधारा बिन्द्रुप्रपात न्यूनाधिकैव देश भेदतः।।

भावार्थ- रोहिणी रमण गणना चक्रानुसार रोहिणी निवास समुद्र स्थान पर है तथा मालाकार माली के घर वर्ष का स्थान न्यास है। एवमेव चतुर्मेघ गणना नियामक से पुष्कर नामक संज्ञा मेघ गतिशील बना है। इन उपकरण रचना अनुसार मेघगाज प्रवर्षण रचना मानसून संचार ऋतु गर्जना समयोचित एवं अनुकूल सार्थक फलद बन पावें। देश दिशा भू भेदानुसार न्यूनाधिक प्रवर्षण वर्षागति, ऋतु जनित सुख सुविधा में अनुपातिक न्यूनता, तपन, ताप, अधियोग विस्तार।

कालनाम मेघनामः फलम्- रोगतो विकलताव पुष्पातास्यान्मिथः कलहताक्षमाश्रिताम्। कालनाम जल दोदयोय दानैव वर्षति जलंवृषातदा।।

भावार्थः- मेघ गणना चक्रानुसार गणितागत इस वर्ष कालनाम संज्ञा का मेघ बना है। शिक्षक, विद्वान्, पत्रकार, बुद्धिजीवी वर्ग हेतु प्रभारक कष्टद। राजनायकगण में आपसी गतिरोध पनपने से कार्य कलापों में कमी बनें वर्षा न्यूनाधिक होने से जल स्तर में कमी एवं कृषि विकास उत्पादन हेतु जल आपुर्ति में व्यवधान बनें।

वर्षेऽस्मिन् स्तम्भ चतुष्के-जल+तृण+वायु+अन्न इन ४ स्तंभ का गणितागत प्रतिफल यह कि चैत्र सुदी १ प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र का भोग ३.६४ प्रतिशत आसन्न जल स्तम्भ का मानक न्यून बना है। वैशाख सुदी १ प्रतिपदा को भरणी नक्षत्र का भोग २१.४७ प्रतिशत तुल्य होने के कारण तृण स्तम्भ सामान्य न्यून बना है। ज्येष्ठ सुदी १ प्रतिपदा को मृगशिरा नक्षत्र का भोग ५३.३८ प्रतिशत तुल्य होने के कारण वायु स्तम्भ का मानक मध्यम बना है। आषाढ़ सुदी १ प्रतिपदा को पुनर्वसु नक्षत्र का भोग ४३.३१ प्रतिशत तुल्य होने के कारण अन्न स्तम्भ का मानक सामान्य बना है। इस नियामक अनुसार वायु-तृण स्तंभ नियामक संज्ञा की उपलब्धता सामान्य मध्यम प्रभावशील रहेगी एवं तृण स्तंभ संज्ञा की उपलब्धता सामान्य न्यून रहेगी तथा जल स्तंभ नामक संज्ञा न्यून रहेगें।

वर्ष रक्षार्थे चत्वारि दुर्गाणि आरक्षण तंत्र-वर्ष में गोचर ग्रह जनित कुयोग निवारण हेतु तथा सुयोग अभिवृद्धि विषयक ४ आर्षमान दुर्ग स्तंभ का गतिक्रम यह कि (१) वैशाख सुदी ३ को रोहिणी नक्षत्र का भोग १४.०१ प्रतिशत है यह उपलक्षक सुभिक्ष रचना हेतु मान्य नहीं। (२) श्रावण सुदी १५ पूर्णिमा को श्रवण नक्षत्र का अभाव होने से यह भावी उत्पत्ति उत्पादन हेतु शुभ उत्तम उपलक्षक मान्य नहीं। (३) कार्तिक सुदी १५ पूर्णिमा को कृतिका नक्षत्र का भोग ८८.७७ प्रतिशत तुल्य यह भावी शीतकाल हेतु शुभ उपलक्षक मान्य है। (४) पौष बदी ३० अमावस्या को मूल नक्षत्र का भोग २५.८६ प्रतिशत तुल्य होने से भावी सुभिक्ष रचना हेतु सामान्य फल सूचक है। ।। शुभ मिति।।

☆ पं. श्रीधर शिवलाल पञ्चाङ्ग सुरिभिः स्तुतं। तदिदं कृष्णगढ़ नगरे आशीष गौड़ कृतम्।। ☆

विक्रम सम्वत् २०८३ शाकः १९४८ विवाहलग्नानि रेखासहितानि च तथोपनयन विविध मुहूर्त्तादयः

सर्व विघ्नहरं देवं सर्वविघ्न विवर्जितम्। सर्वसिद्धिप्रदातारं वन्देहं गणनायकम्॥ लम्बोदरं नमस्तुभ्यं सततं मोदक प्रिय। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥ नमस्ते ब्रह्मरुपाय विष्णुरूपाय ते नमः। नमस्ते रुद्ररुपाय करिरुपाय ते नमः॥ विश्वस्वरूपरूपाय नमस्ते ब्रह्मचारिणे। भक्तिप्रियाय देवाय नमस्तुभ्यं विनायक॥ ॐ सिद्धिबुद्धि सहिताय महागणपतये नमः॥

卐 गुरु शुक्रास्त कालांश समय शुद्धि विवेचना 卐

(१) मीन संक्रान्ति-मलमास- संवत् २०८२ चैत्र कृष्ण पक्ष १० शनिवार तारीख १४-०३-२०२६ से संवत् २०८३ वैशाख कृष्ण पक्ष १२ मंगलवार तारीख १४-०४-२०२६ पर्यन्त मान्य होगा। **(२) पुरुषोत्तम अधिक मास**- संवत् २०८३ प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष १ रविवार ता. १७-०५-२०२६ से द्वितीय ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष ३० सोमवार ता. १५-०६-२०२६ पर्यंत अधिकमास मान्य रहेगा। **(३) गुरू अस्तोदय**- संवत् २०८३ आषाढ़ शुक्ल पक्ष २ गुरूवार ता. १६-०७-२०२६ से गुरू तारा अस्त रचना का बनते भावी श्रावण कृष्ण पक्ष १० शनिवार ता. ०८-०८-२०२६ को गुरू तारा उदित स्वरूप का रहेगा। **(४) श्रीहरि-देवशयन**- संवत् २०८३ आषाढ़ शुक्ल पक्ष ११ शनिवार तारीख २५-०७-२०२६ से कार्त्तिक शुक्ल पक्ष १० शुक्रवार तारीख २०-११-२०२६ पर्यन्त देवशयन कालांश एवं आषाढ़ शुक्ल पक्ष २ गुरूवार ता. १६-०७-२०२६ से कार्तिक शुक्ल पक्ष ७ सोमवार ता. १६-११-२०२६ पर्यंत कर्क से तुला संक्रांति कालांश। **(५) महालय श्राद्ध पक्ष** - संवत् २०८३ भाद्रपद शुक्ल पक्ष १५ शनिवार तारीख २६-०९-२०२६ से आश्विन कृष्ण पक्ष ३० शनिवार तारीख १०-१०-२०२६ पर्यन्त श्राद्ध पितृपक्ष कालांश नेष्ट सूचक। **(६) शुक्र अस्तोदय**- संवत् २०८३ आश्विन शुक्ल पक्ष ४ बुधवार तारीख १४-१०-२०२६ से शुक्र तारा अस्त रचना का बनते कार्त्तिक कृष्ण पक्ष ६ शनिवार ता. ३१-१०-२०२६ को शुक्र तारा उदित स्वरूप का रहेगा। **(७) धनु संक्रान्ति-मल मास**- संवत् २०८३ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष ७ बुधवार तारीख १६-१२-२०२६ से प्रारंभ होकर भावी पौष शुक्ल पक्ष ६ गुरूवार तारीख १४-०१-२०२७ पर्यन्त कुमूहूर्त सूचक नेष्ट कालांश। **(८) होलाष्टक**- संवत् २०८३ फाल्गुन शुक्ल पक्ष ८ मंगलवार तारीख १६-०३-२०२७ से फाल्गुन शुक्ल पक्ष १४ रविवार तारीख २१-०३-२०२७ पर्यन्त विवाह मुहूर्त आदि शुभ मांगलिक कार्य रचना शोधन हेतु कालांश मान्य नहीं। **(९) मीन संक्रांति मलमास कालांश**- संवत् २०८३ फाल्गुनी शुक्ल पक्ष ७ सोमवार तारीख १५-०३-२०२७ से संवत् २०८४ चैत्र शुक्ल पक्ष ८ बुधवार तारीख १४-०४-२०२७ पर्यन्त मान्य होगा। **(१०) गुरु-शुक्र बाल्यत्व-वृद्धत्व काल**- गुरू व शुक्र के अस्त से तीन दिन पूर्व वृद्धत्व कालांश एवं उदय से तीन दिन बाद तक बाल्यत्व कालांश शुभ कार्यो हेतु वर्जित है। **(११) गोधूलिक बेला लग्न**- गोधूलिक वेला के लग्न गुरुवार को सूर्यास्त होने पर तथा शनिवार को सूर्य साक्षी रहते पाणिग्रहण शुभ रहता है। अन्यथा गोधूलि-गोरज वेला का प्रतिफल निष्फल ही बन पाता है अतः विवाहादि पूजा कर्म गोधूलि समय से १ घंटा पूर्व मे ही समाधित कर लेना योग्य सूत्र है एवं जिन ग्रहों के (दा.) दानतः अथवा (पू.) अर्थात पूज्य उल्लेख किया गया हो उस दिवस पर अभिष्ट ग्रह के दान-पूजा आदि उपकरणों द्वारा कार्य सम्पन्न करना भी योग्य सूत्र हैं। **(१२) क्रान्ति-साम्य**- महापात विकास गणितागत सुक्ष्म रचना अनुसार मान्य किया जाता है, इस पक्ष विषयक सूर्य-चन्द्र की राश्यात्मक स्थिति को मान्य नहीं किया है। **(१३) गोधूलि-दिवा-रात्रि लग्न**- इन विवाह मुहूर्त्तों में दिवा-गोधूलि-रात्रि इन ३ वेला की गणना मान्यता की गई है। अपनी अपनी कार्य सुविधा मान्यता एवं देशाचार-कुलाचार अनुसार समाधान करना भी सन्मार्ग सूचक सूत्र। दिवा लग्न हेतु शास्त्रीय व्यवधान विशेष नहीं यथा सूत्र विवाह पद्धति मध्ये-दिवा सूर्यमवलोक्य रात्रौ ध्रुवं च विपश्य। अर्थात् दिवा लग्न भी कार्य समाधान सूचक तथा रात्रि लग्न वेला पाठान्तर वैशेषिक मान्यता अनुरूप है। देवशयन कालांश के लग्न मुहूर्त्त तथा कात्यायनोक्त नक्षत्रचतुष्टयी के विवाह मुहूर्त्त भी युग धर्मानुकूल जन सुविधार्थ प्रस्तुत है। इनका सदुपयोग-कार्य व्यवहार भी देशकाल परिस्थिति एवं निज कुलज शाखा प्रशाखा-देशाचार-कुलाचार मान्यतानुसार समुचित है। साथ ही गत वर्षो से आगामी संवत् के आषाढ़ माह पर्यन्त संभावित विवाह लग्नों का भी समावेश किया गया है।

विक्रम संवत् २०८३ शाके: १९४८ विवाहलग्नानि रेखासहितानि च तथोपनयन विविध मुहूर्त्तादयः

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
वैशाख शुक्ल ३	सोम	२०-०४-२६	रोहिणी	रेखा १० ।।।।।।।।।।	वृषभ	मेष	मिथुन	विवाह लग्न २ वृषभ प्रातः ०७।३५ से ०९।३१ चं. १ परिहारः लग्न ३ मिथुन दिवा ०९।३१ से ११।४५ मं. १० पू. लग्न ४ कर्क दिवा ११।४५ से १२।४४ दिवा १२।४४ या. तिथि क्षये चांवल अनुदानतः परिहारे
वैशाख शुक्ल ३	सोम	२०-०४-२६	रोहिणी	रेखा ९ ।।।।।ऽ।।।।	वृषभ	मेष	मिथुन	विवाह लग्न ४ कर्क दिवा १२।४४ से १४।०३ दिवा १२।४४ उ. तिथि क्षये चांवल अनुदानतः परिहारे
वैशाख शुक्ल ५	मंगल	२१-०४-२६	मृगशिरा	रेखा ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।।	वृषभ	मेष	मिथुन	विवाह लग्न २ वृषभ प्रातः ०७।३१ से ०९।२७ चं. १ परिहारः लग्न ३ मिथुन दिवा ०९।२७ से ११।४१ मं. १० पू. लग्न ४ कर्क दिवा ११।४१ से १२।३२ दिवा १२।३२ या.

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
वैशाख शुक्ल ५	मंगल	२१-०४-२६	मृगशिरा	रेखा ६ ऽ।।।।ऽऽऽ।।	वृ./मि.	मेष	मिथुन	विवाह लग्न ४ कर्क दिवा १२।३२ से ०१।१८ दिवा १२।३२ उपरांत ०१।१८ यावत्
वैशाख शुक्ल ५	मंगल	२१-०४-२६	मृगशिरा	रेखा ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।	मिथुन	मेष	मिथुन	विवाह लग्न ४ कर्क दिवा ०१।१८ से ०१।५८ दिवा ०१।१८ उपरांत
वैशाख शुक्ल १०	रवि	२६-०४-२६	मघा	रेखा ७ ।ऽऽ।।ऽ।।।।	सिंह	मेष	मिथुन	वि. लग्न २ वृषभ प्रातः ०७।१० से ०९।०७ लग्न ३ मिथुन दिवा ०९।०७ से ११।२० मं. १० पू.
								लग्न ४ कर्क दिवा ११।२० से ०१।३८ केतु युति परिहारः गणितेन क्रान्तिसाम्याऽभावः
प्र. ज्येष्ठ कृष्ण ४	मंगल	०५-०५-२६	मूल	रेखा ८ ।।।ऽ।।।ऽ।।	धनु	मेष	मिथुन	विवाह लग्न १० मकर रात्रि १२।१० से ०१।५४ गुरू पाद वेधाऽभावः
प्र. ज्येष्ठ कृष्ण ४	बुध	०६-०५-२६	मूल	रेखा ८ ।।।ऽ।।।ऽ।।	धनु	मेष	मिथुन	विवाह लग्न ३ मिथुन दिवा ०८।२६ से १०।४० चं. ७ पू. गुरू पाद वेधाऽभावः
प्र. ज्येष्ठ कृष्ण ५	गुरू	०७-०५-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ६ ऽऽ।।ऽ।।।।ऽ	धनु	मेष	मिथुन	विवाह लग्न १० मकर रात्रि १२।०२ से ०१।२६ रात्रि ०१।२६ या. दग्धापरिहारः
प्र. ज्येष्ठ कृष्ण ६	शुक्र	०८-०५-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ६ ऽऽ।।ऽ।।।।ऽ	धनु	मेष	मिथुन	विवाह लग्न २ वृषभ प्रातः ०६।२२ से ०८।१९ लग्न ४ कर्क दिवा १०।३२ से १२।२२
								चं. ७ पू. दिवा १२।२२ या.
द्वि.ज्येष्ठ शुक्ल ५	शुक्र	१९-०६-२६	मघा	रेखा ७ ।ऽऽ।।ऽ।।।।	सिंह	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न २ वृषभ रात्रि ०३।३५ से ०५।३१ शु. ३ पू. केतु युति परिहारः
द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल ६	शनि	२०-०६-२६	मघा	रेखा ७ ।ऽऽ।।ऽ।।।।	सिंह	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क दिवा ०७।४५ से ०९।२६ दिवा ०९।२६ केतु युति परिहारः भान्तमपि
द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल ९	मंगल	२३-०६-२६	हस्त	रेखा ८ ऽ।।।।।।ऽ।।	कन्या	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क प्रातः ०७।३३ से ०९।५१
द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल १२	शुक्र	२६-०६-२६	अनुराधा	रेखा ६ ऽऽ।।ऽऽ।।।।	वृश्चिक	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि ०१।२९ से ०३।०७ चं. ८ परिहारः श. १२ पू. रात्रि ०१।२८ उ.
द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल १३	शनि	२७-०६-२६	अनुराधा	रेखा ६ ऽऽ।।ऽऽ।।।।	वृश्चिक	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क प्रातः ०७।१७ से ०९।३५
द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल १४	रवि	२८-०६-२६	मूल	रेखा ७ ।।।ऽ।ऽ।ऽ।।	धनु	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि ०१।२१ से ०२।५९ श. १२ पू. बुध पादवेधाऽभावः गणितेन
								क्रांतिसाम्याऽभावः
आषाढ़ कृष्ण ६	सोम	०६-०७-२६	उत्तराभाद्रपद	रेखा ८ ऽ।।।।ऽ।।।।	मीन	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि ०१।४२ से ०२।२७ श. १२ पू. रात्रि ०१।४२ उ.
आषाढ़ कृष्ण ७	मंगल	०७-०७-२६	उत्तराभाद्रपद	रेखा ८ ऽ।।।।ऽ।।।।	मीन	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क प्रातः ०६।३७ से ०८।५५
कार्त्तिक शुक्ल १२	शनि	२१-११-२६	रेवती	रेखा ९ ।।।।।ऽ।।।।	मीन	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ९ धनु दिवा ०९।०१ से ११।०४
कार्त्तिक शुक्ल १२	शनि	२१-११-२६	रेवती	रेखा १० ।।।।।।।।।।	मीन	वृश्चिक	सिंह	वि. लग्न गोधूलि लग्न ३ मिथुन रात्रि ०७।२१ से ०९।३४ लग्न ४ कर्क रात्रि ०९।३४ से ११।५२
कार्त्तिक शुक्ल १५	मंगल	२४-११-२६	रोहिणी	रेखा ६ ऽ।।।ऽऽ।ऽ।।	वृषभ	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ४ कर्क रात्रि ११।२५ से ११।४०
मार्गशीर्ष कृष्ण १	बुध	२५-११-२६	रोहिणी	रेखा ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।।	वृषभ	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ३ मिथुन रात्रि ०७।०५ से ०८।३६ भान्तमपि रात्रि ०८।३६ या.
मार्गशीर्ष कृष्ण १	बुध	२५-११-२६	मृगशिरा	रेखा १० ।।।।।।।।।।	वृषभ	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ३ मिथुन रात्रि ०८।३६ से ०९।१८ रात्रि ०८।३६ उ. लग्न ४ कर्क रात्रि
								०९।१८ से ११।३६
मार्गशीर्ष कृष्ण २	गुरू	२६-११-२६	मृगशिरा	रेखा १० ।।।।।।।।।।	मिथुन	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ९ धनु दिवा ०८।४१ से १०।४५ चं. ७ पू.
मार्गशीर्ष कृष्ण ९	बुध	०२-१२-२६	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।।	सिंह	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ९ धनु दिवा ०८।५५ से १०।२२ दिवा ०८।५५ उ.
मार्गशीर्ष कृष्ण ९	बुध	०२-१२-२६	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ८ ऽ।।।।।।ऽ।।	कन्या	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ३ मिथुन रात्रि ०६।३८ से ०८।५१ लग्न ४ कर्क रात्रि ०८।५१ से ११।०९
								तिथ्यंतमपि रात्रि १०।५३ उ. दग्धा परिहारः
मार्गशीर्ष कृष्ण १०	गुरू	०३-१२-२६	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ७ ऽ।।।।।।ऽ।ऽ	कन्या	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ९ धनु दिवा ०८।१४ से ०९।२४ दिवा ०९।२४ या. भान्तमपि दग्धा परिहारः
मार्गशीर्ष शुक्ल २	शुक्र	११-१२-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा १० ।।।।।।।।।।	धनु	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ७ तुला रात्रि ०३।०५ से ०५।२२ रा. ४ पू. रात्रि ०३।०४ उ.
मार्गशीर्ष शुक्ल ३	शनि	१२-१२-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ९ ।।।।।ऽ।।।।	मकर	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ७ तुला रात्रि ०३।०१ से ०३।२८ रा. ४ पु. रात्रि ०३।२८ या.

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
पौष शुक्ल ११	मंगल	१९-०१-२७	रोहिणी	रेखा ६ ऽ।।।।ऽ।।ऽऽ	वृषभ	मकर	सिंह	विवाह लग्न गोधूलि गणितेन क्रान्तिसाम्याऽभावः तिथिक्षये चांवल अनुदानतः परिहारः
								दग्धा परिहारः
माघ कृष्ण ३	सोम	२५-०१-२७	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ८ ।।।।।ऽ।ऽ।।	सिंह	मकर	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला रात्रि ०१।०३ से ०२।२६ रा. ४ पू. रात्रि ०१।०३ उ. लग्न ८
								वृश्चिक रात्रि ०२।२६ से ०४।४२ मं. १० पू. तिथि क्षये चांवल अनुदानतः परिहारः
माघ कृष्ण १०	रवि	३१-०१-२७	अनुराधा	रेखा ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।।	वृश्चिक	मकर	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला रात्रि ११।४५ से ०२।०३ रा. ४ पू.
माघ कृष्ण ११	मंगल	०२-०२-२७	मूल	रेखा ७ ।।ऽ।।।।ऽ।ऽ	धनु	मकर	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा ११।०१ से १२।३९ श. १२ पू. दग्धा परिहारः तिथ्यंतमपि
माघ शुक्ल ४	बुध	१०-०२-२७	उत्तराभाद्रपद	रेखा ९ ।।।।।ऽ।।।।	मीन	मकर	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा १०।३० से १२।०७ दिवा ११।०१ या. रोगपंचकः श. १२ पू.
माघ शुक्ल ९	सोम	१५-०२-२७	रोहिणी	रेखा ८ ऽ।।।।ऽ।।।।	वृषभ	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा १०।०९ से ११।४७ श. १२ पू.
माघ शुक्ल १०	मंगल	१६-०२-२७	मृगशिरा	रेखा ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।	वृ./मि.	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा १०।०५ से ११।४३ श. १२ पू. लग्न गोधूलि लग्न ७ तुला रात्रि
								१०।४१ से १२।५९ रा. ४ शु. ३ पू.
माघ शुक्ल १४	शनि	२०-०२-२७	मघा	रेखा ७ ।।ऽ।ऽ।।ऽ।।	सिंह	कुंभ	कर्क	विवाह लग्न गोधूलि सायं ०६।२५ उ. लग्न ७ तुला रात्रि १०।२५ से १२।४३ शु. ३ रा.
								४ पू. मं. युति परिहारः
फाल्गुन कृष्ण १	रवि	२१-०२-२७	मघा	रेखा ६ ।।ऽ।ऽऽ।ऽ।।	सिंह	कुंभ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा ०९।४५ से ११।२३ मं. युति परिहारः श. १२ पू.
फाल्गुन कृष्ण ७	शनि	२७-०२-२७	अनुराधा	रेखा ८ ऽ।।।।।।ऽ।।	वृश्चिक	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न २ वृषभ ११।४० से १२।५६ दिवा ११।४० उ. लग्न गोधूलि लग्न ७ तुला
								रात्रि ०९।५८ से १२।१६ रा. ४ पू.
फाल्गुन कृष्ण ८	रवि	२८-०२-२७	अनुराधा	रेखा ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।।	वृश्चिक	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा ०९।१८ से १०।५६ चं. ८ परिहारः श. १२ पू.
फाल्गुन कृष्ण ९	सोम	०१-०३-२७	मूल	रेखा ८ ।।।।।।ऽऽ।।	धनु	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न गोधूलि लग्न ७ तुला रात्रि ०९।५० से १२।०८ रा. ४ पू. रात्रि ११।११ या.
								एकार्गल बाद रेखा ९
फाल्गुन कृष्ण ९	सोम	०१-०३-२७	मूल	रेखा ९ ।।।।।।।ऽ।।	धनु	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न ८ वृश्चिक रात्रि १२।०८ से ०२।२५ मं. १० शु. ३ पू.
फाल्गुन कृष्ण १०	मंगल	०२-०३-२७	मूल	रेखा ८ ।।।।।ऽ।ऽ।।	धनु	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा ०९।१० से १०।४८ श. १२ पू. लग्न गोधूलि भान्तमपि
फाल्गुन कृष्ण ११	बुध	०३-०३-२७	उत्तराषाढ़ा	रेखा ७ ।ऽऽ।।।।ऽ।।	धनु	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न ८ वृश्चिक रात्रि ०१।०६ से ०२।१७ रा. ४ पू. रात्रि ०१।०६ या. व्यतीपातः
फाल्गुन शुक्ल १	मंगल	०९-०३-२७	उत्तराभाद्रपद	रेखा ९ ।।।।।ऽ।।।।	मीन	कुम्भ	कर्क	वि. लग्न गोधूलि लग्न ८ वृश्चिक रात्रि ११।३७ से ०१।५३ शु. ३ पू. रात्रि १२।१३ या. मं. १० पू.
फाल्गुन शुक्ल २	बुध	१०-०३-२७	उत्तराभाद्रपद	रेखा १० ।।।।।।।।।।	मीन	कुम्भ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष दिवा ०८।३९ से १०।१७ श. १२ पू. लग्न २ वृषभ दिवा १०।१७
								से १०।५३ भान्तमपि

संकल्प- ॐ विष्णुः विष्णुः विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरूषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य अद्य श्री ब्रह्मणो द्वितीये परार्द्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तमे वैवस्वन्मन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भरतखण्डे तत्रापि परमपुनीते भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गत ब्रह्मावर्तैकदेशे कुमारिकानामक्षेत्रे पुष्करारण्ये गंगायमुनयोः पश्चिमे तटे नर्मदाया उत्तरे तटे अमुकनाम्नि नगरे अमुक विक्रम संवत्सरे अमुक शालिवाहनशकाब्दे अमुकायने अमुकर्तौ अमुकमासे अमुकपक्षे अमुकतिथौ अमुकवासरे अमुकनक्षत्रे अमुकयोगे-करणे च (अमुक राशिस्थितै सूर्ये अमुकराशिस्थिते चन्द्रे शेषेषु सर्वेषु ग्रहेषु यथा यथा राशि स्थानस्थितेषु सत्सु) एवं गुणविशेषण विशिष्टायां शुभपुण्यतिथौ अमुकगोत्रोत्पन्नौऽमुकनामाहं (अमुकनाम्नो यजमानस्य प्रतिनिधित्वेन वा) मम आत्मनः रोगदोष कष्टपीड़ानिवारणार्थ-अलक्ष्मी-निवारणार्थ (त्याग करके पुनः जल लेकर बोलें) श्रुतिस्मृतिपुराणोक्त फल प्राप्तयर्थ सपरिवारस्य मम (यजमानस्य वा) द्विपदचतुष्पद सहितस्य क्षेमाभयायुरारोग्यैश्वर्याभिबृद्ध यर्थसमस्त मंगला-वाप्त्यर्थ भगवद्भक्तिबृद्ध यर्थ यथामिलितोपचारद्रव्यैः गणपतिकुलदेवी नवग्रह-कलश स्थापन-पुर्वकं अमुकदेवता पूजनमहं करिष्ये (यजमान के लिए करे तो करिष्यामि बोलना चाहिये)।

प्रकाशक :- बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलालजी ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर पो.- किशनगढ़ -सिटी जिला- अजमेर (राजस्थान) ३०५८०२ मोबाईल नं. 09462504750

कात्यायनोक्त विशेष-४ नक्षत्रीय विवाह मुहूर्त्त सवंत् २०८३ मध्ये

चित्रा-श्रवण-धनिष्ठाऽश्विन्याधिकानि चत्वारि तथाऽपि खलग्रहयुतं वर्ज्यं सूत्रानुगत अश्विनी-चित्रा-श्रवण-धनिष्ठा आदि ४ नक्षत्रीय विवाह लग्न शोधन निज शाखा प्रशाखा विशेष अनुसार ही मान्य तदनुसार अभिलेखन।

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
वैशाख शुक्ल १३	बुध	२९-०४-२६	चित्रा	रेखा ७ ।।।ऽऽऽ।।।	कन्या	मेष	मिथुन	विवाह लग्न १० मकर रात्रि १२।३४ से ०२।१८
वैशाख शुक्ल १४	गुरू	३०-०४-२६	चित्रा	रेखा ७ ।।।ऽऽऽ।।।	कन्या	मेष	मिथुन	विवाह लग्न २ वृषभः प्रातः ०६।५४ से ०८।५० लग्न ३ मिथुन दिवा ०८।५० से ११।०४
								मं. १० पु. लग्न ४ कर्क दिवा ११।०४ से ०१।२१
प्र. ज्येष्ठ कृष्ण ८	रवि	१०-०५-२६	धनिष्ठा	रेखा ८ ऽ।।।।।।ऽ।।	म./कु.	मेष	मिथुन	विवाह लग्न २ वृषभ प्रातः ०६।१४ से ०८।११ लग्न ४ कर्क दिवा १०।२४ से १२।१३
								दिवा १२।१३ या. लग्न १० मकर रात्रि ११।५० से १२।५० रात्रि १२।५० या. भान्तमपि
द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल ९	मंगल	२३-०६-२६	चित्रा	रेखा ८ ।।।।।ऽऽ।।।	तुला	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि ०१।४२ से ०३।१९ चं. ७ श. १२ पु.
द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल १०	बुध	२४-०६-२६	चित्रा	रेखा ८ ।।।।।ऽऽ।।।	तुला	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क प्रातः ०७।२९ से ०९।४७
आषाढ़ कृष्ण ३	शुक्र	०३-०७-२६	धनिष्ठा	रेखा ६ ।।।ऽऽऽ।ऽ।।	कुम्भ	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि ०१।०१ से ०२।३९ शु. पाद वेधाऽभावः श. १२ पू.
आषाढ़ कृष्ण ४	शनि	०४-०७-२६	धनिष्ठा	रेखा ६ ।।।ऽऽऽ।ऽ।।	कुम्भ	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क प्रातः ०६।४९ से ०९।०७ शु. पाद वेधाऽभावः
आषाढ़ कृष्ण ९	गुरू	०९-०७-२६	अश्विनी	रेखा ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।।	मेष	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क प्रातः ०६।२९ से ०८।४७
कार्त्तिक शुक्ल १३	रवि	२२-११-२६	अश्विनी	रेखा ७ ऽऽ।।।ऽ।।।।	मेष	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ४ कर्क रात्रि ११।२९ से ११।४८ रात्रि ११।२९ या. व्यतीपातः
मार्गशीर्ष कृष्ण ११	शुक्र	०४-१२-२६	चित्रा	रेखा ९ ।।।।।।।ऽ।।	कन्या	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ३ मिथुन रात्रि ०६।३० से ०८।४४
मार्गशीर्ष कृष्ण १२	शनि	०५-१२-२६	चित्रा	रेखा ९ ।।।।।।ऽ।।	तुला	वृश्चिक	सिंह	विवाह लग्न ९ धनु दिवा ०८।०६ से १०।१० तक
माघ कृष्ण ६	बुध	२७-०१-२७	चित्रा	रेखा ८ ऽ।।।।ऽ।।।।	कन्या	वृश्चिक	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला रात्रि १२।०१ से ०२।१८ रात्रि ११।५६ उ. रा. ४ पू. लग्न ८ वृश्चिक
								रात्रि ०२।१८ से ०३।५४ रात्रि ०३।५४ या.
फाल्गुन शुक्ल ३	गुरू	११-०३-२७	अश्विनी	रेखा ८ ।।।।।ऽ।ऽ।।	मेष	वृश्चिक	कर्क	विवाह लग्न २ वृषभ दिवा ११।२० से १२।०९ दिवा ११।२० उ.
फाल्गुन शुक्ल ३	गुरू	११-०३-२७	अश्विनी	रेखा ८ ।।।।।ऽ।ऽ।ऽ	मेष	वृश्चिक	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला रात्रि ०९।११ से ११।२९ रा. ४ पू. दग्धा परिहारः

विशेष संभागीय विवाह मुहूर्त्ताः संवत् २०८३ मध्ये

जन समाज एवं पण्डित गणों द्वारा कार्य सम्पन्न होते हैं। इस सिंध-पंजाब-काश्मीर-हिमाचल प्रदेश प्रांतीय संभागों में देशाचार-लोकाचार नियामक स्थिति वश देवशयन चातुर्मास कालांश में भी विवाह लग्न आदि सम्पन्न होते हैं। जन समाज एवं पण्डित गणों द्वारा कार्य सम्पन्न होते हैं। इस पक्ष हेतु बृहद देवज्ञरंजन नामक शास्त्रीय निबंध ग्रन्थ में वचन प्रमाण भी प्राप्त हैं। यथा-प्रमाणं ग्रामवचनं विवाहादौ-तथात्यये। यतः परम्परायातं धर्मं वदन्ति ते खलु॥ देशाचारस्ता-वदादौ विचिन्त्यो देशे-देशे या स्थिति सैव कार्या॥

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
श्रावण शुक्ल १	गुरू	१३-०८-२६	मघा	रेखा ९ ।।।।ऽ।।।।।	सिंह	कर्क	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि १०।५२ से ११।५९ शु. ६ परिहारः श. १२ पू. रात्रि १०।५२ उ.
								लग्न २ वृषभ रात्रि ११।५९ से ०१।५६
श्रावण शुक्ल ८	गुरू	२०-०८-२६	अनुराधा	रेखा ८ ।।।।।ऽ।ऽ।।	वृश्चिक	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला दिवा १०।३४ से १०।४९ दिवा १०।४९ या. अग्नि पंचक
श्रावण शुक्ल ८	गुरू	२०-०८-२६	अनुराधा	रेखा ९ ।।।।।।।ऽ।।	वृश्चिक	सिंह	कर्क	वि. लग्न ७ तुला दिवा १०।४९ से १२।५१ दिवा १०।४९ या. अग्नि पंचकः गोधूलि शु. ८
								परिहारः लग्न ०१ मेष रात्रि ०९।५४ से ११।३१ शु. ६ परिहारः श. १२ पू. लग्न २ वृषभ रात्रि
								११।३१ से ०१।२८ लग्न ४ कर्क रात्रि ०३।४१ से ०४।२५ शु. ३ पू. रात्रि ०४।२५ उ. वैधृति

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
श्रावण शुक्ल १०	शनि	२२-०८-२६	मूल	रेखा ८ ।।।।।।ऽ।ऽ	धनु	सिंह	कर्क	विवाह लग्न गोधूलि शु. ८ परिहारः दग्धा परिहारः
श्रावण शुक्ल १०	शनि	२२-०८-२६	मूल	रेखा ७ ।।ऽ।।।ऽ।ऽ	धनु	सिंह	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि ०९।४६ से ११।२३ श. १२ पू. शु. ६ परिहारः दग्धा परिहारः
श्रावण शुक्ल ११	रवि	२३-०८-२६	मूल	रेखा ७ ।।ऽ।।ऽ।ऽ।।	धनु	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला दिवा १०।२२ से १२।३९
श्रावण शुक्ल १२	सोम	२४-०८-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ९ ऽ।।।।।।।।।	धनु	सिंह	कर्क	विवाह लग्न १ मेष रात्रि ०९।३८ से ११।१६ शु. ६ परिहारः श. १२ पू.
श्रावण शुक्ल १२	सोम	२४-०८-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ९ ऽ।।।।।।।।।	मकर	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क रात्रि ०३।३५ से ०५।४७ चं. ७ शु. ३ पू.
श्रावण शुक्ल १२	मंगल	२५-०८-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ९ ऽ।।।।।।।।।	मकर	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला दिवा १०।१४ से १२।३२
श्रावण शुक्ल १२	मंगल	२५-०८-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ८ ऽ।।।ऽ।।।।	मकर	सिंह	कर्क	विवाह लग्न गोधूलि शु. ८ परिहारः लग्न १ मेष रात्रि ०९।३४ से १०।५१ शु. ६ परिहारः
								भान्तमपि रात्रि १०।५१ या.
भाद्रपद कृष्ण १	शनि	२९-०८-२६	उत्तराभाद्रपद	रेखा १० ।।।।।।।।।।	मीन	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क रात्रि ०३।४२ से ०५।२४ शु. ३ पू. रात्रि ०३।४२ उ.
भाद्रपद कृष्ण २	रवि	३०-०८-२६	उत्तराभाद्रपद	रेखा १० ।।।।।।।।।।	मीन	सिंह	कर्क	विवाह लग्न गोधूलि शु. ८ परिहारः
भाद्रपद कृष्ण २	रवि	३०-०८-२६	उत्तराभाद्रपद	रेखा ९ ।।।।ऽ।।।।	मीन	सिंह	कर्क	वि. लग्न १ मेष रात्रि ०९।१४ से ०९।१८ शु. ६ परिहारः श. १२ पू. रात्रि ०९।१८ उ. भद्रा
भाद्रपद कृष्ण ८	शुक्र	०४-०९-२६	मृगशिरा	रेखा ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।	वृषभ	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क रात्रि ०२।४२ से ०५।००
भाद्रपद कृष्ण ९	शनि	०५-०९-२६	मृगशिरा	रेखा ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।	मिथुन	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला दिवा १०।१८ से ११।४८ दिवा १०।१८ उ. गोधूलि
भाद्रपद शुक्ल १	शनि	१२-०९-२६	हस्त	रेखा ९ ।।।।।ऽ।।।	कन्या	सिंह	कर्क	वि. लग्न १० मकर दिवा ०३।४१ से ०५।२५ गु. ७ पू. लग्न ४ कर्क रात्रि ०२।११ से ०४।२८
भाद्रपद शुक्ल २	रवि	१३-०९-२६	हस्त	रेखा ८ ।।।।ऽऽ।।।	कन्या	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला दिवा ०८।५९ से ११।१७
भाद्रपद शुक्ल २	रवि	१३-०९-२६	चित्रा	रेखा ७ ऽ।।ऽऽ।।।।	कन्या	सिंह	कर्क	विवाह लग्न १० मकर दिवा ०३।३७ से ०५।२१ गु. ७ पू.
भाद्रपद शुक्ल २	रवि	१३-०९-२६	चित्रा	रेखा ७ ऽ।।ऽऽ।।।।	तुला	सिंह	कर्क	विवाह लग्न ४ कर्क रात्रि ०२।०७ से ०४।२४
भाद्रपद शुक्ल ३	सोम	१४-०९-२६	स्वाति	रेखा ९ ।।ऽ।।।।।।।	तुला	सिंह	कर्क	विवाह लग्न १० मकर दिवा ०३।३३ से ०५।१७ गु. ०७ पु.
भाद्रपद शुक्ल १०	सोम	२१-०९-२६	उत्तराषाढ़ा	रेखा ७ ।।।ऽऽ।ऽ।।	ध./म	कन्या	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला दिवा ०८।२७ से १०।४५ मं. १० पू. दिवा १०।१२ या. पंचक नहीं
								रेखा ८ लग्न ८ वृश्चिक दिवा १०।४५ से ०१।०१ रा. ४ पु.
भाद्रपद शुक्ल १२	बुध	२३-०९-२६	श्रवण	रेखा ९ ।।।ऽ।।।।।	मकर	कन्या	कर्क	विवाह लग्न ७ तुला दिवा ०८।११ से ०९।०९ मं. १० पू. दिवा ०९।०९ या. भान्तमपि
कार्त्तिक शुक्ल १	मंगल	१०-११-२६	अनुराधा	रेखा १० ।।।।।।।।।।	वृश्चिक	तुला	सिंह	विवाह लग्न गोधूलि चं. ८ परिहारः लग्न २ वृषभ रात्रि ०६।०७ से ०८।०४ चं. ७ पू. लग्न
								३ मिथुन रात्रि ०८।०४ से ०८।३९ रात्रि ०८।३९ उ. चौर पंचकः चं. ६ परिहारः
कार्त्तिक शुक्ल १	मंगल	१०-११-२६	अनुराधा	रेखा ९ ।।।।ऽ।।।।	वृश्चिक	तुला	सिंह	विवाह लग्न ३ मिथुन रात्रि ०८।३९ से १०।१७ चं. ६ परिहारः
कार्त्तिक शुक्ल ३	गुरू	१२-११-२६	मूल	रेखा १० ।।।।।।।।।।	धनु	तुला	सिंह	विवाह लग्न गोधूलि लग्न ३ मिथुन रात्रि ०७।५६ से १०।०९ चं. ७ परिहारः रात्रि ०८।२२
								उ. रोग पंचकः रेखा ९

आगामी वि. संवत् २०८४ शाकः १९४९ मध्ये शुभ विवाह मुहूर्त्ताः

आगामी नवीन विक्रम संवत् २०८४ शाके १९४९ के अन्तर्गत आषाढ़ शुक्ल पक्ष देवशयनी एकादशी पर्यन्त विवाह मुहूर्त्त प्रकाशित किये जा रहे है। ये सभी मुहूर्त्त संभावित संक्षिप्त संकेत-सूचना मात्र है। अतः विशेष विवरण हेतु आगामी संवत् २०८४ के नवीन श्रीधरी पंचांग में ही स्पष्ट दिया जावेगा। अतः विद्वगण अपने विवेक से मुहूर्त्तो का अवलोकन कर उपयोग में लेवें।

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
चैत्र शुक्ल १३	सोम	१९-०४-२७	हस्त	रेखा ६ ।।ऽऽऽऽ।।।	कन्या	मेष	कर्क	विवाह लग्न २ वृषभ लग्न ३ मिथुन शु. पाद वेधाऽभावः
चैत्र शुक्ल १३	सोम	१९-०४-२७	हस्त	रेखा ८ ।।ऽऽ।।।।।	कन्या	मेष	कर्क	विवाह लग्न ८ वृश्चिक शु. पाद वेधाऽभावः

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
वैशाख कृष्ण १	बुध	२१-०४-२७	स्वाति	रेखा ६ ।।।ऽऽऽऽ।।	तुला	मेष	कर्क	विवाह लग्न ३ मिथुन
वैशाख कृष्ण १	बुध	२१-०४-२७	स्वाति	रेखा ८ ।।।ऽ।।ऽ।।	तुला	मेष	कर्क	विवाह लग्न ८ वृश्चिक लग्न ११ कुम्भ
वैशाख कृष्ण ५	रवि	२५-०४-२७	मूल	रेखा ८ ।।।।ऽ।ऽ।।	धनु	मेष	कर्क	विवाह लग्न ८ धनु रात्रि ०१।४१ उ. लग्न ११ कुम्भ
वैशाख कृष्ण ५	सोम	२६-०४-२७	मूल	रेखा ८ ।।।।ऽ।ऽ।।	धनु	मेष	कर्क	विवाह लग्न ३ मिथुन दिवा ११।३१ या. चं. ७ पु.
वैशाख कृष्ण ७	बुध	२८-०४-२७	उत्तराषाढ़ा	रेखा ८ ।ऽ।।।ऽ।।।।	मकर	मेष	कर्क	विवाह लग्न २ वृषभ
वैशाख शुक्ल २	शनि	०८-०५-२७	रोहिणी	रेखा ९ ।।।।।ऽ।।।	वृषभ	मेष	कर्क	विवाह लग्न २ वृषभ चं. १ परिहारः लग्न ३ मिथुन
वैशाख शुक्ल ३	रवि	०९-०५-२७	मृगशिरा	रेखा १० ।।।।।।।।।।	वृषभ	मेष	कर्क	विवाह लग्न २ वृषभ दिवा ०७।१५ उ. चौ. पंचक लग्न ३ मिथुन दिवा ०८।५६ या.
वैशाख शुक्ल १३	मंगल	१८-०५-२७	स्वाति	रेखा ८ ।ऽ।।ऽ।।।।।	तुला	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष चं. ७ श. १२ पु.
वैशाख शुक्ल १४	बुध	१९-०५-२७	स्वाति	रेखा ८ ।ऽ।।ऽ।।।।।	तुला	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न ३ मिथुन
वैशाख शुक्ल १५	गुरू	२०-०५-२७	अनुराधा	रेखा ८ ।।।ऽ।।ऽ।।	वृश्चिक	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष चं. ८ परिहारः श. १२ पू.
ज्येष्ठ कृष्ण १	शुक्र	२१-०५-२७	अनुराधा	रेखा ८ ।।।ऽ।।ऽ।।	वृश्चिक	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न ३ मिथुन चं. ६ परिहारः
ज्येष्ठ कृष्ण २	शनि	२२-०५-२७	मूल	रेखा १० ।।।।।।।।।।	धनु	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष श. १२ पु.
ज्येष्ठ कृष्ण ३	रवि	२३-०५-२७	मूल	रेखा १० ।।।।।।।।।।	धनु	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न ३ मिथुन चं. ७ पू. दिवा ०७।४२ उ.
ज्येष्ठ कृष्ण ४	सोम	२४-०५-२७	उत्तराषाढ़ा	रेखा ९ ।।।।।।ऽ।।	ध/म	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न १ मेष श. १२ पु. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
ज्येष्ठ कृष्ण ९	रवि	३०-०५-२७	उत्तराभाद्रपद	रेखा ९ ।।।।।।ऽ।।	मीन	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न गोधूलि आवश्यके बु. ८
ज्येष्ठ शुक्ल १	शनि	०५-०६-२७	मृगशिरा	रेखा ९ ।।।।ऽ।।।।	मिथुन	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न १२ मीन शु. ३ पू.
ज्येष्ठ शुक्ल ८	शुक्र	११-०६-२७	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ८ ।।।।ऽ।ऽ।।	कन्या	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न १२ मीन चं. ७ शु. ३ पू.
ज्येष्ठ शुक्ल ९	शनि	१२-०६-२७	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ८ ।।।।ऽ।ऽ।।	कन्या	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न ३ मिथुन
ज्येष्ठ शुक्ल १५	शुक्र	१८-०६-२७	मूल	रेखा ७ ।।।ऽ।।ऽऽ।	धनु	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न १२ मीन शु. ३ पु.
ज्येष्ठ शुक्ल १५	शनि	१९-०६-२७	मूल	रेखा ७ ।।।ऽ।।ऽऽ।	धनु	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न ६ कन्या
ज्येष्ठ शुक्ल १५	शनि	१९-०६-२७	मूल	रेखा ६ ।।।ऽऽ।ऽऽ।	धनु	मिथुन	कर्क	विवाह लग्न १२ मीन शु. ३ पु. भान्तमपि
आषाढ़ कृष्ण ८	रवि	२७-०६-२७	उत्तराभाद्रपद	रेखा ७ ।।।।ऽ।ऽ।ऽ	मीन	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न ६ कन्या चं. ७ पू. लग्न गोधूलि दग्धा परिहारः
आषाढ़ कृष्ण ८	रवि	२७-०६-२७	रेवती	रेखा ८ ।।।।ऽ।ऽ।।	मीन	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न २ वृषभ श. १२ पू.
आषाढ़ कृष्ण ९	सोम	२८-०६-२७	रेवती	रेखा ९ ।।।।।।ऽ।।	मीन	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न ६ कन्या चं. ७ पू.
आषाढ़ शुक्ल ५	गुरू	०८-०७-२७	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ८ ।।ऽ।।ऽ।।।।	सिंह	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न २ वृषभ मं. युति परिहारः
आषाढ़ शुक्ल ६	शुक्र	०९-०७-२७	उत्तराफाल्गुनी	रेखा ८ ।।ऽ।।ऽ।।।।	कन्या	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न ५ सिंह
आषाढ़ शुक्ल ७	शनि	१०-०७-२७	हस्त	रेखा ८ ।।।।।ऽऽ।।	कन्या	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न ५ सिंह
आषाढ़ शुक्ल ९	सोम	१२-०७-२७	स्वाति	रेखा ८ ऽ।।।ऽ।।।।।	तुला	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न ५ सिंह गोधूलि लग्न ११ कुम्भ मं. ८ परिहारः गु. ७ पु.

आगामी वि. संवत् २०८४ शाकः १९४९ मध्ये कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः

मास-पक्ष-तिथि	वार	दिनांक	विवाह नक्षत्र	लत्तादिदोष-रेखाऐं	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	✿ विवाह लग्न समय दिवा-रात्रि, पूजा एवं दानादि उपकरण ✿
वैशाख शुक्ल १२	सोम	१७-०५-२७	चित्रा	रेखा ८ ऽ।।।।ऽ।।।।	कन्या	वृषभ	कर्क	विवाह लग्न गोधूलि
आषाढ़ शुक्ल ७	शनि	१०-०७-२७	चित्रा	रेखा ६ ऽ।।।।ऽ।ऽ।ऽ	कन्या	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न २ वृषभ श. १२ पु. दग्धा परिहारः
आषाढ़ शुक्ल ८	रवि	११-०७-२७	चित्रा	रेखा ६ ऽ।।।।ऽ।ऽ।ऽ	क./तु.	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न ५ सिंह दग्धा परिहारः
आषाढ़ शुक्ल ८	रवि	११-०७-२७	चित्रा	रेखा ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।।	तुला	मिथुन	सिंह	विवाह लग्न गोधूलि लग्न ११ कुम्भ गु. ७ पू. मं. ८ परिहारः

यज्ञोपवीत मुहूर्त्ताः

चैत्र शुक्ल पक्षे

२ शुक्रे रेवत्यां ल. २,३ अभि. ता. २०-०३-२६ ई.
११ सूर्ये आश्लेषायां ल. २,३ अभि. ता. २९-०३-२६

वैशाख शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे रोहिण्यां लग्न चि. दिवा ०७।२८ या. तारीख २०-०४-२६ ई.

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

२ सूर्ये अनुराधायां ल.२,३ अभि. ता. ०३-०५-२६
४ बुधे मूले लग्न ३ तारीख ०६-०५-२६ ई.
५ गुरौ पूषायां ल. ३ अभिजिति ता. ०७-०५-२६

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

३ बुधे पुनर्वसौ ल.चि. दिवा १०।४८ या. तारीख १७-०६-२०२६ ई.
५ शुक्रे आश्लेषायां ल.चि. तारीख १९-०६-२०२६
१० बुधे चित्रायां ल.चि. तारीख २४-०६-२०२६

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

२ गुरौ मृगशिरायां लग्न ९ अभिजिति तारीख २६-११-२०२६ ई. आवश्यकैव

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

१ गुरौ मूले अभिजिति ता. १०-१२-२६ आवश्यके
२ शुक्रे पूषायां ल. ९ अभि. ता. ११-१२-२६ आव.
५ चन्द्रे श्रवणे ल. ९ दिवा ९/१२ या. ता. १४-१२-२६ ई. आवश्यकैव

माघ शुक्ल पक्षे

२ चन्द्रे शतभिषायां अभिजिति तारीख ०८-०२-२७
१२ गुरौ पुनर्वसौ अभिजिति तारीख १८-०१-२७ई.

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

२ चन्द्रे पूफायां ल. चि. दिवा ११/५५ या. तारीख २२-०२-२०२७ ई.
५ गुरौ चित्रायां ल. चि. दिवा ०९/३३ या. तारीख २५-०२-२०२७ ई.

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

२ बुधे उभायां ल. २ दिवा १०/५३ या. तारीख १०-०३-२०२७ ई.
३ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति तारीख ११-०३-२७ ई.

गृहारम्भ मुहूर्त्ताः

वैशाख शुक्ल पक्षे

८ शुक्रे पुष्ये ल.२,३ अभिजिति दिवा ०८/०२ उ. तारीख २४-०४-२०२६ ई.

द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

८ चन्द्रे हस्ते अभिजिति तारीख २२-०६-२०२६ ई.

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१ बुधे उषायां ल. चि. दिवा ०६/५१ उ. ता. ०१-०७-२६

श्रावण शुक्ल पक्षे

८ गुरौ अनुराधायां अभिजिति तारीख २०-०८-२६ ई.
१५ शुक्रे शतभिषायां अभिजिति तारीख २८-०८-२६

भाद्रपद शुक्ल पक्षे

१० चन्द्रे उषायां ल. ८ अभिजिति ता. २१-०९-२६ ई.
१३ गुरौ शतभिषायां अभिजिति ता. २४-०९-२६ ई.

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१ बुधे रोहिण्यां लग्न ९ तारीख २५-११-२६ ई.
२ गुरौ मृगशिरायां ल. ९ अभिजिति ता. २६-११-२६

पौष शुक्ल पक्षे

१५ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख २२-०१-२०२७ ई.

माघ शुक्ल पक्षे

१३ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख १९-०२-२०२७ ई.

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

५ गुरौ चित्रायां ल.चि. दिवा ०९/३३ या. ता. २५-०२-२७

नवीन गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

१२ गुरौ रेवत्यां ल. २,३ अभिजिति तारीख १४-०५-२०२६ ई. मासान्तः आवश्यकैव

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

१० बुधे चित्रायां ल. चि. तारीख २४-०६-२०२६ ई.
१३ शनौ अनुराधायां अभिजिति ता. २७-०६-२६ ई.

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१२ शनौ रोहिण्यां अभि. ता. ११-०७-२६ आवश्यकैव

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१० गुरौ उफायां ल. ९ दिवा १०/१८ या. तारीख ०३-१२-२०२६ ई.
११ शुक्रे चित्रायां अभिजिति तारीख ०४-१२-२६ ई.
१२ शनौ चित्रायां ल. ९ तारीख ०५-१२-२०२६ ई.

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

११ गुरौ उषायां अभिजिति तारीख ०४-०३-२०२७ ई.

सामान्य गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

वैशाख शुक्ल पक्षे

८ शुक्रे पुष्ये ल. २,३ अभिजिति दिवा ०८/०२ उ. तारीख २४-०४-२०२६ ई.

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१२ शनौ स्वात्यां अभिजिति ता. ०५-१२-२०२६ ई.

माघ शुक्ल पक्षे

१३ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख १९-०२-२०२७ ई.

देवप्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

वैशाख शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे रोहिण्यां ल.चि. दिवा ०७/२८ या. तारीख २०-०४-२०२६ ई.
७ गुरौ पुनर्वसौ ल. २ अभिजिति ता. २३-०४-२६
८ शुक्रे पुष्ये ल. २,३ अभिजिति दिवा ०८/०२ उ. तारीख २४-०४-२०२६ ई.

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

२ सूर्ये अनुराधायां ल.२,३ अभिजिति ता. ०३-०५-२६
६ शुक्रे उषायां ल. २ अभिजिति दिवा १२/२२ या. तारीख ०८-०५-२०२६ ई.
७ शनौ श्रवणे ल. २ अभिजिति तारीख ०९-०५-२६
८ सूर्ये धनिष्ठायां ल. २ अभिजिति ता. १०-०५-२६
१२ गुरौ रेवत्यां ल. २,३ अभिजिति ता. १४-०५-२६ मासान्तः आवश्यकैव

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

३ बुधे पुनर्वसौ ल. चि. दिवा १०/४८ या. तारीख १७-०६-२०२६ ई.

पौष शुक्ल पक्षे

१५ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख २२-०१-२०२७ ई.

माघ कृष्ण पक्षे

८ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति तारीख २९-०१-२७ ई.

माघ शुक्ल पक्षे

२ चन्द्रे शतभिषायां अभिजिति तारीख ०८-०२-२७ ई.
६ शुक्रे अश्विन्यां अभि. ता. १२-०२-२७ मासान्तः आ.
१२ गुरौ पुनर्वसौ अभिजिति तारीख १८-०१-२७ ई.
१३ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख १९-०२-२७ ई.

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

५ गुरौ चित्रायां ल.चि. दिवा ०९/३३ या. तारीख २५-०२-२०२७ ई.
११ गुरौ उषायां अभिजिति तारीख ०४-०३-२७ ई.

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

२ बुधे उभायां ल. २ दिवा १०/५३ या. तारीख १०-०३-२०२७ ई.
३ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति तारीख ११-०३-२७ ई.
६ सूर्ये रोहिण्यां अभि. ता. १४-०३-२७ मासान्तः आ.

दक्षिणायने तु उग्रदेवानां प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

८ चन्द्रे हस्ते अभिजिति तारीख २२-०६-२०२६ ई.
१० बुधे चित्रायां ल.चि. तारीख २४-०६-२६ ई.
१३ शनौ अनुराधायां अभिजिति ता. २७-०६-२६

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१ बुधे उषायां ल.चि. दिवा ०६।५१ उ. तारीख ०१-०७-२०२६ ई.
९ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति तारीख ०९-०७-२६ ई.
१२ शनौ रोहिण्यां अभिजिति ता. ११-०७-२६ ई.
१३ सूर्ये मृगशिरायां अभिजिति ता. १२-०७-२६ ई.

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१ बुधे रोहिण्यां ल. ९ ता. २५-११-२६
२ गुरौ मृगशिरायां ल. ९ अभिजिति ता. २६-११-२६
५ शनौ पुनर्वसौ ल. ९ अभिजिति दिवा १२/५० या. तारीख २८-११-२०२६ ई.
६ सूर्ये पुष्ये ल. ९ दिवा ११/०० या. तारीख २९-११-२०२६ ई.
१० गुरौ उफायां ल. ९ दिवा १०/१८ या. तारीख ०३-१२-२०२६ ई.
११ शुक्रे चित्रायां अभिजिति तारीख ०४-१२-२६ ई.
१२ शनौ चित्रायां ल. ९ तारीख ०५-१२-२६ ई.
१२ शनौ स्वात्यां अभिजिति तारीख ०५-१२-२६ ई.
१३ सूर्ये स्वात्यां ल. ९ अभिजिति ता. ०६-१२-२६

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

३ शनौ उषायां ल. ९ तारीख १२-१२-२०२६ ई.
५ चन्द्रे श्रवणे ल. ९ दिवा ०९।१२ या. ता. १४-१२-२६

द्विरागमन मुहूर्त्ताः

वैशाख शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे रोहिण्यां ल. चि. दिवा ०७। २८ या. तारीख २०-०४-२०२६ ई.
७ गुरौ पुनर्वसौ ल. २ अभिजिति ता. २३-०४-२६
८ शुक्रे पुष्ये ल. २,३ अभिजिति दिवा ०८। ०२ उ. ता. २४-०४-२०२६ ई.

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

४ बुधे मूले लग्न ३ तारीख ०६-०५-२०२६ ई.
६ शुक्रे उषायां ल. २ अभिजिति दिवा १२। २२ या. तारीख ०८-०५-२०२६ ई.
१२ गुरौ रेवत्यां ल. २,३ अभिजिति ता. १४-०५-२६ मासान्तः आवश्यकैव

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

३ बुधे पुनर्वसौ ल.चि. दिवा १०।४८ या. तारीख १७-०६-२०२६ ई.
०८ चन्द्रे हस्ते अभिजिति तारीख २२-०६-२६ ई.
१० बुधे चित्रायां ल.चि. तारीख २४-०६-२०२६ ई.

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१ बुधे उषायां ल.चि. दिवा ०६।५१ उ. ता. १-७-२६
९ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति ता. ०९-०७-२०२६ ई.

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१ बुधे रोहिण्यां ल. ९ तारीख २५-११-२०२६ ई.
२ गुरौ मृगशिरायां ल. ९ अभिजिति ता. २६-११-२६
१० गुरौ उफायां ल. ९ दिवा १०।१८ या. तारीख ०३-१२-२०२६ ई.
११ शुक्रे चित्रायां अभिजिति ता. ०४-१२-२६ ई.

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

१ गुरौ मूले अभिजिति तारीख १०-१२-२०२६ ई.
५ चन्द्रे श्रवणे ल. ९ दिवा ०९। १२ या. ता. १४-१२-२६

पौष शुक्ल पक्षे

१५ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख २२-०१-२०२७ ई.

माघ कृष्ण पक्षे

८ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति तारीख २९-०१-२७ ई.
१२ बुधे मूले ल.चि. तारीख ०३-०२-२७ ई.

माघ शुक्ल पक्षे

२ चन्द्रे शतभिषायां अभिजिति ता. ०८-०२-२७ ई.
६ शुक्रे अश्विन्यां अभि. ता. १२-०२-२७ मासान्तः आ.
१२ गुरौ पुनर्वसौ अभिजिति तारीख १८-०१-२७ ई.
१३ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख १९-०२-२०२७ ई.

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

५ गुरौ चित्रायां ल.चि. दिवा ०९/३३ या. ता. २५-०२-२७
११ गुरौ उषायां अभिजिति तारीख ०४-०३-२७ ई.

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

२ बुधे उभायां ल. २ दिवा १०/५३ या. ता. १०-०३-२७
३ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति तारीख ११-०३-२७ ई.

मशीनरी शुभारंभ मुहूर्त्ताः

वैशाख शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे रोहिण्यां ल. चि. दिवा ०७/२८ या. तारीख २०-०४-२०२६ ई.
७ गुरौ पुनर्वसौ ल. ४ अभिजिति ता. २३-०४-२६ ई.
८ शुक्रे पुष्ये ल. ३ अभिजिति दिवा ०८/०२ तारीख २४-०४-२०२६ ई.

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

२ सूर्ये अनुराधायां ल.३,४ अभिजिति तारीख ०३-०५-२०२६ ई.
३ चन्द्रे ज्येष्ठायां ल. ४ अभिजिति दिवा १०। ५३ उ. तारीख ०४-०५-२०२६ ई.
७ शनौ श्रवणे ल. ४ अभिजिति ता. ०९-०५-२६ ई.
८ सूर्ये धनिष्ठायां अभिजिति तारीख १०-०५-२६ ई.
१२ गुरौ रेवत्यां ल.३,४ अभिजिति ता. १४-०८-२६ मासान्तः आवश्यकैव

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

३ बुधे पुनर्वसौ ल. ४ दिवा १०/४८ या. ता. १७-०६-२६
८ चन्द्रे हस्ते अभिजिति तारीख २२-०६-२०२६ ई.
१० बुधे चित्रायां ल. ४ तारीख २४-०६-२०२६ ई.
१३ शनौ अनुराधायां ल. ४ अभिजिति ता. २७-०६-२६

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

९ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति तारीख ०९-०७-२०२६
१२ शनौ रोहिण्यां अभिजिति तारीख ११-०७-२०२६
१३ सूर्ये रोहिण्यां ल. ४ दिवा ०८। २९ या. तारीख १२-०७-२०२६ ई.
१३ सूर्ये मृगशिरायां अभिजिति तारीख १२-०७-२६

श्रावण शुक्ल पक्षे

५ चन्द्रे चित्रायां ल. ७ अभिजिति ता. १७-०८-२६ संक्रांति आवश्यकैव
७ बुधे स्वात्यां ल.चि. दिवा ०६। ४७ या. ता. १९-०८-२६
८ गुरौ अनुराधायां अभिजिति तारीख २०-०८-२६ ई.
१० शनौ ज्येष्ठायां ल. ७ अभिजिति ता. २२-०८-२६
१३ बुधे श्रवणे ल. ७ तारीख २६-०८-२०२६ ई.
१५ शुक्रे शतभिषायां ल.७ अभिजिति ता. २८-०८-२६

भाद्रपद कृष्ण पक्षे

८ शुक्रे रोहिण्यां अभिजिति तारीख ०४-०९-२६ ई.
११ चन्द्रे पुनर्वसौ ल. ७ अभिजिति ता. ०७-०९-२६

भाद्रपद शुक्ल पक्षे

२ सूर्ये हस्ते ल. ७ अभिजिति तारीख १३-०९-२६ ई.
३ चन्द्रे चित्रायां ल. ७ अभिजिति ता. १४-०९-२६ ई.
६ गुरौ अनुराधायां ल. ७ अभिजिति ता. १७-०९-२६ संक्रांति आवश्यकैव
७ शुक्रे ज्येष्ठायां ल.७,९ अभिजिति दिवा ०१/०२ या. तारीख १८-०९-२०२६ ई.
१२ बुधे श्रवणे ल. चि. दिवा ०९/०९ या. तारीख २३-०९-२०२६ ई.
१३ गुरौ शतभिषायां अभिजिति तारीख २४-९-२६ ई.

कार्त्तिक शुक्ल पक्षे

२ बुधे अनुराधायां ल.चि. दिवा ११/३८ या. तारीख ११-११-२०२६ ई.
३ गुरौ ज्येष्ठायां अभिजिति तारीख १२-११-२०२६ ई.
७ चन्द्रे श्रवणे ल. चि. दिवा ०९-४७ या. तारीख १६-११-२०२६ संक्रांति आवश्यकैव

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१ बुधे रोहिण्यां ल. ९ तारीख २५-११-२०२६ ई.
२ गुरौ मृगशिरायां ल. ९ अभिजिति ता. २६-११-२६
५ शनौ पुनर्वसौ ल. ९ अभिजिति दिवा १२/५० या. तारीख २८-११-२०२६ ई.
६ सूर्ये पुष्ये ल.९ दिवा ११/०० या. ता. २९-११-२६
११ शुक्रे चित्रायां अभिजिति तारीख ०४-१२-२६ ई.
१२ शनौ चित्रायां ल. ९ तारीख ०५-१२-२०२६ ई.
१२ शनौ स्वात्यां अभिजिति तारीख ०५-१२-२६ ई.
१३ सूर्ये स्वात्यां ल. ९ अभिजिति ता. ०६-१२-२६ ई.

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

५ चन्द्रे श्रवणे ल. ९ दिवा ०९/१२ या. तारीख १४-१२-२०२६ ई.

पौष शुक्ल पक्षे

१५ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख २२-०१-२०२७

माघ कृष्ण पक्षे

८ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति तारीख २९-०१-२०२७
१० चन्द्रे ज्येष्ठायां अभिजिति ता ०१-०२-२०२७

माघ शुक्ल पक्षे

२ चन्द्रे शतभिषायां ल. १ अभिजिति ता. ०८-०२-२७
६ शुक्रे अश्विन्यां अभि. ता. १२-०२-२७ मासान्तः आ.
१२ गुरौ पुनर्वसौ ल. १ अभिजिति ता. १८-०१-२७
१३ शुक्रे पुष्ये ल. १ अभिजिति ता. १९-०२-२७

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

५ गुरौ चित्रायां ल. चि. दिवा ०९/३३ या. तारीख २५-०२-२०२७ ई.

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

३ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति ता. ११-०३-२०२७ ई.
६ सूर्ये रोहिण्यां अभिजिति ता. १४-०३-२७ मासान्तः

विपणि-व्यापार मुहूर्त्ताः

वैशाख शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे रोहिण्यां ल.चि. दिवा ०७/२८ या. तारीख २०-०४-२०२६ ई.
८ शुक्रे पुष्ये ल. २,३ अभिजिति दिवा ०८/०२ उ. तारीख २४-०४-२०२६ ई.

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

२ सूर्ये अनुराधायां ल. २,३ अभिजिति तारीख ०३-०५-२०२६ ई.
६ शुक्रे उषायां ल. २ अभिजिति दिवा १२/२२ या. तारीख ०८-०५-२६ ई.
१२ गुरौ रेवत्यां ल. २,३ अभिजिति ता. १४-०५-२६ मासान्तः आवश्यकैव

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

८ चन्द्रे हस्ते अभिजिति तारीख २२-०६-२०२६ ई.

१० बुधे चित्रायां ल. चि. तारीख २४-०६-२६ ई.
१३ शनौ अनुराधायां अभिजिति ता. २७-०६-२६

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१ बुधे उषायां ल.चि. दिवा ०६/५१ उ. ता. ०१-०७-२६
९ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति ता. ०९-०७-२०२६ ई.
१२ शनौ रोहिण्यां अभिजिति ता. ११-०७-२६ ई.
१३ सूर्ये मृगशिरायां अभिजिति ता. १२-०७-२६ ई.

श्रावण शुक्ल पक्षे

५ चन्द्रे चित्रायां अभि. ता. १७-०८-२६ संक्रांति आ.
८ गुरौ अनुराधायां अभिजिति ता. २०-०८-२६ ई.

भाद्रपद कृष्ण पक्षे

२ सूर्ये उभायां अभिजिति ता. ३०-०८-२०२६ ई.
८ शुक्रे रोहिण्यां अभिजिति ता. ०४-०९-२०२६ ई.

भाद्रपद शुक्ल पक्षे

२ सूर्ये हस्ते अभिजिति तारीख १३-०९-२०२६ ई
३ चन्द्रे चित्रायां अभिजिति ता. १४-०९-२०२६ ई.
६ गुरौ अनुराधायां अभि. ता. १७-०९-२६ संक्रांति आ.
१० चन्द्रे उषायां ल.८ अभिजिति ता. २१-९-२६ ई.
१३ गुरौ शतभिषायां अभिजिति ता. २४-०९-२६ ई.

कार्त्तिक शुक्ल पक्षे

२ बुधे अनुराधायां ल. ८ दिवा ११/३८ या. तारीख ११-११-२०२६ ई.
६ सूर्ये उषायां ल. ८,९ अभिजिति ता. १५-११-२६ मासान्तः आवश्यकैव

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१ बुधे रोहिण्यां ल.९ तारीख २५-११-२०२६ ई.
२ गुरौ मृगशिरायां ल.९ अभिजिति ता. २६-११-२६
६ सूर्ये पुष्ये ल. ९ दिवा ११/०० या. ता. २९-११-२६
१० गुरौ उफायां ल. ९ दिवा १०/१८ या. तारीख ०३-१२-२०२६ ई.
११ शुक्रे चित्रायां अभिजिति ता. ०४-१२-२६ ई.
१२ शनौ चित्रायां ल. ९ तारीख ०५-१२-२०२६ ई.

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

३ शनौ उषायां ल. ९ तारीख १२-१२-२०२६ ई.

पौष शुक्ल पक्षे

१५ शुक्रे पुष्ये अभिजिति ता. २२-०१-२०२७ ई.

माघ शुक्ल पक्षे

६ शुक्रे अश्विन्यां अभि. ता. १२-०२-२७ मासान्तः आ.
१३ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख १९-०२-२०२७

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

५ गुरौ चित्रायां ल.चि. दिवा ०९/३३ या. ता. २५-०२-२७
११ गुरौ उषायां अभिजिति ता. ०४-०३-२०२७ ई.

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

२ बुधे उभायां ल. २ दिवा १०/५३ या. ता. १०-०३-२७
३ गुरौ अश्विन्यां अभिजिति तारीख ११-०३-२७ ई.
६ सूर्ये रोहिण्यां अभिजिति ता. १४-०३-२७ मासान्तः

साक्षेप विवाह मुहूर्त संवत् २०८३

श्रीधरी पंचांग में उपरोक्त मुहूर्त्त शास्त्रीय समीक्षा द्वारा शुद्ध दिये गये है। जिन मुहूर्तो में दोष परिलक्षित हुऐ है उन्हे यहां साक्षेपयुक्त (अशुद्ध) विवाह मुहूर्त्तो में दिया गया है। विद्वजनों के अनुरोध को मध्यनजर रखते हुऐ साक्षेपयुक्त (अशुद्ध) विवाह मुहूर्त्तो का स्तंभ प्रकाशित किया गया है। तथा विद्वजन, निर्णायकगण अपनी सुविधा, देशकाल परिस्थिति अनुरूप अपने विवेक से मुहूर्त्तो का चयन करें। कृपया अभिलेखन तथा शास्त्रीय मर्यादा पर अवश्य ध्यान देकर निर्णय लेवें।

वैशाख कृष्ण पक्षे

१३ बुधे उभायां तारीख १५-०४-२०२६ ई. क्षीण चन्द्रः
१४ गुरौ उभायां/रेवत्यां तारीख १६-०४-२६ ई. क्षीण चन्द्रः
३० शुक्रे रेवती/अश्विन्यां तारीख १७-०४-२६ क्षीण चन्द्रः

वैशाख शुक्ल पक्षे

१ शनौ अश्विन्यां तारीख १८-०४-२०२६ ई. क्षीण चन्द्रः
२ सूर्ये रोहिण्यां तारीख १९-०४-२०२६ ई. लग्नाऽभावः
३ चन्द्रे मृगशिरायां तारीख २०-०४-२०२६ ई. लग्नाऽभावः
९ शनौ मघायां तारीख २५-०४-२०२६ ई. लग्नाऽभावः
११ चन्द्रे उफायां ता. २७-०४-२६ बुध व पाप ग्रह मंगल वेध
१२ भौमे उफायां ता. २८-०४-२६ बुध व पाप ग्रह मंगल वेध
१२ भौमे हस्ते तारीख २८-०४-२६ पाप ग्रह शनि वेधः
१३ बुधे हस्ते तारीख २९-०४-२०२६ पाप ग्रह शनि वेधः
१४ गुरौ स्वात्यां ता. ३०-०४-२६ पाप ग्रह राहु वेधः भद्रा
१५ शुक्रे स्वात्यां तारीख ०१-०५-२०२६ पाप ग्रह राहु वेधः

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

२ सूर्ये अनुराधायां तारीख ०३-०५-२६ पाप ग्रह सूर्य वेधः
३ चन्द्रे अनुराधायां तारीख ०४-०५-२६ पाप ग्रह सूर्य वेधः
६ शुक्रे श्रवणे तारीख ०८-०५-२०२६ पाप ग्रह केतु वेधः
७ शनौ श्रवणे तारीख ०९-०५-२०२६ पाप ग्रह केतु वेधः
७ शनौ धनिष्ठायां तारीख ०९-०५-२०२६ लग्नाऽभावः
१० भौमे उभायां ता. १२-०५-२०२६ पाप ग्रह शनि युतिः
११ बुधे उभायां ता. १३-०५-२०२६ पाप ग्रह शनि युतिः
११ बुधे रेवत्यां तारीख १३-०५-२०२६ मृत्यु पंचकः
१२ गुरौ रेवत्यां/अश्विन्यां तारीख १४-०५-२०२६ मासांतः
१३ शुक्रे अश्विन्यां ता. १५-०५-२६ संक्रान्ति, क्षीण चन्द्र

तदग्रे पुरूषोत्तम अधिक मास कालांशः

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

७ सूर्ये उफायां तारीख २१-०६-२०२६ पाप ग्रह शनि वेधः
८ चन्द्रे उफायां तारीख २२-०६-२०२६ पाप ग्रह शनि वेधः
८ चन्द्रे हस्ते तारीख २२-०६-२०२६ लग्नाऽभावः
१० बुधे स्वात्यां तारीख २४-०६-२०२६ पापग्रह राहुः वेधः
११ गुरौ स्वात्यां तारीख २५-०६-२६ पाप ग्रह राहुः वेधः
१४ सूर्ये मूले तारीख २८-०६-२०२६ बुध पादवेधः, भद्रा

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१ बुधे उषायां तारीख ०१-०७-२०२६ लग्नाऽभावः, वैधृतिः
२ गुरौ उषायां तारीख ०२-०७-२०२६ वैधृतिः
२ गुरौ श्रवणे ता. ०२-०७-२६ वैधृतिः, भद्रा, पापग्रह केतुः वेधः
३ शुक्रे श्रवणे तारीख ०३-०७-२०२६ पाप ग्रह केतु वेधः
७ भौमे रेवत्यां तारीख ०७-०७-२०२६ पाप ग्रह शनि युतिः
८ बुधे रेवत्यां तारीख ०८-०७-२०२६ पाप ग्रह शनि युतिः
८ बुधे अश्विन्यां तारीख ०८-०७-२०२६ लग्नाऽभावः
१२ शनौ रोहिण्यां ता. ११-०७-२०२६ पाप ग्रह भौम युतिः
१३ सूर्ये रोहिणी/मृगशिरायां ता. १२-०७-२०२६ क्षीणचन्द्रः
१४ चन्द्रे मृगशिरायां ता. १३-०७-२०२६ क्षीण चन्द्रः
३० बुधे मघायां तारीख १४-०७-२०२६ क्षीण चन्द्रः

तदग्रे देवशयन कालांशः

श्रावण कृष्ण पक्षे

३० बुधे मघायां तारीख १२-०८-२०२६ क्षीण चन्द्रः

श्रावण शुक्ल पक्षे

२ शुक्रे उफायां ता. १४-०८-२०२६ पाप ग्रह शनि वेधः
३ शनौ उफायां/हस्ते तारीख १५-०८-२०२६ पापग्रह शनि वेधः मृत्यु पंचकः
४ सूर्ये हस्ते/चित्रायां तारीख १६-०८-२०२६ मासांतः
५ चन्द्रे चित्रायां तारीख १७-०८-२०२६ संक्रान्ति, महापातः
६ भौमे स्वात्यां ता. १८-०८-२०२६ लग्नाऽभावः, मृत्यु पंचकः
७ बुधे स्वात्यां तारीख १९-०८-२०२६ लग्नाऽभावः
९ शुक्रे अनुराधायां तारीख २१-०८-२०२६ वैधृतिः
१२ भौमे श्रवणे तारीख २५-०८-२०२६ पाप ग्रह सूर्य वेधः
१३ बुधे श्रवणे ता. २६-०८-२०२६ पाप ग्रह सूर्य वेधः
१३ बुधे धनिष्ठायां ता. २६-०८-२०२६ पाप ग्रह राहु युतिः
१४ गुरौ धनिष्ठायां तारीख २७-०८-२६ पाप ग्रह राहु युतिः

भाद्रपद कृष्ण पक्षे

२ सूर्ये रेवत्यां ता. ३०-०८-२६ पाप ग्रह शनि युतिः, भद्रा
३ चन्द्रे रेवत्यां ता. ३१-०८-२६ पापग्रह शनि युति, महापातः
३ चन्द्रे अश्विन्यां ता. ३१-०८-२०२६ पापग्रह सूर्य वेधः
४ भौमे अश्विन्यां ता. ०१-०९-२०२६ पापग्रह सूर्य वेधः
७ गुरौ रोहिण्यां तारीख ०३-०९-२०२६ अल्प रेखा ५
८ शुक्रे रोहिण्यां तारीख ०४-०९-२०२६ अल्प रेखा ५
१३ बुधे मघायां ता. ०९-०९-२०२६ भद्रा, क्षीण चन्द्रः
१४ गुरौ मघायां ता. १०-०९-२०२६ क्षीण चन्द्रः
३० शुक्रे उफायां तारीख ११-०९-२०२६ क्षीण चन्द्रः, पापग्रह शनि वेधः

भाद्रपद शुक्ल पक्षे

१ शनि उफायां ता. १२-०९-२६ पापग्रह शनि वेधः, महापातः
३ चन्द्रे चित्रायां तारीख १४-०९-२०२६ लग्नाऽभावः
४ भौमे स्वात्यां तारीख १५-०९-२०२६ मृत्यु पंचकः
५ बुधे अनुराधायां तारीख १६-०९-२०२६ मासांतः
६ गुरौ अनुराधायां तारीख १७-०९-२०२६ संक्रान्तिः
७ शुक्रे मूले तारीख १८-०९-२०२६ मृत्यु पंचक, भद्रा
८ शनौ मूले ता. १९-०९-२०२६ पापग्रह मंगल वेधः
९ सूर्ये उषायां तारीख २०-०९-२०२६ लग्नाऽभावः
११ भौमे उषायां/श्रवणे ता. २२-०९-२६ लग्नाऽभावः भद्रा
१२ बुधे धनिष्ठायां ता. २३-०९-२६ पापग्रह राहु युतिः
१३ गुरौ धनिष्ठायां ता. २४-०९-२६ पापग्रह राहु युतिः

तदग्रे श्राद्ध पक्षः कालांशः

आश्विन शुक्ल पक्षे

१ सूर्य चित्रायां ता. ११-१०-२०२६ पापग्रह सूर्य युतिः

तदग्रे शुक्रास्त कालांश

कार्त्तिक कृष्ण पक्षे

१० बुधे उफायां तारीख ०४-११-२०२६ लग्नाऽभावः
११ गुरौ उफायां तारीख ०५-११-२०२६ वैधृतिः
११ गुरौ हस्ते तारीख ०५-११-२०२६ लग्नाऽभावः
१२ शुक्रे हस्त/चित्रायां तारीख ०६-११-२०२६ मृत्यु पंचकः क्षीण चन्द्रः
१३ शनौ चित्रायां/स्वात्यां ता. ०७-११-२०२६ क्षीण चन्द्रः
१४ सूर्ये स्वात्यां तारीख ०८-११-२०२६ क्षीण चन्द्रः
३० चन्द्रे स्वात्यां तारीख ०९-११-२०२६ क्षीण चन्द्रः

कार्त्तिक शुक्ल पक्षे

२ बुधे अनुराधायां तारीख ११-११-२०२६ लग्नाऽभावः
४ शुक्रे मूले तारीख १३-११-२०२६ लग्नाऽभावः, भद्रा
५ शनौ उषायां तारीख १४-११-२०२६ भुजंग पातः

६ सूर्ये उषायां ता. १५-११-२६ भुजंग पातः, मृत्यु पंचक
६ सूर्ये श्रवणे तारीख १५-११-२०२६ पापग्रह मंगल-केतु वेधः, मासांतः
७ चन्द्रे श्रवणे ता. १६-११-२६ पापग्रह मंगल-केतु वेधः
७ चन्द्रे धनिष्ठायां ता. १६-११-२०२६ पापग्रह राहु वेधः
८ भौमे धनिष्ठायां ता. १७-११-२०२६ पापग्रह राहु वेधः
९ गुरौ उभायां ता. १९-११-२०२६ पापग्रह शनि वेधः
१० शुक्रे उभायां ता. २०-११-२६ पापग्रह शनि वेधः, भद्रा
१० शुक्रे रेवत्यां तारीख २०-११-२०२६ लग्नाऽभावः
१२ शनौ अश्विन्यां तारीख २१-११-२०२६ व्यतिपातः

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

७ चन्द्रे मघायां तारीख ३०-११-२०२६ भद्रा, वैधृति
८ भौमे मघायां तारीख ०१-१२-२०२६ वैधृति
१० गुरौ हस्ते ता. ०३-१२-२६ भद्रा, पापग्रह शनि वेधः
११ शुक्रे हस्ते ता. ०४-१२-२०२६ पापग्रह शनि वेधः
१२ शनौ स्वात्यां ता. ०५-१२-२६ मृत्यु पंचकः
१३ सूर्ये स्वात्यां ता. ०६-१२-२६ मृत्यु पंचकः, क्षीण चन्द्रः
१४ चन्द्रे अनुराधायां ता. ०७-१२-२०२६ क्षीण चन्द्रः
३० भौमे अनुराधायां ता. ०८-१२-२०२६ क्षीण चन्द्रः

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

१ बुधे मूले तारीख ०९-१२-२०२६ क्षीण चन्द्रः, भुजंगपात
१ गुरौ मूले तारीख १०-१२-२०२६ भुजंग पातः
३ शनौ श्रवणे तारीख १२-१२-२६ भद्रा, पापग्रह भौम वेधः
४ सूर्ये श्रवणे तारीख १३-१२-२६ भद्रा, पापग्रह भौम वेधः
५ चन्द्रे श्रवणे ता. १४-१२-२०२६ पापग्रह भौम वेधः
५ चन्द्रे धनिष्ठायां तारीख १४-१२-२०२६ पापग्रह राहु युतिः
६ भौमे धनिष्ठायां ता. १५-१२-२६ मासांतः, पापग्रह राहुयुति

तदग्रे मलमास कालांशः

पौष शुक्ल पक्षे

६ गुरौ उभायां/रेवत्यां तारीख १४-०१-२०२७ संक्रान्तिः
७ शुक्रे रेवत्यां तारीख १५-०१-२०२७ लग्नाऽभावः, भद्रा
७ शुक्रे अश्विन्यां तारीख १५-०१-२०२७ मृत्यु पंचकः
८ शनौ अश्विन्यां तारीख १६-०१-२०२७ मृत्यु पंचकः
१० चन्द्रे रोहिण्यां तारीख १८-०१-२०२७ भद्रा
११ भौमे मृगशिरायां तारीख १९-०१-२७ पापग्रह सूर्य वेधः
१३ बुधे मृगशिरायां ता. २०-०१-२०२७ पापग्रह सूर्य वेधः

माघ कृष्ण पक्षे

१ शनौ मघायां तारीख २३-०१-२०२७ लग्नाऽभावः
२ सूर्ये मघायां ता. २४-०१-२७ लग्नाऽभावः पापग्रह सूर्यवेध
५ भौमे उफायां तारीख २६-०१-२०२७ लग्नाऽभावः
५ भौमे हस्ते तारीख २६-०१-२०२७ पापग्रह शनि वेधः
६ बुधे हस्ते तारीख २७-०१-२०२७ पापग्रह शनि वेधः
७ गुरौ चित्रायां तारीख २८-०१-२०२७ लग्नाऽभावः
७ गुरौ स्वात्यां तारीख २८-०१-२०२७ भुजंग पातः
८ शुक्रे स्वात्यां तारीख २९-०१-२०२७ भुजंग पातः
९ शनौ अनुराधायां तारीख ३०-०१-२०२७ लग्नाऽभावः
१२ बुधे मूले तारीख ०३-०२-२०२७ मृत्यु पंचकः
१३ गुरौ उषायां तारीख ०४-०२-२०२७ क्षीण चन्द्रः
१४ शुक्रे उषायां/श्रवणे तारीख ०५-०२-२०२७ क्षीण चन्द्रः
३० शनौ श्रवणे/धनिष्ठायां ता. ०६-०२-२०२७ क्षीण चन्द्रः

माघ शुक्ल पक्षे

१ सूर्ये धनिष्ठायां तारीख ०७-०२-२०२७ क्षीण चन्द्रः
३ भौमे उभायां तारीख ०९-०२-२०२७ लग्नाऽभावः
४ बुधे रेवत्यां तारीख १०-०२-२०२७ पापग्रह शनि युतिः
५ गुरौ रेवत्यां तारीख ११-०२-२०२७ पापग्रह शनि युतिः
५ गुरौ अश्विन्यां तारीख ११-०२-२०२७ मृत्यु पंचकः
६ शुक्रे अश्विन्यां तारीख १२-०२-२०२७ मासांतः
८ सूर्ये रोहिण्यां तारीख १४-०२-२०२७ मृत्यु पंचकः
९ चन्द्रे मृगशिरायां तारीख १५-०२-२०२७ वैधृतिः

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

२ चन्द्रे उफायां ता. २२-०२-२०२७ पापग्रह शनि वेधः
३ भौमे उफायां ता. २३-०२-२७ पापग्रह शनिवेधः, मृत्य पंचकः
३ भौमे हस्ते ता. २३-०२-२७ मृत्यु पंचकः, भुजंग पातः
४ बुधे हस्ते तारीख २४-०२-२०२७ भुजंग पातः
४ बुधे चित्रायां तारीख २४-०२-२०२७ अल्परेखा ४/५
५ गुरौ चित्रायां तारीख २५-०२-२०२७ लग्नाऽभावः
५ गुरौ स्वात्यां तारीख २५-०२-२०२७ पापग्रह सूर्य वेधः
६ शुक्रे स्वात्यां ता. २६-०२-२०२७ पापग्रह सूर्य वेधः
११ गुरौ उषायां/श्रवणे तारीख ०४-०३-२०२७ मृत्य पंचकः
१२ शुक्रे श्रवणे/धनिष्ठायां तारीख ०५-०३-२०२७ पाप ग्रह मंगल वेधः, क्षीण चन्द्रः
१३ शनौ धनिष्ठायां तारीख ०६-०३-२०२७ क्षीण चन्द्रः

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

२ बुधे रेवत्यां तारीख १०-०३-२०२७ पापग्रह शनि युति
३ गुरौ रेवत्यां तारीख ११-०३-२०२७ पापग्रह शनि युति.
४ शुक्रे अश्विन्यां तारीख १२-०३-२०२७ भद्रा
६ सूर्ये रोहिण्यां तारीख १४-०३-२०२७ मासांतः
७ चन्द्रे रोहिण्यां तारीख १५-०३-२०२७ संक्रान्तिः

तदग्रे मीन संक्रान्ति कालांश

वास्तुचक्र शुद्धि रहित व भूशयन सहित गृहारंभ मुहूर्त्ताः

संकेतः गत वर्षों से वृषचक्र रहित एवं भूशयन सहित गृहारंभ एवं कलशचक्र शुद्धि रहित गृहप्रवेश के साक्षेप (अशुद्ध) मुहूर्त्तों का भी समावेश किया जा रहा है, अतः विद्वगण अपने विवेक एवं समयानुकूल देशकाल परिस्थिति अनुरूप उपयोग में लेवें।

वैशाख शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे रोहिण्यां ल.चि. दिवा ०७।२८ या. ता. २०-०४-२६

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

६ शुक्रे उषायां ल. २ अभिजिति दिवा १२।२२ या. ता. ०८-०५-२६
१२ गुरौ रेवत्यां ल. २,३ अभिजिति ता. १४-०५-२६ मासान्तः

द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे

१० बुधे चित्रायां ल.चि. तारीख २४-०६-२०२६ ई.
१३ शनौ अनुराधायां अभिजिति तारीख २७-०६-२०२६ ई.

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१२ शनौ रोहिण्यां अभिजिति तारीख ११-०७-२०२६ ई.

श्रावण शुक्ल पक्षे

५ चन्द्रे चित्रायां अभिजिति तारीख १७-०८-२६ संक्रांतिः
७ बुधे स्वात्यां ल.चि. दिवा ०६।४७ या. तारीख १९-०८-२६

भाद्रपद कृष्ण पक्षे

८ शुक्रे रोहिण्यां अभिजिति तारीख ०४-०९-२०२६ ई.

भाद्रपद शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे चित्रायां अभिजिति तारीख १४-०९-२०२६ ई.
६ गुरौ अनुराधायां अभिजिति तारीख १७-०९-२६ संक्रांति

कार्त्तिक कृष्ण पक्षे

१३ शनौ चित्रायां ल. ८ दिवा १०।४८ या. ता. ०७-११-२६

कार्त्तिक शुक्ल पक्षे

२ बुधे अनुराधायां ल. ८ दिवा ११/३८ या. ता. ११-११-२६

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१० गुरौ उफायां ल. ९ दिवा १०।१८ या. ता. ०३-१२-२६
११ शुक्रे चित्रायां अभिजिति तारीख ०४-१२-२०२६ ई.
१२ शनौ चित्रायां ल. ९ तारीख ०५-१२-२०२६ ई.
१२ शनौ स्वात्यां अभिजिति तारीख ०५-१२-२०२६ ई.

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

३ शनौ उषायां ल. ९ तारीख १२-१२-२०२६ ई.

माघ कृष्ण पक्षे

८ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति तारीख २९-०१-२०२७ ई.

माघ शुक्ल पक्षे

२ चन्द्रे शतभिषायां अभिजिति तारीख ०८-०२-२०२७ ई.

फाल्गुन कृष्ण पक्षे

११ गुरौ उषायां अभिजिति तारीख ०४-०३-२०२७ ई.

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

२ बुधे उभायां ल. २ दिवा १०/५३ या. ता. १०-०३-२७

कलशचक्र शुद्धि रहित गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

वैशाख शुक्ल पक्षे

३ चन्द्रे रोहिण्यां ल. चि. दिवा ०७।२८ या. तारीख २०-०४-२०२६ ई.

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे

६ शुक्रे उषायां ल. २ अभिजिति दिवा १२।२२ या. तारीख ०८-०५-२६ ई.

आषाढ़ कृष्ण पक्षे

१ बुधे उषायां ल.चि. दिवा ०६।५१ उ. ता. ०१-०७-२६

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षे

१ बुधे रोहिण्यां ल. ९ ता. २५-११-२६ ई.
२ गुरौ मृगशिरायां ल. ९ अभिजिति ता. २६-११-२६ ई.

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे

३ शनौ उषायां ल. ९ तारीख १२-१२-२०२६ ई.

पौष शुक्ल पक्षे

१५ शुक्रे पुष्ये अभिजिति तारीख २२-०१-२०२७ ई.

माघ कृष्ण पक्षे

८ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति तारीख २९-०१-२०२७ ई.

माघ शुक्ल पक्षे

२ चन्द्रे शतभिषायां अभिजिति तारीख ०८-०२-२०२७ ई.
५ गुरौ चित्रायां ल.चि. दिवा ०९।३३ या. ता. २५-०२-२७

फाल्गुन शुक्ल पक्षे

२ बुधे उभायां ल. २ दिवा १०।५३ या. ता. १०-०३-२७

शनि स्तोत्र मंत्र

नमस्ते कोण संस्थाय पिंगलाय नमोऽस्तुते। नमस्ते बभ्रुरूपाय, कृष्णाय च नमोऽस्तुते ॥ नमस्ते रौद्र देहाय नमस्ते चांतकाय च ॥ नमस्ते यम संज्ञाय, नमस्ते सौरये विभो ॥ नमस्ते मंद संज्ञाय शनैश्चर नमोऽस्तुत ॥ प्रसाद कुरू देवेश दीनस्यप्रणतस्य च ॥

फल- अनेन स्तोत्रेण प्रत्यहं प्रातः शनिस्तवनेन सार्द्ध सप्तवार्षिक (साढ़ेसाती) शनि पीड़ा नाशः ॥

इस स्तोत्र के प्रतिदिन प्रातःकाल स्तुति करने से साढ़ेसाती शनि की पीड़ा नष्ट होती है।

ग्रहण एवं संदिग्ध व्रत पर्व का मेटर पृष्ठ सं. ९१ पर देखें....

ग्रहों के राशि नक्षत्र प्रवेशकाल एवं वक्री-मार्गी, उदय-अस्त गति ज्ञान चक्रम् संवत् २०८३ शाकः१९४८ सन् २०२६-२७

निरयन सूर्य राशि-नक्षत्र प्रवेश काल

तारीख	राशि	नक्षत्रचरण	घंटा-मि.
३१ मार्च	मीन	रेवती १	२०।११
१४ अप्रैल	मेष	अश्विनी १	०९।३३
२७ अप्रैल	मेष	भरणी १	२५।१९
११ मई	मेष	कृतिका १	१९।३२
१५ मई	वृषभ	कृतिका २	०६।२२
२५ मई	वृषभ	रोहिणी १	१५।३८
०८ जून	वृषभ	मृगशिरा १	१३।३३
१५ जून	मिथुन	मृगशिरा ३	१२।५३
२२ जून	मिथुन	आर्द्रा १	१२।२६
०६ जुलाई	मिथुन	पुनर्वसु १	१२।०३
१६ जुलाई	कर्क	पुनर्वसु ४	२३।३९
२० जुलाई	कर्क	पुष्य १	११।२८
०३ अगस्त	कर्क	आश्लेषा १	१०।२४
१७ अगस्त	सिंह	मघा १	०७।५९
३० अगस्त	सिंह	पू.फा. १	२७।५९
१३ सितम्बर	सिंह	उ.फा. १	२१।४८
१७ सितम्बर	कन्या	उ.फा. २	०७।५३
२७ सितम्बर	कन्या	हस्त १	१३।२०
१० अक्टूबर	कन्या	चित्रा १	२६।२०
१७ अक्टूबर	तुला	चित्रा ३	१९।५१
२४ अक्टूबर	तुला	स्वाति १	१२।५१
०६ नवम्बर	तुला	विशाखा १	२१।०३
१६ नवम्बर	वृश्चिक	विशाखा ४	१९।४३
१९ नवम्बर	वृश्चिक	अनुराधा १	२७।०३
०३ दिसम्बर	वृश्चिक	ज्येष्ठा १	०७।२८
१६ दिसम्बर	धनु	मूल १	१०।२५
२९ दिसम्बर	धनु	पू.षा. १	१२।४४
११ जन.२७	धनु	उ.षा. १	१४।४०
१४ जनवरी	मकर	उ.षा. २	२१।१०
२४ जनवरी	मकर	श्रवण १	१७।०१
०६ फरवरी	मकर	धनिष्ठा १	२०।०९
१३ फरवरी	कुम्भ	धनिष्ठा ३	१०।०९
१९ फरवरी	कुम्भ	शतभिषा १	२४।३८
०४ मार्च	कुम्भ	पू.भा.१	३०।५९
१५ मार्च	मीन	पू.भा. ४	०७।००
१८ मार्च	मीन	उ.भा. १	१५।२१
३१ मार्च	मीन	रेवती १	२६।१५

✻ मंगल राशि-नक्षत्र प्रवेश काल ✻

तारीख	राशि	नक्षत्रचरण	घंटा-मि.
२० मार्च	कुंभ	पू.भा.१	२१।२१
२६ मार्च	कुम्भ	पू.भा. १ उदय	१४।०८
०२ अप्रैल	मीन	पू.भा. ३	१५।२९
०६ अप्रैल	मीन	उ.भा. १	२१।५६
२३ अप्रैल	मीन	रेवती १	२६।२१
११ मई	मेष	अश्विनी १	१२।३८
२९ मई	मेष	भरणी १	०६।२५
१६ जून	मेष	कृतिका १	०९।३२
२० जून	वृषभ	कृतिका २	२६।५९
४ जुलाई	वृषभ	रोहिणी १	२३।५४
२३ जुलाई	वृषभ	मृगशिरा १	२७।२१
०२ अगस्त	मिथुन	मृगशिरा ३	२२।५१
१२ अगस्त	मिथुन	आर्द्रा १	२२।३४
०२ सितम्बर	मिथुन	पुनर्वसु १	१३।१६
१८ सितम्बर	कर्क	पुनर्वसु ३	१६।३५
२३ सितम्बर	कर्क	पुष्य १	२९।४१
१७ अक्टूबर	कर्क	आश्लेषा १	१२।४६
१२ नवम्बर	सिंह	मघा १	२०।१८
१९ दिसम्बर	सिंह	पू.फा. १	१०।२०
१० जन. २७	सिंह	पू.फा. १ वक्री	१८।२४
३१ जनवरी	सिंह	मघा ४	१६।०६
०९ फरवरी	कर्क	आश्लेषा ४	२४।१३
१ अप्रैल	कर्क	आश्लेषा ४ मार्गी	१९।४१

✻ बुध राशि-नक्षत्र प्रवेश काल ✻

तारीख	राशि	नक्षत्रचरण	घंटा-मि.
२० मार्च	कुम्भ	शतभिषा३ मार्गी	२५।०२
१ अप्रैल	कुम्भ	पू.भा. १	२०।१२
१० अप्रैल	मीन	पू.भा. ४	२५।१६
१३ अप्रैल	मीन	उ.भा. १	१४।२२
२२ अप्रैल	मीन	रेवती १	१३।३७
३० अप्रैल	मेष	अश्विनी १	०६।५२
०३ मई	मेष	अश्वि. ३ अस्त	०९।५६
०६ मई	मेष	भरणी १	२७।५९
१३ मई	मेष	कृतिका १	११।४५
१४ मई	वृषभ	कृतिका २	२४।३२
१९ मई	वृषभ	रोहिणी १	१४।३४
२५ मई	वृषभ	रोहिणी ४ उदय	२३।४२
२५ मई	वृषभ	मृगशिरा १.	२३।४७
२९ मई	मिथुन	मृगशिरा ३	११।११
०२ जून	मिथुन	आर्द्रा १	०६।११
११ जून	मिथुन	पुनर्वसु १	११।२६
२२ जून	कर्क	पुनर्वसु ४	१५।३०
२९ जून	कर्क	पुनर्वसु ४ वक्री	२३।०४
०४ जुलाई	कर्क	पुनर्वसु ४ अस्त	१४।५३
०७ जुलाई	मिथुन	पुनर्वसु ३	१०।४६
२२ जुलाई	मिथुन	पुनर्वसु १ उदय	११।११
२३ जुलाई	मिथुन	पुनर्वसु १ मार्गी	२८।२८
०५ अगस्त	कर्क	पुनर्वसु ४	१९।५४
०८ अगस्त	कर्क	पुष्य १	२३।५५
१४ अगस्त	कर्क	पुष्य ४ अस्त	२८।१९
१५ अगस्त	कर्क	आश्लेषा १	२६।१७
२२ अगस्त	सिंह	मघा १	१९।३१
२९ अगस्त	सिंह	पू.फा. १	१२।५६
०५ सितम्बर	सिंह	उ.फा. १	१६।२९
०७ सितम्बर	कन्या	उ.फा. २	१३।३२
१२ सितम्बर	कन्या	उ.फा. ४ उदय	०७।१५
१३ सितम्बर	कन्या	हस्त १	१०।४४
२१ सितम्बर	कन्या	चित्रा १	२२।४२
२६ सितम्बर	तुला	चित्रा ३	१२।३८
०१ अक्टूबर	तुला	स्वाति १	०९।२९
२४ अक्टूबर	तुला	विशा. ३ वक्री	१२।४२
२९ अक्टूबर	तुला	विशा. २ अस्त	१६।३१
०२ नवम्बर	तुला	स्वाति ४	२९।५९
११ नवम्बर	तुला	स्वाति २ उदय	०७।२०
१३ नवम्बर	तुला	स्वाति २ मार्गी	२१।२४
२५ नवम्बर	तुला	विशाखा १	१३।४१
०२ दिसम्बर	वृश्चिक	विशाखा ४	१७।२७
०४ दिसम्बर	वृश्चिक	अनुराधा १	२३।१६
०८ दिसम्बर	वृश्चिक	अनुरा. २ अस्त	२९।२५
१३ दिसम्बर	वृश्चिक	ज्येष्ठा १	१७।१८
२२ दिसम्बर	धनु	मूल १	०७।३९
३० दिसम्बर	धनु	पू.षा. १	१८।३१
०७ जन. २७	धनु	उ.षा. १	२४।०९
०९ जनवरी	मकर	उ.षा. २	२४।३७
१५ जनवरी	मकर	श्रवण १	२४।०५
२१ जनवरी	मकर	श्रवण ४ उदय	२९।२५
२३ जनवरी	मकर	धनिष्ठा १	२२।४९
२७ जनवरी	कुम्भ	धनिष्ठा ३	२७।३४
०१ फरवरी	कुम्भ	शतभिषा १	२४।५८
०९ फरवरी	कुम्भ	शतभिषा२ वक्री	२३।०६
१२ फरवरी	कुम्भ	शतभिषा२ अस्त	१३।४२
१७ फरवरी	कुम्भ	धनिष्ठा ४	२२।११
२३ फरवरी	मकर	धनिष्ठा २	२८।४०
२५ फरवरी	मकर	धनिष्ठा २ उदय	०८।५९
०३ मार्च	मकर	धनिष्ठा २ मार्गी	१८।०२
११ मार्च	कुम्भ	धनिष्ठा ३	२९।०७
१९ मार्च	कुम्भ	शतभिषा १	११।५६
२९ मार्च	कुम्भ	पू.भा. १	२५।०३
०५ अप्रैल	मीन	पू.भा. ४	१६।१६

✻ गुरू राशि-नक्षत्र प्रवेश काल ✻

तारीख	राशि	नक्षत्रचरण	घंटा-मि.
२० अप्रैल	मिथुन	पुनर्वसु २	१५।४०
१४ मई	मिथुन	पुनर्वसु ३	०६।३५
०१ जून	कर्क	पुनर्वसु ४	२५।५०
१८ जून	कर्क	पुष्य १	२१।०२
०४ जुलाई	कर्क	पुष्य २	१५।३०
१६ जुलाई	कर्क	पुष्य २ अस्त	२५।२७
१९ जुलाई	कर्क	पुष्य ३	२१।१८
०३ अगस्त	कर्क	पुष्य ४	२२।५२
०८ अगस्त	कर्क	पुष्य ४ उदय	२३।५५
१८ अगस्त	कर्क	आश्लेषा १	२७।१२
०३ सितम्बर	कर्क	आश्लेषा २	१८।३५
२० सितम्बर	कर्क	आश्लेषा ३	०८।२४
०८ अक्टूबर	कर्क	आश्लेषा ४	१८।२९
३१ अक्टूबर	सिंह	मघा १	१२।०२
०२ दिसम्बर	सिंह	मघा १ वक्री	३०।००
२४ जन. २७	कर्क	आश्लेषा ४	२५।३१
१९ फरवरी	कर्क	आश्लेषा ३	२१।०५
२४ मार्च	कर्क	आश्लेषा २	२७।२१

✻ शुक्र राशि-नक्षत्र प्रवेश काल ✻

तारीख	राशि	नक्षत्रचरण	घंटा-मि.
२५ मार्च	मेष	अश्विनी १	२९।०९
०५ अप्रैल	मेष	भरणी १	२४।५९
१६ अप्रैल	मेष	कृतिका १	२२।१४
१९ अप्रैल	वृषभ	कृतिका २	१५।४६
२७ अप्रैल	वृषभ	रोहिणी १	२१।०३
०८ मई	वृषभ	मृगशिरा १	२१।४७
१४ मई	मिथुन	मृगशिरा ३	१०।५३
१९ मई	मिथुन	आर्द्रा १	२४।३२
३० मई	मिथुन	पुनर्वसु १	२९।४७
०८ जून	कर्क	पुनर्वसु ४	१७।४३
११ जून	कर्क	पुष्य १	१४।०६
२२ जून	कर्क	आश्लेषा १	२६।०७
४ जुलाई	सिंह	मघा १	१९।१३
१६ जुलाई	सिंह	पू.फा. १	१९।०७
२८ जुलाई	सिंह	उ.फा. १	२८।५२
०१ अगस्त	कन्या	उ.फा. २	०९।२८
११ अगस्त	कन्या	हस्त १	०६।२८
२५ अगस्त	कन्या	चित्रा १	१२।४९
०२ सितम्बर	तुला	चित्रा ३	१३।४४
११ सितम्बर	तुला	स्वाति १	२३।१०
०३ अक्टूबर	तुला	स्वाति ३ वक्री	१२।४३
१४ अक्टूबर	तुला	स्वाति २ अस्त	२५।२५
२३ अक्टूबर	तुला	चित्रा ४	२७।२२
३१ अक्टूबर	तुला	चित्रा ३ उदय	२३।५५
०५ नवम्बर	कन्या	चित्रा २	२५।०४
१३ नवम्बर	कन्या	चित्रा २ मार्गी	२९।५९
२२ नवम्बर	तुला	चित्रा ३	१७।२१
०५ दिसम्बर	तुला	स्वाति १	२२।५८
२२ दिसम्बर	तुला	विशाखा १	१३।५४
१ जनवरी २७	वृश्चिक	विशाखा ४	२३।२२
०४ जनवरी	वृश्चिक	अनुराधा १	३०।०३
१७ जनवरी	वृश्चिक	ज्येष्ठा १	१९।२१
२९ जनवरी	धनु	मूल १	१८।४१
१० फरवरी	धनु	पू.षा. १	०९।३७
२१ फरवरी	धनु	उ.षा. १	१९।२५
२४ फरवरी	मकर	उ.षा. २	१५।१६
०४ मार्च	मकर	श्रवण १	२५।३९
१५ मार्च	मकर	धनिष्ठा १	२९।३१
२१ मार्च	कुम्भ	धनिष्ठा ३	१८।५१
२७ मार्च	कुम्भ	शतभिषा १	०७।५१

शनि-राहु-केतु शेष भाग पृष्ठ सं. १२६ देखें......

चैत्र शुक्ल पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

२० मार्च से ०२ अप्रैल सन् २०२६ ई. तक

बसंत ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च दक्षि.-उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्रराशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	विविधतारीखें बं.	मु.	भा.	अं.	
क्षयः	१	गु	५५	१५	२८	५३	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०० ००	००	००	००	००	A २०।१७ रवि उत्तरगोलीय प्रा. सर्वा. ३०।४५ या. अमृत. ०६।४६ उ. २६।२८ B
श्रीवत्स	२	शु	४९	२४	२६	३१	रे	४९	१५	२६	२८	ब्र	३८	४२	बा	२२	२६	२९	५८	०६	४६	०६	४५	मे. २६/२८	११	०५	०९	४७	५९ ४१	०७	३०	२९	२०	चन्द्रदर्शनं चेटीचंड झूलेलाल ज. सिंजारा पंचक २६।२८ या. मेषे भानुः A
सौम्य	३	श	४३	०१	२३	५७	अ	४४	४३	२४	३८	ऐं	३०	४१	तै	१६	१७	३०	०२	०६	४५	०६	४६	मेष	११	०६	०९	२६	५९ ३९	०८	श१	३०	२१	गणगौरी तीज गौरी तृतीया मत्स्य जयंती उभायां ३ शनिः १५।०३ D
कालदंड	४	र	३६	२४	२१	१७	भ	३९	५८	२२	४३	वै	२२	२४	व	०९	४४	३०	०६	०६	४४	०६	४६	वृ. २८/१४	११	०७	०९	०३	५९ ३६	०९	०२	चै१	२२	भ. १०।३७ उ. २१।१७ या. रा. चैत्र मास प्रा. श्री गणेश दमनक चतुर्थी व्रतं
सुस्थिर	५	चं	२९	५१	१८	३९	कृ	३५	१८	२०	५०	वि	१४	०८	ब	०३	०७	३०	१०	०६	४३	०६	४७	वृषभ	११	०८	०८	३७	५९ ३४	१०	०३	०२	२३	सर्वा. २०।५० उ. ३०।४१ या. राष्ट्रीय शहीद दिवस श्रीपंचमी
मातंग	६	मं	२३	३७	१६	०८	रो	३०	५९	११	०५	प्री/आ	०६/५८	०५/११	तै	२३	३७	३०	१४	०६	४१	०६	४७	मि. ३०/१७	११	०९	०८	०९	५९ ३२	११	०४	०३	२४	विश्व क्षयरोग दिवस स्कन्द षष्ठी I सिद्धाचल यात्रा मीने भौमः १५।२९
अमृत	७	बु	१७	५६	१३	५१	मृ	२७	१३	१७	३३	सौ	५१	१२	व	१७	५६	३०	१८	०६	४०	०६	४८	मिथुन	११	१०	०७	३९	५९ ३०	१२	०५	०४	२५	भ. १३।५१ उ. २४।४८ या. सर्वा. ०६।४० उ. १७।३३ या. नवपद ओली E
काण	८	गु	१२	५५	११	४९	आ	२४	१०	१६	१९	शो	४४	४०	ब	१२	५५	३०	२२	०६	३९	०६	४८	मिथुन	११	११	०७	०६	५९ २७	१३	०६	०५	२६	अशोकाष्टमी श्री दुर्गाष्टमी श्रीरामनवमी दुर्गानवमी पूजा सर्वा. १६।१९ उ. F
लुम्बक	९	शु	०८	४३	१०	०७	पुन	२१	५५	१५	२४	अ	३८	४९	कौ	०८	४३	३०	२६	०६	३८	०६	४८	क. ०१/३६	११	१२	०६	३१	५९ २५	१४	०७	०६	२७	स्वामी नारायण जयंती नवरात्रि पूर्ण सर्वार्थसिद्धि योग १५।२४ या.
मित्र	१०	श	०५	२३	०८	४६	पु	२०	३३	१४	५०	सु	३३	४२	ग	०५	२३	३०	३०	०६	३७	०६	४९	कर्क	११	१३	०५	५४	५९ २३	१५	०८	०७	२८	भ. २०।१४ उ. श्रीधर्मराज दशमी G शतभिषा २ राहुः मघायां ४ केतुः ०७।५३
ए.व्रत	११	र	०२	५७	०७	४७	आ	२०	०५	१४	३८	धृ	२९	१८	वि	०२	५७	३०	३३	०६	३६	०६	४९	सिं. १४/३८	११	१४	०५	१४	५९ २०	१६	०९	०८	२९	भ. ०७।४७ या. कामदा ११ व्रतं सर्वे. लक्ष्मीकांत दोलोत्सवः पॉमसंडे G
प्रदोष	१२	चं	०१	२८	०७	१०	म	२०	३२	१४	४८	शू	२५	४०	बा	०१	२८	३०	३७	०६	३५	०६	५०	सिंह	११	१५	०४	३२	५९ १७	१७	१०	०९	३०	सोम प्रदोष व्रतं हरिदमनोत्सवः विष्णु द्वादशी अनंग त्रयोदशी
धूम्र	१३	मं	००	५६	०६	५६	पूफा	२१	५७	१५	२१	गं	२२	४८	तै	००	५६	३०	४१	०६	३४	०६	५०	क. २१/३३	११	१६	०३	४७	५९ १६	१८	११	१०	३१	महावीर ज. नृसिंह दोलोत्सव शिव दमनक चतुर्दशी रेवत्यां रविः २०।११
प्रवर्ध	१४	बु	०१	२५	०७	०७	उफा	२४	२२	१६	१८	वृ	२०	४४	व	०१	२५	३०	४५	०६	३३	०६	५१	कन्या	११	१७	०३	०२	५९ १४	१९	१२	११	अ१	भ. ०७।०७ उ. १९।२१ या. पूर्णिमा व्रतं अप्रैल मास ४ ता. ३० प्रा. H
पूर्णिमा	१५	गु	०२	५६	०७	४२	ह	२७	४७	१७	३९	ध्रु	१९	२९	ब	०२	५६	३०	४९	०६	३२	०६	५१	तु. ३०/२१	११	१८	०२	१३	५९ १०	२०	१३	१२	०२	श्री हनुमान प्राकट्योत्सव वैशाख स्नान प्रा. संत पीपा ज. नवपद ओली I

गोचर ग्रहाः

१ शु; १२ सू श; ११ रा बु मं; १० ; २ ; ३ गु चं; ९ ; ४ ; ६ ; ८ ; ५ के; ७

चैत्र शु. पक्षे ८ गुरौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०२	१०	१०	०२	००	११	१०	०४
अं.	११	२३	२४	२५	२१	००	१०	१३	१३
क.	०७	४१	११	२९	१३	०१	३४	२९	२९
वि.	०६	००	३३	५९	०३	०४	२७	५१	५१
ग	५९	७३७	४७	२९	०२	७४	०७	०३	०३
ति	२५	१०	०३	३९	५६	०४	२९	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ	अ
नक्षत्र	उ.भा.३	आर्द्रा ३	पू.भा.२	शतभि.३	पुनर्वसु १	अश्वि.१	उ.भा.३	शतभि.३	पू.फा.१

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मार्च	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि
२०	०७।५८	०९।३६	११।३३	१३।४६	१६।०४	१८।१९	२०।३४	२२।५२	२५।०९	२७।१२	२८।५६	३०।२७
२१	०७।५४	०९।३२	११।२९	१३।४२	१६।००	१८।१५	२०।३०	२२।४८	२५।०५	२७।०८	२८।५२	३०।२३
२२	०७।५०	०९।२८	११।२५	१३।३८	१५।५६	१८।११	२०।२६	२२।४४	२५।०१	२७।०४	२८।४९	३०।१९
२३	०७।४६	०९।२४	११।२१	१३।३४	१५।५२	१८।०७	२०।२३	२२।४०	२४।५७	२७।००	२८।४५	३०।१५
२४	०७।४२	०९।२०	११।१७	१३।३०	१५।४८	१८।०४	२०।१९	२२।३६	२४।५३	२६।५६	२८।४१	३०।११
२५	०७।३८	०९।१६	११।१३	१३।२६	१५।४४	१८।००	२०।१५	२२।३२	२४।४९	२६।५२	२८।३७	३०।०७
२६	०७।३४	०९।१२	११।०९	१३।२२	१५।४०	१७।५६	२०।११	२२।२८	२४।४५	२६।४८	२८।३३	३०।०३
२७	०७।३०	०९।०८	११।०५	१३।१८	१५।३६	१७।५२	२०।०७	२२।२४	२४।४१	२६।४४	२८।२९	२९।५९
२८	०७।२६	०९।०४	११।०१	१३।१४	१५।३२	१७।४८	२०।०३	२२।२०	२४।३७	२६।४०	२८।२५	२९।५५
२९	०७।२२	०९।००	१०।५७	१३।१०	१५।२८	१७।४४	१९।५९	२२।१६	२४।३३	२६।३६	२८।२१	२९।५१
३०	०७।१८	०८।५६	१०।५३	१३।०६	१५।२४	१७।४०	१९।५५	२२।१२	२४।२९	२६।३३	२८।१७	२९।४७
३१	०७।१४	०८।५२	१०।४९	१३।०२	१५।२०	१७।३६	१९।५१	२२।०८	२४।२५	२६।२९	२८।१३	२९।४३
अ१	०७।११	०८।४८	१०।४५	१२।५८	१५।१६	१७।३२	१९।४७	२२।०४	२४।२१	२६।२५	२८।०९	२९।३९
०२	०७।०७	०८।४५	१०।४१	१२।५४	१५।१२	१७।२८	१९।४३	२२।००	२४।१७	२६।२१	२८।०५	२९।३५

इदुलफितर E आराधना प्रारंभ जैन अश्विन्यां मेषे शुक्रः २९।०९ F भौमोदय पूर्व १४।०८ H बैंक वार्षिक लेखाबंदी पूभायां बुधः २०।१२ सर्वार्थ. १६।१८ उ. ३०।३२ या.

ग्रहग्रोचरीय फलम्

वार पांच बुध देव के, अमा पूर्णिमा लक्ष। संस्था सेवा वर्ग की, जनसेवा में दक्ष।। दिशि पश्चिम दुःख आपदा विग्रह प्रान्त विरोध। वार पाँच गुरूदेव के, नीति न्याय अवरोध।। चक्रवात आँधी पवन, सागर देश विदेश। संहारक रचना गति, जन धन मध्य विशेष।। अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना सुखद अधियोग। सुख सुभिक्ष की धारणा, श्रीधर शास्त्र सुयोग।। प्रातः चैत्र वैशाख में, वन पक्षी ध्वनि धीर। मयुर बोल सुहावने, श्रावण वर्षे नीर।। बिना ऋतु फल-फूल ही धरा मध्य जिस भाग। शकुन श्रीधरी शास्त्र का, सुख सुभिक्ष नहीं राग।। सुदी चैत्र की प्रतिपदा दशमी तक दिन लक्ष। मेघ गाज वर्षा यदि। ऋतु वर्षा नहीं दक्ष। चैत्र बदी की पंचमी, मेघ गाज नभ संग। व्यापारे मंदी गति, निर्धन पक्ष सुरंग।। कृष्णा एकम् चैत्र की, वर्षा बादल गाज। सावन भादव में नहीं, फिर वर्षा का साज।। तेरस ग्यारस पूर्णिमा, चैत्र सुदी का पक्ष।। हिमपात आंधी पवन, मेघ गाज नव कक्ष।। चैत्र उजाली पंचमी, दिनभर बादल छांव। गेहूँ जौ संग्रह भला, सावन तेजी भाव।। B या. मार्गी बुधः २५।०२ पूभायां भौमः २१।२१ D शव्वाल मास १० मुस.

गोचर ग्रहाः

१ शु; १२ सू श; ११ मं रा बु; १० ; २ ; ३ गु; ९ ; ४ ; ६ चं; ८ ; ५ के; ७

चै. शु. पक्षे १५ गुरौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०५	१०	१०	०२	००	११	१०	०४
अं.	१८	१६	२९	२०	२१	०८	११	१३	१३
क.	०२	५८	४०	२०	३७	३८	२६	०७	०७
वि.	१३	१८	२८	३७	१९	४८	४८	३६	३६
ग	५९	७५६	४६	५५	०४	७३	०७	०३	०३
ति	१०	१३	५४	२३	१०	४९	२७	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ	अ
नक्षत्र	रेवती १	हस्त ३	पू.भा.३	पू.भा.१	पुनर्वसु १	अश्वि.३	उ.भा.३	शतभि.२	मघा ४

वैशाख कृष्ण पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

❀❀ ०३ अप्रैल से १७ अप्रैल सन् २०२६ ई. तक ❀❀

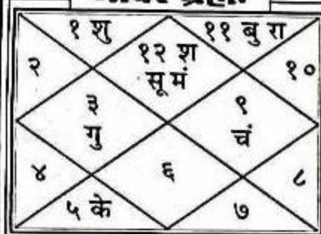
बसन्त ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगा:	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल
मुसल	१	शु	०५	३१	०८	४३	चि	३२	१६	१९	२५	व्या	१९	०४	कौ	०५	३१	३०	५३
सिद्धि	२	श	०९	१०	१०	१०	स्वा	३७	४५	२१	३५	ह	१९	२८	ग	०९	१०	३०	५६
चौथव्रत	३	र	१३	४९	१२	००	वि	४४	०८	२४	०८	व	२०	३७	वि	१३	४९	३१	००
मानस	४	चं	१९	१९	१४	११	अ	५१	१३	२६	५७	सि	२२	२४	बा	१९	१९	३१	०४
मुद्गर	५	मं	२५	२१	१६	३५	ज्ये	५८	३८	२९	५४	व्य	२४	३४	तै	२५	२१	३१	०८
केतु	६	बु	३१	३२	१९	०२	मूल	६०	००	-	-	व	२६	५१	व	३१	३२	३१	१२
धूम्र	७	गु	३७	१९	२१	२०	मू	०६	००	०८	४८	प	२८	५३	वि	०४	३२	३१	१५
प्रवर्ध	८	शु	४२	१२	२३	१६	पूषा	१२	४१	११	२८	शि	३०	१७	बा	०९	५६	३१	१९
राक्षस	९	श	४५	३९	२४	३८	उषा	१८	१४	१३	४०	सि	३०	४१	तै	१४	०९	३१	२३
गद	१०	र	४७	२०	२५	१७	श्र	२२	१२	१५	१४	सा	२९	४६	व	१६	४५	३१	२७
ए. व्रत	११	चं	४७	०२	२५	०९	ध	२४	१८	१६	०४	शु	२७	२०	ब	१७	२७	३१	३०
मृत्यु	१२	मं	४४	४४	२४	१३	श	२४	२६	१६	०६	शु	२३	२०	कौ	१६	०९	३१	३४
प्रदोष	१३	बु	४०	३३	२२	३२	पूभा	२२	४१	१५	२३	ब्र	१७	४६	ग	१२	५३	३१	३८
छत्र	१४	गु	३४	४६	२०	१२	उभा	१९	१३	१३	५९	ऐं	१०	४९	वि	०७	५२	३१	४१
अमावस	३०	शु	२७	४३	१७	२२	रे	१४	२४	१२	०२	वै / वि	०२ / ५३	४३ / ४२	च	०१	२४	३१	४५

योगा:	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति		विविध तारीखें बं.	मु.	भा.	अं.	
मुसल	०६	३१	०६	५२	तुला	११	१९	०१	२३	५९	०७	२१	१४	१३	०३	गुडफ्राइडे श्री महावीर रथयात्रा जैन A भरण्यां शुक्रः २४।५९
सिद्धि	०६	३०	०६	५२	तुला	११	२०	००	३०	५९	०६	२२	१५	१४	०४	भ. २३।०२ उ. सर्वार्थ. ०६।३० उ. २१।३५ या. इस्टर सेटर्डे
चौथव्रत	०६	२९	०६	५३	वृ. १७/२८	११	२०	५९	३६	५९	०४	२३	१६	१५	०५	भ. १२।०० या. वैशाखी चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २२।०५ इस्टर संडे A
मानस	०६	२८	०६	५३	वृश्चिक	११	२१	५८	४०	५९	०२	२४	१७	१६	०६	सर्वा. ०६।२८ उ. २६।५७ या. उभायां भौमः २१।५६ B पुण्य. त्रि. स्तु. जैन
मुद्गर	०६	२७	०६	५४	ध. २१/५४	११	२२	५७	४२	५९	००	२५	१८	१७	०७	विश्व स्वास्थ्य दिवस श्री मलूकदास जं. वृन्दावने गुरू तेगबहादुर जं.
केतु	०६	२५	०६	५४	धनु	११	२३	५६	४२	५८	५८	२६	१९	१८	०८	भ. ११।०२ उ. C मेषेऽर्कः ०९।३३ बं. वैशाख मास प्रा. डॉ. अम्बेडकर D
धूम्र	०६	२४	०६	५५	धनु	११	२४	५५	४०	५८	५७	२७	२०	१९	०९	भ. ०८।१३ या. शीतला पूजा बूढ़ा बासोड़ा श्री जयंत सेन सूरि म. सा. B
प्रवर्ध	०६	२३	०६	५५	म. १८/०४	११	२५	५४	३७	५८	५५	२८	२१	२०	१०	विश्व होम्योपैथी दि. मीने बुधः २५।१६ D ज. १३५वीं खालसा ज. E
राक्षस	०६	२२	०६	५६	मकर	११	२६	५३	३१	५८	५३	२९	२२	२१	११	सर्वा. १३।४० उ. ३०।२१ या. ज्योतिबा फूले ज. उदितं शनि पश्चिमे २४।०५
गद	०६	२१	०६	५६	कु. २७/४५	११	२७	५२	२४	५८	५१	३०	२३	२२	१२	भ. १३।०४ उ. २५।१७ या. पंचक २७।४५ उ. लॉ संडे
ए. व्रत	०६	२०	०६	५७	कुंभ	११	२८	५१	१६	५८	५०	३१	२४	२३	१३	वरूथिनी ११ व्रतं स्मार्त्त वैष्णव श्री वल्लभाचार्य ज. उभायां बुधः १४।२२
मृत्यु	०६	१९	०६	५७	कुंभ	११	२९	५०	०५	५८	४८	वै १	२५	२४	१४	वरूथिनी ११ व्रतं निम्बार्क श्री सेन ज. ७२६वीं अश्विन्यां रविः ०९।३३ C
प्रदोष	०६	१८	०६	५८	मी. ०९/३८	००	००	४८	५३	५८	४६	०२	२६	२५	१५	भ. २२।३२ उ. मासशिवरात्रि प्रदोष व्रतं E फसली सन् १९३३ प्रा. वैशाखी पर्व
छत्र	०६	१७	०६	५८	मीन	००	०१	४७	३९	५८	४४	०३	२७	२६	१६	भ. ०९।२६ या. सर्वा. १३।५९ उ. कृतिकायां शुक्रः २२।१४
अमावस	०६	१७	०६	५८	मे. १२/०२	००	०२	४६	२३	५८	४२	०४	२८	२७	१७	देवपितृकार्ये अमावस्या श्री शुकदेव ज. पंचक १२।०२ या. सर्वा. F

गोचर ग्रहाः



वै. कृ. पक्षे ८ शुक्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०८	११	१०	०२	००	११	१०	०४
अं.	२५	२३	०५	२८	२२	१८	१२	१२	१२
क.	५४	३९	५५	५८	१५	२८	२६	४२	४२
वि.	३७	५५	०१	०८	१९	१७	०६	१०	१०
गति	५८ ५५	७२८ ५०	४६ ४२	७५ १८	०५ २९	७३ ३१	०७ २१	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ	अ
नक्षत्र	रेवती ३	पू.षा. ४	उ.भा. १	पू.भा. ३	पुनर्व. १	भरणी २	उ.भा. ३	शतभि. २	मघा ४

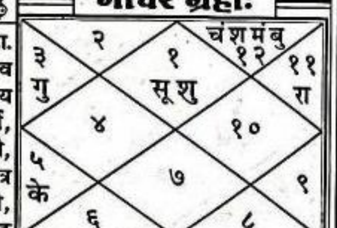
✲ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे ✲

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अप्रै.	प्रातः	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि
०३	०७।०३	०८।४१	१०।३७	१२।५०	१५।०८	१७।२४	१९।३९	२१।५७	२४।१३	२६।१७	२८।०१	२९।३१
०४	०६।५९	०८।३७	१०।३३	१२।४६	१५।०४	१७।२०	१९।३५	२१।५३	२४।०९	२६।१३	२७।५७	२९।२७
०५	०६।५५	०८।३३	१०।२९	१२।४३	१५।००	१७।१६	१९।३१	२१।४९	२४।०५	२६।०९	२७।५३	२९।२३
०६	०६।५१	०८।२९	१०।२५	१२।३९	१४।५६	१७।१२	१९।२७	२१।४५	२४।०१	२६।०५	२७।४९	२९।१९
०७	०६।४७	०८।२५	१०।२१	१२।३५	१४।५३	१७।०८	१९।२३	२१।४१	२३।५७	२६।०१	२७।४५	२९।१५
०८	०६।४३	०८।२१	१०।१८	१२।३१	१४।४९	१७।०४	१९।१९	२१।३७	२३।५४	२५।५७	२७।४१	२९।११
०९	०६।३९	०८।१७	१०।१४	१२।२७	१४।४५	१७।००	१९।१५	२१।३३	२३।५०	२५।५३	२७।३७	२९।०८
१०	०६।३५	०८।१३	१०।१०	१२।२३	१४।४१	१६।५७	१९।१२	२१।२९	२३।४६	२५।४९	२७।३४	२९।०४
११	०६।३१	०८।०९	१०।०६	१२।१९	१४।३७	१६।५३	१९।०८	२१।२५	२३।४२	२५।४५	२७।३०	२९।००
१२	०६।२८	०८।०५	१०।०२	१२।१५	१४।३३	१६।४९	१९।०४	२१।२१	२३।३८	२५।४२	२७।२६	२८।५६
१३	०६।२४	०८।०२	०९।५८	१२।११	१४।२९	१६।४५	१९।००	२१।१८	२३।३४	२५।३८	२७।२२	२८।५२
१४	०६।२०	०७।५८	०९।५४	१२।०८	१४।२५	१६।४१	१८।५६	२१।१४	२३।३०	२५।३४	२७।१८	२८।४८
१५	०६।१६	०७।५४	०९।५०	१२।०४	१४।२२	१६।३७	१८।५२	२१।१०	२३।२७	२५।३०	२७।१४	२८।४४
१६	०६।१२	०७।५०	०९।४७	१२।००	१४।१८	१६।३३	१८।४८	२१।०६	२३।२३	२५।२६	२७।१०	२८।४१
१७	०६।०८	०७।४६	०९।४३	११।५६	१४।१४	१६।३०	१८।४५	२१।०२	२३।१९	२५।२२	२७।०७	२८।३७

मेष संक्रान्ति फलम्

वैशाख कृष्ण पक्षे १२ भौमे मेषेऽर्कः प्र. (स्टे. टा. ०९। ३३) वा. ४ न. ३ अस्य पुण्यकालः अद्यैव सूर्योदय वेलातः पुण्यप्रदः तथा च वन संभागीय रचना गति। वार नाम महोदरी प्रवंचक धूर्त, चौर्यकर्मशील, संग्राहक, तस्कर, लोभी, प्रलोभी, ठग पक्ष हेतु दिशा पथ सूचक शुभ फलद। नक्षत्र नाम महोदरी चौर्यकर्मशील, लोभी-प्रलोभी, संग्रहशील, तस्कर, ठग, स्टाकिस्ट वर्ग हेतु मनोत्साह वर्धक सुखद। दिवा २ याम् व्यापिनी पत्रकार, समाचार जगत, उपदेशाक, लेखक, विशिष्ट नीतिशील जन हेतु विकार कष्टद प्रभारक। दक्षिणे गमन, वायव्य दृष्टि व्याम, संक्रांति वास निवास कुम्हार गृहे, कौलव करणे, वाहन-वराह, उपवाहन-वृषभ, हरित वस्त्र, खड्गायुध, ताम्रपात्र, भिक्षान्न भक्षण, चन्दन लेपन, सर्पजाति, बकुल पुष्प, मुक्ता भूषण, हरित कंचुकी, गतालकाऽवस्था, उतिष्ठा मुहूर्त्त-१५ धान्य गल्ला उन्नत भाव। खोपरा, गोला, तांबा, रसायन, द्रव्य, घी, शक्कर, बैल, हरा वस्त्र, मोती, चन्दन, इत्र, धनियाँ, सौंफ, हरे मूंग, मेहंदी, मसूर, मिर्च, उन्नत धारणा। शुक्रोदय पश्चिमे, वत्स पश्चिमे, राहु दक्षिणे, मूल पाताले। F ३०।१६ या. अमृत. ०६।१७ उ. १२।०२ या. उभायां ४ शनिः १५।०४

गोचर ग्रहाः



वैशा. कृ. पक्षे ३० शुक्रे स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	११	११	११	०२	००	११	१०	०४
अं.	०२	२६	११	०८	२२	२७	१३	१२	१२
क.	४६	०१	२१	२६	५६	०२	१७	११	११
वि.	२३	०१	२१	३४	५८	१०	०७	५४	५४
गति	५८ ४२	८८२ ४१	४६ २०	८८ ३९	०६ ३३	७३ १६	०७ १२	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	अश्वि. १	रेवती ३	उ.भा. ३	उ.भा. २	पुनर्व. १	कृति. १	उ.भा. ३	शतभि. २	मघा ४

वैशाख शुक्ल पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः१९४८

१८ अप्रैल से ०१ मई सन् २०२६ ई. तक

वसन्त-ग्रीष्म ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.
सौम्य	१	श	११	४१	१४	११	अ	०८	३७	०९	४३	प्री	४४	११	ब	११	४१	३१	४१	०६	१६	०६	५९	मेष
कालदंड	२	र	११	२८	१०	५०	भ/कृ	०२/५५	१८/५२	०७/२८	१०/३५	आ	३४	२८	कौ	११	२८	३१	५२	०६	१५	०७	००	वृ. १२/३१
प्रवर्ध	३	चं	०३	०६	०७	२८	रो	४१	४७	२६	०८	सौ	२४	५३	ग	०३	०६	३१	५६	०६	१४	०७	००	वृषभ
क्षय	४	चं	५५	०४	२८	१५	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
राक्षस	५	मं	४७	४१	२५	२०	मृ	४४	२४	२३	५९	शो	१५	४६	ब	२१	२१	३१	५९	०६	१३	०७	००	मि. १३/०१
मुसल	६	बु	४१	३५	२२	५०	आ	४०	०३	२२	१३	अ/सु	०७/५१	२१/४१	कौ	१४	३५	३२	०३	०६	१२	०७	०१	मिथुन
सिद्धि	७	गु	३६	३७	२०	५०	पुन	३६	५६	२०	५७	धृ	५३	२३	ग	०८	५७	३२	०६	०६	११	०७	०२	क. १५/१३
उत्पात	८	शु	३३	००	११	२२	पु	३५	११	२०	१४	शू	४८	०५	वि	०४	३१	३२	१०	०६	१०	०७	०२	कर्क
मानस	९	श	३०	४८	१८	२१	आ	३४	४१	२०	०५	गं	४३	५५	बा	०१	४५	३२	१३	०६	०९	०७	०३	सिं. २०/०५
मुद्गर	१०	र	२९	५८	१८	०७	म	३५	४७	२०	२७	वृ	४०	४८	तै	००	१४	३२	१७	०६	०८	०७	०३	सिंह
ए. व्रत	११	चं	३०	२२	१८	१६	पूफा	३७	५८	२१	११	ध्रु	३८	४०	व	००	०२	३२	२०	०६	०८	०७	०४	क. २७/३६
धाता	१२	मं	३१	५४	१८	५२	उफा	४१	१४	२२	३६	व्या	३७	२४	ब	०१	०१	३२	२३	०६	०७	०७	०४	कन्या
प्रदोष	१३	बु	३४	२५	१९	५२	ह	४५	२६	२४	१६	ह	३६	५३	कौ	०३	०४	३२	२७	०६	०६	०७	०५	कन्या
चर	१४	गु	३७	५०	२१	१३	चि	५०	२९	२६	१७	व	३७	०४	ग	०६	०२	३२	३०	०६	०५	०७	०५	तु. १३/१४
पूर्णिमा	१५	शु	४२	०२	२२	५३	स्वा	५६	१७	२८	३५	सि	३७	५२	वि	०९	५१	३२	३३	०६	०४	०७	०६	तुला

योगाः	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	विविधतारीखें वं. वैशा.	मु. शव्वाल	भा. चैत्र	अं. अप्रैल	
सौम्य	००	०३	४५	०६	५८ ४०	०५	२९	२८	१८	चन्द्रदर्शनं पाराशर ऋषि जं. मतान्तरे **A** शुक्रः १५।४६ जिल्काद मास ११ मुस.
कालदंड	००	०४	४३	४६	५८ ३८	०६	जि१	२९	१९	श्री परशुराम जयंती श्री शिवाजी ज. अक्षय तृतीया आखातीज वृषभे **A**
प्रवर्ध	००	०५	४२	२४	५८ ३६	०७	०२	३०	२०	भ. १७।५० उ. २५।१५ या. वृषभे भानुः ०७।०१ ग्रीष्म ऋतु प्रा. वर्षातप **B**
क्षय	००	००	००	००	०० ००	००	००	००	००	**B** पारणा पालीताणा पुनर्वसौ २ गुरूः १५।४० सर्वा. ०६।०८ उ. ३०।०८ **C**
राक्षस	००	०६	४१	००	५८ ३४	०८	०३	वै१	२१	श्री सूरदास ज. आद्य शंकराचार्य ज. १२३८वीं राष्ट्रीय वैशाख मास प्रारंभ
मुसल	००	०७	३९	३४	५८ ३२	०९	०४	०२	२२	विश्व पृथ्वी दिवस श्री रामानुजाचार्य जयंती रेवत्यां बुधः १३।३७
सिद्धि	००	०८	३८	०६	५८ ३०	१०	०५	०३	२३	भ. २०।५० उ. श्री गंगा सप्तमी गुरू पुष्य सुयोग २०।५७ उ. ३०।१० या. **D**
उत्पात	००	०९	३६	३६	५८ २७	११	०६	०४	२४	भ. ०८।०२ या. देवी बगलामुखी जयंती **E** भौमः २६।२१
मानस	००	१०	३५	०३	५८ २५	१२	०७	०५	२५	श्री जानकी सीतानवमी **F** चतुर्विध संघ स्थापना दि. रोहिण्यां शुक्रः २१।०३
मुद्गर	००	११	३३	२८	५८ २३	१३	०८	०६	२६	श्री महावीर स्वामी केवलज्ञान जैन **C** या. अमृत. २६।०८ उ. ३०।०८ या.
ए. व्रत	००	१२	३१	५१	५८ २१	१४	०९	०७	२७	भ. ०६।०८ उ. १८।१६ या. मोहिनी ११ व्रतं सर्वे. भरण्यां रविः २५।११ **F**
धाता	००	१३	३०	१३	५८ १९	१५	१०	०८	२८	**D** सर्वा. ०६।११ उ. ३०।१० या. अमृत. २०।५७ उ. ३०।१० या. रेवत्यां **E**
प्रदोष	००	१४	२८	३२	५८ १७	१६	११	०९	२९	प्रदोष व्रतं सर्वार्थसिद्धि योग ०६।०६ उ. २४।१६ या.
चर	००	१५	२६	३९	५८ १५	१७	१२	१०	३०	भ. २१।१३ उ. श्री नृसिंह जयंती अश्विन्यां मेषे बुधः ०६।५२
पूर्णिमा	००	१६	२५	०४	५८ १३	१८	१३	११	म१	भ. १०।०१ या. पूर्णिमा व्रतं पीपल पूर्णिमा श्री कूर्म जं. बुद्ध ज. वैशाख **G**

गोचर ग्रहाः

वै. शु. पक्षे ८ शुक्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

- १ सू
- २ शु
- ३ गु
- ४ चं
- ५ के
- ६
- ७
- ८
- ९
- १०
- ११ रा
- १२ श बु मं

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०३	११	११	०२	०१	११	१०	०४
अं.	०९	०८	१६	१९	२३	०५	१४	११	११
क.	३६	१४	४६	२३	४५	३४	०६	५७	५७
वि.	३६	४२	०२	३३	५०	०५	५७	३९	३९
ग	५८	८१७	४६	१००	०७	७२	०७	०३	०३
ति	२७	०९	१४	४३	३२	५७	०१	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	अश्वि.३	पुष्य २	रेवती १	रेवती १	पुनर्व.२	कृति.३	उ.भा.४	शतभि.२	मघा ४

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अप्रै.	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि
१८	३०।०१	०७।४२	०९।३९	११।५२	१४।१०	१६।२६	१८।४१	२०।५८	२३।१५	२५।१९	२७।०३	२८।३३
१९	२९।५७	०७।३९	०९।३५	११।४८	१४।०६	१६।२२	१८।३७	२०।५५	२३।११	२५।१५	२६।५९	२८।२९
२०	२९।५३	०७।३५	०९।३१	११।४५	१४।०३	१६।१८	१८।३३	२०।५१	२३।०७	२५।११	२६।५५	२८।२५
२१	२९।४९	०७।३१	०९।२७	११।४१	१३।५८	१६।१४	१८।२९	२०।४७	२३।०३	२५।०७	२६।५१	२८।२१
२२	२९।४५	०७।२७	०९।२३	११।३६	१३।५४	१६।१०	१८।२५	२०।४३	२२।५९	२५।०३	२६।४७	२८।१७
२३	२९।४१	०७।२२	०९।१९	११।३२	१३।५०	१६।०६	१८।२१	२०।३८	२२।५५	२४।५९	२६।४३	२८।१३
२४	२९।३६	०७।१८	०९।१५	११।२८	१३।४६	१६।०२	१८।१७	२०।३४	२२।५१	२४।५४	२६।३९	२८।०९
२५	२९।३२	०७।१४	०९।११	११।२४	१३।४२	१५।५७	१८।१२	२०।३०	२२।४७	२४।५०	२६।३५	२८।०५
२६	२९।२८	०७।१०	०९।०७	११।२०	१३।३८	१५।५३	१८।०८	२०।२६	२२।४३	२४।४६	२६।३०	२८।०१
२७	२९।२४	०७।०६	०९।०३	११।१६	१३।३४	१५।४९	१८।०४	२०।२२	२२।३९	२४।४२	२६।२६	२७।५६
२८	२९।२०	०७।०२	०८।५८	११।१२	१३।३०	१५।४५	१८।००	२०।१८	२२।३४	२४।३८	२६।२२	२७।५२
२९	२९।१६	०६।५८	०८।५४	११।०८	१३।२५	१५।४१	१७।५६	२०।१४	२२।३०	२४।३४	२६।१८	२७।४८
३०	२९।१२	०६।५४	०८।५०	११।०४	१३।२१	१५।३७	१७।५२	२०।१०	२२।२६	२४।३०	२६।१४	२७।४४
म१	२९।०८	०६।५०	०८।४६	११।००	१३।१७	१५।३३	१७।४८	२०।०६	२२।२२	२४।२६	२६।१०	२७।४०

ग्रहगोचरीय फलम्

अमा पूर्णिमा शुक्र की, सुख सुविधा संसार। भौतिक सुख की भावना, जन गण मध्य निहार।। धर्म कर्म की न्यूनता, तत्व स्वार्थ संचार। काम वासना की गति, विषय भोग अभिसार।। अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना सुखद अधि योग। सुख सुभिक्ष की धारणा श्रीधर शास्त्र सुयोग।। किसी राशि पर संक्रमण करे, भौम दिन सूर। तेल, नमक, रस घी सहित, तेजी होय कपूर।। कृष्ण पक्ष वैशाख का तिथि एकम दर्श। मेष युक्त भानु यदि वर्षोत्तम से हर्ष।। वैशाखी पड़वा प्रथम, बादल निकसे भानु। उत्तम संवत की यही, है उत्तम पहिचानु।। आठे वैशाखे बदी, बिजली गर्जन होय। संवत् अच्छा जानिए, संशय करो न कोय।। वैशाखी आठे प्रथम, चौदस दखिला बाय। तो आगे बरसात में, वर्षाकाल सुहाय।। वैशाखे सुदी पंचमी, चालै पूरब वाय। संग्रह करो अनाज को, आगे मंहगा जाय।। सुदि पांचै वैशाख में, जब हो सूरज अस्त। परवा पवन चलै, करो संग्रह धान्य समस्त।। शुक्ल पक्ष वैशाख में, तिथि दशमी को देख। बादल हो, सावन बिसै, वर्षे नहीं विशेष।।

ग्यारस बारस तेरसै, बदी वैशाखी देख। बादल वर्षा होय तो दुःख दुर्भिक्ष विशेष।। **G** स्नान पूर्ण देवयानी यात्रा सांभरलेक अगस्त्य अस्त १३। १५ मई मास ५ ता. ३१ प्रा.

गोचर ग्रहाः

वै. शु. पक्षे १५ शुक्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

- १ सू बु
- २ शु
- ३ गु
- ४
- ५ के
- ६
- ७ चं
- ८
- ९
- १०
- ११ रा
- १२ श मं

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०६	११	००	०२	०१	११	१०	०४
अं.	१६	०८	२२	०१	२४	१४	१४	११	११
क.	२५	१८	०८	४४	४१	०३	५५	३५	३५
वि.	०४	११	४९	४६	१७	४३	१२	२४	२४
ग	५८	७२९	४५	११२	०८	७२	०६	०३	०३
ति	१३	१०	५७	५१	२५	३७	४५	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	भरणी १	स्वाति १	रेवती २	अश्वि.१	पुनर्व.२	रोहि.२	उ.भा.४	शतभि.३	मघा ४

प्र. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः विक्रम सं. २०८३ रा. शाकः १९४८

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल
शुभ	१	श	४६	५७	२४	५०	वि	६०	००	-	-	व्य	३९	१२	बा	१४	२६
उत्पात	२	र	५२	२९	२७	०२	वि	०२	४८	०७	१०	व	४१	०२	तै	११	४०
मानस	३	चं	५८	२७	२९	२५	अ	०९	४९	०९	५८	प	४३	१४	व	२५	२६
चौथव्रत	४	मं	६०	००	-	-	ज्ये	१७	१३	१२	५५	शि	४५	३७	ब	३१	३२
केतु	४	बु	०४	३८	०७	५२	मू	२४	४२	१५	५४	सि	४७	५८	बा	०४	३८
धाता	५	गु	१०	३६	१०	१४	पूषा	३१	५४	१८	४६	सा	४९	५८	तै	१०	३६
आनन्द	६	शु	१५	५७	१२	२२	उषा	३८	२१	२१	२०	शु	५१	१६	व	१५	५७
सुस्थिर	७	श	२०	१२	१४	०३	श्र	४३	३५	२३	२५	शु	५१	३२	ब	२०	१२
मातंग	८	र	२२	५२	१५	०७	ध	४७	१०	२४	५०	ब्र	५०	२६	कौ	२२	५२
अमृत	९	चं	२३	३९	१५	२५	श	४८	४८	२५	२९	ऐं	४७	४७	ग	२३	३९
काण	१०	मं	२२	२०	१४	५३	पूभा	४८	२१	२५	१७	वै	४३	२६	वि	२२	२०
ए. व्रत	११	बु	१८	५५	१३	३०	उभा	४५	५३	२४	१८	वि	३७	२६	बा	१८	५५
प्रदोष	१२	गु	१३	३३	११	२१	रे	४१	३५	२२	३४	प्री	२९	५४	तै	१३	३३
वज्र	१३	शु	०६	३१	०८	३२	अ	३५	४९	२०	१५	आ	२१	०५	व	०६	३१
क्षय	१४	शु	५८	११	२९	१२	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
अमावस	३०	श	४९	०१	२५	३१	भ	२८	५९	१७	३०	सौ	११	१७	च	२३	४१

योगाः	दिनमान घटी	दिनमान पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	विविध तारीखें बं. वैशा.	मु. जिल्काद	भा. वैशा.	अं. मई
शुभ	३२	३६	०६	०४	०७	०६	वृ. २४/३०	००	१७	२३	१७	५८	१२	१९	१४	१२	०२
उत्पात	३२	४०	०६	०३	०७	०७	वृश्चिक	००	१८	२१	१९	५८	१०	२०	१५	१३	०३
मानस	३२	४३	०६	०२	०७	०७	वृश्चिक	००	१९	१९	३९	५८	०८	२१	१६	१४	०४
चौथव्रत	३२	४६	०६	०१	०७	०८	ध. १२/५५	००	२०	१७	४८	५८	०७	२२	१७	१५	०५
केतु	३२	४९	०६	०१	०७	०८	धनु	००	२१	१५	५५	५८	०५	२३	१८	१६	०६
धाता	३२	५२	०६	००	०७	०९	म. २५/२६	००	२२	१४	००	५८	०४	२४	१९	१७	०७
आनन्द	३२	५५	०५	५९	०७	०९	मकर	००	२३	१२	०४	५८	०३	२५	२०	१८	०८
सुस्थिर	३२	५८	०५	५९	०७	१०	मकर	००	२४	१०	०७	५८	०१	२६	२१	१९	०९
मातंग	३३	०१	०५	५८	०७	१०	कुं. १२/१३	००	२५	०८	०८	५८	००	२७	२२	२०	१०
अमृत	३३	०४	०५	५७	०७	११	कुंभ	००	२६	०६	०८	५७	५९	२८	२३	२१	११
काण	३३	०७	०५	५७	०७	१२	मी. ११/२५	००	२७	०४	०६	५७	५७	२९	२४	२२	१२
ए. व्रत	३३	०९	०५	५६	०७	१२	मीन	००	२८	०२	०४	५७	५६	३०	२५	२३	१३
प्रदोष	३३	१२	०५	५६	०७	१३	मे. २२/३४	००	२९	००	००	५७	५५	३१	२६	२४	१४
वज्र	३३	१५	०५	५५	०७	१३	मेष	००	२९	५७	५५	५७	५३	ज्ये१	२७	२५	१५
क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
अमावस	३३	१८	०५	५५	०७	१४	वृ. २२/४७	०१	००	५५	४८	५७	५२	०२	२८	२६	१६

२ मई से १६ मई सन् २०२६ ई. तक

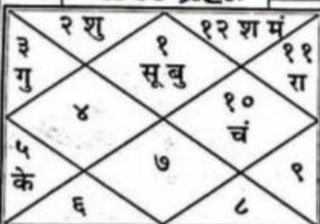
ग्रीष्म ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।



- ०२ जिनवर व्रतं जैन **C** ३ गुरूः ०६।३५ मिथुने शुक्रः १०।५३
- ०३ बुधास्त पूर्वे ०९।५६ नारद जयंती वीणादानं पत्रकार दि.
- ०४ भ. १६।१३ उ. २९।२५ या. सर्वा. ०६।०२ उ. ०९।५८ या.
- ०५ ज्येष्ठ चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २२।४०
- ०६ भरण्यां बुधः २७।५९ **D** २०।१५ या. बं. ज्येष्ठ मास प्रा.
- ०७ कवि रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती
- ०८ भ. १२।२२ उ. २५।१७ या. विश्व रेडक्रास दिवस सर्वा. २१।२० उ. **B**
- ०९ सर्वा. २३।२५ या. कालाष्टमी **B** मृगशिरायां शुक्रः २१।४७
- १० पंचक १२।१३ उ. रोगेशन संडे श्री दादूदयाल पुण्य
- ११ भ. २७।१५ उ. कृतिकायां रविः १९।३२ अश्विन्यां मेषे भौमः १२।३८
- १२ भ. १४।५३ या. सर्वार्थसिद्धि योग २५।१७ उ. २९।५६ या.
- १३ अपरा एकादशी व्रतं सर्वेषाम् कृतिकायां बुधः ११।४५
- १४ सर्वा. ०५।५६ उ. पंचक २२।३४ या. प्रदोष व्रतं वृषभे बुधः २४।३२ पुनर्वसौ **C**
- १५ भ. ०८।३२ उ. १८।५५ या. मास शिवरात्रि वृषभेऽर्कः ०६।२२ सर्वा. **D**
- ०० चतुर्दशी तिथिक्षयः **E** जयंती शनैश्चरी अमावस्या
- १६ वट सावित्री पूजा भावुका अमावस्या देवपितृकार्ये अमावस्या शनि **E**

गोचर ग्रहाः



प्र.ज्ये.कृ.पक्षे ८ सूर्येस्टै.टा.प्रातः ५ घं. ३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०९	११	००	०२	०१	११	१०	०४
अं.	२५	२६	२९	१९	२६	२४	१५	११	११
क.	०८	२९	००	४१	०१	५५	५४	०६	०६
वि.	०८	२६	५२	०७	१२	२७	२२	४७	४७
ग	५८	७५९	४५	१२७	०९	७२	०६	०३	०३
ति	०१	५७	३४	१४	२६	१०	२१	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	भरणी४	धनिष्ठा२	रेवती४	भरणी२	पुनर्वसु१	मृगशि.१	उ.भा.४	शतभि.२	मघा४

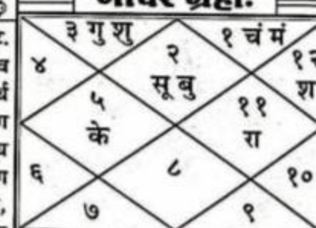
दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मई	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि
०२	२९।०४	०६।४६	०८।४२	१०।५६	१३।१३	१५।२९	१७।४४	२०।०२	२२।१८	२४।२२	२६।०६	२७।३६
०३	२९।००	०६।४२	०८।३८	१०।५२	१३।०९	१५।२५	१७।४०	१९।५८	२२।१४	२४।१८	२६।०२	२७।३२
०४	२८।५६	०६।३८	०८।३४	१०।४८	१३।०५	१५।२१	१७।३६	१९।५४	२२।१०	२४।१४	२५।५८	२७।२८
०५	२८।५२	०६।३४	०८।३०	१०।४४	१३।०१	१५।१७	१७।३२	१९।५०	२२।०६	२४।१०	२५।५४	२७।२४
०६	२८।४८	०६।३०	०८।२६	१०।४०	१२।५८	१५।१३	१७।२८	१९।४६	२२।०२	२४।०६	२५।५०	२७।२०
०७	२८।४४	०६।२६	०८।२३	१०।३६	१२।५४	१५।०९	१७।२४	१९।४२	२१।५९	२४।०२	२५।४६	२७।१६
०८	२८।४०	०६।२२	०८।१९	१०।३२	१२।५०	१५।०५	१७।२०	१९।३८	२१।५५	२३।५८	२५।४२	२७।१३
०९	२८।३६	०६।१८	०८।१५	१०।२८	१२।४६	१५।०१	१७।१७	१९।३४	२१।५१	२३।५४	२५।३९	२७।०९
१०	२८।३२	०६।१४	०८।११	१०।२४	१२।४२	१४।५८	१७।१३	१९।३०	२१।४७	२३।५०	२५।३५	२७।०५
११	२८।२९	०६।१०	०८।०७	१०।२०	१२।३८	१४।५४	१७।०९	१९।२६	२१।४३	२३।४७	२५।३१	२७।०१
१२	२८।२५	०६।०७	०८।०३	१०।१६	१२।३४	१४।५०	१७।०५	१९।२३	२१।३९	२३।४३	२५।२७	२६।५७
१३	२८।२१	०६।०३	०७।५९	१०।१३	१२।३१	१४।४६	१७।०१	१९।१९	२१।३५	२३।३९	२५।२३	२६।५३
१४	२८।१७	०५।५९	०७।५६	१०।०९	१२।२७	१४।४२	१६।५७	१९।१५	२१।३२	२३।३५	२५।१९	२६।५०
१५	२८।१३	०५।५५	०७।५२	१०।०५	१२।२३	१४।३९	१६।५४	१९।११	२१।२८	२३।३१	२५।१६	२६।४६
१६	२८।१०	०५।५१	०७।४८	१०।०१	१२।१९	१४।३५	१६।५०	१९।०८	२१।२४	२३।२८	२५।१२	२६।४२

वृषभ संक्रान्ति फलम्

प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे १३ शुक्रे वृषभेऽर्कः प्र. (स्टे. टा. ०६।२२) वा. ४ न. ५ अस्य पुण्यकालः अद्यैव शुक्र-वासरे सूर्योदय वेलातः पुण्यप्रदः तथा च तीर्थ संभागीय रचना गति। वार नाम मिश्रा, पशु कल्याण केन्द्र वृद्धि, शासकीय पशुधन विकास योजना, दुग्ध संग्राहक को लाभद सुयोग। नक्षत्र नाम ध्वांक्षी उद्योग संचालक, वैश्य-व्यापारी गण, स्वतंत्र कार्यकारक, आयात-निर्यातक हेतु हर्षवर्धक लाभद सुयोग। दिवा १ याम् व्यापिनी सेनापति, आरक्षी नायक, सुरक्षा अधिकारी, शिक्षक, लेखक, व्याख्याता, राष्ट्रीय विकास, गुप्तचर विभाग पद विशेष पर प्रभारक कष्टद। पूर्वे गमन, नैऋत्यां दृष्टि , संक्रांति वास निवास माली गृहे, वाणिज्य करणे, वाहन-महिष, उपवाहन उष्ट्र, श्याम वस्त्र, तोमरा युध, खप्पर पात्र, दधि भक्षण, अलक्त लेपन, मृग जाति, अर्कपत्र पुष्प, मणिभूषण, पांडुकंचुकी, प्रगल्भाऽवस्था, उपविष्ट मुहूर्त-३० धान्य गह्म स्थिर सम भाव। जीरा, अजवाइन, कलौंजी, कालीमिर्च, विष पदार्थ, रसायन, भेड़, बकरी, ऊँट, कालेवस्त्र, दूध, दही, घी, लोहा, इस्पात, मशीनरी, कलपूर्जे, तिल, अफीम, तरल द्रव्य कार्य व्यवसाय लाभद भावी उन्नत धारणा, शुक्रोदय पश्चिमे, वत्स उत्तरे, राहु पश्चिमे, मूल पाताले।

गोचर ग्रहाः



प्र.ज्ये.कृ.पक्षे ३० शनौस्टै.टा.प्रा.५ घं. ३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	००	००	०१	०२	०२	११	१०	०४
अं.	००	१९	०३	०२	२६	०२	१६	१०	१०
क.	५५	०६	३३	३८	५९	०७	३१	४७	४७
वि.	४८	३४	३७	११	२०	४२	४१	४२	४२
ग	५७	८०९	४५	१३१	१०	७१	०६	०३	०३
ति	५२	०१	१७	१०	०२	५२	०२	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	कृति.२	भरणी२	अश्विनी२	कृति.२	पुनर्व.३	मृगशि.३	उ.भा.४	शतभि.२	मघा४

प्र. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः विक्रम सं. २०८३ रा. शाकः १९४८

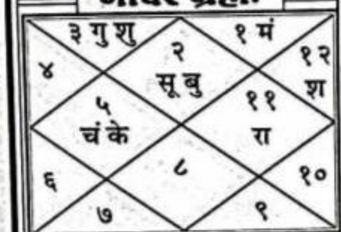
१७ मई से ३१ मई सन् २०२६ ई. तक

ग्रीष्म ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	ब.	मु.	भा.	अं.	
धूम्र	१	र	३९	२८	२१	४१	कृ	२१	३५	१४	३२	शो/अ	००/५०	५३/१३	किं	१४	१६	३३	२०	०५	५४	०७	१४	वृषभ	०१	०१	५३	४०	५७ ५१	०३	२९	२७	१७	चन्द्रदर्शनं पुरूषोत्तम ज्येष्ठ अधिक मास प्रारंभ रेवत्यां १ शनिः १४।३७
प्रवर्ध	२	चं	३०	००	१७	५४	रो	१४	०५	११	३२	सु	३९	४५	बा	०४	४२	३३	२३	०५	५४	०७	१५	मि. २२/०५	०१	०२	५१	३०	५७ ४९	०४	जि१	२८	१८	सर्वा. ०५।५४ उ. २१।५३ या. अमृत. ११।३२ उ. २१।५३ या. जिल्हज मास १२ मुस.
राक्षस	३	मं	२१	०४	१४	१९	मृ	०७	०१	०८	४२	धृ	२९	४८	ग	२१	०४	३३	२५	०५	५३	०७	१५	मिथुन	०१	०३	४९	२०	५७ ४७	०५	०२	२९	१९	भ. २४।४० उ. रोहिण्यां बुधः १४।३४ आद्रायां शुक्रः २४।३२
मुसल	४	बु	१३	०६	११	०७	आ/पुन	००/५५	४७/४८	०६/२८	१२/१२	शू	२०	४२	वि	१३	०६	३३	२७	०५	५३	०७	१६	क. २२/३१	०१	०४	४७	०७	५७ ४६	०६	०३	३०	२०	भ. ११।०७ या. सूच्यते- उ. अर्थात् उपरांत (से) या. अर्थात् यावत् (तक)
शुभ	५	गु	०६	२७	०८	२७	पु	५२	२२	२६	४१	गं	१२	४४	बा	०६	२७	३३	३०	०५	५२	०७	१६	कर्क	०१	०५	४४	५३	५७ ४४	०७	०४	३१	२१	गुरू पुष्य सुयोग ०५।५२ उ. २६।४९ या. सर्वा. अमृत. ०५।५२ उ. २६।४९ **A**
मृत्यु	६	शु	०१	२२	०६	२५	आ	५०	४०	२६	०८	वृ	०६	०६	तै	०१	२२	३३	३२	०५	५२	०७	१७	सिं. २६/०८	०१	०६	४२	३७	५७ ४३	०८	०५	ज्ये१	२२	भ. २१।०५ उ. राष्ट्रीय ज्येष्ठ मास प्रा. सूच्यते- नि. अर्थात् निम्बार्क सम्प्रदाय
क्षय	७	शु	५८	०२	२९	०५	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०० ००	००	००	००	००	सप्तमी तिथिक्षयः सूच्यते- सर्वा. अमृत. अर्थात् सर्वार्थ-अमृतसिद्धि योग
पद्म	८	श	५६	३०	२८	२८	म	५०	४४	२६	०१	ध्रु/व्या	००/५७	५४/०७	वि	२७	०३	३३	३४	०५	५२	०७	१७	सिंह	०१	०७	४०	२०	५७ ४१	०९	०६	०२	२३	भ. १६।४१ या. सूच्यते- ज. अर्थात् जयंती, पु. अर्थात् पुण्य दिवस
छत्र	९	र	५६	४०	२८	३१	पूफा	५२	२१	२६	५१	ह	५४	४२	बा	२६	२३	३३	३७	०५	५१	०७	१८	सिंह	०१	०८	३८	०१	५७ ३९	१०	०७	०३	२४	सर्वा. २६।५१ उ. २९।५१ या. **B** पश्चिमे २३।४२ मृगशिरायां बुधः २३।४७
श्रीवत्स	१०	चं	५८	२१	२९	११	उफा	५५	४४	२८	०१	व	५३	३०	तै	२७	२०	३३	३९	०५	५१	०७	१९	क. ०१/०७	०१	०९	३५	४०	५७ ३८	११	०८	०४	२५	श्री गंगा दशहरा रोहिणी तपन काल प्रा. रोहिण्यां रविः १५।३८ बुधोदय **B**
सौम्य	११	मं	६०	००	-	-	ह	६०	००	-	-	सि	५३	११	व	२९	४२	३३	४१	०५	५१	०७	१९	कन्या	०१	१०	३३	१८	५७ ३७	१२	०९	०५	२६	भ. १७।४३ उ. सूच्यते- स्मा. अर्थात् स्मार्त्त, वै. अर्थात् वैष्णव सम्प्रदाय
ए. व्रत	११	बु	०१	२०	०६	२२	ह	००	१६	०५	५७	व्य	५३	५६	वि	०१	२०	३३	४३	०५	५०	०७	२०	तु. ११/००	०१	११	३०	५५	५७ ३५	१३	१०	०६	२७	भ. ०६।२२ या. पुरूषोत्तमा कमला ११ व्रतं सर्वे. सर्वा. ०५।५० उ. ०५।५७ **C**
प्रदोष	१२	गु	०५	१८	०७	५८	चि	०५	४५	०८	०८	व	५५	११	बा	०५	१८	३३	४५	०५	५०	०७	२०	तुला	०१	१२	२८	३०	५७ ३४	१४	११	०७	२८	प्रदोष व्रतं **C** या. ईदुज्जुहा बकरा ईद **D** १ राहुः मघायां ३ केतुः २९।५३
गद	१३	शु	१०	०३	०९	५१	स्वा	१२	००	१०	३८	प	५६	५४	तै	१०	०३	३३	४६	०५	५०	०७	२०	तुला	०१	१३	२६	०३	५७ ३३	१५	१२	०८	२९	मिथुने बुधः ११।११ भरण्यां भौमः ०६।२५ **A** या. मिथुन भानुः ०६।०७
शुभ	१४	श	१५	२२	११	५८	वि	१८	४७	१३	२०	शि	५८	५७	व	१५	२२	३३	४८	०५	५०	०७	२१	वृ. ०६/३१	०१	१४	२३	३६	५७ ३१	१६	१३	०९	३०	भ. ११।५८ उ. २५।०६ या. पूर्णिमा व्रतं पुनर्वसौ शुक्रः २९।४७ शतभिषा **D**
पूर्णिमा	१५	र	२१	०४	१४	१५	अ	२५	५६	१६	१२	सि	६०	००	ब	२१	०४	३३	५०	०५	५०	०७	२१	वृश्चिक	०१	१५	२१	०७	५७ ३०	१७	१४	१०	३१	पुरूषोत्तम मास पूर्णिमा पुण्य ट्रीनिटी संडे

गोचर ग्रहाः



प्र.ज्ये.शु.पक्षे ८ शनौ स्टै.टा.प्रातः ५घं.३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०४	००	०१	०२	०२	११	१०	०४
अं.	०७	०१	०८	१७	२८	१०	१७	१०	१०
क.	४०	५३	४९	४२	११	२९	१२	२५	२५
वि.	२०	२५	३३	२३	३३	३१	४३	२७	२७
ग	५७	७१६	४४	१२४	१०	७१	०५	०३	०३
ति	४१	०८	५५	०२	४०	२७	३७	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	कृति.४	मघा १	अश्वि.३	रोहि.४	पुनर्व.३	आर्द्रा २	रेवती १	शतभि.२	मघा ४

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मई	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि
१७	२८।०६	२९।४४	०७।४४	०९।५८	१२।१६	१४।३१	१६।४६	१९।०४	२१।२०	२३।२४	२५।०८	२६।३८
१८	२८।०२	२९।४०	०७।४१	०९।५४	१२।१२	१४।२७	१६।४३	१९।००	२१।१७	२३।२०	२५।०५	२६।३५
१९	२७।५९	२९।३७	०७।३७	०९।५०	१२।०८	१४।२४	१६।३९	१८।५६	२१।१३	२३।१७	२५।०१	२६।३१
२०	२७।५५	२९।३३	०७।३३	०९।४७	१२।०५	१४।२०	१६।३५	१८।५३	२१।०९	२३।१३	२४।५७	२६।२७
२१	२७।५१	२९।२९	०७।३०	०९।४३	१२।०१	१४।१७	१६।३२	१८।४९	२१।०६	२३।०९	२४।५४	२६।२४
२२	२७।४७	२९।२५	०७।२६	०९।३९	११।५७	१४।१२	१६।२७	१८।४५	२१।०२	२३।०५	२४।४९	२६।१९
२३	२७।४३	२९।२१	०७।२१	०९।३५	११।५२	१४।०८	१६।२३	१८।४१	२०।५७	२३।०१	२४।४५	२६।१५
२४	२७।३९	२९।१७	०७।१७	०९।३०	११।४८	१४।०४	१६।१९	१८।३६	२०।५३	२२।५७	२४।४१	२६।११
२५	२७।३४	२९।१२	०७।१३	०९।२६	११।४४	१४।००	१६।१५	१८।३२	२०।४९	२२।५२	२४।३७	२६।०७
२६	२७।३०	२९।०८	०७।०९	०९।२२	११।४०	१३।५५	१६।११	१८।२८	२०।४५	२२।४८	२४।३३	२६।०३
२७	२७।२६	२९।०४	०७।०५	०९।१८	११।३६	१३।५१	१६।०६	१८।२४	२०।४१	२२।४४	२४।२८	२५।५९
२८	२७।२२	२९।००	०७।०१	०९।१४	११।३२	१३।४७	१६।०२	१८।२०	२०।३७	२२।४०	२४।२४	२५।५४
२९	२७।१८	२८।५६	०६।५६	०९।१०	११।२८	१३।४३	१५।५८	१८।१६	२०।३२	२२।३६	२४।२०	२५।५०
३०	२७।१४	२८।५२	०६।५२	०९।०६	११।२३	१३।३९	१५।५४	१८।१२	२०।२८	२२।३२	२४।१६	२५।४६
३१	२७।१०	२८।४८	०६।४८	०९।०२	११।१९	१३।३५	१५।५०	१८।०८	२०।२४	२२।२८	२४।१२	२५।४२

ग्रहगोचरीय फलम्

क्रूरवार तेजी करे, मावस शनि कुसंग। मंदी से तेजी बने, वस्तु विविध प्रसंग।। निर्यातक गति न्यूनता, आयात रूप नवदेश। दलहन तिलहन नित्य का, उन्नत भाव निवेश।। रवि संक्रमण शुक्र का, गणना गणित सुकक्ष। हाथी घोड़ा ऊँट गुड़ पंथ तेज इन पक्ष।। श्रवण धनिष्ठा जेठ बदी, मेघ रहे आकास। न वर्षे वर्षा अधिक, वर्षे वर्षा नास।। आठै चौदसा, जेठ बदी चालै दक्षिण बाय। वर्षा ऋतु में समझ लो उत्तम जल बरसाय।। जेठ बदी एकादशी, द्वादशी बादल गाज। शुभ संवत् वर्षा घनी, मंदा बिकै अनाज।। जेठी मावस को रहे नभ निर्मल दिन रात। तो आगे बरसात में हो उत्तम बरसात।। जेठ बदी पाँचे दिवस चालै दक्षिण बाय। घी तिल तेल खरीदिये आश्विन अवसर पाय।। जेठी कृष्ण प्रतिपदा, शनिवार के संग। जल सूखै दुखै प्रजा मंत्रीमण्डल भंग।। ज्येष्ठ द्वये मंत्री प्रभारी धान्य निष्पत्तिरूत्तमा। द्विज्येष्ठे सचिव विग्रहः विग्रहं भूमिपाद्भितिस्तकरादि भयं भवेत्।। घृतं तैलं तथा धान्यं समर्घं स्यात् द्वि ज्येष्ठ के।। दोय ज्येष्ठ का फल कहा होवे भुवि विनाश। मंत्री सन्त्री भार सह, नहीं जीवा की आस।। रोग पीड़ा भवेज्येष्ठे यज्ञदानादिकं बहुः।।

गोचर ग्रहाः



प्र.ज्ये.शु.पक्षे १५ सूर्ये स्टै.टा.प्रातः ५घं.३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०७	००	०२	०२	०२	११	१०	०४
अं.	१५	११	१४	०३	२९	११	१७	१०	१०
क.	२१	२१	४७	१०	३९	५९	५५	००	००
वि.	०७	४०	२५	५३	०६	०९	५४	००	००
ग	५७	७१३	४४	१०४	११	७०	०५	०३	०३
ति	३०	२३	२९	३१	१७	५३	०६	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	रोहि.२	अनुरा.३	भरणी २	मृगशि.३	पुनर्वसु ३	आर्द्रा ४	रेवती १	शतभि.२	मघा ४

द्वि. ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः विक्रम सं. २०८३ रा. शाकः १९४८

१ जून से १५ जून सन् २०२६ ई. तक

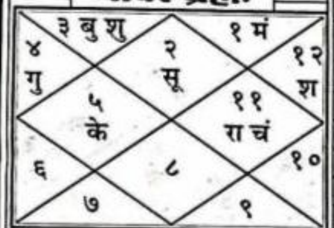
ग्रीष्म ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल
पद्म	१	चं	२७	०१	१६	३८	ज्ये	३३	१८	१९	०९	सि	०१	१४	कौ	२७	०१	३३	५२
छत्र	२	मं	३३	०१	१९	०२	मू	४०	४३	२२	०६	सा	०३	३७	तै	००	०१	३३	५३
श्रीवत्स	३	बु	३८	५२	२१	२२	पूषा	४७	५७	२५	००	शु	०५	५७	व	०५	५९	३३	५५
चौथव्रत	४	गु	४४	१५	२३	३१	उषा	५४	४२	२७	४२	शु	०८	०४	ब	११	३८	३३	५६
धूम्र	५	शु	४८	५०	२५	२१	श्र	६०	००	-	-	ब्र	०९	४४	कौ	१६	४०	३३	५७
सुस्थिर	६	श	५२	१२	२६	४२	श्र	००	३७	०६	०३	ऐं	१०	३९	ग	२०	४२	३३	५९
मातंग	७	र	५४	०१	२७	२५	ध	०५	१७	०७	५६	वै	१०	३२	वि	२३	२०	३४	००
अमृत	८	चं	५३	५९	२७	२४	श	०८	२३	०९	१०	वि	०९	०८	बा	२४	१५	३४	०१
काण	९	मं	५१	५७	२६	३५	पूभा	०९	३७	०९	३९	प्री	०६	१४	तै	२३	१३	३४	०२
लुम्बक	१०	बु	४७	५४	२४	५८	उभा	०८	५२	०९	२१	आ/सौ	०१/५५	४३/३५	व	२०	१०	३४	०३
ए.व्रत	११	गु	४२	००	२२	३७	रे	०६	०९	०८	१६	शो	४७	५८	ब	१५	१०	३४	०४
प्रदोष	१२	शु	३४	३१	१९	३७	अ/भ	०१/५५	४०/४२	०६/२८	२१/०६	अ	३१	०३	कौ	०८	२६	३४	०५
केतु	१३	श	२५	४९	१६	०८	कृ	४८	४०	२५	१७	सु	२९	०९	ग	००	१७	३४	०५
धाता	१४	र	१६	१९	१२	२०	रो	४१	०३	२२	१४	धृ	१८	३५	श	१६	१९	३४	०६
अमावस	३०	चं	०६	२८	०८	२४	मृ	३३	१९	१९	०८	शू/गं	०७/५७	४६/०५	ना	०६	२८	३४	०६

योगाः	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति		विविध तारीखें बं. (ज्येष्ठ)	मु. (ज़िलहिज्ज)	भा. (ज्येष्ठ)	अं. (जून)	
पद्म	०५	४९	०७	२२	ध. ११/०९	०१	१६	१८	३८	५७	२१	१८	१५	११	०१	जून मास ६ ता. ३० प्रा. पुनर्वसौ ४ कर्के गुरूः २५।५०
छत्र	०५	४९	०७	२२	धनु	०१	१७	१६	०७	५७	२८	१९	१६	१२	०२	आर्द्रायां बुधः ०६।११
श्रीवत्स	०५	४९	०७	२३	धनु	०१	१८	१३	३५	५७	२७	२०	१७	१३	०३	भ. ०८।१३ उ. २१।२२ या.
चौथव्रत	०५	४९	०७	२३	म. ०७/४२	०१	१९	११	०२	५७	२७	२१	१८	१४	०४	अधिकमासीय ज्येष्ठ चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २२।५१
धूम्र	०५	४९	०७	२४	मकर	०१	२०	०८	२९	५७	२६	२२	१९	१५	०५	सर्वा. ०५।४९ उ. विश्व पर्यावरण दिवस सघन वृक्षाः संकल्पे देशे ग्रामे
सुस्थिर	०५	४९	०७	२४	कुं. ११/०४	०१	२१	०५	५५	५७	२५	२३	२०	१६	०६	भ. २६।४२ उ. सर्वा. ०६।०३ या. पंचक ११।०४ उ.
मातंग	०५	४९	०७	२५	कुम्भ	०१	२२	०३	२०	५७	२५	२४	२१	१७	०७	भ. १५।०९ या. **A** ०५।४९ उ. पुनर्वसौ बुधः ११।२६ पुष्ये शुक्रः १४।०६
अमृत	०५	४९	०७	२५	मी. २७/३६	०१	२३	००	४५	५७	२४	२५	२२	१८	०८	मृगशिरायां रविः १३।३३ कर्के शुक्रः १७।४३
काण	०५	४९	०७	२५	मीन	०१	२३	५८	०९	५७	२३	२६	२३	१९	०९	सर्वा. ०९।३९ उ. २९।४९ या.
लुम्बक	०५	४९	०७	२६	मीन	०१	२४	५५	३२	५७	२३	२७	२४	२०	१०	भ. १३।५३ उ. २४।५८ या. **C** बं. आषाढ़ मास प्रा.
ए.व्रत	०५	४९	०७	२६	मे. ०८/१६	०१	२५	५२	५५	५७	२२	२८	२५	२१	११	पुरूषोत्तमा कमला एकादशी व्रतं स्मार्त्त वैष्णव पंचक ०८।१६ या. सर्वा. **A**
प्रदोष	०५	४९	०७	२६	मेष	०१	२६	५०	१७	५७	२२	२९	२६	२२	१२	पुरूषोत्तमा कमला एकादशी व्रतं निम्बार्क प्रदोष व्रतं सर्वा. ०६।२९ या.
केतु	०५	४९	०७	२७	वृ. ०९/२५	०१	२७	४७	३९	५७	२२	३०	२७	२३	१३	भ. १६।०८ उ. २६।१६ या. मासशिवरात्रि सर्वा. अमृत. २५।१७ उ. २९।४९ या.
धाता	०५	४९	०७	२७	वृषभ	०१	२८	४५	०१	५७	२१	३१	२८	२४	१४	पितृकार्ये अमावस्या **B** १२।५३ सर्वा. अमृत. ०५।४९ उ. ११।०८ या. **C**
अमावस	०५	४९	०७	२७	मि. ०८/४१	०१	२९	४२	२२	५७	२०	आ१	२९	२५	१५	सोमवती देवकार्ये अमावस्या अधिक मास पूर्ण करवीर व्रतं मिथुनेऽर्कः **B**

गोचर ग्रहाः



द्वि.ज्ये.कृ. पक्षे ८ चन्द्रे स्टै.टा. प्रातः ५घं. ३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	१०	००	०२	०३	०२	११	१०	०४
अं.	२३	१८	२०	१५	०१	२९	१८	०९	०९
क.	००	०२	४१	४७	११	२४	३४	३४	३४
वि.	४५	२०	५०	०६	१७	१३	४१	३४	३४
गति	५७ २४	७७१ ५५	४४ ०३	८१ १९	११ ४९	७० १८	०४ ३१	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	रोहि. ४	शतभि. ४	भरणी ३	आर्द्रा ३	पुनर्वसु ४	पुनर्व. ३	रेवती १	शतभि. १	मघा ३

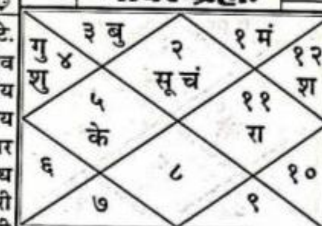
✲ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे ✲

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
जून	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि
०१	२७।०६	२८।४४	०६।४४	०८।५७	११।१५	१३।३१	१५।४६	१८।०४	२०।२०	२२।२४	२४।०८	२५।३८
०२	२७।०२	२८।४०	०६।४०	०८।५३	११।११	१३।२७	१५।४२	१८।००	२०।१६	२२।२०	२४।०४	२५।३४
०३	२६।५८	२८।३६	०६।३६	०८।४९	११।०७	१३।२३	१५।३८	१७।५६	२०।१२	२२।१६	२४।००	२५।३०
०४	२६।५४	२८।३२	०६।३२	०८।४६	११।०३	१३।१९	१५।३४	१७।५२	२०।०८	२२।१२	२३।५६	२५।२६
०५	२६।५०	२८।२८	०६।२८	०८।४२	१०।५९	१३।१५	१५।३०	१७।४८	२०।०४	२२।०८	२३।५२	२५।२२
०६	२६।४६	२८।२४	०६।२४	०८।३८	१०।५६	१३।११	१५।२६	१७।४४	२०।००	२२।०४	२३।४८	२५।१८
०७	२६।४२	२८।२०	०६।२१	०८।३४	१०।५२	१३।०७	१५।२२	१७।४०	१९।५७	२२।००	२३।४४	२५।१४
०८	२६।३८	२८।१६	०६।१७	०८।३०	१०।४८	१३।०३	१५।१८	१७।३६	१९।५३	२१।५६	२३।४०	२५।११
०९	२६।३४	२८।१२	०६।१३	०८।२६	१०।४४	१३।००	१५।१५	१७।३२	१९।४९	२१।५२	२३।३७	२५।०७
१०	२६।३०	२८।०८	०६।०९	०८।२२	१०।४०	१२।५६	१५।११	१७।२८	१९।४५	२१।४८	२३।३३	२५।०३
११	२६।२७	२८।०५	०६।०५	०८।१८	१०।३६	१२।५२	१५।०७	१७।२५	१९।४१	२१।४५	२३।२९	२४।५९
१२	२६।२३	२८।०१	०६।०१	०८।१५	१०।३२	१२।४८	१५।०३	१७।२१	१९।३७	२१।४१	२३।२५	२४।५५
१३	२६।१९	२७।५७	०५।५८	०८।११	१०।२९	१२।४४	१४।५९	१७।१७	१९।३४	२१।३७	२३।२१	२४।५१
१४	२६।१५	२७।५३	०५।५४	०८।०७	१०।२५	१२।४१	१४।५६	१७।१३	१९।३०	२१।३३	२३।१८	२४।४८
१५	२६।१२	२७।५०	०५।५०	०८।०३	१०।२१	१२।३७	१४।५२	१७।०९	१९।२६	२१।३०	२३।१४	२४।४४

मिथुन संक्रान्ति फलम्

द्वितीय ज्येष्ठ कृष्ण पक्षे ३० चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्र.(स्टे. टा. १२।५३) वा. ४ न. ५ अस्य पुण्यकालः अद्यैव मध्याह्न वेलातः पुण्य प्रदः तथा च दुर्गरक्षा संभागीय रचना गति। वारनाम ध्वांक्षी-उद्योगपति, वैश्य व्यापारीगण आयात-निर्यातकर्त्ता, शेयर बाजार कम्पनी हेतु सुखद। नक्षत्र नाम-मंदाकिनी-विविध दलपति-राजनेता, अधीक्षक राजपत्रित अधिकारी नीति निदेशक वर्ग हेतु सुखद। दिवा ३ याम् व्यापिनी स्वतन्त्र कार्यकर्त्ता, व्यापारी शेयर बाजार, आयात-निर्यातक वैश्य, उद्योगपति पक्ष हेतु कष्टद प्रभारक सूचक। पश्चिमे गमन, ईशान दृष्टि। संक्रांति वास निवास-रजकगृहे, किंस्तुध्न करणे, वाहन-कुक्कुट, उपवाहन-वानर, श्याम वस्त्र, शरायुध, काष्ठ पात्र, शर्करा भक्षण, कर्पूर लेपन, संकर जाति, जपा पुष्प, स्वर्ण भूषण, पांडु कंचुकी, प्रवाजिकाऽवस्था, उत्तिष्ठा मुहूर्त्त-३० धान्य-गल्ला स्थिर सम भाव। भवन-निर्माण सामग्री, उड़द, कालीमिर्च, सोना, चांदी, विविध धातु, सफेद रंग वस्तु, तिलहन, दलहन, मूंगा, इमारती लकड़ी, लोहा, इस्पात, सूत, कपास, रेशम, सुगंधी पदार्थ उन्नत भाव धारणा, शुक्रोदय पश्चिमे, वत्स उत्तरे, राहु पश्चिमे, मूल स्वर्गे। श्रीधरी पंचांग।

गोचर ग्रहाः



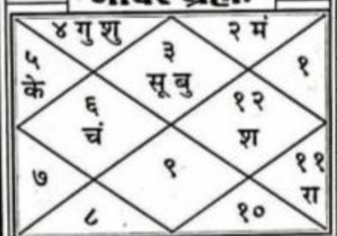
द्वि.ज्ये.कृ. पक्षे ३० चन्द्रे स्टै.टा.प्रा.५घं. ३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०१	००	०२	०३	०३	११	१०	०४
अं.	२९	२७	२५	२४	०२	०७	१९	०९	०९
क.	४२	५८	४९	१०	३५	३४	०४	१२	१२
वि.	२२	०९	००	४१	१३	३५	३८	१९	१९
गति	५७ २०	११६ २०	४३ ३९	५८ ५२	१२ १३	६१ ४३	०३ ५७	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	मृगशि. २	मृगशि. २	भरणी ४	पुनर्व. १	पुनर्व. ४	पुष्य २	रेवती १	शतभि. १	मघा ३

द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः१९४८																		दिनमान		स्टैण्डर्ड टाईम				चन्द्र राशि प्रवेश काल
योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	घटी	पल	सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	स्टै. टा. रा. घं. मि.
क्षय	१	चं	५६	४६	२८	३१	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
चर	२	मं	४७	४०	२४	५३	आ	२५	५८	१६	१२	वृ	४६	५४	बा	२२	०७	३४	०७	०५	४९	०७	२८	मिथुन
गद	३	बु	३९	३५	२१	३९	पुन	१९	२९	१३	३७	ध्रु	३७	३४	तै	१३	२८	३४	०७	०५	४९	०७	२८	क. ०८/१३
शुभ	४	गु	३२	५५	१८	५९	पु	१४	१८	११	३२	व्या	२९	२४	व	०६	०३	३४	०८	०५	४९	०७	२८	कर्क
मृत्यु	५	शु	२७	५७	१७	००	आ	१०	४३	१०	०७	ह	२२	३९	ब	००	१२	३४	०८	०५	५०	०७	२९	सिं. १०/०७
पद्म	६	श	२४	५४	१५	४७	म	०९	००	०९	२६	व	१७	२६	तै	२४	५४	३४	०८	०५	५०	०७	२९	सिंह
छत्र	७	र	२३	४८	१५	२१	पूफा	०९	१४	०९	३१	सि	१३	४८	व	२३	४८	३४	०८	०५	५०	०७	२९	क. १५/४०
श्रीवत्स	८	चं	२४	३६	१५	४०	उफा	११	२०	१०	२२	व्य	११	४१	ब	२४	३६	३४	०८	०५	५०	०७	२९	कन्या
सौम्य	९	मं	२७	०४	१६	४०	ह	१५	०९	११	५४	व	१०	५७	कौ	२७	०४	३४	०८	०५	५०	०७	२९	तु. २४/५३
कालदंड	१०	बु	३०	५५	१८	१३	चि	२०	२१	१३	५९	प	११	२०	ग	३०	५५	३४	०८	०५	५१	०७	३०	तुला
ए.व्रत	११	गु	३५	४७	२०	१०	स्वा	२६	३६	१६	२९	शि	१२	३६	व	०३	१५	३४	०७	०५	५१	०७	३०	तुला
मातंग	१२	शु	४१	१९	२२	२३	वि	३३	३२	१९	१६	सि	१४	२८	ब	०८	२९	३४	०७	०५	५१	०७	३०	वृ. १२/३३
प्रदोष	१३	श	४७	११	२४	४४	अ	४०	४९	२२	११	सा	१६	४१	कौ	१४	१३	३४	०६	०५	५१	०७	३०	वृश्चिक
काण	१४	र	५३	०८	२७	०७	ज्ये	४८	१३	२५	०९	शु	१९	०४	ग	२०	०९	३४	०६	०५	५२	०७	३०	ध. २५/०९
पूर्णिमा	१५	चं	५८	५७	२९	२७	मू	५५	२९	२८	०४	शु	२१	२५	वि	२६	०४	३४	०५	०५	५२	०७	३०	धनु

योगाः	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति		विविधतारीखें बं. मु. भा. अं. आषा.	जिल्हि.	ज्येष्ठ	जून	❀❀ १६ जून से २९ जून सन् २०२६ ई. तक ❀❀ ग्रीष्म-वर्षा ऋतुः रवि उत्तरा-दक्षिणायणे तथा च उ.गोलीय इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।
क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	प्रतिपदा तिथिक्षयः E अचलदास पुण्य दिवस जोधपुर कतलरात मुस.
चर	०२	००	३९	४२	५७	१९	०२	३०	२६	१६	चन्द्रदर्शनं विश्व एकता दि. कृतिकायां भौमः ०९।३२ G वक्री बुधः २३।०४
गद	०२	०१	३७	०१	५७	१९	०३	मु१	२७	१७	रम्भा तृतीया महाराणा प्रताप ज. मुहर्रम मास १ मुस. हिजरी नववर्ष १४४८ प्रा.
शुभ	०२	०२	३४	२०	५७	१८	०४	०२	२८	१८	भ. ०८।१४ उ. १८।५९ या. रानी झांसी पुण्य सर्वा. अमृत. ०५।४९ उ. A
मृत्यु	०२	०३	३१	३८	५७	१७	०५	०३	२९	१९	श्रुतिपंचमी जैन B दिवस सर्वा. ०९।३१ उ. २१।५० या. कर्के भानुः १३।५४
पद्म	०२	०४	२८	५५	५७	१६	०६	०४	३०	२०	अरण्य षष्ठी विंध्यवासिनी पूजा सांई टेऊराम पुण्यः वृषभे भौमः २३।५९
छत्र	०२	०५	२६	१२	५७	१६	०७	०५	३१	२१	भ. १५।२१ उ. २७।२५ या. रवि दक्षिणायणे वर्षा ऋतु प्रा. विश्व योग B
श्रीवत्स	०२	०६	२३	२७	५७	१५	०८	०६	आ१	२२	आर्द्रायां रविः १२।२६ संग चं. सू. स्त्री. स्त्री. वाहन खर वर्षा मध्यम रा. C
सौम्य	०२	०७	२०	४२	५७	१४	०९	०७	०२	२३	श्री महेश नवमी माहेश्वरीवंशीय मेहंदी रात मुस. D म. सा. पु. जैन
कालदंड	०२	०८	१७	५७	५७	१४	१०	०८	०३	२४	बटुक भैरव ज. श्री रामेश्वर प्रतिष्ठा श्रीराम शर्मा पुण्य श्री शांति विजय D
ए.व्रत	०२	०९	१५	११	५७	१३	११	०९	०४	२५	भ. ०७।०९ उ. २०।१० या. निर्जला एकादशी व्रतं सर्वेषाम् गुरू E
मातंग	०२	१०	१२	२४	५७	१३	१२	१०	०५	२६	विश्व नशा निवारण दिवस सर्वा. ११।१६ उ. २१ ५१ या. ताजीया मुस.
प्रदोष	०२	११	०९	३६	५७	१२	१३	११	०६	२७	शनि प्रदोष व्रतं वटसावित्री व्रत प्रा. A ११।३२ या. पुष्ये १ गुरूः २१।०२
काण	०२	१२	०६	४९	५७	१२	१४	१२	०७	२८	भ. २७।०७ उ. सर्वा. २५।०९ उ. २१।५२ या. F श्रुति पूर्णिमा पर्व जैन G
पूर्णिमा	०२	१३	०४	०१	५७	१२	१५	१३	०८	२९	भ. १६।१८ या. पूर्णिमा व्रतं वटसावित्री व्रत पूर्ण श्री कबीर जयंती F

गोचर ग्रहाः



द्वि.ज्ये.शु.पक्षे८ चन्द्रे स्टै.टा.प्रातः ५घं.३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०५	०१	०२	०३	०३	११	१०	०४
अं.	०६	०७	००	२९	०४	१५	१९	०८	०८
क.	२३	२४	५३	४६	०१	४०	३०	५०	५०
वि.	२७	५१	१२	०१	४३	३९	३१	०३	०३
ग	५७	७५६	४३	३२	१२	६१	०३	०३	०३
ति	१५	१८	१२	१९	३२	०६	२१	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	मृगशि. ४	उ.फा. ४	कृति. २	पुनर्व. ३	पुष्य १	पुष्य ४	रेवती १	शतभि. १	मघा ३

✲ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे ✲

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
जून	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि
१६	२६।०८	२७।४६	२९।४२	०८।००	१०।१७	१२।३३	१४।४८	१७।०६	१९।२२	२१।२६	२३।१०	२४।४०
१७	२६।०४	२७।४२	२९।३९	०७।५६	१०।१४	१२।२९	१४।४४	१७।०२	१९।१९	२१।२२	२३।०६	२४।३७
१८	२६।०१	२७।३८	२९।३५	०७।५२	१०।१०	१२।२६	१४।४१	१६।५८	१९।१५	२१।१९	२३।०३	२४।३३
१९	२५।५७	२७।३५	२९।३१	०७।४९	१०।०६	१२।२२	१४।३७	१६।५५	१९।११	२१।१५	२२।५९	२४।२९
२०	२५।५३	२७।३१	२९।२८	०७।४५	१०।०३	१२।१८	१४।३३	१६।५१	१९।०८	२१।११	२२।५५	२४।२६
२१	२५।५०	२७।२७	२९।२४	०७।४१	०९।५९	१२।१५	१४।३०	१६।४७	१९।०४	२१।०८	२२।५२	२४।२२
२२	२५।४६	२७।२४	२९।२०	०७।३७	०९।५५	१२।११	१४।२६	१६।४३	१९।००	२१।०४	२२।४८	२४।१८
२३	२५।४२	२७।१९	२९।१६	०७।३३	०९।५१	१२।०७	१४।२२	१६।३९	१८।५६	२१।००	२२।४४	२४।१४
२४	२५।३७	२७।१५	२९।१२	०७।२९	०९।४७	१२।०३	१४।१८	१६।३५	१८।५२	२०।५५	२२।४०	२४।१०
२५	२५।३३	२७।११	२९।०८	०७।२५	०९।४३	११।५९	१४।१४	१६।३१	१८।४८	२०।५१	२२।३६	२४।०६
२६	२५।२९	२७।०७	२९।०४	०७।२१	०९।३९	११।५५	१४।१०	१६।२७	१८।४४	२०।४७	२२।३२	२४।०२
२७	२५।२५	२७।०३	२९।००	०७।१७	०९।३५	११।५०	१४।०५	१६।२३	१८।४०	२०।४३	२२।२८	२३।५८
२८	२५।२१	२६।५९	२८।५६	०७।१३	०९।३१	११।४६	१४।०१	१६।१९	१८।३६	२०।३९	२२।२३	२३।५४
२९	२५।१७	२६।५५	२८।५२	०७।०९	०९।२७	११।४२	१३।५७	१६।१५	१८।३२	२०।३५	२२।१९	२३।५०

ग्रहगोचरीय फलम्

अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना सुखद अधियोग। सुख सुभिक्ष की धारणा, श्रीधर शास्त्र सुयोग।। अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना चन्द अधियोग। गौ प्रजा के भाग्य से, सुख सुभिक्ष अभियोग।। राजतन्त्र नवचेतना, लोकतंत्र अभिसार। जन सुविधा के पक्ष में, शासन नित्य प्रसार।। आरोग्य स्वास्थ्य अभिनव गति, धर्मकर्म संचार। जन मंगल की कामना, जीव जगत उद्धार।। रवि संक्रमण सोम का, सुखद बना यह संग। मूंगा मोती धान्य में, मंदी देश सुरंग।। चित्रा स्वाति विशाख जो, जेठ मास बरसाय। अन्न भाव मंहगा रहै, सावन वर्षा नाय।। पांचै शुक्ला जेठ में, बादल दक्षिणी बाय। गह्ना संग्रह कीजिए, आश्विन दुगुना भाय।। जेठ सुदी में आर्द्रा से चित्रा तक देश। बादल चिह्न अकाल के, नाहित वृष्टि विशेष।। दुतिया तृतीया जेठ सुदी, आवे आर्द्रा रिक्ष। वर्षे तो कर्षे नही, दसैं दुख दुर्भिक्ष।। जेठ मावस पूर्णिमा, बादल हो आकास। भभकारी वायु बहै तो वर्षा का नास।। जेठी पूनम स्वच्छ नभ सुख सुभिक्ष शुभ मान्य। कुण्डल वर्षा घटा हो संग्रह करिये धान्य। पूर्णमासी जेठ की, मूल नखत शुभ योग। सुख सम्पत्ति आनन्दमय, सुखी रहे सब लोग।। C आषाढ़ मास प्रा. कर्के बुधः १५।३० आश्लेषायां शुक्रः २६।०७ श्रीधरी पंचांग।

गोचर ग्रहाः



द्वि.ज्ये.शु.पक्षे१५ चन्द्रे स्टै.टा.प्रातः ५घं.३०मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०८	०१	०३	०३	०३	११	१०	०४
अं.	१३	०२	०५	०२	०५	२३	१९	०८	०८
क.	०४	०९	५४	००	३०	४१	५२	२७	२७
वि.	०१	०७	१७	२६	१८	३०	०६	४८	४८
ग	५७	७१३	४२	०१	१२	६८	०२	०३	०३
ति	१२	३६	४६	०४	४८	१३	४३	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	आर्द्रा २	मूल १	कृति. ३	पुनर्व. ४	पुष्य १	आश्ले. ३	रेवती १	शतभि. १	मघा ३

आषाढ़ कृष्ण पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

३० जून से १४ जुलाई सन् २०२६ ई. तक

वर्षा ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा. अं. क. वि.	गति	बं. आषा.	मु. मुहर्रम	भा. आषा.	अं. जून
मित्र	१	मं	६०	००	-	-	पूषा	६०	००	-	-	ब्र	२३	३५	बा	३१	४४	३४	०५	०५	५२	०७	३०	धनु	०२ १४ ०१ १२	५७ १२	१६	१४	०९	३०
श्रीवत्स	१	बु	०४	२५	०७	३९	पूषा	०२	२६	०६	५१	ऐं	२५	२८	कौ	०४	२५	३४	०४	०५	५३	०७	३०	म. १३/३२	०२ १४ ५८ २४	५७ ११	१७	१५	१०	जु१
सौम्य	२	गु	०९	२३	०९	३८	उषा	०८	५५	०९	२७	वै	२६	५५	ग	०९	२३	३४	०३	०५	५३	०७	३०	मकर	०२ १५ ५५ ३५	५७ ११	१८	१६	११	०२
चौथव्रत	३	शु	१३	३८	११	२१	श्र	१४	४३	११	४७	वि	२७	४५	वि	१३	३८	३४	०२	०५	५४	०७	३०	कुं. २४/४८	०२ १६ ५२ ४७	५७ १२	१९	१७	१२	०३
प्रवर्ध	४	श	१६	५६	१२	४०	ध	१९	३५	१३	४४	प्री	२७	४८	बा	१६	५६	३४	०१	०५	५४	०७	३०	कुंभ	०२ १७ ४९ ५८	५७ १२	२०	१८	१३	०४
राक्षस	५	र	१९	०३	१३	३१	श	२३	१६	१५	१३	आ	२६	५४	तै	१९	०३	३४	००	०५	५४	०७	३०	कुंभ	०२ १८ ४७ १०	५७ १२	२१	१९	१४	०५
मुसल	६	चं	१९	४३	१३	४८	पूभा	२५	३२	१६	०८	सौ	२४	५०	व	१९	४३	३३	५९	०५	५५	०७	३०	मी. ०१/५७	०२ १९ ४४ २२	५७ १२	२२	२०	१५	०६
सिद्धि	७	मं	१८	४६	१३	२५	उभा	२६	१३	१६	२४	शो	२१	२९	ब	१८	४६	३३	५७	०५	५५	०७	३०	मीन	०२ २० ४१ ३४	५७ १३	२३	२१	१६	०७
उत्पात	८	बु	१६	०७	१२	२२	रे	२५	१२	१६	००	अ	१६	४५	कौ	१६	०७	३३	५६	०५	५६	०७	३०	मे. १६/००	०२ २१ ३८ ४७	५७ १३	२४	२२	१७	०८
मानस	९	गु	११	४६	१०	३८	अ	२२	३१	१४	५६	सु	१०	३९	ग	११	४६	३३	५५	०५	५६	०७	३०	मेष	०२ २२ ३५ ५९	५७ १३	२५	२३	१८	०९
ए. व्रत	१०	शु	०५	५१	०८	१७	भ	१८	१७	१३	१५	धृ/शू	०३/५४	१५/४५	वि	०५	५१	३३	५३	०५	५६	०७	३०	वृ. १८/४५	०२ २३ ३३ १३	५७ १४	२६	२४	१९	१०
क्षय	११	शु	५८	३७	२९	२३	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०० ०० ०० ००	०० ००	००	००	००	००
केतु	१२	श	५०	२०	२६	०५	कृ	१२	४७	११	०४	गं	४५	२१	कौ	२४	३४	३३	५२	०५	५७	०७	३०	वृषभ	०२ २४ ३० २७	५७ १४	२७	२५	२०	११
प्रदोष	१३	र	४१	२३	२२	३०	रो/मृ	०६/५१	२०/२१	०८/२१	२१/४३	वृ	३५	२१	ग	१५	५४	३३	५०	०५	५७	०७	२९	मि. ११/०६	०२ २५ २७ ४१	५७ १५	२८	२६	२१	१२
कालदंड	१४	चं	३२	११	१८	५०	आ	५२	१५	२६	५२	ध्रु	२५	०६	वि	०६	४७	३३	४८	०५	५८	०७	२९	मिथुन	०२ २६ २४ ५५	५७ १५	२९	२७	२२	१३
अमावस	३०	मं	२३	०९	१५	१४	पुन	४५	२९	२४	१०	व्या	१४	५७	ना	२३	०९	३३	४७	०५	५८	०७	२९	क. १८/४१	०२ २७ २२ १०	५७ १५	३०	२८	२३	१४

B २ गुरूः १५।३० मघायां सिंहे शुक्रः १९।१३

जुलाई मास ७ ता. ३१ प्रारंभ डॉक्टर दिवस रेवत्यां २ शनिः २१।५१

भ. २२।३२ उ. A उ. सर्वार्थसिद्धि. ०५।५४ उ. ११।४७ या.

भ. ११।२१ या. आषाढ़ी चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय २२।०२ रात्रि पंचक २४।४८ A

विवेकानन्द पुण्यः बुधास्त पश्चिमे १४।५३ रोहिण्यां भौमः २३।५४ पुष्ये B

C वाहन अश्व वर्षा मध्यम सूच्यते- ज. अर्थात् जयंती, पु. अर्थात् पुण्य

भ. १३।४८ उ. २५।४२ या. पुनर्वसौ रविः १२।०३ संग चं. सू. स्त्री. पु. C

सर्वा. ०५।५५ उ. १६।२४ या. मिथुने बुधः १०।४६

पंचक १६।०० या.



भ. २१।३२ उ. सर्वार्थसिद्धि योग ०५।५६ उ. १४।५६ या.

भ. ०८।१७ या. योगिनी एकादशी व्रतं स्मार्त्त आमकेरी त्याग नियम प्रा. जैन

एकादशी तिथिक्षयः D अमृतसिद्धियोग ११।०४ उ. २१।५७ या.

योगिनी एकादशी व्रतं वैष्णव निम्बार्क विश्व जनसंख्या दिवस सर्वा. D

भ. २२।३० उ. प्रदोष व्रतं मास शिवरात्रि

भ. ०८।४० या. गुरू वृद्धत्व प्रा. २५।२७





देवपितृकार्ये भौमवती अमावस्या

गोचर ग्रहाः

४ गु | २ मं | शु ५ के | ३ सू बु | १ | १२ श चं | ६ | ७ | ९ | ११ | ८ | १० रा

आ. कृ. पक्षे ८ बुधे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	११	०१	०२	०३	०४	११	१०	०४
अं.	२१	२४	१२	२९	०७	०३	२०	०७	०७
क.	३८	००	१६	३५	२६	५०	१३	५९	५९
वि.	४७	५५	५१	१९	३५	४७	०८	११	११
गति	५७ १३	८२७ ००	४२ ११	३३ ५६	१३ ०३	६७ ०१	०१ ५१	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पुनर्वसु २	रेवती ३	रोहिणी २	पुनर्वसु २	पुष्य १	मघा १	रेवती १	शतभिष १	मघा ३

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
जून	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि
३०	२५।१३	२६।५१	२८।४८	०७।०५	०९।२३	११।३८	१३।५३	१६।११	१८।२८	२०।३१	२२।१५	२३।४६
जु१	२५।०९	२६।४७	२८।४४	०७।०१	०९।१९	११।३४	१३।४९	१६।०७	१८।२४	२०।२७	२२।११	२३।४२
०२	२५।०५	२६।४३	२८।४०	०६।५७	०९।१५	११।३०	१३।४६	१६।०३	१८।२०	२०।२३	२२।०८	२३।३८
०३	२५।०१	२६।३९	२८।३६	०६।५३	०९।११	११।२७	१३।४२	१५।५९	१८।१६	२०।१९	२२।०४	२३।३४
०४	२४।५७	२६।३५	२८।३२	०६।४९	०९।०७	११।२३	१३।३८	१५।५५	१८।१२	२०।१५	२२।००	२३।३०
०५	२४।५३	२६।३१	२८।२८	०६।४५	०९।०३	११।१९	१३।३४	१५।५१	१८।०८	२०।११	२१।५६	२३।२६
०६	२४।५०	२६।२७	२८।२४	०६।४१	०८।५९	११।१५	१३।३०	१५।४७	१८।०४	२०।०८	२१।५२	२३।२२
०७	२४।४६	२६।२४	२८।२०	०६।३७	०८।५५	११।११	१३।२६	१५।४३	१८।००	२०।०४	२१।४८	२३।१८
०८	२४।४२	२६।२०	२८।१६	०६।३३	०८।५१	११।०७	१३।२२	१५।४०	१७।५६	२०।००	२१।४४	२३।१४
०९	२४।३८	२६।१६	२८।१२	०६।२९	०८।४७	११।०३	१३।१८	१५।३६	१७।५२	१९।५६	२१।४०	२३।१०
१०	२४।३४	२६।१२	२८।०८	०६।२६	०८।४३	१०।५९	१३।१४	१५।३२	१७।४८	१९।५२	२१।३६	२३।०६
११	२४।३०	२६।०८	२८।०५	०६।२२	०८।४०	१०।५५	१३।१०	१५।२८	१७।४४	१९।४८	२१।३२	२३।०२
१२	२४।२६	२६।०४	२८।०१	०६।१८	०८।३६	१०।५१	१३।०६	१५।२४	१७।४१	१९।४४	२१।२८	२२।५८
१३	२४।२२	२६।००	२७।५७	०६।१४	०८।३२	१०।४७	१३।०२	१५।२०	१७।३७	१९।४०	२१।२४	२२।५५
१४	२४।१८	२५।५६	२७।५३	०६।१०	०८।२८	१०।४४	१२।५९	१५।१६	१७।३३	१९।३६	२१।२१	२२।५१

ग्रहगोचरीय फलम्

क्रूर वार तेजी करे, मावस भौम कुसंग। मंदी से तेजी बने, वस्तु विविध प्रसंग।। निर्यातक गति न्यूनता, आयात रूप नवदेश। दलहन-तिलहन नित्य का, उन्नत भाव निवेश।। रवि संक्रमण गुरू दिवस, वस्तु नियंत्रण देश। समकल वितरण की गति, शासन दक्ष विशेष।। साढ़ बदी प्रतिपदा को, वर्षा बादल गाज। अनावृष्टि दो मास तक मंहगा बिकै अनाज।। साढ़ लगते चतुर्थी, के दिन परै तुषार। उत्तम वर्षा से सभी, सुख पावै संसार।। बदी पंचमी साढ़ में, निर्मल रहै आकाश। ना बादल ना बिजली, कृषि का निश्चय नास।। साढ़ बदी आठैं अगर, चंदा जोय। वर्षा ऋतु में जानिये, भारी वर्षा होय।। साढ़ सुदी में चौथ को, बिजली वर्षा गाज। उत्तम वर्षा समझिये, उपजै खूब अनाज।। साढ़ सुदी पांचै दिना, पच्छम धनुष दिखाय। पच्छम का वायु चलै, जल बरसै झड़ लाय।। साढ़ सुदी आठै अगर, निर्मल रहै आकाश। चन्द देव दे दर्श तो, है वर्षा का नाश।। पूनम नौसी साढ़ सुदी, निर्मल निशा मयंक। दुर्भिक्ष निश्चय जानिये, दुखै भूखै रंक।। चाढ़ी चौदस हो कभी, सोमवार समवेतु। खेत न उपजै धान्य तृण गाय भैस केहि हेतु।। श्रीधरी पंचांग

गोचर ग्रहाः

४ गु | २ मं | शु के ५ | ३ सु चं बु | १ | १२ श | ६ | ७ | ९ | ११ | ८ | १० रा

आ. कृ. पक्षे ३० भौमे स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०२	०१	०२	०३	०४	११	१०	०४
अं.	२७	२१	१६	२५	०८	१०	२०	०७	०७
क.	२२	३१	२१	५२	४५	३०	२२	४०	४०
वि.	१०	२७	००	१९	१५	३८	४७	०७	०७
गति	५७ १५	८११ ११	४१ ४७	३७ १४	१३ ११	६६ ०६	०१ १५	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पुनर्व. ३	पुनर्व. १	रोहिणी १	पुनर्व. १	पुष्य १	मघा ४	रेवती १	शतभिष १	मघा ३

आषाढ़ शुक्ल पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.
मातंग	१	बु	१४	४२	११	५१	पु	३९	३०	२१	४७	ह/व	०५/५६	१४/१८	ब	१४	४२	३३	४५	०५	५९	०७	२९	कर्क
अमृत	२	गु	०७	१६	०८	५३	आ	३४	४३	१९	५२	सि	४८	२७	कौ	०७	१६	३३	४३	०५	५९	०७	२८	सिं. ११/५२
काण	३	शु	०१	१२	०६	२८	म	३१	२८	१८	३५	व्य	४१	५५	ग	०१	१२	३३	४१	०६	००	०७	२८	सिंह
क्षय	४	शु	५६	४९	२८	४३	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
लुम्बक	५	श	५४	१८	२७	४३	पूफा	३०	००	१८	००	व	३६	५३	ब	२५	१८	३३	३९	०६	००	०७	२८	क. २३/५१
मित्र	६	र	५३	४५	२७	३०	उफा	३०	२८	१८	१२	प	३३	२५	कौ	२३	४६	३३	३७	०६	०१	०७	२७	कन्या
वज्र	७	चं	५५	०६	२८	०३	ह	३२	५१	१९	१०	शि	३१	३०	ग	२४	११	३३	३५	०६	०१	००	२७	कन्या
ध्वांक्ष	८	मं	५८	०९	२९	१७	चि	३६	५१	२०	४९	सि	३०	५९	वि	२६	२५	३३	३३	०६	०२	०७	२७	तु. ०७/५४
धूम्र	९	बु	६०	००	-	-	स्वा	४२	३३	२३	०३	सा	३१	३९	बा	३०	१२	३३	३०	०६	०२	०७	२६	तुला
प्रवर्ध	९	गु	०२	३३	०७	०४	वि	४९	१०	२५	४३	शु	३३	१३	कौ	०२	३३	३३	२८	०६	०३	०७	२६	वृ. ११/०१
राक्षस	१०	शु	०७	५६	०९	१३	अ	५६	२४	२८	३६	शु	३५	२०	ग	०७	५६	३३	२६	०६	०३	०७	२५	वृश्चिक
ए. व्रत	११	श	१३	४८	११	३५	ज्ये	६०	००	-	-	ब्र	३७	४२	वि	१३	४८	३३	२३	०६	०४	०७	२५	वृश्चिक
प्रदोष	१२	र	१९	४६	१३	५८	ज्ये	०३	४७	०७	३५	ऐं	४०	०२	बा	१९	४६	३३	२१	०६	०४	०७	२४	ध. ०७/३५
लुम्बक	१३	चं	२५	२७	१६	१५	मू	११	००	१०	२९	वै	४२	०५	तै	२५	२७	३३	१८	०६	०५	०७	२४	धनु
मित्र	१४	मं	३०	३६	१८	१९	पूषा	१७	४५	१३	११	वि	४३	४०	व	३०	३६	३३	१६	०६	०५	०७	२३	म. ११/४१
पूर्णिमा	१५	बु	३५	०१	२०	०६	उषा	२३	४९	१५	३७	प्री	४४	४०	वि	०२	५४	३३	१३	०६	०६	०७	२३	मकर

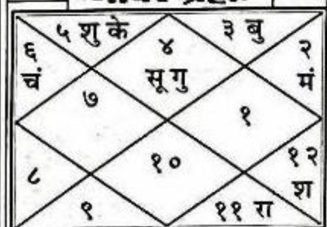
१५ जुलाई से २९ जुलाई सन् २०२६ ई. तक

वर्षा ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

तिथि	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति		विविधतारीखें बं. आषा.	मु. मुहर्रम	भा. आषा.	अं. जुलाई	
१	०२	२८	१९	२५	५७	१५	३१	२९	२४	१५	चन्द्रदर्शनं गुप्त नवरात्रि विधान प्रारंभ **D** स्त्री. वाहन मूषक वर्षा मध्यम
२	०२	२९	१६	४१	५७	१६	श्रा१	स१	२५	१६	**अस्तं गुरूः पश्चिमे २५।२७** जगन्नाथ रथयात्रा पुरी कर्केऽर्कः २३।३९ **A**
३	०३	००	१३	५७	५७	१६	०२	०२	२६	१७	भ. १७।३० उ. २८।४३ या. **C** या. अमृतसिद्धि. १८।१२ उ. ३०।०१ या.
४	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	**B** आचार्य विद्याचन्द्र सूरी. पु. त्रि. स्तु. जैन सर्वा. ०६।०१ उ. ३०।०१ **C**
५	०३	०१	११	१२	५७	१६	०३	०३	२७	१८	**A** बंगला श्रावण मास प्रा. सफर मास २ मुस. पूफायां शुक्रः ११।०७
६	०३	०२	०८	२९	५७	१६	०४	०४	२८	१९	स्कन्द कुमार षष्ठी सांई टेऊँराम जन्म महावीर स्वामी गर्भ कल्याणक **B**
७	०३	०३	०५	४५	५७	१६	०५	०५	२९	२०	भ. २८।०३ उ. विवस्वत सप्तमी पुष्ये रविः ११।२८ संग चं. सू. स्त्री. **D**
८	०३	०४	०३	०१	५७	१७	०६	०६	३०	२१	भ. १६।३६ या. चौमासी अष्टाह्निका प्रा. **E** मास प्रा. मार्गी बुधः २८।२८ **F**
९	०३	०५	००	१८	५७	१७	०७	०७	३१	२२	गुप्त नवरात्रि पूर्ण भडुली नवमी बुधोदय पूर्वे ११।११ सिंहे भानुः २४।४३
९	०३	०५	५७	३५	५७	१७	०८	०८	श्रा१	२३	श्री तिलक ज. चन्द्रशेखर आजाद ज. सर्वा. २५।४३ उ. राष्ट्रीय श्रावण **E**
१०	०३	०६	५४	५२	५७	१८	०९	०९	०२	२४	भ. २२।२३ उ. सर्वा. २८।३६ या. **G** विष्णु शयनोत्सव जिनदत्त सूरी पुण्यः
११	०३	०७	५२	१०	५७	१८	१०	१०	०३	२५	भ. ११।३५ या. देवशयनी एकादशी व्रतं सर्वेषाम् चातुर्मास प्रारंभ **G**
१२	०३	०८	४९	२८	५७	१८	११	११	०४	२६	प्रदोष व्रतं वक्री शनिः २४।२७ सर्वा. ०७।३५ उ. ३०।०५ या. **H** शुक्रः २८।५२
१३	०३	०९	४६	४६	५७	१९	१२	१२	०५	२७	कल्याण विजय गणिवर्य पुण्य जैन **F** मृगशिरायां भौमः २७।२१
१४	०३	१०	४४	०५	५७	२०	१३	१३	०६	२८	भ. १८।१९ उ. वन महोत्सव दि. चौमासी अष्टाह्निका पूर्ण जैन उफायां **H**
१५	०३	११	४१	२५	५७	२०	१४	१४	०७	२९	भ. ०७।१५ या. गुरू पूर्णिमा व्रतं शिव शयनोत्सवः चातुर्मास प्रा. जैन **I**

गोचर ग्रहाः



आषा. शु. पक्षे ८ भौमे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०५	०१	०२	०३	०४	११	१०	०४
अं.	०४	२८	२१	२२	१०	१८	२०	०७	०७
क.	०३	४४	२०	२८	१७	०९	२९	१७	१७
वि.	०१	४४	०१	५९	४७	३३	२६	५१	५१
ग	५७	७४९	४१	१३	१३	६४	००	०३	०३
ति	१७	३६	१७	१४	१६	४७	३२	११	११
मा/व	मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	अ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पुष्य १	चित्रा २	रोहि. ४	पुनर्व. १	पुष्य ३	पू.फा. २	रेवती २	शतभि. १	मघा ३

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
जुला.	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रि	रात्रि
१५	२४।१४	२५।५२	२७।४९	३०।०२	०८।२४	१०।४०	१२।५५	१५।१२	१७।२९	१९।३२	२१।१७	२२।४७
१६	२४।११	२५।४९	२७।४५	२९।५९	०८।२०	१०।३६	१२।५१	१५।०८	१७।२५	१९।२९	२१।१३	२२।४३
१७	२४।०७	२५।४५	२७।४१	२९।५५	०८।१६	१०।३२	१२।४७	१५।०५	१७।२१	१९।२५	२१।०९	२२।३९
१८	२४।०३	२५।४१	२७।३७	२९।५१	०८।१२	१०।२८	१२।४३	१५।०१	१७।१७	१९।२१	२१।०५	२२।३५
१९	२३।५९	२५।३७	२७।३४	२९।४७	०८।०९	१०।२४	१२।३९	१४।५७	१७।१४	१९।१७	२१।०१	२२।३१
२०	२३।५५	२५।३३	२७।३०	२९।४३	०८।०५	१०।२०	१२।३५	१४।५३	१७।१०	१९।१३	२०।५७	२२।२८
२१	२३।५१	२५।२९	२७।२६	२९।३९	०८।०१	१०।१७	१२।३२	१४।४९	१७।०६	१९।०९	२०।५४	२२।२४
२२	२३।४८	२५।२५	२७।२२	२९।३५	०७।५७	१०।१३	१२।२८	१४।४५	१७।०२	१९।०६	२०।५०	२२।२०
२३	२३।४४	२५।२२	२७।१८	२९।३१	०७।५३	१०।०९	१२।२४	१४।४१	१६।५८	१९।०२	२०।४६	२२।१६
२४	२३।४०	२५।१८	२७।१४	२९।२८	०७।४९	१०।०५	१२।२०	१४।३८	१६।५४	१८।५८	२०।४२	२२।१२
२५	२३।३६	२५।१४	२७।१०	२९।२४	०७।४५	१०।०१	१२।१६	१४।३४	१६।५०	१८।५४	२०।३८	२२।०८
२६	२३।३२	२५।१०	२७।०६	२९।२०	०७।४१	०९।५७	१२।१२	१४।३०	१६।४६	१८।५०	२०।३४	२२।०४
२७	२३।२८	२५।०६	२७।०३	२९।१६	०७।३८	०९।५३	१२।०८	१४।२६	१६।४३	१८।४६	२०।३०	२२।००
२८	२३।२४	२५।०२	२६।५९	२९।१२	०७।३४	०९।४९	१२।०४	१४।२२	१६।३९	१८।४२	२०।२६	२१।५६
२९	२३।२०	२४।५८	२६।५५	२९।०८	०७।३०	०९।४५	१२।००	१४।१८	१६।३५	१८।३८	२०।२२	२१।५३

कर्क संक्रान्ति फलम्

आषाढ़ शुक्ल पक्षे २ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टे. टा. २३।३९) वा. ४ न. ६ अस्य पुण्यकालः अद्यैव मध्याह्न वेलातः पुण्यप्रदः तथा च देवालय संभागीय रचना गति। वारनाम मंदा-पत्रकार, शिक्षक, प्रोफेसर, प्रवचनकर्त्ता, धर्मोपदेशक, कथावाचक, व्याख्याता, लेखक वर्ग हेतु सुखद मनोत्साहवर्धक। नक्षत्र नाम-घोरा, वयोवृद्ध, अनुसूचित जाति, आदिवासी, अल्पसंख्यक, निर्धन, असहाय वर्ग हेतु शासकीय नवीन योजना लाभ। रात्रि २ याम् व्यापिनी विस्फोटकर्त्ता, तमोगुण प्रधान हिंसा-शील, आतंकप्रसारक, देशद्रोही वर्ग हेतु कष्टद प्रभारक। उत्तरे गमन, आग्नेयां दृष्टि, संक्राति वास निवास-माली गृहे, गर करणे, वाहन-गज, उपवाहन-खर, रक्त वस्त्र, धनुषायुध, लौह पात्र, पय भक्षण, गौरोचन लेपन, पशु जाति, बिल्व पुष्प, कुक्कुट भूषण, श्वेत कंचुकी, प्रोढ़ाऽवस्था, उपविष्टा मुहूर्त्त-३० धान्य गल्ला स्थिर समभाव। सूत, कपास, पोस्ता, लहसून, मिर्च, मसूर, हल्दी, कलपूर्जे, मशीनरी, सोना, चांदी, असगंध, हाथी, गधा, लाल वस्त्र, लोहा, इस्पात, सरिया, सुगन्धित द्रव्य सफेद रंग वस्तु, चावल, कंदमूल पदार्थ, कार्य व्यवसाय लाभद-भावी उन्नत भाव गति। शुक्रोदय पश्चिमे, वत्स उत्तरे, राहू पश्चिमे, मूल भूमौ। **I** कोकिला व्रतं वायु परीक्षा सन्यासी चातुर्मास प्रारम्भ व्यास पीठ पूजा।

गोचर ग्रहाः



आषा. शु. पक्षे १५ बुधे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०९	०१	०२	०३	०४	११	१०	०४
अं.	११	०४	२६	२३	१२	२६	२०	०६	०६
क.	४१	५२	४८	२०	०४	४१	३०	५२	५२
वि.	२५	३०	११	०२	००	४०	५४	२५	२५
ग	५७	७३९	४०	३३	१३	६२	००	०३	०३
ति	२०	२४	४३	०४	१६	५६	१७	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पुष्य ३	उ.षा. ३	मृगशि. २	पुनर्व. २	पुष्य ३	उ.फा. १	रेवती २	शतभि. १	मघा ३

श्रावण कृष्ण पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	सूर्यस्पष्ट रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	बं. श्रावण	मु. सफर	भा. श्रावण	अं. जुलाई
केतु	१	गु	३८	३२	२१	३१	श्र	२९	०३	१७	४३	आ	४४	५७	बा	०६	५३	३३	१०	०६	०६	०७	२२	मकर	०३	१२	३८	४५	५७	२१	१५	१५	०८	३०
धाता	२	शु	४१	०४	२२	३२	ध	३३	२१	१९	२७	सौ	४४	२८	तै	०९	५५	३३	०७	०६	०७	०७	२२	कुं. ०६/३८	०३	१३	३६	०७	५७	२२	१६	१६	०९	३१
आनन्द	३	श	४२	३२	२३	०८	श	३६	३६	२०	४५	शो	४३	०९	व	११	५६	३३	०५	०६	०७	०७	२१	कुंभ	०३	१४	३३	२९	५७	२३	१७	१७	१०	अ१
चौथव्रत	४	र	४२	५१	२३	१६	पूभा	३८	४४	२१	३७	अ	४०	५५	ब	१२	५०	३३	०२	०६	०८	०७	२०	मी. १५/२७	०३	१५	३०	५२	५७	२४	१८	१८	११	०२
गद	५	चं	४१	५७	२२	५५	उभा	३९	४१	२२	००	सु	३७	४३	कौ	१२	३२	३२	५९	०६	०८	०७	२०	मीन	०३	१६	२८	१६	५७	२५	१९	१९	१२	०३
शुभ	६	मं	३९	४८	२२	०४	रे	३९	२४	२१	५४	धृ	३३	३१	ग	११	०१	३२	५६	०६	०९	०७	१९	मे. २१/५४	०३	१७	२५	४१	५७	२६	२०	२०	१३	०४
मृत्यु	७	बु	३६	२५	२०	४३	अ	३७	५३	२१	१८	शू	२८	१९	वि	०८	१५	३२	५३	०६	०९	०७	१८	मेष	०३	१८	२३	०७	५७	२८	२१	२१	१४	०५
पद्म	८	गु	३१	४९	१८	५३	भ	३५	१०	२०	१४	गं	२२	०८	बा	०४	१५	३२	५०	०६	०९	०७	१८	वृ. २५/५३	०३	१९	२०	३५	५७	२९	२२	२२	१५	०६
छत्र	९	शु	२६	०९	१६	३७	कृ	३१	२३	१८	४३	वृ	१५	०२	ग	२६	०९	३२	४७	०६	१०	०७	१७	वृषभ	०३	२०	१८	०४	५७	३०	२३	२३	१६	०७
श्रीवत्स	१०	श	१९	३३	१४	००	रो	२६	४२	१६	५१	ध्रु/व्या	०७/५८	०८/३८	वि	१९	३३	३२	४४	०६	१०	०७	१६	मि. २७/४१	०३	२१	१५	३४	५७	३२	२४	२४	१७	०८
ए.व्रत	११	र	१२	१७	११	०६	मृ	२१	२१	१४	४३	ह	४९	४३	बा	१२	१७	३२	४१	०६	११	०७	१५	मिथुन	०३	२२	१३	०६	५७	३३	२५	२५	१८	०९
प्रदोष	१२	चं	०४	३५	०८	०१	आ	१५	३९	१२	२७	व	४०	३८	तै	०४	३५	३२	३८	०६	११	०७	१५	क. २८/४३	०३	२३	१०	३९	५७	३४	२६	२६	१९	१०
क्षय	१३	चं	५६	४८	२८	५५	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
सुस्थिर	१४	मं	४९	१५	२५	५४	पुन	०९	५४	१०	०९	सि	३१	३९	वि	२२	५८	३२	३५	०६	१२	०७	१४	कर्क	०३	२४	०८	१३	५७	३५	२७	२७	२०	११
अमावस	३०	बु	४२	१६	२३	०७	पु/आ	०४/५१	२८/४५	०८/३०	००/०७	व्य	२३	०३	च	१५	३९	३२	३१	०६	१२	०७	१३	सिं. ३०/०७	०३	२५	०५	४८	५७	३७	२८	२८	२१	१२

दैनिक सूर्यस्पष्ट — प्रातः ५घं.३०मि. के

३० जुलाई से १२ अगस्त सन् २०२६ ई. तक

वर्षा ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

A ०९।२८ धनिष्ठायां ४ राहुः मघायां २ केतुः २७।१२

पंचक ०६।३८ उ. फल द्वितीया अशून्यशयन व्रतारंभ हिण्डोला प्रारंभ

भ. १०।५३ उ. २३।०८ या. अगस्त मास ८ ता. ३१ प्रा. कन्यायां शुक्रः A

श्रावणी चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २१।३८ सर्वा. २१।३७ उ. ३०।०८ B

नागपंचमी मरूस्थले बंगालेऽपि आश्लेषायां रविः १०।२४ संग. चं. चं. C

भ. २२।०४ उ. मंगलागौरी व्रतं पंचक २१।५४ या. सर्वा. अमृत. २१।५४ D

भ. ०९।२७ या. कर्के बुधः १९।५४ F २३।५५ हस्ते शुक्रः ०६।२८

C स्त्री. पु. वाहन गज वर्षा श्रेष्ठ पुष्ये ४ गुरूः २२।५२

भ. २७।२१ उ. D उ. ३०।०९ या. चेहल्लम चालीसा E या. पुष्ये बुधः ०७।२०

भ. १४।०० या. उदितं गुरूः पूर्वे २३।५५ सर्वा. अमृत. ०६।१० उ. १६।५१ E

कामदा एकादशी व्रतं सर्वेषाम् अगस्त क्रान्ति दिवस

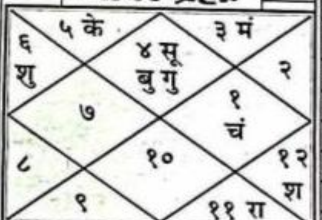
भ. २८।५५ उ. सोम प्रदोष व्रतं B या. मिथुने भौमः २२।५१

त्रयोदशी तिथिक्षयः G २२।३४

भ. १५।२३ या. मास शिवरात्रि मंगलागौरी व्रतं गुरू बाल्यत्व समाप्त F

देवपितृकार्ये हरियाली अमावस्या सूर्य ग्रहण विदेशों में आर्द्रायां भौमः G

गोचर ग्रहाः



श्राव. कृ. पक्षे ८ गुरौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	००	०२	०३	०३	०५	११	१०	०४
अं.	१९	१८	०२	००	१३	०४	२०	०६	०६
क.	२०	०४	१२	३०	५०	५७	२५	२६	२६
वि.	३५	०६	०३	०९	११	३२	५०	५९	५९
गति	५७/२९	८४३/४९	४०/०९	७१/०४	१३/१५	६०/४०	०१/०५	०३/११	०३/११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	आर्द्रा १	भरणी २	मृगशि. ३	पुनर्वसु ४	पुष्य ४	उ.फा. ३	रेवती २	धनिष्ठा ४	मघा २

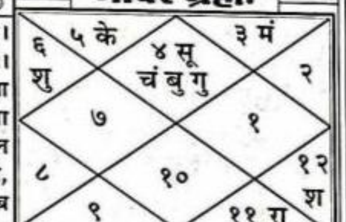
दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
जुला	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि
३०	२३।१६	२४।५४	२६।५१	२९।०४	०७।२६	०९।४२	११।५७	१४।१४	१६।३१	१८।३४	२०।१९	२१।४९
३१	२३।१२	२४।५०	२६।४७	२९।००	०७।२२	०९।३८	११।५३	१४।१०	१६।२७	१८।३०	२०।१५	२१।४५
अ१	२३।०८	२४।४६	२६।४३	२८।५६	०७।१८	०९।३४	११।४९	१४।०६	१६।२३	१८।२६	२०।११	२१।४१
०२	२३।०५	२४।४३	२६।३९	२८।५२	०७।१४	०९।३०	११।४५	१४।०२	१६।१९	१८।२३	२०।०७	२१।३७
०३	२३।०१	२४।३९	२६।३५	२८।४८	०७।१०	०९।२६	११।४१	१३।५९	१६।१५	१८।१९	२०।०३	२१।३३
०४	२२।५७	२४।३५	२६।३१	२८।४५	०७।०६	०९।२२	११।३७	१३।५५	१६।११	१८।१५	१९।५९	२१।२९
०५	२२।५३	२४।३१	२६।२७	२८।४१	०७।०२	०९।१८	११।३३	१३।५१	१६।०७	१८।११	१९।५५	२१।२५
०६	२२।४९	२४।२७	२६।२३	२८।३७	०६।५८	०९।१४	११।२९	१३।४७	१६।०३	१८।०७	१९।५१	२१।२१
०७	२२।४५	२४।२३	२६।२०	२८।३३	०६।५५	०९।१०	११।२५	१३।४३	१५।५९	१८।०३	१९।४७	२१।१७
०८	२२।४१	२४।१९	२६।१६	२८।२९	०६।५१	०९।०६	११।२१	१३।३९	१५।५६	१७।५९	१९।४३	२१।१३
०९	२२।३७	२४।१५	२६।१२	२८।२५	०६।४७	०९।०२	११।१७	१३।३५	१५।५२	१७।५५	१९।३९	२१।०९
१०	२२।३३	२४।११	२६।०८	२८।२१	०६।४३	०८।५८	११।१३	१३।३१	१५।४८	१७।५१	१९।३५	२१।०६
११	२२।२९	२४।०७	२६।०४	२८।१७	०६।३९	०८।५४	११।०९	१३।२७	१५।४४	१७।४७	१९।३१	२१।०२
१२	२२।२५	२४।०३	२६।००	२८।१३	०६।३५	०८।५०	११।०५	१३।२३	१५।४०	१७।४३	१९।२८	२०।५८

ग्रहगोचरीय फलम्

अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना सुखद अधियोग। सुख सुभिक्ष की धारणा, श्रीधर शास्त्र सुयोग।। रवि संक्रमण सोम का, सुखद बना यह संग। मूंगा मोती धान्य में, मंदी देश सुरंग।। सावन कृष्णा प्रतिपदा, जो होवें गुरूवार। उड़द मूंग तिल तेल का, मंहगा चलै बाजार।। सावन बदी एकादशी, रोहिणी संवत् जान। मृगशिर में दुर्भिक्ष का, सब लक्षण अनुमान।। सावन लागत प्रथम दिन, उगत न दिखे भानु। वर्षा ऋतु बहुत, उत्तम संवत् जानु।। सावन पहिले पाख में, आश्विन बरसे मेह। सुन्दर संवत् होयगा, करो न कुछ संदेह।। सावन कृतिका नखत में, यदि वर्षा हो जाय। चार मास वर्षा घनी, मन्दा धान्य बिकाय।। सावन रोहिणी नखत में, यदि जल ना वर्षाय। यह लक्षण दुर्भिक्ष का, हाहाकार मचाय।। सावन में वर्षे नहीं चित्रा स्वाति विशाख। नदी किनारे घर करो पानी के अभिलाष।। सावन बदी एकादशी, को यदि वर्षा होय। संवत् अच्छा होयगा, संशय करो न कोय।। सावन शुक्ला सप्तमी, को यदि वर्षे मेह। खेती की उत्तम उपज, मंदी निस्संदेह।। सावन शुक्ला सप्तमी, यदि वर्षा हो जाय। अन्न बहुत उपजै चलै, मंगसिर मंदी होय।। श्रीधरी पंचांग

गोचर ग्रहाः



श्राव. कृ. पक्षे ३० बुधे स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०३	०२	०३	०३	०५	११	१०	०४
अं.	२५	१५	०६	०९	१५	१०	२०	०६	०६
क.	०५	०८	११	३५	०९	५६	१७	०७	०७
वि.	४८	४९	४६	४०	२९	३५	४९	५४	५४
गति	५७/३७	८६१/०८	३९/४१	१०५/२७	१३/१०	५८/३७	०१/४१	०३/११	०३/११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	आर्द्रा ३	पुष्य ४	मृगशि. ४	पुष्य २	पुष्य ४	हस्त १	रेवती २	धनिष्ठा ४	मघा २

श्रावण शुक्ल पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८																		दिनमान		स्टैण्डर्ड टाईम				चन्द्र राशि प्रवेश काल	दैनिक सूर्यस्पष्ट		विविधतारीखें बं. मु. भा. अं.			
योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	घटी	पल	सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	स्टै. टा. रा. घं. मि.	प्रातः ५घं.३०मि. के रा. अं. क. वि.	गति	बं.	मु.	भा.	अं.
मुसल	१	गु	३६	१३	२०	४२	म	५६	०४	२८	३८	व	१५	०७	किं	०१	०६	३२	२८	०६	१३	०७	१२	सिंह	[illegible]	[illegible]	२१	२१	२२	१३
सिद्धि	२	शु	३१	२५	१८	४७	पूफा	५३	४३	२७	४३	प	०८	०७	बा	०३	३८	३२	२५	०६	१३	०७	११	सिंह	[illegible]	[illegible]	३०	३०	२३	१४
उत्पात	३	श	२८	०१	१७	२१	उफा	५२	५१	२७	२५	शि सि	०१/५७	१७/४८	ग	२८	०१	३२	२२	०६	१४	०७	१०	क. ०१/३५	[illegible]	[illegible]	३१	र१	२४	१५
मानस	४	र	२६	३७	१६	५३	ह	५४	०१	२७	५१	सा	५४	४३	वि	२६	३७	३२	१८	०६	१४	०७	१०	कन्या	[illegible]	[illegible]	३२	०२	२५	१६
मद्गर	५	चं	२६	५५	१७	०१	चि	५६	५०	२८	५१	शु	५३	०५	बा	२६	५५	३२	१५	०६	१५	०७	०९	तु. १६/११	[illegible]	[illegible]	भा१	०३	२६	१७
केतु	६	मं	२१	००	१७	५१	स्वा	६०	००	-	-	शु	५२	४८	तै	२१	००	३२	११	०६	१५	०७	०८	तुला	[illegible]	[illegible]	०२	०४	२७	१८
धूम्र	७	बु	३२	४१	११	२०	स्वा	०१	१८	०६	४७	ब्र	५३	४०	ग	००	३१	३२	०८	०६	१६	०७	०७	वृ. २६/३०	[illegible]	[illegible]	०३	०५	२८	१९
प्रवर्ध	८	गु	३७	३७	२१	११	वि	०७	१०	०१	०८	ऐं	५५	२२	वि	०५	०१	३२	०५	०६	१६	०७	०६	वृश्चिक	[illegible]	[illegible]	०४	०६	२९	२०
राक्षस	९	शु	४३	२१	२३	३७	अ	१४	०१	११	५३	वै	५७	३४	बा	१०	२४	३२	०१	०६	१७	०७	०५	वृश्चिक	[illegible]	[illegible]	०५	०७	३०	२१
मुसल	१०	श	४९	२०	२६	०१	ज्ये	२१	२०	१४	४१	वि	५१	५२	तै	१६	२०	३१	५८	०६	१७	०७	०४	ध. १४/४१	[illegible]	[illegible]	०६	०८	३१	२२
ए.व्रत	११	र	५५	०४	२८	११	मू	२८	३८	१७	४५	प्री	६०	००	व	२२	१५	३१	५४	०६	१७	०७	०३	धनु	[illegible]	[illegible]	०७	०९	भा१	२३
उत्पात	१२	चं	६०	००	-	-	पूषा	३५	२६	२०	२८	प्री	०१	५५	ब	२७	४२	३१	५१	०६	१८	०७	०२	म. २७/०६	[illegible]	[illegible]	०८	१०	०२	२४
प्रदोष	१२	मं	००	०८	०६	२१	उषा	४१	२२	२२	५१	आ	०३	२६	बा	००	०८	३१	४७	०६	१८	०७	०१	मकर	[illegible]	[illegible]	०९	११	०३	२५
छत्र	१३	बु	०४	१२	०८	००	श्र	४६	१३	२४	४८	सौ	०४	११	तै	०४	१२	३१	४४	०६	१९	०७	००	मकर	[illegible]	[illegible]	१०	१२	०४	२६
श्रीवत्स	१४	गु	०७	०५	०९	०१	ध	४९	५१	२६	१५	शो	०४	००	व	०७	०५	३१	४०	०६	१९	०६	५९	कुं. १३/३५	[illegible]	[illegible]	११	१३	०५	२७
पूर्णिमा	१५	शु	०८	४२	०९	४९	श	५२	१४	२७	१३	अ	०२	५०	ब	०८	४२	३१	३६	०६	२०	०६	५८	कुंभ	[illegible]	[illegible]	१२	१४	०६	२८

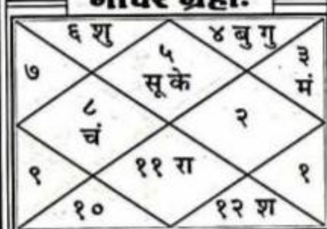
१३ अगस्त से २८ अगस्त सन् २०२६ ई. तक

वर्षा-शरद ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

नक्त व्रतारंभ **B** तीज आश्लेषायां बुधः २६।१७ रविउल अव्वल मास ३ मुस.
चन्द्रदर्शनं बुधास्त पूर्वे २८।११ सिंजारा श्री करपात्रि ज. श्री देवपुरी **A**
भ. २९।०६ उ. स्वतन्त्रता दिवस स्वर्णगौरी हरियाली तीज मधुश्रवा झूला **B**
भ. १६।५३ या. वरद विनायक दूर्वा चतुर्थी व्रतं श्रमण तपस्या प्रारंभ **C**
नागपंचमी देशाचारीय मघायां रविः ०७।५९ सिंहेऽर्कः ०७।५९ सं. चं. **D**
वर्ण षष्ठी श्रीकल्की ज. मंगलागौरी व्रतं आश्लेषायां १ गुरूः २७।१२
भ. ११।२० उ. श्री तुलसी ज. शीलसप्तमी **A** पुण्य कैलाश सीकर राज.
भ. ०८।१६ या. श्री दुर्गाष्टमी सिंधु सर्वा. ०९।०८ उ. रेवत्यां १ शनिः २२।१२
सर्वा. ११।५३ या. **E** सर्वा. ०६।१७ उ. १७।४५ या. रा. भाद्रपद मास **F**
मघायां सिंहे बुधः ११।३१ **C** जैन सर्वा. अमृत. ०६।१४ उ. २७।५१ या.
भ. १५।११ उ. २८।११ या. पवित्रा ११ व्रतं स्मा. वैष्णव शरद् ऋतुः प्रा. **E**
पवित्रा ११ व्रतं निम्बार्क विष्णुपवित्रार्पणं दधिभक्षण व्रतारंभ उदितं **G**
भौम प्रदोष व्रतं मंगलागौरी व्रतं चित्रायां शुक्रः १२।४९ **G** अगस्त्यः २१।११
ऋग्वेदियो का उपाकर्म बारहबफाद ईद **F** प्रारंभ कन्यायां भानुः ०७।४९
भ. ०९।०९ उ. २१।३३ या. पंचक १३।३५ उ. पूर्णिमा व्रतं कोकिला व्रत **H**
पूर्णिमा पुण्य रक्षाबन्धन संस्कृत दिवस अमरनाथ यात्रा पूर्ण प्रताप **I**

गोचर ग्रहाः



श्रा. शु. पक्षे ८ गुरौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०७	०२	०३	०३	०५	११	१०	०४
अं.	०२	०१	११	२४	१६	१८	२०	०५	०५
क.	४७	३०	२६	४८	५४	३३	०१	४२	४२
वि.	१२	१८	५६	०४	१६	५१	४१	२८	२८
ग	५७	७९९	३९	१२०	१२	५५	०२	०३	०३
ति	४५	२४	०१	३०	५९	०६	२६	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	मघा १	विशा. ४	आर्द्रा २	आश्ले. ३	आश्ले. १	हस्त ३	रेवती २	धनिष्ठा ४	मघा २

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

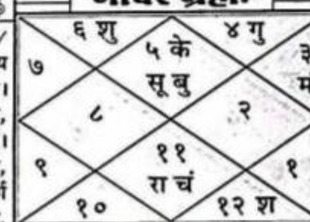
ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अग.	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि
१३	२२।२१	२३।५१	२५।५६	२८।०१	०६।३१	०८।४७	११।०२	१३।११	१५।३६	१७।३१	१९।२४	२०।५४
१४	२२।१७	२३।५५	२५।५२	२८।०५	०६।२७	०८।४३	१०।५८	१३।१५	१५।३२	१७।३५	१९।२०	२०।५०
१५	२२।१३	२३।५१	२५।४८	२८।०१	०६।२३	०८।३९	१०।५४	१३।११	१५।२८	१७।३१	१९।१६	२०।४६
१६	२२।०९	२३।४७	२५।४४	२७।५७	०६।१९	०८।३५	१०।५०	१३।०७	१५।२४	१७।२७	१९।१२	२०।४२
१७	२२।०५	२३।४३	२५।४०	२७।५३	०६।१५	०८।३१	१०।४६	१३।०३	१५।२०	१७।२३	१९।०८	२०।३८
१८	२२।०२	२३।३९	२५।३६	२७।४९	०६।११	०८।२७	१०।४२	१२।५९	१५।१६	१७।२०	१९।०४	२०।३४
१९	२१।५८	२३।३५	२५।३२	२७।४५	०६।०७	०८।२३	१०।३८	१२।५५	१५।१२	१७।१६	१९।००	२०।३०
२०	२१।५४	२३।३१	२५।२८	२७।४१	०६।०३	०८।१९	१०।३४	१२।५१	१५।०८	१७।१२	१८।५६	२०।२६
२१	२१।५०	२३।२७	२५।२४	२७।३७	०५।५९	०८।१५	१०।३०	१२।४७	१५।०४	१७।०८	१८।५२	२०।२२
२२	२१।४६	२३।२३	२५।२०	२७।३३	०५।५५	०८।११	१०।२६	१२।४३	१५।००	१७।०४	१८।४८	२०।१८
२३	२१।४२	२३।१९	२५।१६	२७।२९	०५।५१	०८।०७	१०।२२	१२।३९	१४।५६	१७।००	१८।४४	२०।१४
२४	२१।३८	२३।१६	२५।१२	२७।२५	०५।४७	०८।०३	१०।१८	१२।३५	१४।५२	१६।५६	१८।४०	२०।१०
२५	२१।३४	२३।१२	२५।०८	२७।२२	०५।४३	०७।५९	१०।१४	१२।३२	१४।४८	१६।५२	१८।३६	२०।०६
२६	२१।३०	२३।०८	२५।०४	२७।१८	०५।३९	०७।५५	१०।१०	१२।२८	१४।४४	१६।४८	१८।३२	२०।०२
२७	२१।२६	२३।०४	२५।००	२७।१४	०५।३५	०७।५१	१०।०६	१२।२४	१४।४०	१६।४४	१८।२८	१९।५८
२८	२१।२२	२३।००	२४।५७	२७।१०	०५।३२	०७।४७	१०।०२	१२।२०	१४।३६	१६।४०	१८।२४	१९।५४

चातक वर्षा श्रेष्ठ बं.भाद्रपद मास प्रा. **H** पूर्णता शुक्ल यजुर्वेदियो का उपाकर्म मरूधर केसरी मिश्रीमल मा. सा. जन्म **I** मल पुण्य स्थानक चन्द्रग्रहण विदेशो में कृष्ण यजुर्वेदियो का उपाकर्म

सिंह संक्रान्ति फलम्

श्रावण शुक्ल पक्षे ५ चन्द्रे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टे.टा. ०७/५९) वा. ५ न. ५ अस्य पुण्यकालः अद्यैव सूर्योदय वेलातः पुण्यप्रदः तथा च दुर्गरक्षा संभागीय रचना गति। वार नाम ध्वांक्षी-उद्योगपति, वैश्य-व्यापारीगण, आयात-निर्यातकर्त्ता, शेयर बाजार कम्पनी हेतु सुखद। नक्षत्र नाम-मंदाकिनी-विविध दलपति, राजनेता, अधीक्षक, राजपत्रित अधिकारी, नीति निदेशक वर्ग हेतु सुखद। दिवा १ याम् व्यापिनी, राष्ट्रीय विकास, सेनापति, आरक्षी, नायक, सुरक्षा अधिकारी, गुप्तचर विभाग पद विशेष, लेखक, शिक्षक व्याख्याता पर प्रभारक कष्टद। पश्चिमे गमन, संक्रांति वास निवास-रजक-गृहे, बालव करणे, वाहन-व्याघ्र, उपवाहन-अश्व, पीत-वस्त्र, गदायुध, रजतपात्र, पायस भक्षण, कुंकुम-लेपन, भूतजाति, जातिपुष्प, कंकणभूषण, पर्णकंचुकी, कुमार्याऽवस्था, उपविष्टा मुहूर्त्त-३० धान्य गह्ना स्थिर समभाव। चन्दन, रोली, चाय, तम्बाकू, सोंठ, गरम मसाला, घोड़ा, सोना, चांदी, चना, तुअर, हल्दी, सरसों, दानामेथी, केसर, सुगंधी पदार्थ उन्नत धारणा। शुक्रोदय पश्चिमे, वत्स पूर्वे, राहु उत्तरे, मूल स्वर्गे। **D** सू. स्त्री. स्त्री. वाहन

गोचर ग्रहाः



श्रा. शु. पक्षे १५ शुक्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	१०	०२	०४	०३	०५	११	१०	०४
अं.	१०	०८	१६	१०	१८	२५	१९	०५	०५
क.	२१	२२	३६	४७	३७	३१	३१	१७	१७
वि.	४८	५२	४७	०२	२०	०२	४९	०२	०२
ग	५७	७७०	३८	११६	१२	५०	०३	०३	०३
ति	५६	५१	२१	५५	४४	२४	०६	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	मघा ४	उत्तराषा. ४	आर्द्रा ३	मघा ४	आश्ले. १	चित्रा १	रेवती १	धनि. ४	मघा २

भाद्रपद कृष्ण पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

२९ अगस्त से ११ सितम्बर सन् २०२६ ई. तक

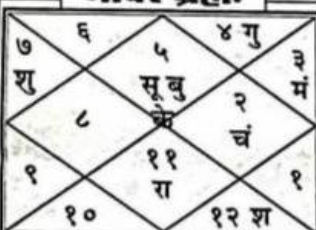
शरद ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति	विविध तारीखें बं.	मु.	भा.	अं.
कालदंड	१	श	०९	०४	०९	५७	पूभा	५३	२५	२७	४२	सु	००/५७	४०/३३	कौ	०९	०४	३१	३३	०६	२०	०६	५७	मी. [illegible]	०४	११	२७	४३	५७ ५७	१३	१५	०७	२९
सुस्थिर	२	र	०८	१३	०९	३८	उभा	५३	३१	२७	४५	शू	५३	३३	ग	०८	१३	३१	२९	०६	२०	०६	५६	मीन	०४	१२	२५	४०	५७ ५४	१४	१६	०८	३०
चौथव्रत	३	चं	०६	१७	०८	५२	रे	५२	३७	२७	२४	गं	४८	४४	वि	०६	१७	३१	२५	०६	२१	०६	५५	मे. [illegible]	०४	१३	२३	३१	५८ ०४	१५	१७	०९	३१
अमृत	४	मं	०३	२३	०७	४२	अ	५०	५२	२६	४२	वृ	४३	१३	बा	०३	२३	३१	२२	०६	२१	०६	५४	मेष	०४	१४	२१	४०	५८ ०६	१६	१८	१०	सि१
क्षय	५	मं	५९	४०	३०	१३	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०० ००	००	००	००	००
काण	६	बु	५५	१२	२८	२७	भ	४८	२३	२५	४३	ध्रु	३७	०५	ग	२७	३०	३१	१८	०६	२२	०६	५३	मेष	०४	१५	१९	४३	५८ ०४	१७	१९	११	०२
लुम्बक	७	गु	५०	१०	२६	२६	कृ	४५	१८	२४	२१	व्या	३०	२७	वि	२२	४४	३१	१४	०६	२२	०६	५२	वृ. [illegible]	०४	१६	१७	४७	५८ ०३	१८	२०	१२	०३
मित्र	८	शु	४४	३१	२४	१४	रो	४१	४४	२३	०४	ह	२३	२३	बा	१७	२७	३१	११	०६	२३	०६	५१	वृषभ	०४	१७	१५	५४	५८ ०८	१९	२१	१३	०४
वज्र	९	श	३८	४८	२१	५४	मृ	३७	५०	२१	३१	व	१५	५९	तै	११	४५	३१	०७	०६	२३	०६	५०	मि. [illegible]	०४	१८	१४	०२	५८ ४०	२०	२२	१४	०५
ध्वांक्ष	१०	र	३२	४६	१९	३०	आ	३३	४३	१९	५३	सि	०८	२३	व	०५	४७	३१	०३	०६	२३	०६	४९	मिथुन	०४	१९	१२	१२	५८ ४२	२१	२३	१५	०६
ए. व्रत	११	चं	२६	४२	१७	०५	पु	२९	३६	१८	१४	व्य	००/५३	४२/०५	बा	२६	४२	३०	५९	०६	२४	०६	४८	क. [illegible]	०४	२०	१०	२५	५८ ४४	२२	२४	१६	०७
प्रदोष	१२	मं	२०	४८	१४	४३	पु	२५	३८	१६	३९	प	४५	४०	तै	२०	४८	३०	५६	०६	२४	०६	४६	कर्क	०४	२१	०८	३१	५८ ४३	२३	२५	१७	०८
राक्षस	१३	बु	१५	१७	१२	३१	आ	२२	०४	१५	१४	शि	३८	३८	व	१५	१७	३०	५२	०६	२५	०६	४५	सिं. [illegible]	०४	२२	०६	५६	५८ ४८	२४	२६	१८	०९
मुसल	१४	गु	१०	२२	१०	३४	म	१९	०९	१४	०५	सि	३२	११	श	१०	२२	३०	४८	०६	२५	०६	४४	सिंह	०४	२३	०५	१४	५८ २०	२५	२७	१९	१०
अमावस	३०	शु	०६	११	०८	५७	पूफा	१७	०७	१३	१६	सा	२६	३१	ना	०६	११	३०	४४	०६	२५	०६	४३	क. [illegible]	०४	२४	०३	३४	५८ २२	२६	२८	२०	११

अशून्यशयन व्रत पूर्णता मेवाड़ भूषण प्रतापमल मा.सा. पु. जैन पूफायां **A**
भ. २१।१८ उ. फल द्वितीया सर्वा. ०६।२० उ. २७।४५ या. पूफायां रविः **B**
भ. ०८।५२ या. कज्जली तीज सातुड़ी तीज बहुला चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय **C**
सितम्बर मास ९ ता. ३० प्रा. श्रमण तपस्या पूर्ण जैन सर्वा. अमृत. ०६।२१ **D**
B २७।५९ सं. सू. चं. स्त्री. पु. वाहन खर वर्षा मध्यम **A** बुधः १२।५६
भ. २८।२७ उ. हलचन्दन षष्ठी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २२।०९ पुनर्वसौ भौमः **E**
भ. १५।२८ या. शीतला सप्तमी व्रतं थदड़ी आश्लेषायां २ गुरूः १८।३५
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सर्वेषाम् दुर्वाष्टमी संत ज्ञानेश्वर ज. **D** उ. २६।४२ या.
गोगानवमी नन्दोत्सव श्रीजी महाराज मेला निम्बार्क तीर्थ शिक्षक दिवस **F**
भ. ०८।४२ उ. १९।३० या. खेड़ापति बालाजी मेला श्रीधरी निम्बार्क तीर्थ
सर्वा. १८।१४ उ. ३०।२४ या. अजा ११ व्रतं सर्वेषाम् कन्यायां बुधः १३।३२
भौम प्रदोष व्रतं बछ बारस गौवत्स पूजा पर्युषण पर्व प्रा. विश्व साक्षरता **G**
भ. १२।३१ उ. २३।३० या. मास शिवरात्रि **C** रात्रि २०।४४ पंचक २७।२४ या.
पितृकार्ये अमावस्या कुशोत्पाटिनी अमावस्या **F** उफायां बुधः १६।२९
देवकार्ये अमावस्या पिठौरी अमावस्या सती पूजा अग्रवंशे लोहार्गल यात्रा **H**

गोचर ग्रहाः



भा. कृ. पक्षे ८ शुक्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०१	०२	०४	०३	०६	११	१०	०४
अं.	१७	१२	२१	२४	२०	०१	१९	०४	०४
क.	१५	५६	०३	०१	०५	१६	१६	५४	५४
वि.	५४	५३	२८	४८	४१	२७	२७	४६	४६
ग	५८	८५१	३७	१०८	१२	४५	०३	०३	०३
ति	०८	४७	४५	४८	२७	०२	३८	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पू.फा.२	रोहिणी१	पुनर्व.१	पू.फा.४	आश्ले.२	चित्रा३	रेवती१	धनि.४	मघा२

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

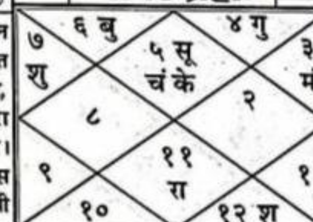
ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अग.	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं
२९	२१।१८	२२।५६	२४।५३	२७।०६	२९।२४	०७।४३	०९।५८	१२।१६	१४।३३	१६।३६	१८।२०	१९।५०
३०	२१।१४	२२।५२	२४।४९	२७।०२	२९।२०	०७।३९	०९।५४	१२।१२	१४।२९	१६।३२	१८।१६	१९।४६
३१	२१।१०	२२।४८	२४।४५	२६।५८	२९।१६	०७।३५	०९।५०	१२।०८	१४।२५	१६।२८	१८।१२	१९।४३
सि१	२१।०६	२२।४४	२४।४१	२६।५४	२९।१२	०७।३१	०९।४७	१२।०४	१४।२१	१६।२४	१८।०९	१९।३९
०२	२१।०२	२२।४०	२४।३७	२६।५०	२९।०८	०७।२८	०९।४३	१२।००	१४।१७	१६।२०	१८।०५	१९।३५
०३	२०।५८	२२।३६	२४।३३	२६।४६	२९।०४	०७।२४	०९।३९	११।५६	१४।१३	१६।१६	१८।०१	१९।३१
०४	२०।५४	२२।३२	२४।२९	२६।४२	२९।००	०७।२०	०९।३५	११।५२	१४।०९	१६।१२	१७।५७	१९।२७
०५	२०।५१	२२।२८	२४।२५	२६।३८	२८।५६	०७।१६	०९।३१	११।४८	१४।०५	१६।०९	१७।५३	१९।२३
०६	२०।४७	२२।२४	२४।२१	२६।३४	२८।५२	०७।१२	०९।२७	११।४४	१४।०१	१६।०५	१७।४९	१९।१९
०७	२०।४३	२२।२१	२४।१७	२६।३०	२८।४८	०७।०८	०९।२३	११।४०	१३।५७	१६।०१	१७।४५	१९।१५
०८	२०।३९	२२।१७	२४।१३	२६।२६	२८।४४	०७।०४	०९।१९	११।३६	१३।५३	१५।५७	१७।४१	१९।११
०९	२०।३५	२२।१३	२४।०९	२६।२२	२८।४०	०७।००	०९।१५	११।३३	१३।४९	१५।५३	१७।३७	१९।०७
१०	२०।३१	२२।०९	२४।०५	२६।१८	२८।३६	०६।५६	०९।११	११।२९	१३।४५	१५।४९	१७।३३	१९।०३
११	२०।२७	२२।०५	२४।०१	२६।१५	२८।३२	०६।५२	०९।०७	११।२५	१३।४१	१५।४५	१७।२९	१८।५९

बादल गाज न बीज। यह लक्षण दुर्भिक्ष का महंगी हो सब चीज।। **E** १३।१६ सर्वा. २५।४३ उ. ३०।२२ या. **G** दि. सर्वा. १६।३९ उ. ३०।२५ या. **H** नक्त व्रत पूर्णता स्वात्यां शुक्रः २३।१०

ग्रहगोचरीय फलम्

रवि सक्रंमण गुरू दिवस, वस्तु नियंत्रण देश। समकल वितरण की गति, शासन दक्ष विशेष।। रोहिणी युत जन्माष्टमी, शनि रवि शुक्रवार। जौ गेहूं अरू बाजार, महंगा मटर गुवार। मंहगा मटर गुवार सौफ जीरा किराणा। सोना सीसा आदि धातु, सब तेज बखाना। कस्तूरी तिल तेल, हींग गुड़ संग्रह कर लो। तीन मास पश्चात् नफा ले घर में धर लो। रोहिणी युक्त जन्माष्टमी शुभदायक सुखसार। भयदायक नौमी सुदी मूल नखत रविवार।। मावस से अधिक नखत। सस्ता करै अनाज। हीन नखत मावस घनी तब तेजी का राज।। मावस शुक्रवार उत्तम उपजै किन्तु चौर उत्पात। शनिवारी दुर्भिक्ष दुख पिता पुत्र खिलगात। षष्ठी भादव सुदी में अनुराधा नक्षत्र। अन्य दोष मिट जाय सब हो सुभिक्ष सर्वत्र।। दोयद भादव बदी में, घटा टोप आकाश। अन्न खरीदो खूब ही, तेजी फागुण मास।। भादव शुक्ला चौथ को, नभ ना दीखे चांद। उत्तम वर्षा से रहे, चारौ दिसि आनन्द।। भादव शुक्ला पंचमी, मेघ न वर्षे तोय। दैव कोप ही जानिये सज्जन दुर्जन होय।। भादव शुक्ला सप्तमी,

गोचर ग्रहाः

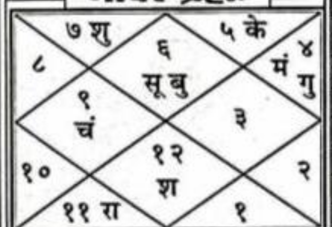


भा. कृ. पक्षे ३० शुक्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०४	०२	०५	०३	०६	११	१०	०४
अं.	२४	२२	२५	०६	२१	०६	१८	०४	०४
क.	०३	१३	२५	१८	३१	११	४९	३२	३२
वि.	३४	२७	४५	२२	५०	५२	४१	३१	३१
ग	५८	८१७	३७	१००	१२	३८	०४	०३	०३
ति	२२	१५	०५	३४	०६	०४	०४	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पू.फा.४	पू.फा.३	पुनर्व.२	उ.फा.३	आश्ले.२	चित्रा४	रेवती१	धनि.४	मघा२

भाद्रपद शुक्ल पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८																			दिनमान		स्टैण्डर्ड टाईम				चन्द्र राशि प्रवेश काल	दैनिक सूर्यस्पष्ट						विविधतारीखें बं. मु. भा. अं.				१२ सितम्बर से २६ सितम्बर सन् २०२६ ई. तक
योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल		घटी	पल	सूर्योदय		सूर्यास्त		स्टै. टा.	प्रातः ५घं.३०मि. के						भाद्र.	रउअ	भाद्र.	सित.	शरद् ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च उत्तर-दक्षिणगोलीय इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।
																					घं.	मि.	घं.	मि.	रा. घं. मि.	रा.	अं.	क.	वि.	गति						
उत्पात	१	श	०३	२३	०७	४७	उफा	१६	१४	१२	५५	शु	२१	४८	ब	०३	२३		३०	४१	०६	२६	०६	४२	कन्या	०४	२५	०१	५६	५८	२४	२७	२९	२१	१२	चन्द्रदर्शनं बुधोदय पश्चिमे ०७।१५ **B** अमृत. १७।२२ उ. ३०।२८ या.
मानस	२	र	०१	४७	०७	०९	ह	१६	४२	१३	०७	शु	१८	१२	कौ	०१	४७		३०	३७	०६	२६	०६	४१	तु. २५/३६	०४	२६	००	२०	५८	२५	२८	र१	२२	१३	बाबा रामदेव दूज ६४१ वां मेला श्री वराह ज. हरितालिका तीज व्रतं **A**
मुद्गर	३	चं	०१	४२	०७	०७	चि	१८	४१	१३	५५	ब्र	१५	४९	ग	०१	४२		३०	३३	०६	२७	०६	४०	तुला	०४	२६	५८	४५	५८	२७	२९	०२	२३	१४	भ. ११।२१ उ. विश्व हिन्दी दिवस श्री गणेश चतुर्थी कलंक चतुर्थी
केतु	४	मं	०३	१४	०७	४५	स्वा	२२	१५	१५	२१	ऐं	१४	४२	वि	०३	१४		३०	२९	०६	२७	०६	३९	तुला	०४	२७	५७	१२	५८	२९	३०	०३	२४	१५	भ. ०७।४५ या. संवत्सरी पर्व ऋषिपंचमी **D** ०८।२४ सर्वा. २८।३५ उ. ३०।२१ या.
धाता	५	बु	०६	२१	०९	००	वि	२७	१८	१७	२२	वै	१४	४७	बा	०६	२१		३०	२५	०६	२७	०६	३८	वृ. १०/४१	०४	२८	५५	४१	५८	३०	३१	०४	२५	१६	गर्ग अंगिरा ऋषि ज. पर्युषण पर्व प्रा. दिगम्बर जैन सर्वा. १७।२२ उ. **B**
आनन्द	६	गु	१०	५१	१०	४८	अ	३३	३५	११	५४	वि	१५	५३	तै	१०	५१		३०	२१	०६	२८	०६	३६	वृश्चिक	०४	२९	५४	११	५८	३२	आ१	०५	२६	१७	विश्वकर्मा पूजा श्रीबलदेव छठ सूर्य षष्ठी कन्यायांऽर्कः ०७।५३ मुक्ता **C**
चर	७	शु	१६	२३	१३	०२	ज्ये	४०	४१	२२	४५	प्री	१७	४५	व	१६	२३		३०	१८	०६	२८	०६	३५	ध. २२/४५	०५	००	५२	४४	५८	३४	०२	०६	२७	१८	भ. १३।०२ उ. २६।१४ या. श्री महालक्ष्मी व्रतारंभ मासिक कर्के भौमः १६।३५
गद	८	श	२२	२७	१५	२८	मू	४८	०६	२५	४३	आ	२०	००	ब	२२	२७		३०	१४	०६	२९	०६	३४	धनु	०५	०१	५१	१७	५८	३५	०३	०७	२८	१९	श्री दधीचि जयंती राधाष्टमी महालक्ष्मी व्रतं पूर्ण **E** चित्रायां बुधः २२।४२
शुभ	९	र	२८	२८	१७	५२	पूषा	५५	१४	२८	३५	सौ	२२	१३	कौ	२८	२८		३०	१०	०६	२९	०६	३३	धनु	०५	०२	४९	५३	५८	३७	०४	०८	२९	२०	श्री चन्द नवमी अदुःख नवमी श्री मद्भागवत ज. आश्लेषायां ३ गुरूः **D**
मृत्यु	१०	चं	३३	५०	२०	०१	उषा	६०	००	-	-	शो	२४	००	तै	०१	१५		३०	०६	०६	२९	०६	३२	म. ११/१५	०५	०३	४८	३०	५८	३९	०५	०९	३०	२१	मेला रामदेव जी तेजा दशमी खेजड़ली मेला जोधपुर धूप दशमी जैन **E**
ए.व्रत	११	मं	३८	०५	२१	४४	उषा	०१	३२	०७	०७	अ	२४	५८	व	०६	०७		३०	०२	०६	३०	०६	३१	मकर	०५	०४	४७	०८	५८	४०	०६	१०	३१	२२	भ. ०८।५७ उ. २१।४४ या. जलझूलनी ११ व्रतं सर्वे. फूलडोल मेला **F**
छत्र	१२	बु	४०	५२	२२	५१	श्र	०६	३७	०९	०९	सु	२४	५१	ब	०९	४०		२९	५८	०६	३०	०६	३०	कु. २१/५७	०५	०५	४५	४९	५८	४२	०७	११	आ१	२३	पंचक २१।५७ उ. श्रवण द्वादशी वामन जयंती रा. आश्विन मास प्रा. **G**
प्रदोष	१३	गु	४२	०१	२३	१९	ध	१०	११	१०	३५	धृ	२३	२९	कौ	११	३८		२९	५५	०६	३१	०६	२९	कुम्भ	०५	०६	४४	३१	५८	४४	०८	१२	०२	२४	प्रदोष व्रतं हस्तिमुनि मेवाड़ी पुण्य **G** ग्यारवीं शरीफ पुष्ये भौमः २१।४१
सौम्य	१४	शु	४१	३०	२३	०७	श	१२	०८	११	२२	शू	२०	४९	ग	११	५७		२९	५१	०६	३१	०६	२७	मी. २१/३३	०५	०७	४३	१५	५८	४६	०९	१३	०३	२५	भ. २३।०७ उ. अनन्त १४ व्रतं **H** पूजा प्रा. भागवत सप्ताह पूर्ण तुलायां बुधः १२।३८
पूर्णिमा	१५	श	३९	२९	२२	१९	पूभा	१२	३१	११	३२	गं	१६	५४	वि	१०	४०		२९	४७	०६	३२	०६	२६	मीन	०५	०८	४२	०१	५८	४८	१०	१४	०४	२६	भ. १०।४७ या. पूर्णिमा व्रतं-श्राद्ध महालय श्राद्धारंभ कुमारिणां संध्या **H**

गोचर ग्रहाः



भा.शु. पक्षे ८ शनौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०८	०३	०५	०३	०६	११	१०	०४
अं.	०१	०३	००	१९	२३	१०	१८	०४	०४
क.	५१	२०	११	१२	०६	४०	१५	०७	०७
वि.	१७	१८	३२	२७	५१	५८	४७	०५	०५
ग	५८	७११	३६	९२	११	२७	०४	०३	०३
ति	३५	५४	१५	०१	३७	१८	२६	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	उ.फा.२	मूल २	पुनर्व. ४	हस्त ३	आश्ले.२	स्वाति२	रेवती १	धनि. ४	मघा २

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे

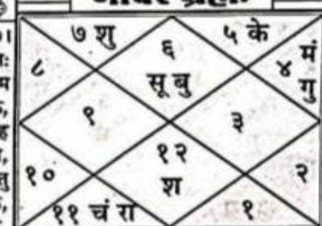
ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सित.	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
१२	२०।२३	२२।०१	२३।५७	२६।११	२८।२८	०६।४८	०९।०३	११।२१	१३।३७	१५।४१	१७।२५	१८।५५
१३	२०।१९	२१।५७	२३।५३	२६।०७	२८।२४	०६।४४	०८।५९	११।१७	१३।३३	१५।३७	१७।२१	१८।५१
१४	२०।१५	२१।५३	२३।४९	२६।०३	२८।२०	०६।४०	०८।५५	११।१३	१३।२९	१५।३३	१७।१७	१८।४७
१५	२०।११	२१।४९	२३।४५	२५।५९	२८।१६	०६।३६	०८।५१	११।०९	१३।२५	१५।२९	१७।१३	१८।४३
१६	२०।०७	२१।४५	२३।४१	२५।५५	२८।१२	०६।३२	०८।४७	११।०५	१३।२१	१५।२५	१७।०९	१८।३९
१७	२०।०३	२१।४१	२३।३७	२५।५१	२८।०९	०६।२८	०८।४३	११।०१	१३।१७	१५।२१	१७।०५	१८।३५
१८	१९।५९	२१।३७	२३।३३	२५।४७	२८।०५	०६।२४	०८।३९	१०।५७	१३।१३	१५।१७	१७।०१	१८।३१
१९	१९।५५	२१।३३	२३।२९	२५।४३	२८।०१	०६।२०	०८।३५	१०।५३	१३।०९	१५।१३	१६।५७	१८।२७
२०	१९।५१	२१।२९	२३।२५	२५।३९	२७।५७	०६।१६	०८।३१	१०।४९	१३।०५	१५।०९	१६।५३	१८।२३
२१	१९।४७	२१।२५	२३।२१	२५।३५	२७।५३	०६।१२	०८।२७	१०।४५	१३।०१	१५।०५	१६।४९	१८।१९
२२	१९।४३	२१।२१	२३।१७	२५।३१	२७।४९	०६।०८	०८।२३	१०।४१	१२।५७	१५।०१	१६।४५	१८।१५
२३	१९।३९	२१।१७	२३।१४	२५।२७	२७।४५	०६।०४	०८।१९	१०।३७	१२।५३	१४।५७	१६।४१	१८।११
२४	१९।३५	२१।१३	२३।१०	२५।२३	२७।४१	०६।००	०८।१५	१०।३३	१२।४९	१४।५३	१६।३७	१८।०७
२५	१९।३१	२१।०९	२३।०६	२५।१९	२७।३७	०५।५६	०८।११	१०।२९	१२।४५	१४।४९	१६।३३	१८।०३
२६	१९।२७	२१।०५	२३।०२	२५।१५	२७।३३	०५।५२	०८।०७	१०।२५	१२।४२	१४।४५	१६।२९	१७।५९

रविठल आखिर मास ४ मुस. हस्ते बुधः १०।४४ **C** भरण सप्तमी महालक्ष्मी व्रतारंभ त्रिदिवसीय सर्वा. ११।५४ या. बं. आश्विन मास प्रा. **F** चारभुजा जी मेवाड़ तुलायां भानुः २१।३५ रविदक्षिण गोलीय प्रा.

कन्या संक्रान्ति फलम्

भादपद शुक्ल पक्षे ६ गुरू कन्यायांऽर्कः प्र. (स्टे. टा. ०७।५३) वा. ४ न. ४ अस्य पुण्यकालः अर्द्धेव सूर्योदय वेलातः पुण्यप्रद तथा च देवालय संभागीय रचना गति। वार नाम मंदा-पत्रकार, शिक्षक, प्रोफेसर, प्रवचनकर्ता, धर्मोपदेशक, कथावाचक, व्याख्याता, लेखक वर्ग हेतु सुखद मनोत्साह वर्धक। नक्षत्र नाम-मंदाकिनी-विविध दलपति राजनेता, अधीक्षक, राजपत्रित अधिकारी, नीति निदेशक वर्ग हेतु सुखद। दिवा १ याम् व्यापिनी सेनापति, आरक्षी नायक, सुरक्षा अधिकारी, गुप्तचर विभाग पद विशेष, शिक्षक, लेखक, व्याख्याता, राष्ट्रीय विकास प्रभारक कष्टद। उत्तरे गमन, आग्नेयांदृष्टि, संक्रांति वास निवास माली गृहे, तैतिल करणे, वाहन-गर्दभ, उपवाहन-मेष श्वेत वस्त्र, दंडायुध, कांस्यपात्र, पक्वान्न भक्षण, मृतिका लेपन, पक्षी जाति, केतकी पुष्प, प्रवाल भूषण, भूर्जपत्र, कंचुकी, सुप्तावस्था मुहूर्त-३० धान्य गाह्य स्थिर समभाव। मूंगा, मादक पदार्थ, भूगत खनिज, वस्तु, घी, शक्कर, गुड़, मावा, श्रीफल, खोपरा, बुरा, गया, भेड़, मिठाई, ईंट, कांसा, फूल, भोजपत्र, जंगल, वस्तु, इमारती लकड़ी, तांबा, सूखा मेवा, कार्य व्यवसाय लाभप्रद भावी तेजी की रचना। शुक्रोदय पश्चिमे, वत्स पूर्वे, राहु उत्तरे मूल स्वर्गे। **A** सर्वा. अमृत. ०६।२६ उ. १३।०७ या. उफायां रविः २१।४८ संग. सू. सू. स्त्री. स्त्री. वाहन मंडूक वर्षा श्रेष्ठ

गोचर ग्रहाः



भा.शु. पक्षे १५ शनौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	१०	०३	०५	०३	०६	११	१०	०४
अं.	०८	२९	०४	२९	२४	१३	१७	०३	०३
क.	४२	५८	३१	३४	२६	१६	४४	४४	४४
वि.	०१	१३	०१	४१	४६	१५	०४	४९	४९
ग	५८	८०९	३५	८४	११	१४	०४	०३	०३
ति	४८	०५	२९	४१	०६	४८	३८	११	११
म/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	उ.फा.४	पू.भा.३	पुष्य १	चित्रा २	आश्ले.३	स्वाति२	रेवती १	धनिष्ठा४	मघा २

आश्विन कृष्ण पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

❁❁ २७ सितम्बर से १० अक्टूबर सन् २०२६ ई. तक ❁❁

शरदऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्रराशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	विविध तारीखें बं. आश्वि.	मु. रउआ.	भा. आश्वि.	अं. सित.	
सुस्थिर	१	र	३६	०८	२०	५९	उभा	११	३०	११	०८	वृ	११	५२	बा	०७	५७	२९	४३	०६	३२	०६	२५	मीन	०५	०९	४०	४९	५८	५०	११	१५	०५	२७	प्रतिपदा श्राद्ध सर्वा. ०६।३२ उ. ११।०८ या. हस्ते रवि १३।२० सं. सू. चं. **A**
मातंग	२	चं	३१	४४	१९	१४	रे	०९	२०	१०	१६	ध्रु/व्या	०५/५९	५३/११	तै	०४	०२	२९	३९	०६	३२	०६	२४	मे. १०/१६	०५	१०	३९	३८	५८	५२	१२	१६	०६	२८	भ. ३०।१४ उ. द्वितीया श्राद्ध पंचक १०।१६ या. भगत सिंह जयंती **B**
चौथव्रत	३	मं	२६	३५	१७	११	अ	०६	१७	०९	०४	ह	५१	५८	वि	२६	३५	२९	३५	०६	३३	०६	२३	मेष	०५	११	३८	३०	५८	५४	१३	१७	०७	२९	भ. १७।११ या. तृतीया श्राद्ध चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २०।०१ सर्वा. **C**
काण	४	बु	२०	५६	१४	५६	भ/कृ	०२/५८	३१/४४	०७/३०	३७/०३	व	४४	२७	बा	२०	५६	२९	३२	०६	३३	०६	२२	वृ. १३/१४	०५	१२	३७	२४	५८	५६	१४	१८	०८	३०	चतुर्थी-पंचमी श्राद्ध बैंक अर्द्धवार्षिक लेखाबंदी सर्वा. ०७।३७ उ. ३०।३४ या.
उत्पात	५	गु	१५	०५	१२	३६	रो	५४	४४	२८	२७	सि	३६	५१	तै	१५	०५	२९	२८	०६	३४	०६	२१	वृषभ	०५	१३	३६	२१	५८	५९	१५	१९	०९	अ१	षष्ठी श्राद्ध अक्टूबर मास १० ता. ३१ प्रा. स्वात्यां बुधः ०९।२९
मानस	६	शु	०९	१४	१०	१६	मृ	५०	५२	२६	५५	व्य	२१	१८	व	०९	१४	२९	२४	०६	३४	०६	२०	मि. १५/४०	०५	१४	३५	१९	५९	०१	१६	२०	१०	०२	भ. १०।१६ उ. २१।०७ या. सप्तमी श्राद्ध गांधी-शास्त्री जयंती
मद्गर	७	श	०३	३४	०८	००	आ	४७	१८	२५	३०	व	२१	५६	ब	०३	३४	२९	२०	०६	३५	०६	१९	मिथुन	०५	१५	३४	२०	५९	०३	१७	२१	११	०३	महालक्ष्मी व्रत पूर्णता अष्टमी श्राद्ध जीवित्पुत्रिका व्रतं वक्री शुक्रः १२।४३ **D**
क्षय	८	श	५८	१४	२९	५२	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	**D** धनिष्ठायां ३ राहुः मघायां १ केतुः २४।५२ **G** २०।२१ गजच्छाया योग २१।३६ उ.
केतु	९	र	५३	१८	२७	५४	पुन	४४	०७	२४	१४	प	१४	५२	तै	२५	४२	२९	१६	०६	३५	०६	१८	क. १८/३२	०५	१६	३३	२३	५९	०६	१८	२२	१२	०४	नवमी श्राद्ध सौभाग्यवतीनां श्राद्ध रविपुष्य २४।१४ उ. ३०।३६ या. **E**
धाता	१०	चं	४८	५१	२६	०८	पु	४१	२४	२३	०१	शि	०८	०९	व	२१	००	२९	१२	०६	३६	०६	१६	कर्क	०५	१७	३२	२९	५९	०८	१९	२३	१३	०५	भ. १५।०० उ. २६।०८ या. दशमी श्राद्ध सर्वा. २३।०९ या. **E** सर्वा. २४।१४ उ.
ए. व्रत	११	मं	४४	५७	२४	३५	आ	३१	१४	२२	१८	सि/सा	०१/५५	५०/५१	ब	१६	४१	२९	०९	०६	३६	०६	१५	सिं. २२/१८	०५	१८	३१	३७	५९	१०	२०	२४	१४	०६	एकादशी श्राद्ध इंदिरा ११ व्रतं स्मार्त्त वैष्णव सर्वा. ०६।३६ उ. २२।१८ या.
चर	१२	बु	४१	४१	२३	१७	म	३७	४०	२१	४०	शु	५०	३८	कौ	१३	१४	२९	०५	०६	३६	०६	१४	सिंह	०५	१९	३०	४७	५९	१२	२१	२५	१५	०७	द्वादशी श्राद्ध इंदिरा एकादशी व्रतं निम्बार्क सन्यासिनां श्राद्ध
प्रदोष	१३	गु	३९	०९	२२	१६	पूफा	३६	४८	२१	२०	शु	४५	५३	ग	१०	१९	२९	०१	०६	३७	०६	१३	क. २७/१८	०५	२०	२९	५९	५९	१५	२२	२६	१६	०८	भ. २२।१६ उ. त्रयोदशी श्राद्ध प्रदोष व्रतं मास शिवरात्रि श्रीराम शर्मा **F**
शुभ	१४	शु	३७	२७	२१	३६	उफा	३६	४६	२१	२०	ब्र	४१	४८	वि	०८	१०	२८	५७	०६	३७	०६	१२	कन्या	०५	२१	२९	१४	५९	१७	२३	२७	१७	०९	भ. ०९।५४ या. चतुर्दशी श्राद्ध दग्धशस्त्रादिहतानां श्राद्ध उभायां ४ शनिः **G**
अमावस	३०	श	३६	४५	२१	२०	ह	३७	४२	२१	४३	ऐं	३८	३०	च	०६	५८	२८	५३	०६	३८	०६	११	कन्या	०५	२२	२८	३०	५९	१९	२४	२८	१८	१०	देवपितृकार्ये सर्वपितृ शनैश्चरी अमावस्या श्राद्ध तर्पणञ्च श्राद्धपक्ष पूर्ण **H**



गोचर ग्रहाः



आ. कृ. पक्षे ७ शनौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०२	०३	०६	०३	०६	११	१०	०४
अं.	१५	०८	०८	०९	२५	१४	१७	०३	०३
क.	३४	११	३७	०३	४२	१५	११	२२	२२
वि.	२०	३८	०१	१०	४१	२२	१८	३४	३४
ग	५९	८४९	३४	७६	१०	००	०४	०३	०३
ति	०३	३६	४०	१०	३२	२८	४३	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	हस्त २	आर्द्रा १	पुष्य २	स्वाति १	आश्ले. ३	स्वाति ३	रेवती १	धनिष्ठा ४	मघा २

✵ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्रनाम संवत्सरे ✵

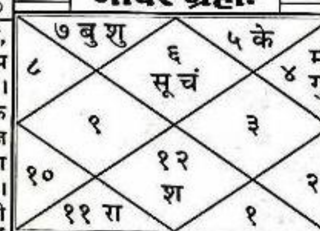
ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सित.	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
२७	१९।२३	२१।०१	२२।५८	२५।११	२७।२९	२९।४४	०८।०३	१०।२१	१२।३८	१४।४१	१६।२५	१७।५५
२८	१९।१९	२०।५७	२२।५४	२५।०७	२७।२५	२९।४०	०७।५९	१०।१७	१२।३४	१४।३७	१६।२१	१७।५१
२९	१९।१५	२०।५३	२२।५०	२५।०३	२७।२१	२९।३६	०७।५५	१०।१३	१२।३०	१४।३३	१६।१७	१७।४७
३०	१९।११	२०।४९	२२।४६	२४।५९	२७।१७	२९।३२	०७।५१	१०।०९	१२।२६	१४।२९	१६।१३	१७।४३
अ१	१९।०७	२०।४५	२२।४२	२४।५५	२७।१३	२९।२८	०७।४७	१०।०५	१२।२२	१४।२५	१६।०९	१७।३९
०२	१९।०३	२०।४१	२२।३८	२४।५१	२७।०९	२९२४	०७।४३	१०।०१	१२।१८	१४।२१	१६।०५	१७।३५
०३	१८।५९	२०।३७	२२।३४	२४।४७	२७।०५	२९।२०	०७।३९	०९।५७	१२।१४	१४।१७	१६।०१	१७।३१
०४	१८।५५	२०।३३	२२।३०	२४।४३	२७।०१	२९।१६	०७।३५	०९।५३	१२।१०	१४।१३	१५।५७	१७।२८
०५	१८।५१	२०।२९	२२।२६	२४।३९	२६।५७	२९।१२	०७।३१	०९।४९	१२।०६	१४।०९	१५।५३	१७।२४
०६	१८।४७	२०।२५	२२।२२	२४।३५	२६।५३	२९।०८	०७।२७	०९।४५	१२।०२	१४।०५	१५।४९	१७।२०
०७	१८।४३	२०।२१	२२।१८	२४।३१	२६।४९	२९।०५	०७।२३	०९।४१	११।५८	१४।०१	१५।४५	१७।१६
०८	१८।३९	२०।१७	२२।१४	२४।२७	२६।४५	२९।०१	०७।२०	०९।३७	११।५४	१३।५७	१५।४२	१७।१२
०९	१८।३५	२०।१३	२२।१०	२४।२३	२६।४१	२८।५७	०७।१६	०९।३३	११।५०	१३।५३	१५।३८	१७।०८
१०	१८।३१	२०।०९	२२।०६	२४।१९	२६।३७	२८।५३	०७।१२	०९।२९	११।४६	१३।४९	१५।३४	१७।०४

अमृत. ०६।३३ उ. ०९।०४ या. **F** जन्म वायु सेना दि. आश्लेषायां ४ गुरुः १८।२९ **H** गजच्छाया योग २१।२० या. चित्रायां रविः २६।२० संग. सू. सू. स्त्री. स्त्री. वाहन अश्ववर्षा मध्यम

ग्रहगोचरीय फलम्

क्रूरवार तेजी करे, मावस शनि कुसंग। मंदी से तेजी बने, वस्तु विविध प्रसंग।। निर्यातक गति न्यूनता, आयात रूप नव देश। दलहन तिलहन नित्य का, उन्नत भाव निवेश।। रवि संक्रमण शनि दिवस, शासन कर्मी द्वन्द। श्रमिक द्वंद भय आपदा, श्रीघर गणना मंद।। तीज बदी आसोज में, मंगल या शनिवार। अग्निकाण्ड भयभीत जग, मंहगा चलै बाजार।। नवमी मंगलवार जो शुक्ला आश्विन मास। मूंग मोंठ चौला उड़द, संग्रह करो कपास।। पड़वा दशमी अष्टमी, कृष्ण पक्ष आसोज। बादल हो तो शीघ्र से, वर्षा से हो मौज।। आश्विन लागत चौथ को, बादल निकसे सूर। क्षेम कुशल आरोग्यता, वर्षा हो भरपूर।। दशमी ग्यारस द्वादशी, लागत आश्विन मास। बिजली बादल गाज हो, जौ गेहूं का नास।। आश्विन भरणी कृतिका में, जो शशि कुण्डल होय। अन्न इकठा करै तो, लाभ लहै सब कोय।। सातै आठै सुदी में, बरसै आश्विन मास। बढ़ै शांति सुख सम्पदा विग्रह होय बिनास।। बादल वर्षा बिजली, विजया दशमी देख। मूंग उर्द तिल तेल में, तेजी रहै विशेष।। देव शनि की वक्रता, तेजी सूत कपास। दलहन में मंदी नहीं, गणना गणित विकास।। **A** स्त्री. पु. वाहन मूषक वर्षा मध्यम **B** जिनचन्द्र सूरी दादा मेला जैन बिलाड़ा **C**

गोचर ग्रहाः



आ. कृ. पक्षे ३० शनौ स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०५	०३	०६	०३	०६	११	१०	०४
अं.	२२	१४	१२	१७	२६	१३	१६	०३	०३
क.	२८	२९	३६	२२	५४	२२	३८	००	००
वि.	३०	२९	५८	२४	३४	२३	११	११	११
ग	५९	७८२	३३	६३	०९	१७	०४	०३	०३
ति	११	५८	४४	४१	५२	०२	४१	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	हस्त ४	हस्त २	पुष्य ३	स्वाति ४	आश्ले. ४	स्वाति ३	उ.भा. ४	धनिष्ठा ३	मघा १

आश्विन शुक्ल पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

११ अक्टूबर से २६ अक्टूबर सन् २०२६ ई. तक

शरद-हेमंत ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	बं.	मु.	भा.	अं.	
पद्म	१	र	३७	१३	२१	३२	चि	३९	४५	२२	३३	वै	३६	०७	किं	०६	४९	२८	५०	०६	३८	०६	१०	तु. १०/०४	०५	२३	२७	४९	५९ २१	२५	२९	१९	११	मातामह श्राद्ध नवरात्रि प्रा. घटस्थापना श्री अग्रसेन ज. ५१५० वीं **A**
छत्र	२	चं	३८	५७	२२	१४	स्वा	४३	०३	२३	५२	वि	३४	४२	बा	०७	५४	२८	४६	०६	३९	०६	०९	तुला	०५	२४	२७	१०	५९ २३	२६	३०	२०	१२	चन्द्रदर्शनं विशाखायां बुधः १८।४२ **I** क्षीरपानोत्सव कोजागरी व्रतं **J**
श्रीवत्स	३	मं	४२	०२	२३	२८	वि	४७	३९	२५	४३	प्री	३४	२०	तै	१०	१९	२८	४२	०६	३९	०६	०८	वृ. ११/१२	०५	२५	२६	३३	५९ २५	२७	ज१	२१	१३	जमादिल अ. मास ५ मुस. **J** लक्ष्मीन्द पूजा सर्वा. १९।२२ उ. ३०।४७ या.
सौम्य	४	बु	४६	२५	२५	१४	अ	५३	२८	२८	०३	आ	३४	५७	व	१४	०४	२८	३८	०६	४०	०६	०७	वृश्चिक	०५	२६	२५	५८	५९ २७	२८	०२	२२	१४	भ. १२।१७ उ. २५।१४ या. अस्तं शुक्रः पश्चिमे २५।२५ सर्वा. अमृत. ०६।४० **B**
कालदंड	५	गु	५१	५३	२७	२६	ज्ये	६०	००	–	–	सौ	३६	२५	ब	१९	०१	२८	३४	०६	४०	०६	०६	वृश्चिक	०५	२७	२५	२४	५९ २८	२९	०३	२३	१५	उपांग ललिता व्रतं **D** सर्वा. १२।४९ उ. ३०।४३ या. **B** उ. २८।०३ या.
चर	६	शु	५८	०५	२९	५५	ज्ये	००	१६	०६	४८	शो	३८	३१	कौ	२४	५४	२८	३१	०६	४१	०६	०५	ध. ०६/४८	०५	२८	२४	५३	५९ ३०	३०	०४	२४	१६	सरस्वती आवाह्नम् **F** पूजा बौद्धाऽवतार **A** शुक्र वृद्धत्व प्रा. २५।२५
गद	७	श	६०	००	–	–	मू	०७	४४	०९	४७	अ	४०	५२	ग	३१	१६	२८	२७	०६	४२	०६	०४	धनु	०५	२९	२४	२३	५९ ३२	का१	०५	२५	१७	तुलायांऽर्कः १९।५१ सरस्वती पूजन बं. कार्तिक मास प्रा. आश्लेषायां **C**
शुभ	७	र	०४	२६	०८	२९	पूषा	१५	१७	१२	४९	सु	४३	०४	व	०४	२६	२८	२३	०६	४२	०६	०३	म. ११/३३	०६	००	२३	५५	५९ ३४	०२	०६	२६	१८	भ. ०८।२९ उ. २१।४३ या. सरस्वती बलिदानं नवपद ओली प्रा. जैन **D**
मृत्यु	८	चं	१०	२४	१०	५२	उषा	२२	२०	१५	३९	धृ	४४	४०	ब	१०	२४	२८	२०	०६	४३	०६	०३	मकर	०६	०१	२३	२८	५९ ३५	०३	०७	२७	१९	सरस्वती विसर्जनं महाष्टमी पूजा श्री दुर्गा नवमी पूजा सर्वा. १५।३९ उ. **E**
लुम्बक	९	मं	१५	११	१२	५१	श्र	२८	१७	१८	०२	शू	४५	१६	कौ	१५	१९	२८	१६	०६	४३	०६	०२	मकर	०६	०२	२३	०४	५९ ३७	०४	०८	२८	२०	श्री दुर्गानवमी बलिदानं विजया दशमी दशहरा अपराजिता शमी **F**
मित्र	१०	बु	१८	४२	१४	१२	ध	३२	४०	१९	४८	गं	४४	३२	ग	१८	४२	२८	१२	०६	४४	०६	०१	कु. ०७/००	०६	०३	२२	४१	५९ ३९	०५	०९	२९	२१	भ. २६।३६ उ. पंचक ०७।०० उ. माधवाचार्य ज. **G** चित्रायां शुक्रः २७।२२
ए.व्रत	११	गु	२०	११	१४	४९	श	३५	१२	२०	४९	वृ	४२	१७	वि	२०	११	२८	०९	०६	४४	०६	००	कुंभ	०६	०४	२२	२०	५९ ४१	०६	१०	३०	२२	भ. १४।४९ या. पापांकुशा एकादशी व्रतं सर्वेषाम् **C** भौमः १२।४६
प्रदोष	१२	शु	१९	३९	१४	३६	पूभा	३५	४५	२१	०३	ध्रु	३८	२८	बा	१९	३९	२८	०५	०६	४५	०५	५९	मी. १५/०४	०६	०५	२२	०१	५९ ४२	०७	११	का१	२३	प्रदोष व्रतं रा. कार्तिक मास प्रा. वृश्चिके भानुः १५।०८ हेमन्त ऋतु प्रा. **G**
धूम्र	१३	श	१७	१०	१३	३७	उभा	३४	२६	२०	३२	व्या	३३	०८	तै	१७	१०	२८	०१	०६	४६	०५	५८	मीन	०६	०६	२१	४३	५९ ४४	०८	१२	०२	२४	स्वात्यां रविः १२।५१ संग. सू. चं. स्त्री. पु. वाहन मंडूक वर्षा श्रेष्ठ वक्री **H**
प्रवर्ध	१४	र	१२	५६	११	५७	रे	३१	३०	१९	२२	ह	२६	२९	व	१२	५६	२७	५८	०६	४६	०५	५७	मे. ११/२२	०६	०७	२१	२७	५९ ४६	०९	१३	०३	२५	भ. ११।५७ उ. २२।५३ या. शरद पूर्णिमा व्रतं पंचक १९।२२ या. **I**
पूर्णिमा	१५	चं	०७	१८	०९	४२	अ	२७	१६	१७	४१	व	१८	४५	ब	०७	१८	२७	५४	०६	४७	०५	५६	मेष	०६	०८	२१	१४	५९ ४८	१०	१४	०४	२६	पूर्णिमा पुण्य श्री वाल्मिकी ज. पाराशर ऋषि ज. मतांतरे कार्त्तिक **K**

गोचर ग्रहाः



आ. शु. पक्षे ८ चन्द्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.									
ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०९	०३	०६	०३	०६	११	१०	०४
अं.	०१	०४	१७	२५	२८	०९	१५	०२	०२
क.	२३	५६	३५	०७	११	३४	५७	३१	३१
वि.	२८	१४	११	०८	३२	०९	०२	४२	४२
गति	५९ ३५	७२१ ३६	३२ २३	३१ ३८	०८ ५३	३३ ५०	०४ ३६	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
नक्षत्र	चित्रा ३	उ.षा. ३	आश्ले. १	विशा. २	आश्ले. ४	स्वाति १	उ.भा. ४	धनिष्ठा ३	मघा १

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अक्टू.	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
११	१८।२७	२०।०५	२२।०२	२४।१५	२६।३३	२८।४९	०७।०८	०९।२५	११।४२	१३।४५	१५।३०	१७।००
१२	१८।२३	२०।०१	२१।५८	२४।११	२६।२९	२८।४५	०७।०४	०९।२१	११।३८	१३।४१	१५।२६	१६।५६
१३	१८।२०	१९।५७	२१।५४	२४।०७	२६।२५	२८।४१	०७।००	०९।१७	११।३४	१३।३८	१५।२२	१६।५२
१४	१८।१६	१९।५४	२१।५०	२४।०३	२६।२१	२८।३७	०६।५६	०९।१३	११।३०	१३।३४	१५।१८	१६।४८
१५	१८।१२	१९।५०	२१।४६	२३।५९	२६।१७	२८।३३	०६।५२	०९।०९	११।२६	१३।३०	१५।१४	१६।४४
१६	१८।०८	१९।४६	२१।४२	२३।५५	२६।१३	२८।२९	०६।४८	०९।०६	११।२२	१३।२६	१५।१०	१६।४०
१७	१८।०४	१९।४२	२१।३८	२३।५२	२६।०९	२८।२५	०६।४४	०९।०२	११।१८	१३।२२	१५।०६	१६।३६
१८	१८।००	१९।३८	२१।३४	२३।४८	२६।०५	२८।२१	०६।४०	०८।५८	११।१४	१३।१८	१५।०२	१६।३२
१९	१७।५६	१९।३४	२१।३०	२३।४४	२६।०२	२८।१७	०६।३६	०८।५४	११।१०	१३।१४	१४।५८	१६।२८
२०	१७।५२	१९।३०	२१।२७	२३।४०	२५।५८	२८।१३	०६।३२	०८।५०	११।०७	१३।१०	१४।५४	१६।२४
२१	१७।४८	१९।२६	२१।२३	२३।३६	२५।५४	२८।०९	०६।२८	०८।४६	११।०३	१३।०६	१४।५०	१६।२०
२२	१७।४४	१९।२२	२१।१९	२३।३२	२५।५०	२८।०५	०६।२४	०८।४२	१०।५९	१३।०२	१४।४६	१६।१७
२३	१७।४०	१९।१८	२१।१५	२३।२८	२५।४६	२८।०२	०६।२०	०८।३८	१०।५५	१२।५८	१४।४३	१६।१३
२४	१७।३६	१९।१४	२१।११	२३।२४	२५।४२	२७।५८	०६।१७	०८।३४	१०।५१	१२।५४	१४।३९	१६।०९
२५	१७।३२	१९।१०	२१।०७	२३।२०	२५।३८	२७।५४	०६।१३	०८।३०	१०।४७	१२।५०	१४।३५	१६।०५
२६	१७।२८	१९।०६	२१।०३	२३।१६	२५।३४	२७।५०	०६।०९	०८।२६	१०।४३	१२।४६	१४।३१	१६।०१

तुला संक्रान्ति फलम्

आश्विन शुक्ल पक्षे ७ शनौ तुलायांऽर्कः प्र. (स्टे. टा. ११।५१) वा. ३ न. ४ अस्य पुण्यकालः अद्यैव मध्याह्न वेलातः पुण्यप्रदः तथा च भवन संभागीय रचना गति। वार नाम-राक्षसी-व्यवसायहीन समुदाय श्रमजीवी, निर्धन परिवार जनजाति हेतु मनोत्साह वर्धक सुखद प्रतिफल। नक्षत्र नाम-घोरा-अनुसूचित जाति, आदिवासी, अल्पसंख्यक, निर्धन, असहाय, वयोवृद्ध वर्ग हेतु शासकीय नवीन योजना लाभ। रात्रि १ याम् व्यापिनी विस्फोटक हिंसा प्रसारक गण देशद्रोही, भ्रष्टपंथी, आतंकवादी हेतु कष्टद प्रभारक। पश्चिमे गमन, ईशान दृष्टि। संक्रांति वास निवास दुष्टजन-पापात्मागृहे, वणिज करणे, वाहन-महिष, उपवाहन-उष्ट्र, श्यामवस्त्र, तोमरा युध, खप्पर पात्र, दधि भक्षण, अलक्तलेपन, मृगजाति, अर्कपत्र पुष्प, मणि-भूषण, पांडुकंचुकी, प्रगल्भावस्था, उपविष्टा मुहूर्त्त-३० धान्य गल्ला स्थिर सम भाव। अजवाइन, कलौंजी, उड़द, कालीमिर्च, विष पदार्थ, रसायन, भेड़, बकरी, ऊँट, कालेवस्त्र, दूध दही, घी, लोहा, इस्पात, मशीनरी, कलपूर्जे, तिल, अफीम, जीरा, तरल द्रव्य कार्य व्यवसाय लाभद भावी उन्नत धारणा, शुक्रास्त पश्चिमे, वत्स पूर्वे, राहु उत्तरे मूल भूमौ। **E** ३०।४३ या. **H** बुधः १२।४२**K** स्नान प्रारंभ कृषक भूमि पूजा नवपद ओली पूर्ण जैन। श्रीधरी चंडांशु पंचांग

गोचर ग्रहाः



आ. शु. पक्षे १५ चन्द्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.									
ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	००	०३	०६	०३	०६	११	१०	०४
अं.	०८	०६	२१	२६	२९	०५	१५	०२	०२
क.	२१	०१	१८	३२	१९	२३	२६	०९	०९
वि.	१४	०५	३६	४९	१०	२३	५५	२६	३६
गति	५९ ४८	८६७ ४७	३१ १३	१८ ४०	०८ ०१	३६ ११	०४ ०६	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
नक्षत्र	स्वाति १	अश्वि. २	आश्ले. १	विशा. २	आश्ले. ४	चित्रा ४	उ.भा. ४	धनि. ३	मघा १

कार्तिक कृष्ण पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

२७ अक्टू. से ०९ नवम्बर सन् २०२६ ई. तक

हेमन्त ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल
मुसल	१	मं	००	३७	०७	०२	भ	२२	१०	१५	३९	सि	१०	१४	कौ	००	३७
क्षय	२	मं	५३	२०	२८	०७	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
सिद्धि	३	बु	४५	४८	२५	०७	कृ	१६	३५	१३	२६	व्य/व	०१/५२	१६/११	व	१९	३४
चौथव्रत	४	गु	३८	२५	२२	११	रो	१०	५७	११	१२	प	४३	१३	ब	१२	०४
मानस	५	शु	३१	३१	१९	२५	मृ	०५	३८	०९	०४	शि	३४	४०	कौ	०४	५३
मुद्गर	६	श	२५	२०	१६	५८	आ/पुन	००/५७	५६/०५	०७/२१	१२/४०	सि	२६	४४	व	२५	२०
श्रीवत्स	७	र	२०	०४	१४	५२	पु	५४	१०	२८	३१	सा	१९	३१	ब	२०	०४
सौम्य	८	चं	१५	५०	१३	११	आ	५२	१८	२७	४६	शु	१३	०८	कौ	१५	५०
कालदंड	९	मं	१२	३८	११	५५	म	५१	२७	२७	२६	शु	०७	३५	ग	१२	३८
सुस्थिर	१०	बु	१०	२८	११	०४	पूफा	५१	३४	२७	३०	ब्र/ऐं	०२/५८	५०/५४	वि	१०	२८
ए.व्रत	११	गु	०९	१८	१०	३६	उफा	५२	३७	२७	५६	वै	५५	४०	बा	०९	१८
प्रदोष	१२	शु	०९	०३	१०	३१	ह	५४	३४	२८	४३	वि	५३	१०	तै	०९	०३
काण	१३	श	०९	४५	१०	४८	चि	५७	२५	२९	५२	प्री	५१	२२	व	०९	४५
लुम्बक	१४	र	११	२३	११	२८	स्वा	६०	००	-	-	आ	५०	१९	श	११	२३
अमावस	३०	चं	१४	०१	१२	३२	स्वा	०१	१०	०७	२४	सौ	५०	०२	ना	१४	०१

योगाः	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टे. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	विविध तारीखें खं.	मु.	भा.	अं.
मुसल	२७	५१	०६	४७	०५	५६	वृ. २१/०७	०६	०९	२१	०२	५९	५०	११	१५	०५	२७
क्षय	००	००	००	००	००	००	० ०	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
सिद्धि	२७	४७	०६	४८	०५	५५	वृषभ	०६	१०	२०	५२	५९	५२	१२	१६	०६	२८
चौथव्रत	२७	४४	०६	४९	०५	५४	मि. २२/०७	०६	११	२०	४४	५९	५४	१३	१७	०७	२९
मानस	२७	४०	०६	४९	०५	५३	मिथुन	०६	१२	२०	३९	५९	५६	१४	१८	०८	३०
मुद्गर	२७	३७	०६	५०	०५	५३	क. २४/०१	०६	१३	२०	३५	५९	५९	१५	१९	०९	३१
श्रीवत्स	२७	३३	०६	५०	०५	५२	कर्क	०६	१४	२०	३४	६०	०१	१६	२०	१०	न१
सौम्य	२७	३०	०६	५१	०५	५१	सिं. २७/४६	०६	१५	२०	३५	६०	०३	१७	२१	११	०२
कालदंड	२७	२७	०६	५२	०५	५०	सिंह	०६	१६	२०	३८	६०	०५	१८	२२	१२	०३
सुस्थिर	२७	२३	०६	५२	०५	५०	सिंह	०६	१७	२०	४३	६०	०७	१९	२३	१३	०४
ए.व्रत	२७	२०	०६	५३	०५	४९	क. ०९/३४	०६	१८	२०	५०	६०	०९	२०	२४	१४	०५
प्रदोष	२७	१७	०६	५४	०५	४९	कन्या	०६	१९	२०	५९	६०	११	२१	२५	१५	०६
काण	२७	१४	०६	५५	०५	४८	तु. १७/१५	०६	२०	२१	११	६०	१३	२२	२६	१६	०७
लुम्बक	२७	११	०६	५५	०५	४७	तुला	०६	२१	२१	२४	६०	१५	२३	२७	१७	०८
अमावस	२७	०७	०६	५६	०५	४७	वृ. २६/४८	०६	२२	२१	३९	६०	१७	२४	२८	१८	०९

सर्वार्थसिद्धि योग १५।३१ उ.

C उ. २८।३१ या. नवम्बर मास ११ ता. ३० प्रा. सर्वा. ०६।५० उ. २८।३१ या.

भ. १४।३७ उ. २५।०७ या. सर्वा. ३०।४९ या.

करवा चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २०।३६ A

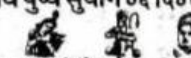
पद्म प्रभु जन्म जैन A बुधास्त पश्चिमे १६।३१



भ. १६।५८ उ. २७।५२ या. उदितं शुक्रः पूर्वे २३।५५ सरदार पटेल ज. B

अहोई अष्टमी चन्द्रोदय रात्रि २३।५७ कालाष्टमी रवि पुष्य सुयोग ०६।५० C

विश्नोईपंथ स्थापना दि. स्वात्यां बुधः २९।५९



भ. २३।२६ उ. शुक्र बाल्यत्व समाप्त २३।५५ B मघायां १ सिंहे गुरूः १२।०२

भ. ११।०४ या. D अरूणोदय स्नान श्री हनुमान जयंती देशाचारीय

रमा एकादशी व्रतं सर्वेषाम् गोवत्स द्वादशी कन्यायां शुक्रः २५।०४

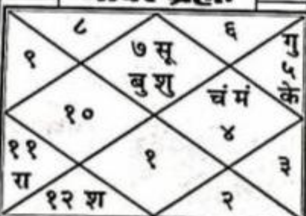
प्रदोष व्रतं धनतेरस यमदीपदानं धन्वन्तरी ज. विशाखायां रविः २१।०३

भ. १०।४८ उ. २३।०५ या. सर्वा. २९।५२ उ. ३०।५५ या. मास शिवरात्रि

नरक रूप चतुर्दशी दीपावली श्री महालक्ष्मी पूजा पितृकार्ये अमावस्या D

देवकार्ये सोमवती अमावस्या महावीर स्वामी निर्वाण महर्षि दयानन्द पुण्य

गोचर ग्रहाः



का. कृ. पक्षे ८ चन्द्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०३	०३	०६	०४	०६	११	१०	०४
अं.	१५	१७	२४	२१	००	०१	१४	०१	०१
क.	२०	१४	५३	१६	१२	३१	५९	४७	४७
वि.	३५	१०	२२	०८	३४	५३	२३	११	११
गति	६०	८२४	२९	७४	०७	२७	०३	०३	०३
	०३	३३	५५	३५	०५	०१	४१	११	११
मा/व	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	स्वाति ३	आर्द्रा १	आर्द्रा ३	विशा. १	मघा १	चित्रा ३	उ.भा. ४	धनिष्ठा ३	मघा १

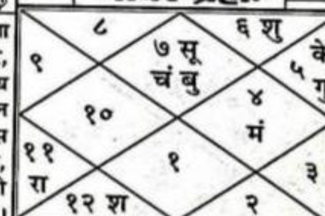
✻ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवत्सरे ✻

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अक्टू.	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
२७	१७।२४	१९।०२	२०।५९	२३।१२	२५।३०	२७।४६	३०।०१	०८।२२	१०।३९	१२।४२	१४।२७	१५।५७
२८	१७।२०	१८।५८	२०।५५	२३।०८	२५।२६	२७।४२	२९।५७	०८।१८	१०।३५	१२।३८	१४।२३	१५।५३
२९	१७।१६	१८।५४	२०।५१	२३।०४	२५।२२	२७।३८	२९।५३	०८।१४	१०।३१	१२।३४	१४।१९	१५।४९
३०	१७।१२	१८।५०	२०।४७	२३।००	२५।१८	२७।३४	२९।४९	०८।१०	१०।२७	१२।३०	१४।१५	१५।४५
३१	१७।०८	१८।४६	२०।४३	२२।५६	२५।१४	२७।३०	२९।४५	०८।०६	१०।२३	१२।२६	१४।११	१५।४१
न१	१७।०५	१८।४२	२०।३९	२२।५२	२५।१०	२७।२६	२९।४१	०८।०२	१०।१९	१२।२३	१४।०७	१५।३७
०२	१७।०१	१८।३८	२०।३५	२२।४८	२५।०६	२७।२२	२९।३७	०७।५८	१०।१५	१२।१९	१४।०३	१५।३३
०३	१६।५७	१८।३५	२०।३१	२२।४४	२५।०२	२७।१८	२९।३३	०७।५४	१०।११	१२।१५	१३।५९	१५।२९
०४	१६।५३	१८।३१	२०।२७	२२।४०	२४।५८	२७।१४	२९।२९	०७।५०	१०।०७	१२।११	१३।५५	१५।२५
०५	१६।४९	१८।२७	२०।२३	२२।३६	२४।५४	२७।१०	२९।२५	०७।४७	१०।०३	१२।०७	१३।५१	१५।२१
०६	१६।४५	१८।२३	२०।१९	२२।३३	२४।५०	२७।०६	२९।२१	०७।४३	०९।५९	१२।०३	१३।४७	१५।१७
०७	१६।४१	१८।१९	२०।१५	२२।२९	२४।४६	२७।०२	२९।१७	०७।३९	०९।५५	११।५९	१३।४३	१५।१३
०८	१६।३७	१८।१५	२०।११	२२।२५	२४।४३	२६।५८	२९।१३	०७।३५	०९।५१	११।५५	१३।३९	१५।०९
०९	१६।३३	१८।११	२०।०८	२२।२१	२४।३९	२६।५४	२९।०९	०७।३१	०९।४७	११।५१	१३।३५	१५।०५

ग्रहगोचरीय फलम्

रवि संक्रमण सोम का, सुखद बना यह संग। मूंगा मोती धान्य में, मंदी देश सुरंग।। सौम्यवार मंदी करे, मावस सोम सुसंग। तेजी से मंदी बने, वस्तु विविध प्रसंग।। देव शनि की वक्रता, तेजी सूत कपास। दलहन में मंदी नहीं, गणना गणित विकास।। कार्त्तिक मावस के दिना, स्वाति नखत विचार।। गिरे कहीं भूकम्प से, पर्वत या मीनार।। कृतिका कार्त्तिक पूर्णिमा, चारो मास सुभिक्ष। चार प्रहर भरणी रहे, चार मास दुर्भिक्ष।। दीपमालिका सांध्य में, कोविद पवन विचार। वायु वेग की शून्यता, श्रीधर सौख्य विस्तार।। कार्त्तिक पड़वा को रहै, सूरज के परिवेश। सरसों अलसी तेल तिल, मंहगे बिकै विशेष।। कार्त्तिक पड़वा के दिना, जो रवि मंडल होय।। सरसों तिल और तेल का काम करो मत कोय।। कार्त्तिक बदी जो एकादशी, जो नभ बादल छायें। तो आगे आषाढ़ में, उत्तम जल बरसाय।। कार्त्तिक सुदी एकादशी, बादल जल बरसाय। आगे वर्षा काल में, वर्षा काल सुहाय।। कार्त्तिक में हो ग्रहण या अन्य और उत्पात। धान्य लीजिए दीजिये पांच मास पश्चात्।। कार्त्तिक शुक्ला पूर्णिमा, मेघ घटा आकाश। तिलहन घी तेल में, तेजी का प्रकाश।।

गोचर ग्रहाः



का. कृ. पक्षे ३० चन्द्रे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०६	०३	०६	०४	०५	११	१०	०४
अं.	२२	१९	२८	१२	००	२९	१४	०१	०१
क.	२१	००	१८	५२	५९	०८	३५	२४	२४
वि.	३९	४३	२३	५५	०२	३४	१०	५६	५६
गति	६०	७८८	२८	४७	०६	११	०३	०३	०३
	१७	०१	२४	३५	०२	०५	०९	११	११
मा/व	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	विशा. १	स्वाति ४	आर्द्रा ४	स्वाति ३	मघा १	चित्रा २	उ.भा. ४	धनिष्ठा ३	मघा १

कार्तिक शुक्ल पक्षः वि. संवत् २०८३ राष्ट्रीय शाकः १९४८

१० नवम्बर से २४ नवम्बर सन् २०२६ ई. तक

हेमन्त ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल
श्रीवत्स	१	मं	१७	४०	१४	०१	वि	०५	५७	०९	११	शो	५०	३२	ब	१७	४०
सौम्य	२	बु	२२	२२	१५	५४	अ	११	४२	११	३८	अ	५१	४७	कौ	२२	२२
कालदंड	३	गु	२८	००	१८	१०	ज्ये	१८	२२	१४	११	सु	५३	४०	ग	२८	००
सुस्थिर	४	शु	३४	२१	२०	४३	मू	२५	४६	१७	१७	धृ	५५	५९	व	०१	०५
मातंग	५	श	४१	०३	२३	२४	पूषा	३३	३२	२०	२४	शू	५८	२७	ब	०७	४०
अमृत	६	र	४७	३४	२६	०२	उषा	४१	११	२३	२९	गं	६०	००	कौ	१४	२१
सिद्धि	७	चं	५३	१८	२८	२०	श्र	४८	१०	२६	१७	गं	००	३७	ग	२०	३३
उत्पात	८	मं	५७	४०	३०	०६	ध	५३	५२	२८	३५	वृ	०२	१०	वि	२५	४०
मानस	९	बु	६०	००	-	-	श	५७	५०	३०	१०	ध्रु	०२	३६	बा	२९	१०
मुद्गर	९	गु	००	०९	०७	०७	पूभा	५९	४३	३०	५७	व्या/ह	०१/५९	३८/०१	कौ	००	०९
ए.व्रत	१०	शु	००	३०	०७	१६	उभा	५९	२७	३०	५१	व	५४	३९	ग	००	३०
क्षय	११	शु	५८	४०	३०	३२	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
धाता	१२	श	५४	४१	२८	५७	रे	५७	०५	२९	५५	सि	४८	३४	ब	२६	५५
प्रदोष	१३	र	४८	५०	२६	३८	अ	५२	५६	२८	१६	व्य	४१	००	कौ	२१	५७
चर	१४	चं	४१	३२	२३	४३	भ	४७	२०	२६	०२	व	३२	१०	ग	१५	२०
पूर्णिमा	१५	मं	३३	१२	२०	२४	कृ	४०	४५	२३	२५	प	२२	२६	वि	०७	२७

योगाः	दिनमान घटी	पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति		विविधतारीखें बं.	मु.	भा.	अं.	
श्रीवत्स	२७	०४	०६	५७	०५	४६	वृश्चिक	०६	२३	२१	५६	६०	११	२५	२९	१९	१०	अन्नकूट गोवर्धन पूजा बली पूजा जैन महावीर संवत् २५५३ प्रा. **A**
सौम्य	२७	०१	०६	५७	०५	४६	वृश्चिक	०६	२४	२२	१५	६०	२०	२६	३०	२०	११	चन्द्रदर्शनं भाई दूज यम द्वितीया श्री विश्वकर्मा पूजा सर्वा. अमृत. **B**
कालदंड	२६	५८	०६	५८	०५	४५	ध. १४/११	०६	२५	२२	३५	६०	२२	२७	जा१	२१	१२	भगिनी तीज मघायां सिंहे भौमः २०।१८ जमादिल आखिर मास ६ मुस.
सुस्थिर	२६	५५	०६	५९	०५	४५	धनु	०६	२६	२२	५७	६०	२३	२८	०२	२२	१३	भ. ०७।२५ उ. २०।४३ या. मार्गी बुधः २१।२४ मार्गी शुक्रः २९।५९
मातंग	२६	५३	०७	००	०५	४५	म. २७/११	०६	२७	२३	२०	६०	२५	२९	०३	२३	१४	सौभाग्य-ज्ञान-लाभ-पांडव पंचमी बाल दिवस नेहरू जयंती
अमृत	२६	५०	०७	००	०५	४४	मकर	०६	२८	२३	४५	६०	२६	३०	०४	२४	१५	सूर्यषष्ठी डालाछठ सर्वा. ०७।०० उ. २३।२९ या.
सिद्धि	२६	४७	०७	०१	०५	४४	मकर	०६	२९	२४	११	६०	२७	मा१	०५	२५	१६	भ. २८।२० उ. सहस्त्रार्जुन जयंती वृश्चिकेऽर्कः १९।४३ सर्वा. ०७।०१ उ. **C**
उत्पात	२६	४४	०७	०२	०५	४३	कु. १५/३०	०७	००	२४	३८	६०	२९	०२	०६	२६	१७	भ. १७।१८ या. पंचक १५।३० उ. गोपाष्टमी **C** २६।१७ या. बं. मार्गशीर्ष मास प्रा.
मानस	२६	४१	०७	०२	०५	४३	कुम्भ	०७	०१	२५	०७	६०	३०	०३	०७	२७	१८	अक्षय आंवला कूष्माण्ड नवमी **B** ०६।५७ उ. ११।३८ या. बुधोदय पूर्वे ०७।२०
मुद्गर	२६	३९	०७	०३	०५	४३	मी. २४/५०	०७	०२	२५	३७	६०	३१	०४	०८	२८	१९	अनुराधायां रविः २७।०३ **D** भीष्मपंचक प्रा. सर्वा. अमृत. ३०।५१ उ. **E**
ए.व्रत	२६	३६	०७	०४	०५	४२	मीन	०७	०३	२६	०८	६०	३३	०५	०९	२९	२०	भ. १९।०१ उ. ३०।३२ या. देवप्रबोधिनी ११ व्रतं स्मार्त्त तुलसी विवाह **D**
क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	**A** गुजराती नववर्ष प्रा. गौतम स्वामी रास वाचन जैन **E** ३१।०५ या.
धाता	२६	३४	०७	०५	०५	४२	मे. २१/५५	०७	०४	२६	४१	६०	३४	०६	१०	३०	२१	देवप्रबोधिनी एकादशी व्रतं वैष्णव-निम्बार्क पंचक २१।५५ या.
प्रदोष	२६	३१	०७	०५	०५	४२	मेष	०७	०५	२७	१५	६०	३५	०७	११	मा१	२२	प्रदोष व्रतं जैन दिवाकर चौथमल जन्म सर्वा. ०७।०५ उ. २८।१६ या. **F**
चर	२६	२९	०७	०६	०५	४२	मेष	०७	०६	२७	५०	६०	३६	०८	१२	०२	२३	भ. २३।४३ उ. वैकुण्ठ चतुर्दशी चौमासी चौदस चौमासी अष्टाह्निका पूर्ण
पूर्णिमा	२६	२६	०७	०७	०५	४२	वृ. ०७/२५	०७	०७	२८	२७	६०	३८	०९	१३	०३	२४	भ. १०।०६ या. पूर्णिमा व्रतं कार्त्तिक स्नान पूर्ण निम्बार्क ज. चातुर्मास **G**

गोचर ग्रहाः



का.शु. पक्षे ८ भौमे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०९	०४	०६	०४	०५	११	१०	०४
अं.	००	२४	०१	११	०१	२८	१४	००	००
क.	२४	५६	५८	४५	४२	४८	१२	५९	५९
वि.	३८	५०	४८	५०	५०	१७	२४	२९	२९
ग	६०	७३९	२६	३७	०४	०८	०२	०३	०३
ति	२९	२९	२४	२०	४४	०९	२६	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	विशा.४	धनिष्ठा१	मघा१	स्वाति२	मघा१	चित्रा२	उ.भा.४	धनि.३	मघा१

✻ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवत्सरे ✻

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
नव.	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
१०	१६।२९	१८।०७	२०।०४	२२।१७	२४।३५	२६।५०	२९।०५	०७।२७	०९।४४	११।४७	१३।३१	१५।०१
११	१६।२५	१८।०३	२०।००	२२।१३	२४।३१	२६।४६	२९।०१	०७।२३	०९।४०	११।४३	१३।२७	१४।५७
१२	१६।२१	१७।५९	१९।५६	२२।०९	२४।२७	२६।४२	२८।५८	०७।१९	०९।३६	११।३९	१३।२३	१४।५४
१३	१६।१७	१७।५५	१९।५२	२२।०५	२४।२३	२६।३९	२८।५४	०७।१५	०९।३२	११।३५	१३।२०	१४।५०
१४	१६।१३	१७।५१	१९।४८	२२।०१	२४।१९	२६।३५	२८।५०	०७।११	०९।२८	११।३१	१३।१६	१४।४६
१५	१६।०९	१७।४७	१९।४४	२१।५७	२४।१५	२६।३१	२८।४६	०७।०७	०९।२४	११।२७	१३।१२	१४।४२
१६	१६।०६	१७।४४	१९।४०	२१।५३	२४।११	२६।२७	२८।४२	०७।०३	०९।२०	११।२४	१३।०८	१४।३८
१७	१६।०२	१७।४०	१९।३६	२१।४९	२४।०७	२६।२३	२८।३८	०६।५९	०९।१६	११।२०	१३।०४	१४।३४
१८	१५।५८	१७।३६	१९।३२	२१।४६	२४।०३	२६।१९	२८।३४	०६।५६	०९।१२	११।१६	१३।००	१४।३०
१९	१५।५४	१७।३२	१९।२८	२१।४२	२४।००	२६।१५	२८।३०	०६।५२	०९।०८	११।१२	१२।५६	१४।२६
२०	१५।५०	१७।२८	१९।२५	२१।३८	२३।५६	२६।११	२८।२६	०६।४८	०९।०४	११।०८	१२।५२	१४।२२
२१	१५।४६	१७।२४	१९।२१	२१।३४	२३।५२	२६।०७	२८।२२	०६।४४	०९।०१	११।०४	१२।४८	१४।१८
२२	१५।४२	१७।२०	१९।१७	२१।३०	२३।४८	२६।०३	२८।१८	०६।४०	०८।५७	११।००	१२।४४	१४।१४
२३	१५।३८	१७।१६	१९।१३	२१।२६	२३।४४	२६।००	२८।१५	०६।३६	०८।५३	१०।५६	१२।४१	१४।११
२४	१५।३४	१७।१२	१९।०९	२१।२२	२३।४०	२५।५६	२८।११	०६।३२	०८।४९	१०।५२	१२।३७	१४।०७

F रा. मार्गशीर्ष मास प्रा. धनुषि भानुः १२।५३ तुलायां शुक्रः १७।२१ **G** पूर्ण गुरूनानक ज. मेला पुष्करराज भीष्मपंचक व्रत पूर्ण गढ़ गंगा तीर्थ सिद्धाचल यात्रा सर्वा. ०७।०७ उ. २३।२५ या.

वृश्चिक संक्रान्ति फलम्

कार्त्तिक शुक्ल पक्षे ७ चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टे. टा. १९।४३) वा. ३ न. ३ अस्य पुण्यकालः अद्यैव मध्याह्न वेलातः पुण्यप्रदः तथा च दुर्गरक्षा संभागीय रचना गति। वारनाम ध्वांक्षी-उद्योगपति, वैश्य-व्यापारीगण आयात-निर्यात-कर्त्ता, शेयर बाजार कम्पनी हेतु सुखद। नक्षत्र नाम महोदरी लोभी-प्रलोभी, संग्रहशील, स्टाकिस्ट, तस्कर, ठग, चौर्य कर्मशील वर्ग हेतु मनोत्साहवर्धक सुखद। रात्रि १याम् व्यापिनी विस्फोटक, हिंसाप्रसारक गण, देशद्रोही, भ्रष्टपंथी, आंतकवादी हेतु कष्टद प्रभारक। पश्चिमे गमन, ईशान दृष्टि। संक्रांति वास निवास रजक गृहे, वणिज करणे, वाहन-महिष, उपवाहन-उष्ट्र, श्याम वस्त्र, तोमरायुध, खप्पर पात्र, दधिभक्षण, अलक्तलेपन, मृगजाति, अर्कपत्र, पुष्प, मणिभूषण, पांडुकंचुकी, प्रगल्भावस्था उपविष्टा, मुहुर्त्त-३०, धान्य गह्वर स्थिर सम भाव। तिल, अफीम, जीरा, अजवाइन, कलौंजी, उड़द, कालीमिर्च, विष पदार्थ, रसायन, भेड़, बकरी, ऊँट, कालेवस्त्र, दूध, दही, घी, लोहा, इस्पात, मशीनरी, कलपूर्जे, तरल द्रव्य कार्य व्यवसाय लाभद भावी उन्नत धारणा शुक्रोदय पूर्वे, वत्स दक्षिणे, राहू पूर्वे, मूल पाताले।

गोचर ग्रहाः



का.शु. पक्षे १५ भौमे स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	००	०४	०६	०४	०६	११	१०	०४
अं.	०७	२८	०४	१८	०२	००	१३	००	००
क.	२७	४८	५७	१९	१२	३०	५७	३७	३७
वि.	२७	४१	४६	१५	२२	३३	२०	१४	१४
ग	६०	९००	२४	७४	०३	२२	०१	०३	०३
ति	३८	२३	२४	३७	३१	४१	४५	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	अनुरा.२	कृति.१	मघा२	स्वाति४	मघा१	चित्रा३	उ.भा.४	धनिष्ठा३	मघा१

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८																		दिनमान		स्टैण्डर्ड टाईम				चन्द्र राशि प्रवेश काल	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के						विविध तारीखें				
योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	घटी	पल	सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	स्टै. टा. रा. घं. मि.	रा.	अं.	क.	वि.	गति		बं.	मु.	भा.	अं.	२५ नवम्बर से ०८ दिसम्बर सन् २०२६ ई. तक — हेमन्त ऋतुः रवि दक्षिणायणे तथा च दक्षिणगोलीय — इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।
शुभ	१	बु	२४	१८	१६	५१	रो	३३	४१	२०	३६	शि	१२	१०	कौ	२४	१८	२६	२४	०७	०८	०५	४१	वृषभ	०७	०८	२९	०४	६०	३९	१०	१४	०४	२५	सर्वा. ०७।०८ उ. ३१।०८ या. विशाखायां बुधः १३।४१
मृत्यु	२	गु	१५	१८	१३	१६	मृ	२६	३७	१७	४७	सि/सा	०१/५१	४३/२१	ग	१५	१८	२६	२२	०७	०८	०५	४१	मि. ०७/११	०७	०९	२९	४४	६०	४१	११	१५	०५	२६	भ. २३।३१ उ. **A** ११।०० या. **B** दीक्षा कल्याणक जैन
चौथव्रत	३	शु	०६	४०	०९	४९	आ	१९	५८	१५	०९	शु	४१	४५	वि	०६	४०	२६	२०	०७	०९	०५	४१	मिथुन	०७	१०	३०	२४	६०	४२	१२	१६	०६	२७	भ. ०९।४९ या. चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २०।३६ सर्वा. १५।०९ उ. ३१।१० या.
क्षय	४	शु	५८	४८	३०	४०	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	चतुर्थी तिथिक्षयः **C** अनुराधायां बुधः २३।१६
छत्र	५	श	५१	५९	२७	५८	पुन	१४	११	१२	५०	शु	३२	४९	कौ	२५	१३	२६	१८	०७	१०	०५	४१	क. ०७/२२	०७	११	३१	०६	६०	४४	१३	१७	०७	२८	ॐ श्री मायानन्द चैतन्य जयंती श्री सुविधानाथ जन्म व दीक्षा जैन
श्रीवत्स	६	र	४६	३१	२५	४७	पु	०९	३२	११	००	ब्र	२४	५४	ग	१९	०३	२६	१६	०७	११	०५	४१	कर्क	०७	१२	३१	५०	६०	४५	१४	१८	०८	२९	भ. २५।४७ उ. सर्वा. ०७।११ उ. ११।०० या. रविपुष्य सुयोग ०७।११ उ. **A**
सौम्य	७	चं	४२	३२	२४	१२	आ	०६	१७	०९	४२	ऐं	१८	०९	वि	१४	१९	२६	१४	०७	११	०५	४१	सिं. ०९/४२	०७	१३	३२	३५	६०	४७	१५	१९	०९	३०	भ. १२।५५ या. जिनकान्ति सूरी पु. खरगच्छ माण्डवला जहाज मंदिर मेला
कालदंड	८	मं	४०	०५	२३	१४	म	०४	३१	०९	०१	वै	१२	३६	बा	११	०६	२६	१२	०७	१२	०५	४१	सिंह	०७	१४	३३	२२	६०	४८	१६	२०	१०	दि१	दिसम्बर मास १२ ता. ३१ प्रारंभ श्री कालभैरवाष्टमी भैरव समुत्पत्तिः
सुस्थिर	९	बु	३९	०९	२२	५३	पूफा	०४	१६	०८	५५	वि	०८	१६	तै	०९	२५	२६	१०	०७	१३	०५	४१	क. १४/५९	०७	१५	३४	१०	६०	५०	१७	२१	११	०२	श्री जाम्भोजी पुण्य दि. विश्नोई पंथ वृश्चिके बुधः १७।२७ वक्री गुरूः ३०।००
मातंग	१०	गु	३९	३६	२३	०४	उफा	०५	२५	०९	२४	प्री	०५	०३	व	०९	१२	२६	०९	०७	१४	०५	४१	कन्या	०७	१६	३५	००	६०	५१	१८	२२	१२	०३	भ. १०।५४ उ. २३।०४ या. ज्येष्ठायां रविः ०७।२८ श्री महावीर स्वामी **B**
ए.व्रत	११	शु	४१	१७	२३	४५	ह	०७	५१	१०	२३	आ	०२	५२	ब	१०	१७	२६	०७	०७	१४	०५	४१	तु. २३/०३	०७	१७	३५	५२	६०	५२	१९	२३	१३	०४	नौ सेना दिवस उत्पत्ति एकादशी व्रतं सर्वेषाम् श्री पद्मप्रभु पुण्य जैन **C**
काण	१२	श	४४	०४	२४	५३	चि	११	२४	११	४९	सौ	०१	३४	कौ	१२	३२	२६	०६	०७	१५	०५	४१	तुला	०७	१८	३६	४४	६०	५४	२०	२४	१४	०५	सर्वा. ११।४९ उ. ३१।१६ या. स्वात्यां शुक्रः २२।५८ धनिष्ठायां २ मकरे **D**
प्रदोष	१३	र	४७	४७	२६	२३	स्वा	१५	५६	१३	३८	शो	०१	०४	ग	१५	४८	२६	०४	०७	१६	०५	४१	तुला	०७	१९	३७	३८	६०	५५	२१	२५	१५	०६	भ. २६।२३ उ. प्रदोष व्रतं **D** राहुः आश्लेषायां ४ कर्के केतुः २२।३२
मित्र	१४	चं	५२	२१	२८	१३	वि	२१	१९	१५	४८	अ	०१	१५	वि	१९	५७	२६	०३	०७	१६	०५	४२	वृ. ०९/१४	०७	२०	३८	३३	६०	५६	२२	२६	१६	०७	भ. १५।१५ या. सशस्त्र सेना झंडा दिवस मास शिवरात्रि सर्वा. १५।४८ **E**
अमावस	३०	मं	५७	४२	३०	२२	अ	२७	२७	१८	१६	सु	०२	०३	च	२४	५५	२६	०१	०७	१७	०५	४२	वृश्चिक	०७	२१	३९	२९	६०	५७	२३	२७	१७	०८	देवपितृकार्ये अमावस्या बुधास्त पूर्वे २१।२५ **E** उ. ३१।१७ या.

गोचर ग्रहाः

१ — ७ बुशु — १० — ८ सू — ६ — ११ रा — ५ चं मं गु के — १२ श — २ — ४ — १ — ३

मा. कृ. पक्षे ८ भौमे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०४	०४	०६	०४	०६	११	१०	०४
अं.	१४	११	०७	२७	०२	०३	१३	००	००
क.	३३	२०	४१	४८	३३	४५	४७	१४	१४
वि.	२२	३९	५४	३४	१२	४९	११	५९	५९
ग	६०	८०६	२२	८७	०२	३४	०१	०३	०३
ति	४८	०१	०६	३०	१४	१७	०२	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	अनुरा.४	मघा ४	मघा ३	विशा.३	मघा १	चित्रा ४	उ.भा.४	धनिष्ठा३	मघा १

✻ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवत्सरे ✻

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
नव.	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
२५	१५।३१	१७।०९	१९।०५	२१।१८	२३।३६	२५।५२	२८।०७	३०।२५	०८।४५	१०।४९	१२।३३	१४।०३
२६	१५।२७	१७।०५	१९।०१	२१।१५	२३।३२	२५।४८	२८।०३	३०।२१	०८।४१	१०।४५	१२।२९	१३।५९
२७	१५।२३	१७।०१	१८।५७	२१।११	२३।२९	२५।४४	२७।५९	३०।१७	०८।३७	१०।४१	१२।२५	१३।५५
२८	१५।१९	१६।५७	१८।५४	२१।०७	२३।२५	२५।४०	२७।५५	३०।१३	०८।३४	१०।३७	१२।२१	१३।५१
२९	१५।१५	१६।५३	१८।५०	२१।०३	२३।२१	२५।३६	२७।५२	३०।०९	०८।३०	१०।३३	१२।१७	१३।४८
३०	१५।११	१६।४९	१८।४६	२०।५९	२३।१७	२५।३३	२७।४८	३०।०५	०८।२६	१०।२९	१२।१४	१३।४४
दि.१	१५।०७	१६।४५	१८।४२	२०।५५	२३।१३	२५।२९	२७।४४	३०।०१	०८।२२	१०।२६	१२।१०	१३।४०
०२	१५।०४	१६।४२	१८।३८	२०।५१	२३।०९	२५।२५	२७।४०	२९।५८	०८।१८	१०।२२	१२।०६	१३।३६
०३	१५।००	१६।३८	१८।३४	२०।४८	२३।०५	२५।२१	२७।३६	२९।५४	०८।१४	१०।१८	१२।०२	१३।३२
०४	१४।५६	१६।३४	१८।३०	२०।४४	२३।०२	२५।१७	२७।३२	२९।५०	०८।१०	१०।१४	११।५८	१३।२८
०५	१४।५२	१६।३०	१८।२७	२०।४०	२२।५८	२५।१३	२७।२८	२९।४६	०८।०६	१०।१०	११।५४	१३।२४
०६	१४।४८	१६।२६	१८।२३	२०।३६	२२।५४	२५।०९	२७।२४	२९।४२	०८।०३	१०।०६	११।५०	१३।२०
०७	१४।४४	१६।२२	१८।१९	२०।३२	२२।५०	२५।०५	२७।२०	२९।३८	०७।५९	१०।०२	११।४६	१३।१६
०८	१४।४०	१६।१८	१८।१५	२०।२८	२२।४६	२५।०२	२७।१७	२९।३४	०७।५५	०९।५८	११।४२	१३।१३

शेयर बाजार, वायदा बाजार की जानकारी हेतु **श्रीधरी तेजी मंदी रिपोर्ट** सन् 2026 की मंगवाकर लाभ उठायें।

ग्रहगोचरीय फलम्

क्रूरवार तेजी करे, मावस भौम कुसंग। मंदी से तेजी बने, वस्तु विविध प्रसंग।। निर्यातक गति न्यूनता, आयात रूप नवदेश। दलहन तिलहन नित्य का, उन्नत भाव निवेश। रवि संक्रमण बुध दिवस, श्रीधर गणना लक्ष। तेल गुड़ रस खांड में तेजी का ही पक्ष।। मंगसिर पहिले पाख में, कोई तिथि घट जाय। झगड़ा फसाद नित लोगो में, अधिकाय।। मंगसिर लागत तीज को, पुनर्वसु आर्द्रा आय। राजा प्रजा सुखी रहे, मन्दा धान्य बिकाय।। मंगसर जिन नक्षत्र में, मेघ गाज नभ संग। आषाढ़ मास वर्षा गति, उन नक्षत्र प्रसंग।। वार पाँच बुध देव के, अमा पूर्णिमा लक्ष। संस्था सेवा वर्ग की, जन सेवा में दक्ष।। द्रव्य तेल दोहन सबल, भूगत कोष विशेष। गुरू भौम गोचर गति, मुद्रा लाभ निवेश।। षडाष्टकी गुरू मंद की, आंतक द्वन्द विस्तार।। हिंसा अथवा वृष्टि से, ऋतु कोप प्रस्तार।। यान खान घटना विविध, हरण करण प्रतिचार। राहत सेहत पक्ष में, खर्चे विविध प्रकार।। मंगसिर लागत सप्तमी, नभ निर्मल दिन रात। अन्न मंदा वैशाख में, मंहगा बादल बात।। मंगसिर बदी त्रयोदशी, के दिन पड़े जो बर्फ। बढ़े धान्य धन सम्पदा, मंगलमय चौतर्फ।। श्रीधरी।।

गोचर ग्रहाः

१० रा — ९ — ८ सू चं बु — ७ शु — ६ — ११ — ५ मं गु — १२ श — २ — ४ के — १ — ३

मा. कृ. पक्षे ३० भौमे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०७	०४	०७	०४	०६	११	०९	०३
अं.	२१	१०	१०	०८	०२	०८	१३	२९	२९
क.	३९	१४	०८	१५	४४	१३	४२	५२	५२
वि.	२९	५९	४१	२०	५०	४४	१२	४३	४३
ग	६०	७२१	१९	१९	००	४३	००	०३	०३
ति	५७	४७	२३	२३	५३	०७	१७	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	ज्येष्ठा२	अनुरा.३	मघा ४	अनुरा.२	मघा १	स्वाति१	उ.भा.४	धनिष्ठा१	आश्ले.४

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्रराशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति	विविधतारीखें बं. मास	मु. रज्जब	भा. मार्ग.	अं. दिस.
ध्वांक्ष	१	बु	६०	००	-	-	ज्ये	३४	१७	२१	००	धृ	०३	२४	किं	३०	३६	२६	००	०७	१८	०५	४२	ध. २१/००	०७	२२	४०	२७	६०।५७	२४	२८	१८	०९
धूम्र	१	गु	०३	४०	०८	४७	मू	४१	३९	२३	५८	शू	०५	१४	ब	०३	४०	२५	५९	०७	१९	०५	४२	धनु	०७	२३	४१	२५	६०।५९	२५	२९	१९	१०
प्रवर्ध	२	शु	१०	११	११	२३	पूषा	४९	२३	२७	०४	गं	०७	२७	कौ	१०	११	२५	५८	०७	१९	०५	४२	धनु	०७	२४	४२	२४	६१।००	२६	र१	२०	११
राक्षस	३	श	१६	५७	१४	०७	उषा	५७	११	३०	१२	वृ	०९	५१	ग	१६	५७	२५	५७	०७	२०	०५	४३	म. ०९/५१	०७	२५	४३	२४	६१।०१	२७	०२	२१	१२
गद	४	र	२३	३९	१६	४८	श्र	६०	००	-	-	धु	१२	१४	वि	२३	३९	२५	५६	०७	२१	०५	४३	मकर	०७	२६	४४	२४	६१।०१	२८	०३	२२	१३
सिद्धि	५	चं	२९	४९	१९	१७	श्र	०४	३८	०९	१२	व्या	१४	१७	बा	२९	४९	२५	५६	०७	२१	०५	४३	कु. २२/३६	०७	२७	४५	२६	६१।०२	२९	०४	२३	१४
उत्पात	६	मं	३४	५५	२१	२०	ध	११	१८	११	५३	ह	१५	३९	कौ	०२	३१	२५	५५	०७	२२	०५	४४	कुंभ	०७	२८	४६	२७	६१।०२	३०	०५	२४	१५
मानस	७	बु	३८	३०	२२	४६	श	१६	४०	१४	०२	व	१५	५८	ग	०६	५५	२५	५४	०७	२२	०५	४४	कुंभ	०७	२९	४७	३०	६१।०३	पौ१	०६	२५	१६
मुद्गर	८	गु	४०	०९	२३	२६	पूभा	२०	११	१५	३१	सि	१४	५६	वि	०९	३४	२५	५४	०७	२३	०५	४४	मी. ०९/१३	०८	००	४८	३२	६१।०३	०२	०७	२६	१७
केतु	९	शु	३९	३८	२३	१५	उभा	२१	५६	१६	१०	व्य	१२	१८	बा	१०	०९	२५	५४	०७	२४	०५	४५	मीन	०८	०१	४९	३५	६१।०३	०३	०८	२७	१८
धाता	१०	श	३६	५५	२२	१०	रे	२१	२५	१५	५८	व	०७	५६	तै	०८	३२	२५	५३	०७	२४	०५	४५	मे. १५/५८	०८	०२	५०	३९	६१।०४	०४	०९	२८	१९
ए. व्रत	११	र	३२	०६	२०	१५	अ	१८	४८	१४	५६	प/शि	०१/५४	५३/१६	व	०४	४४	२५	५३	०७	२५	०५	४६	मेष	०८	०३	५१	४३	६१।०४	०५	१०	२९	२०
प्रदोष	१२	चं	२५	२९	१७	३७	भ	१४	११	१३	०९	सि	४५	१७	बा	२५	२९	२५	५३	०७	२५	०५	४६	वृ. १८/३६	०८	०४	५२	४७	६१।०४	०६	११	३०	२१
गद	१३	मं	१७	२७	१४	२४	कृ	०८	२०	१०	४६	सा	३५	१५	तै	१७	२७	२५	५३	०७	२६	०५	४७	वृषभ	०८	०५	५३	५१	६१।०५	०७	१२	पौ१	२२
पूर्णिमा	१४	बु	०८	२४	१०	४८	रो/मृ	०१/५३	१६/३७	०७/२८	५७/५३	शु	२४	३३	व	०८	२४	२५	५३	०७	२६	०५	४७	मि. १८/२६	०८	०६	५४	५६	६१।०५	०८	१३	०२	२३
क्षय	१५	बु	५८	५०	३०	५८	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००।००	००	००	००	००

०९ दिसम्बर से २३ दिसम्बर सन् २०२६ ई. तक

हेमन्त-शिशिर ऋतुः रवि दक्षिणा.-उत्तरायणे तथां च द.गोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।



०९ A १०।२५ बंगला पौष मास प्रा.
१० चन्द्रदर्शनं मार्गी शनिः ३०।०० C विशाखायां शुक्रः १३।५४
११ रज्जब मास ७ मुस. मेला ख्वाजा साहब अजमेर शरीफ
१२ भ. २७।२८ उ. सर्वा. ३०।१२ उ. ३१।२० या.
१३ भ. १६।४८ या. ज्येष्ठायां बुधः १७।१८
१४ पंचक २२।३६ उ. श्री रामजानकी विवाहोत्सव सर्वा. ०७।२१ उ. ०९।१२ या.
१५ सरदार पटेल पुण्य दिवस चम्पा षष्ठी स्कन्दगुह षष्ठी
१६ भ. २२।४६ उ. मित्रसप्तमी नरसी मेहता ज. मूले रविः १०।२५ धनुष्यऽर्कः A
१७ भ. ११।१३ या. B जयंती मौन एकादशी व्रतं सर्वा. ०७।२५ उ. १४।५६ या.
१८ सर्वा. अमृत. १६।१० उ. ३१।२४ या. जैन दिवाकर चौथमल पुण्य दि.
१९ पंचक १५।५८ या. पूफायां भौमः १०।२० E ०७।२६ उ. २८।५३ या.
२० भ. ०९।१८ उ. २०।१५ या. मोक्षदा एकादशी व्रतं सर्वेषाम् श्री गीता B
२१ रवि उत्तरायणे शिशिर ऋतु प्रा. सोम प्रदोष व्रतं मकरे भानुः २६।२०
२२ सर्वा. ०७।२६ उ. १०।४६ या. राष्ट्रीय पौष मास प्रा. मूले धनुषि बुधः ०७।३९ C
२३ भ. १०।४८ उ. २०।५४ या. पूर्णिमा व्रतं रा. किसान दिवस पिशाचमोचन D
०० D श्राद्ध पूर्णिमा व्रतं श्री दत्त महाप्रभु ज. सम्भवनाथ जन्म जैन सर्वा. E

गोचर ग्रहाः



मा.शु. पक्षे ८ गुरौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	१०	०४	०७	०४	०६	११	०९	०३
अं.	००	२८	१२	२२	०२	१५	१३	२९	२९
क.	४८	०२	४७	०५	४५	१६	४३	२४	२४
वि.	३२	३२	०६	०६	४५	५१	४०	०६	०६
गति	६१ ०३	७६७ ४८	१५ १५	९२ ५९	०० ५३	५१ २१	०० ४३	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	मूल १	पू.भा. ३	मघा ४	ज्येष्ठा २	मघा १	स्वाति ३	उ.भा. ४	धनिष्ठा २	आश्ले. ४

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवत्सरे

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
दिस.	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०९	१४।३६	१६।१४	१८।११	२०।२४	२२।४२	२४।५८	२७।१३	२९।३०	०७।५१	०९।५४	११।३९	१३।०९
१०	१४।३२	१६।१०	१८।०७	२०।२०	२२।३८	२४।५४	२७।०९	२९।२६	०७।४७	०९।५०	११।३५	१३।०५
११	१४।२८	१६।०६	१८।०३	२०।१६	२२।३४	२४।५०	२७।०५	२९।२२	०७।४३	०९।४६	११।३१	१३।०१
१२	१४।२४	१६।०२	१७।५९	२०।१२	२२।३०	२४।४६	२७।०१	२९।१८	०७।३९	०९।४२	११।२७	१२।५७
१३	१४।२०	१५।५८	१७।५५	२०।०८	२२।२६	२४।४२	२६।५७	२९।१४	०७।३५	०९।३८	११।२३	१२।५३
१४	१४।१६	१५।५४	१७।५१	२०।०४	२२।२२	२४।३८	२६।५३	२९।१०	०७।३१	०९।३४	११।१९	१२।४९
१५	१४।१२	१५।५०	१७।४७	२०।००	२२।१८	२४।३४	२६।४९	२९।०६	०७।२७	०९।३०	११।१५	१२।४५
१६	१४।०८	१५।४६	१७।४३	१९।५६	२२।१४	२४।३०	२६।४५	२९।०२	०७।२३	०९।२६	११।११	१२।४१
१७	१४।०४	१५।४२	१७।३९	१९।५२	२२।१०	२४।२६	२६।४१	२८।५८	०७।१९	०९।२२	११।०७	१२।३७
१८	१४।००	१५।३८	१७।३५	१९।४८	२२।०६	२४।२२	२६।३७	२८।५४	०७।१५	०९।१८	११।०३	१२।३३
१९	१३।५६	१५।३४	१७।३१	१९।४४	२२।०२	२४।१८	२६।३३	२८।५०	०७।११	०९।१४	१०।५९	१२।२९
२०	१३।५२	१५।३०	१७।२७	१९।४०	२१।५८	२४।१३	२६।२८	२८।४६	०७।०७	०९।१०	१०।५४	१२।२५
२१	१३।४८	१५।२६	१७।२३	१९।३६	२१।५४	२४।०९	२६।२४	२८।४२	०७।०३	०९।०६	१०।५०	१२।२०
२२	१३।४४	१५।२२	१७।१९	१९।३२	२१।५०	२४।०५	२६।२०	२८।३८	०७।५९	०९।०२	१०।४६	१२।१६
२३	१३।४०	१५।१८	१७।१५	१९।२८	२१।४६	२४।०२	२६।१७	२८।३४	०७।५५	०८।५८	१०।४३	१२।१३

धनु संक्रान्ति फलम्

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षे ७ बुधे धनुष्यऽर्कः प्र. (स्टे. टा. १०।२५) वा. ३ न. ३ अस्य पुण्यकालः अद्यैव मध्याह्न वेलातः पुण्यप्रदः तथा च वापी कूप संभागीय रचना गति। वार नाम-मंदाकिनी-नीति निदेशक, अधीक्षक राजनेता, दलपति, सचिव, राजपत्रित अधिकारी हेतु मनोत्साह वर्धक सुखद। नक्षत्र नाम-महोदरी-संग्रह-शील, स्टाकिस्ट, तस्कर ठग, चौर्यकर्मशील, लोभी-प्रलोभी वर्ग हेतु मनोत्साहवर्धक सुखद। दिवा २ याम् व्यापिनी उपदेशक विशिष्ट नीतिशील जन लेखक, पत्रकार, समाचार जगत हेतु विकार कष्टद प्रभारक। दक्षिण गमनं, वायव्यां दृष्टि। संक्रांति वास निवास माली गृहे, वणिज करणे, वाहन-महिष, उपवाहन उष्ट्र, श्यामवस्त्र, तोमरायुध, खप्पर पात्र, दधिभक्षण, अलक्तलेपन, मृगजाति, अर्कपत्र, पुष्प, मणिभूषण, पांडुकंचुकी, प्रगल्भावस्था, उपविष्टा, मुहूर्त्त-१५ धान्य गल्ला उन्नत भाव। तिल, अफीम, जीरा, अजवाइन, कलौंजी, उड़द, कालीमिर्च, काले वस्त्र, रेशमी वस्त्र, विष पदार्थ, रसायन, भेड़, बकरी, ऊँट, अन्नवस्त्र, दूध, दही, घी, लोहा, इस्पात, मशीनरी, कलपूंर्जे, तरल द्रव्य कार्य व्यवसाय लाभद भावी उन्नत धारणा। शुक्रोदय पूर्वे, वत्स दक्षिणे, राहू पूर्वे, मूल भूमौ।

गोचर ग्रहाः



मा शु. पक्षे १५ बुधे स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०१	०४	०८	०४	०६	११	०९	०३
अं.	०६	२१	१४	०१	०२	२०	१३	२९	२९
क.	५४	४७	१०	२५	३७	३५	४९	०५	०५
वि.	५६	०१	४९	२१	३३	४३	३५	०२	०२
गति	६१ ०५	९१६ २४	१२ ०४	९३ ५९	०२ ०३	५५ २९	०१ २२	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	मूल ३	रोहि. ४	पू.फा. १	मूल १	मघा १	विशा. १	उ.भा. ४	धनि. २	आश्ले. ४

पौष कृष्ण पक्षः विक्रम संवत् २०८३ राष्ट्रीय शाकः १९४८

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	सूर्यस्पष्ट रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	बं.	मु.	भा.	अं.
काण	१	गु	४१	१२	२७	०८	आ	४५	५१	२५	४७	शु	१३	३१	बा	२४	००	२५	५३	०७	२७	०५	४८	मिथुन	०८	०७	५६	०१	६१	०६	०९	१४	०३	२४
लुम्बक	२	शु	३९	५१	२३	२७	पुन	३८	२८	२२	५०	ब्र/ऐ	०२/५२	३३/०३	तै	१४	३०	२५	५३	०७	२७	०५	४८	क. १७/३६	०८	०८	५७	०७	६१	०६	१०	१५	०४	२५
चौथव्रत	३	श	३१	३५	२०	०६	पु	३१	५३	२०	१३	वै	४२	१७	व	०५	३९	२५	५४	०७	२७	०५	४९	कर्क	०८	०९	५८	१३	६१	०६	११	१६	०५	२६
वज्र	४	र	२४	२५	१७	१४	आ	२६	३२	१८	०५	वि	३३	३३	बा	२४	२५	२५	५४	०७	२८	०५	५०	सिं. १८/०५	०८	१०	५९	१९	६१	०७	१२	१७	०६	२७
ध्वांक्ष	५	चं	१८	४६	१४	५९	म	२२	४२	१६	३३	प्री	२६	०६	तै	१८	४६	२५	५५	०७	२८	०५	५०	सिंह	०८	१२	००	२६	६१	०८	१३	१८	०७	२८
धूम्र	६	मं	१४	५२	१३	२५	पूफा	२०	३६	१५	४३	आ	२०	०४	व	१४	५२	२५	५५	०७	२९	०५	५१	क. २१/३७	०८	१३	०१	३४	६१	०८	१४	१९	०८	२९
प्रवर्ध	७	बु	१२	५०	१२	३७	उफा	२०	२०	१५	३७	सौ	१५	३०	ब	१२	५०	२५	५६	०७	२९	०५	५१	कन्या	०८	१४	०२	४२	६१	०९	१५	२०	०९	३०
राक्षस	८	गु	१२	३९	१२	३३	ह	२१	५०	१६	१३	शो	१२	२२	कौ	१२	३९	२५	५७	०७	२९	०५	५२	तु. २८/४७	०८	१५	०३	५०	६१	०९	१६	२१	१०	३१
मुसल	९	शु	१४	१३	१३	११	चि	२५	००	१७	२९	अ	१०	३४	ग	१४	१३	२५	५८	०७	३०	०५	५३	तुला	०८	१६	०४	५९	६१	०९	१७	२२	११	ज१
सिद्धि	१०	श	१७	१७	१४	२५	स्वा	२९	३४	१९	११	सु	०९	५६	वि	१७	१७	२५	५९	०७	३०	०५	५३	तुला	०८	१७	०६	०९	६१	१०	१८	२३	१२	०२
ए.व्रत	११	र	२१	३७	१६	०९	वि	३५	१७	२१	३७	धृ	१०	१६	बा	२१	३७	२६	००	०७	३०	०५	५४	वृ. १५/००	०८	१८	०७	१९	६१	१०	१९	२४	१३	०३
मानस	१२	चं	२६	५५	१८	१६	अ	४१	५१	२४	१५	शू	११	२२	तै	२६	५५	२६	०१	०७	३०	०५	५५	वृश्चिक	०८	१९	०८	२९	६१	१०	२०	२५	१४	०४
प्रदोष	१३	मं	३२	५४	२०	४०	ज्ये	४९	०१	२७	०७	गं	१३	००	व	३२	५४	२६	०३	०७	३०	०५	५६	ध. २७/०७	०८	२०	०९	३९	६१	१०	२१	२६	१५	०५
केतु	१४	बु	३९	२०	२३	१५	मू	५६	३४	३०	०८	वृ	१५	०२	वि	०६	०४	२६	०४	०७	३१	०५	५६	धनु	०८	२१	१०	४९	६१	१०	२२	२७	१६	०६
अमावस	३०	गु	४५	५९	२५	५४	पूषा	६०	००	-	-	ध्रु	१७	१७	च	१२	३९	२६	०५	०७	३१	०५	५७	धनु	०८	२२	११	५९	६१	१०	२३	२८	१७	०७

(दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५ घं. ३० मि. के; विविध तारीखें बं. मु. भा. अं.)

२४ दिसम्बर सन् २०२६ से ०७ जनवरी सन् २०२७ ई. तक

शिशिर ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

सर्वा. २५।४७ उ. सूच्यते- उ. अर्थात् उपरांत् (से) या. अर्थात् यावत् (तक)
सर्वा. २२।५० या. क्रिसमस डे, बड़ा दिन, पं. मदन मोहन मालवीय ज.
भ. ०९।४३ उ. २०।०६ या. चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २०।३५
श्रीदीपनारायण पुरी पुण्य खाटू बड़ी (राज.) सूच्यते- भ. अर्थात् भद्रा
सूच्यते- सर्वा. अर्थात् सर्वार्थसिद्धियोग, अमृत. अर्थात् अमृतसिद्धियोग
भ. १३।२५ उ. २४।५६ या. पूषायां रविः १२।४४
सर्वा. १५।३७ उ. ३१।२९ या. कालाष्टमी पूषायां बुधः १८।३१
जिन हरिसागर पुण्य जैन सूच्यते- ज. अर्थात् जयंती, पु. अर्थात् पुण्य
भ. २५।४३ उ. जनवरी मास १ ता. ३१ सन् २०२७ प्रा. वृश्चिके शुक्रः २३।२२
भ. १४।२५ या. पौषी दशमी पार्श्वनाथ ज. जैन सर्वा. ०७।३० उ. ११।११ या.
सफला एकादशी व्रतं सर्वेषाम् सूच्यते- सर्वे. अर्थात् सर्वेषाम्
सर्वा. ०७।३० उ. २४।१५ या. अनुराधायां शुक्रः ३०।०३
भ. २०।४० उ. भौमप्रदोष व्रतं मास शिवरात्रि श्री चन्द्रप्रभु जन्म जैन
भ. ०९।५६ या. मअराज मुस. जयप्रभ विजय पुण्यः
देवपितृकार्ये अमावस्या उषायां बुधः २४।०९

गोचर ग्रहाः



पौष कृ. पक्षे ८ गुरौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०५	०४	०८	०४	०६	११	०९	०३
अं.	१५	१७	१५	१४	०२	२८	१४	२८	२८
क.	०३	३४	३०	०३	१५	१५	०३	३९	३९
वि.	५०	०२	५०	५०	५१	२५	२९	३५	३५
गति	६१ ०९	७६८ ३५	०७ ११	९६ ०३	०३ ३३	५९ ४६	०२ १३	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पूषा.१	हस्त ३	पूफा.१	पूषा.१	मघा १	विशा.३	उ.भा.४	धनिष्ठा१	आश्ले.४

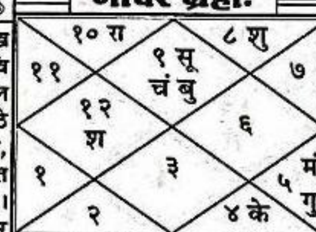
✲ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवत्सरे ✲

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
दिस.	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा
२४	१३।३७	१५।१५	१७।११	१९।२५	२१।४२	२३।५८	२६।१३	२८।३१	३०।४७	०८।५५	१०।३९	१२।०९
२५	१३।३३	१५।११	१७।०८	१९।२१	२१।३९	२३।५४	२६।०९	२८।२७	३०।४४	०८।५१	१०।३५	१२।०६
२६	१३।३०	१५।०७	१७।०४	१९।१७	२१।३५	२३।५१	२६।०६	२८।२३	३०।४०	०८।४८	१०।३२	१२।०२
२७	१३।२६	१५।०४	१७।००	१९।१४	२१।३१	२३।४७	२६।०२	२८।२०	३०।३६	०८।४४	१०।२८	११।५८
२८	१३।२२	१५।००	१६।५७	१९।१०	२१।२८	२३।४३	२५।५८	२८।१६	३०।३३	०८।४०	१०।२४	११।५४
२९	१३।१८	१४।५६	१६।५३	१९।०६	२१।२४	२३।४०	२५।५५	२८।१२	३०।२९	०८।३६	१०।२१	११।५१
३०	१३।१५	१४।५३	१६।४९	१९।०२	२१।२०	२३।३६	२५।५१	२८।०९	३०।२५	०८।३३	१०।१७	११।४७
३१	१३।११	१४।४९	१६।४५	१८।५९	२१।१७	२३।३२	२५।४७	२८।०५	३०।२१	०८।२९	१०।१३	११।४३
ज१	१३।०७	१४।४५	१६।४२	१८।५५	२१।१३	२३।२८	२५।४३	२८।०१	३०।१८	०८।२५	१०।०९	११।३९
०२	१३।०३	१४।४१	१६।३८	१८।५१	२१।०९	२३।२५	२५।४०	२७।५७	३०।१४	०८।२१	१०।०५	११।३६
०३	१२।५९	१४।३७	१६।३४	१८।४७	२१।०५	२३।२१	२५।३६	२७।५३	३०।१०	०८।१७	१०।०२	११।३२
०४	१२।५६	१४।३३	१६।३०	१८।४३	२१।०१	२३।१७	२५।३२	२७।४९	३०।०६	०८।१४	०९।५८	११।२८
०५	१२।५२	१४।३०	१६।२६	१८।३९	२०।५७	२३।१३	२५।२८	२७।४६	३०।०२	०८।१०	०९।५४	११।२४
०६	१२।४८	१४।२६	१६।२२	१८।३५	२०।५३	२३।०९	२५।२४	२७।४२	२९।५८	०८।०६	०९।५०	११।२०
०७	१२।४४	१४।२२	१६।१८	१८।३२	२०।४९	२३।०५	२५।२०	२७।३८	२९।५४	०८।०२	०९।४६	११।१६

ग्रहगोचरीय फलम्

अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना सुखद अधियोग। सुख सुभिक्ष की धारणा, श्रीधर शास्त्र सुयोग।। रवि संक्रमण गुरू दिवस, वस्तु नियंत्रण देश। समकल वितरण की गति, शासन दक्ष विशेष।। सातै आठे पौष बदी, बरसै आधी रात। वर्षा ऋतु में समझ लो, उत्तम हो बरसात। बादल गरजे पूर्व में, नौमी लागत पौष। समझो खेती नाश का, होता है यह घोष।। नौमी ग्यारस पौष में, पूर्व बादल गाज। कृश शरीर जलता रहै, मंहगा बिकै अनाज।। नौमी ग्यारस पौष में, चालै पथवा पौन। धाराधर बरसे नहीं, अति दुर्भिक्ष कुसौन ।। पौष बदी एकादशी, चालै दखिनी पौन। बादल बिजली गाज हो, अति दुर्भिक्ष कुसौन।। पड़वा दोयज पौष सुदी, बिजली बादल देख। वर्षा से खेती बढ़े, उपजै अन्न विशेष।। पौष सुदी में चौथ को, ना बादल ना गाज। आगे वर्षा काल हो, वर्षा का मुहताज।। पौषी सुदी में पंचमी को, यदि पड़े तुषार। निश्चय वर्षा काल में, वर्षा होय अपार।। पौष उजेरी सप्तमी, आठे नोमी गाज। बादल वर्षा होय तो, साजै सुन्दर साज।। सातै आठे पौष बदी, बरसे नभ सह गाज। वर्षा ऋतु में श्रेष्ठता, श्रीधर शकुन सुराज।।

गोचर ग्रहाः



पौ.कृ.पक्षे ३० गुरौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०८	०४	०८	०४	०७	११	०९	०३
अं.	२२	१३	१६	२५	०१	०५	१४	२८	२८
क.	११	०१	०६	२३	४७	२२	२१	१७	१७
वि.	५९	०३	४५	२७	१३	३६	०८	२०	२०
गति	६१ १०	७०९ ०६	०२ १७	९८ ३३	०४ ४७	६२ ३४	०२ ५६	०३ ११	०३ ११
मा/व	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पूषा.३	पूषा.१	पूफा.१	पूषा.४	मघा १	अनुरा.१	उ.भा.४	धनिष्ठा१	आश्ले.४

पौष शुक्ल पक्षः विक्रम संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति	विविधतारीखें चं.	मु.	भा.	अं.
प्रवर्ध	१	शु	५२	३८	२८	३४	पूषा	०४	१५	०९	१३	व्या	११	३६	किं	११	११	२६	०७	०७	३१	०५	५८	म. १५/५१	०८	२३	१३	१०	६१ १०	२४	२९	१८	०८
राक्षस	२	श	५९	०२	३१	०८	उषा	११	५२	१२	१६	ह	२१	५०	बा	२५	५३	२६	०८	०७	३१	०५	५८	मकर	०८	२४	१४	२०	६१ १०	२५	३०	१९	०९
गद	३	र	६०	००	-	-	श्र	११	११	१५	१२	व	२३	४८	तै	३२	०३	२६	१०	०७	३१	०५	५९	कु. २८/३५	०८	२५	१५	३०	६१ १०	२६	शा१	२०	१०
शुभ	३	चं	०४	५४	०९	२९	ध	२५	५६	१७	५३	सि	२५	१७	ग	०४	५४	२६	१२	०७	३१	०६	००	कुंभ	०८	२६	१६	३९	६१ ०९	२७	०२	२१	११
मृत्यु	४	मं	०९	५६	११	३०	श	३१	४६	२०	१४	व्य	२६	०५	वि	०९	५६	२६	१४	०७	३१	०६	०१	कुंभ	०८	२७	१७	४८	६१ ०९	२८	०३	२२	१२
पद्म	५	बु	१३	४८	१३	०२	पूभा	३६	२३	२२	०४	व	२५	५६	बा	१३	४८	२६	१६	०७	३१	०६	०१	मी. १५/४०	०८	२८	१८	५७	६१ ०८	२९	०४	२३	१३
छत्र	६	गु	१६	१०	१३	५९	उभा	३९	२९	२३	१९	प	२४	३७	तै	१६	१०	२६	१८	०७	३१	०६	०२	मीन	०८	२९	२०	०५	६१ ०७	मा१	०५	२४	१४
श्रीवत्स	७	शु	१६	४७	१४	१४	रे	४०	५०	२३	५१	शि	२१	५६	व	१६	४७	२६	२०	०७	३१	०६	०३	मे. २३/५१	०९	००	२१	१२	६१ ०७	०२	०६	२५	१५
सौम्य	८	श	१५	३१	१३	४४	अ	४०	१९	२३	३९	सि	१७	४८	ब	१५	३१	२६	२२	०७	३१	०६	०४	मेष	०९	०१	२२	११	६१ ०६	०३	०७	२६	१६
कालदंड	९	र	१२	२१	१२	२७	भ	३७	५८	२२	४२	सा	१२	१०	कौ	१२	२१	२६	२४	०७	३१	०६	०५	वृ. २८/२२	०९	०२	२३	२५	६१ ०५	०४	०८	२७	१७
ए. व्रत	१०	चं	०७	२२	१०	२८	कृ	३३	५६	२१	०५	शु/शु	०५/५६	०६/४५	ग	०७	२२	२६	२६	०७	३१	०६	०५	वृषभ	०९	०३	२४	३०	६१ ०४	०५	०९	२८	१८
मातंग	११	मं	००	४८	०७	५०	रो	२८	२९	१८	५४	ब्र	४७	२१	वि	००	४८	२६	२९	०७	३१	०६	०६	मि. २९/३८	०९	०४	२५	३५	६१ ०४	०६	१०	२९	१९
क्षय	१२	मं	५२	५८	२८	४२	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०० ००	००	००	००	००
प्रदोष	१३	बु	४४	१४	२५	१२	मृ	२१	५७	१६	१७	ऐं	३७	११	कौ	१८	४१	२६	३१	०७	३०	०६	०७	मिथुन	०९	०५	२६	३८	६१ ०३	०७	११	३०	२०
काण	१४	गु	३५	००	२१	३०	आ	१४	४४	१३	२४	वै	२६	३४	ग	०९	४०	२६	३४	०७	३०	०६	०८	क. २९/१०	०९	०६	२७	४१	६१ ०२	०८	१२	मा१	२१
पूर्णिमा	१५	शु	२५	४३	१७	४७	पुन	०७	१८	१०	२५	वि	१५	५०	वि	००	२१	२६	३६	०७	३०	०६	०९	कर्क	०९	०७	२८	४३	६१ ०१	०९	१३	०२	२२

०८ जनवरी से २२ जनवरी सन् २०२७ ई. तक

शिशिर ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

C बुधः २४।०५ सर्वार्थ. ३१।३१ या. अमृतसिद्धि ०७।३१ उ. २३।५१ या.
चन्द्रदर्शनं सर्वार्थसिद्धियोग १२।१६ उ. ३१।३१ या. मकरे बुधः २४।३७
पंचक २८।३५ उ. वि. हिन्दी दिवस शाबान मास ८ मुस. वक्री भौमः १८।२४
भ. २२।३२ उ. उषायां रविः १४।४० शास्त्री पुण्य श्री यतीन्द्र सूरीश्वर A
भ. ११।३० या. रा. युवा दिवस विवेकानन्द जयंती A पुण्य त्रि. स्तु. जैन
E स्था. जैन बुधोदय पश्चिमे २१।२५ अभिजिति रविः १०।२१ सर्वा. F
मकरेऽर्कः २१।१० सर्वार्थसिद्धियोग २३।११ उ. बंगला माघ मास प्रारंभ
भ. १४।१४ उ. २६।०५ या. पंचक २३।५१ या. थल सेना दिवस गुरू B
B गोविन्द सिंह जयंती गुरू राजेन्द्र सूरीश्वर जन्म व पुण्य जैन श्रवणे C
ज्येष्ठायां शुक्रः १९।२१ D खरतरगच्छ जैन सर्वा. २१।०५ उ. ३१।३१ या.
भ. २१।१३ उ. पुत्रदा ११ व्रतं स्मार्त्त आचार्य जिनानन्द सागर पुण्य D
भ. ०७।५० या. पुत्रदा एकादशी व्रतं वैष्णव निम्बार्क



द्वादशी तिथिक्षयः F १३।२४ उ. रा. माघ मास प्रारंभ
प्रदोष व्रतं सर्वा. ०७।३० उ. १६।१७ या. कुम्भे भानुः १३।००
भ. २१।३० उ. श्री शाकम्भरी जयंती मरूधर केसरी मिश्रीमल पुण्य E
भ. ०७।३८ या. पूर्णिमा व्रतं माघ स्नान प्रारंभ सर्वार्थसिद्धि. १०।२५ या.

गोचर ग्रहाः



पौषशु. पक्षे ८ शनौ स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	००	०८	०९	०४	०७	११	०९	०३
अं.	०१	०३	१५	१०	००	१४	१४	२७	२७
क.	२२	०७	५९	२२	५८	५६	५१	४८	४८
वि.	११	३१	५५	४७	३०	५१	००	४३	४३
ग	६१	८१३	०४	१०१	०६	६५	०३	०३	०३
ति	०६	०५	३१	१४	०१	१४	४८	११	११
म/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	उ.षा.१	अश्वि.१	पू.फा.२	श्रवण२	मघा १	अनुरा.४	उ.भा.४	धनि.२	आश्ले.४

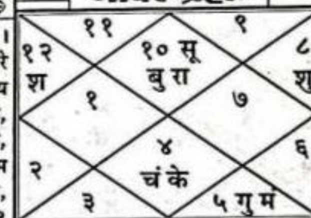
✱ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवतसरे ✱

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा	दिवा
०८	१२।४०	१४।१८	१६।१४	१८।२८	२०।४५	२३।०१	२५।१६	२७।३४	२९।५०	०७।५८	०९।४२	११।१२
०९	१२।३६	१४।१४	१६।१०	१८।२४	२०।४१	२२।५७	२५।१२	२७।३०	२९।४६	०७।५४	०९।३८	११।०८
१०	१२।३२	१४।१०	१६।०६	१८।२०	२०।३७	२२।५३	२५।०८	२७।२६	२९।४२	०७।५०	०९।३४	११।०४
११	१२।२८	१४।०६	१६।०२	१८।१६	२०।३३	२२।४९	२५।०४	२७।२२	२९।३८	०७।४६	०९।३०	११।००
१२	१२।२४	१४।०२	१५।५८	१८।१२	२०।२९	२२।४५	२५।००	२७।१८	२९।३४	०७।४२	०९।२६	१०।५६
१३	१२।२०	१३।५८	१५।५४	१८।०७	२०।२५	२२।४१	२४।५६	२७।१४	२९।३०	०७।३८	०९।२२	१०।५२
१४	१२।१६	१३।५३	१५।५०	१८।०३	२०।२१	२२।३७	२४।५२	२७।०९	२९।२६	०७।३३	०९।१८	१०।४८
१५	१२।१२	१३।४९	१५।४६	१७।५९	२०।१७	२२।३३	२४।४८	२७।०५	२९।२२	०७।२९	०९।१४	१०।४४
१६	१२।०७	१३।४५	१५।४२	१७।५५	२०।१३	२२।२८	२४।४३	२७।०१	२९।१८	०७।२५	०९।१०	१०।४०
१७	१२।०३	१३।४१	१५।३८	१७।५१	२०।०९	२२।२४	२४।३९	२६।५७	२९।१४	०७।२१	०९।०५	१०।३५
१८	११।५९	१३।३७	१५।३३	१७।४७	२०।०४	२२।२०	२४।३५	२६।५३	२९।१०	०७।१७	०९।०१	१०।३१
१९	११।५५	१३।३२	१५।२९	१७।४२	२०।००	२२।१६	२४।३१	२६।४८	२९।०५	०७।१३	०८।५७	१०।२७
२०	११।५०	१३।२८	१५।२५	१७।३८	१९।५६	२२।१२	२४।२७	२६।४४	२९।०१	०७।०९	०८।५३	१०।२३
२१	११।४७	१३।२४	१५।२१	१७।३४	१९।५२	२२।०८	२४।२३	२६।४०	२८।५७	०७।०४	०८।४९	१०।१९
२२	११।४३	१३।२१	१५।१७	१७।३१	१९।४९	२२।०४	२४।१९	२६।३७	२८।५३	०७।०१	०८।४५	१०।१५

मकर संक्रान्ति फलम्

पौष शुक्ल पक्षे ६ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टे.टा. २१।१०) वा. २ न. ३ अस्य पुण्यकालः पर दिने शुक्रवासरे सूर्योदय वेलताः पुण्यप्रदः तथा च देवालय संभागीय रचना गति। वार नाम मंदा-लेखक, पत्रकार, शिक्षक, प्रोफेसर, प्रवचनकर्त्ता, धर्मोपदेशक, कथावाचक, व्याख्याता वर्ग हेतु सुखद मनोत्साहवर्धक। नक्षत्र नाम मंदा-साहित्यकार, प्राचार्य, ज्ञानप्रदाता, वैज्ञानिक, शोधकर्त्ता, विद्वान् जगत् हेतु सौख्य कारक। रात्रि १ याम् व्यापिनी, विस्फोटक, हिंसा प्रासारक गण, देश-द्रोही, भ्रष्टपंथी, आतंकवादी हेतु कष्टद प्रभारक। उत्तरे गमन, आग्नेयां दृष्टि। संक्रांति वास माली गृहे, गरकरणे, वाहन-गज, उपवाहन -खर, रक्तवस्त्र, धनुषायुध, लौहपात्र, पयभक्षण, गौरोचन लेपन, पशुजाति, बिल्व पुष्प, कुक्कुट भूषण, श्वेत कंचुकी, प्रोढ़ावस्था, उपविष्टा मुहूर्त्त-४५, धान्य गाह्य स्थिर समभाव। सूत कपास, पोस्ता, लहसुन, मिर्च, मसूर, हल्दी, कलपूर्जे, मशीनरी, सोना, चांदी, असगंध, हाथी, गधा, लालवस्त्र, लोहा, इस्पात, सरिया, सुगन्धित द्रव्य, सफेदरंग वस्तु, चावल, कंदमूल पदार्थ, कार्य व्यवसाय लाभद, भावी उन्नत गति, शुक्रोदय पूर्वे, वत्स दक्षिणे, राहु पूर्वे, मूल स्वर्गे।

गोचर ग्रहाः



पौषशु. पक्षे १५ शुक्रे स्टै.टा.प्रा.५ घं.३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०३	०४	०९	०४	०७	११	०९	०३
अं.	०७	००	१५	२०	००	२१	१५	२७	२७
क.	२८	१२	२०	२८	१९	३२	१५	२९	२९
वि.	४३	४०	०४	५२	४४	००	०५	३८	३८
ग	६१	८१०	०९	११९	०६	६६	०४	०३	०३
ति	०१	४९	२६	४२	५२	३८	११	११	११
म/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	उ.षा.४	पुनर्व.	पू.फा.१	श्रवण४	मघा १	ज्येष्ठा१	उ.भा.४	धनिष्ठा१	आश्ले.२

माघ कृष्ण पक्षः वि. संवत् २०८३ राष्ट्रीय शाकः १९४८

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति	विविध तारीखें बं. माघ	मु. शाबान	भा. माघ	अं. जन.
मित्र	१	श	१६	४८	१४	१३	पु/आ	००/५३	०४/२१	०७/२८	३१/५३	प्री/आ	०५/५५	२०/२५	कौ	१६	४८	२६	३१	०७	३०	०६	०९	सिं. २८/५३	०९	०८	२९	४४	६१ ०१	१०	१४	०३	२३
मुद्गर	२	र	०८	४१	१०	५८	म	४७	५९	२६	४१	सौ	४६	२३	ग	०८	४१	२६	४१	०७	३०	०६	१०	सिंह	०९	०९	३०	४५	६१ ००	११	१५	०४	२४
चौथव्रत	३	चं	०१	४४	०८	११	पूफा	४३	५५	२५	०३	शो	३८	३१	वि	०१	४४	२६	४४	०७	२९	०६	११	क. ३०/४५	०९	१०	३१	४५	६० ५९	१२	१६	०५	२५
क्षय	४	चं	५६	१९	३०	०१	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०० ००	००	००	००	००
धाता	५	मं	५२	४२	२८	३४	उफा	४१	३४	२४	०७	अ	३२	०२	कौ	२४	१७	२६	४७	०७	२९	०६	१२	कन्या	०९	११	३२	४४	६० ५९	१३	१७	०६	२६
आनन्द	६	बु	५१	०४	२७	५४	ह	४१	०९	२३	५६	सु	२७	०५	ग	२१	३९	२६	५०	०७	२९	०६	१२	कन्या	०९	१२	३३	४३	६० ५८	१४	१८	०७	२७
चर	७	गु	५१	२८	२८	०३	चि	४२	४१	२४	३३	धृ	२३	४३	वि	२१	०२	२६	५३	०७	२८	०६	१३	तु. १२/०८	०९	१३	३४	४१	६० ५८	१५	१९	०८	२८
गद	८	शु	५३	४७	२८	५९	स्वा	४६	०६	२५	५४	शू	२१	५३	बा	२२	२४	२६	५६	०७	२८	०६	१४	तुला	०९	१४	३५	३९	६० ५७	१६	२०	०९	२९
शुभ	९	श	५७	४७	३०	३४	वि	५१	१०	२७	५५	गं	२१	२६	तै	२५	३६	२६	५९	०७	२७	०६	१५	वृ. २१/२२	०९	१५	३६	३६	६० ५६	१७	२१	१०	३०
मृत्यु	१०	र	६०	००	-	-	अ	५७	३२	३०	२८	वृ	२२	०८	व	३०	११	२७	०२	०७	२७	०६	१६	वृश्चिक	०९	१६	३७	३२	६० ५६	१८	२२	११	३१
पद्म	१०	चं	०३	०८	०८	४२	ज्ये	६०	००	-	-	ध्रु	२३	४३	वि	०३	०८	२७	०५	०७	२६	०६	१६	वृश्चिक	०९	१७	३८	२८	६० ५५	१९	२३	१२	फ१
ए. व्रत	११	मं	०९	२२	११	११	ज्ये	०४	४१	०९	२१	व्या	२५	५२	बा	०९	२२	२७	०८	०७	२६	०६	१७	ध. ०९/२१	०९	१८	३९	२३	६० ५४	२०	२४	१३	०२
प्रदोष	१२	बु	१६	०३	१३	५१	मू	१२	३१	१२	२६	ह	२८	१७	तै	१६	०३	२७	११	०७	२५	०६	१८	धनु	०९	१९	४०	१७	६० ५३	२१	२५	१४	०३
धाता	१३	गु	२२	४७	१६	३२	पूषा	२०	१८	१५	३२	व	३०	४१	व	२२	४७	२७	१४	०७	२५	०६	१९	म. २२/१८	०९	२०	४१	१०	६० ५२	२२	२६	१५	०४
आनन्द	१४	शु	२९	१४	१९	०६	उषा	२७	४९	१८	३२	सि	३२	५०	श	२९	१४	२७	१७	०७	२४	०६	१९	मकर	०९	२१	४२	०२	६० ५१	२३	२७	१६	०५
अमावस	३०	श	३५	०६	२१	२६	श्र	३४	४९	२१	११	व्य	३४	३४	च	०२	१६	२७	२१	०७	२४	०६	२०	मकर	०९	२२	४२	५३	६० ५०	२४	२८	१७	०६

२३ जनवरी से ०६ फरवरी सन् २०२७ ई. तक

शिशिर ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च दक्षिणगोलीय

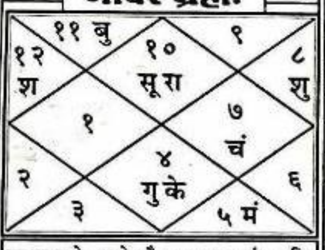
इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

- २३ नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती शबेबारात मुस. धनिष्ठायां बुधः २२।४९
- २४ भ. २१।३० उ. श्रवणे रविः १७।०१ आश्लेषायां ४ कर्के गुरूः २५।३१
- २५ भ. ०८।११ या. संकष्ट तिल चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २१।३० अभिजिति **A**
- ०० चतुर्थी तिथिक्षयः **A** निर्गम रविः १४।००
- २६ राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस
- २७ भ. २७।५४ उ. सर्वा. ०७।२९ उ. २३।५६ या. कुम्भे बुधः २७।३४
- २८ भ. १५।५३ या. लालालाजपतराय ज. श्री रामानन्दाचार्य ज. रामानन्दः **B**
- २९ मूले धनुषि शुक्रः १८।४१
- ३० शहीद दिवस गांधी पुण्य दिवस
- ३१ भ. ११।३५ उ. मघायां भौमः १६।०६
- फ१ भ. ०८।४२ या. फरवरी मास २ ता. २८ प्रा. शतभिषायां बुधः २४।५८
- ०२ षट्तिला एकादशी व्रतं सर्वेषाम् **B** स्वयं राम प्रादुर्भूतो महीतले
- ०३ प्रदोष व्रतं शीतलनाथ जन्म जैन **C** योग २१।१४ या. सर्वा. २१।११ या. **D**
- ०४ भ. १६।३२ उ. २९।५० या. मास शिवरात्रि मेरूत्रयोदशी आदिनाथ पुण्य
- ०५ सर्वार्थसिद्धि योग १८।३२ उ. महोदय योग २०।३२ उ.
- ०६ देवपितृकार्ये मौनी माघी अमावस्या सूर्यग्रहण विदेशों में महोदय **C**





गोचर ग्रहाः



मा.कृ.पक्षे ८ शुक्रे स्टै.टा.प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०६	०४	१०	०३	०७	११	०९	०३
अं.	१४	०९	१३	०१	२९	२९	१५	२७	२७
क.	३५	१७	५७	३६	२९	२२	४७	०७	०७
वि.	३९	५८	३५	२७	३७	३८	०५	२३	२३
ग	६०	७५३	१४	८५	०७	६७	०४	०३	०३
ति	५७	३२	५२	४७	३०	५९	५४	११	११
मा/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	श्रवण२	स्वाति१	पू.फा.१	धनिष्ठा३	आश्ले.४	ज्येष्ठा४	उ.भा.४	धनिष्ठा२	आश्ले.४

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र नाम संवत्सरे

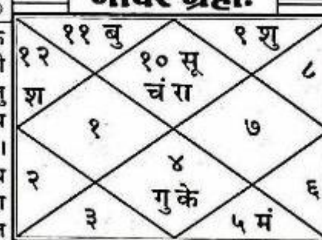
ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा
२३	११।३९	१३।१७	१५।१४	१७।२७	१९।४५	२२।००	२४।१६	२६।३३	२८।५०	३०।५३	०८।४१	१०।१२
२४	११।३६	१३।१३	१५।१०	१७।२३	१९।४१	२१।५७	२४।१२	२६।२९	२८।४६	३०।५०	०८।३८	१०।०८
२५	११।३२	१३।१०	१५।०६	१७।२०	१९।३७	२१।५३	२४।०८	२६।२६	२८।४२	३०।४६	०८।३४	१०।०४
२६	११।२८	१३।०६	१५।०३	१७।१६	१९।३४	२१।४९	२४।०४	२६।२२	२८।३९	३०।४२	०८।३०	१०।००
२७	११।२४	१३।०२	१४।५९	१७।१२	१९।३०	२१।४६	२४।०१	२६।१८	२८।३५	३०।३८	०८।२७	०९।५७
२८	११।२१	१२।५९	१४।५५	१७।०८	१९।२६	२१।४२	२३।५७	२६।१४	२८।३१	३०।३५	०८।२३	०९।५३
२९	११।१७	१२।५५	१४।५१	१७।०५	१९।२२	२१।३८	२३।५३	२६।११	२८।२७	३०।३१	०८।१९	०९।४९
३०	११।१३	१२।५१	१४।४८	१७।०१	१९।१९	२१।३४	२३।४९	२६।०७	२८।२४	३०।२७	०८।१५	०९।४५
३१	११।०९	१२।४७	१४।४४	१६।५७	१९।१५	२१।३०	२३।४५	२६।०३	२८।२०	३०।२३	०८।११	०९।४१
फ१	११।०५	१२।४३	१४।४०	१६।५३	१९।११	२१।२७	२३।४२	२५।५९	२८।१६	३०।१९	०८।०७	०९।३८
०२	११।०१	१२।३९	१४।३६	१६।४९	१९।०७	२१।२३	२३।३८	२५।५५	२८।१२	३०।१५	०८।०४	०९।३४
०३	१०।५७	१२।३५	१४।३२	१६।४५	१९।०३	२१।१९	२३।३४	२५।५१	२८।०८	३०।१२	०८।००	०९।३०
०४	१०।५४	१२।३१	१४।२८	१६।४१	१८।५९	२१।१५	२३।३०	२५।४७	२८।०४	३०।०८	०७।५६	०९।२६
०५	१०।५०	१२।२८	१४।२४	१६।३७	१८।५५	२१।११	२३।२६	२५।४४	२८।००	३०।०४	०७।५२	०९।२२
०६	१०।४६	१२।२४	१४।२०	१६।३३	१८।५१	२१।०७	२३।२२	२५।४०	२७।५६	३०।००	०७।४८	०९।१८

D प्रयागराज मेला स्नान पर्व धनिष्ठायां रविः २०।०९ धनिष्ठायां १ राहुः आश्लेषायां ३ केतुः २०।११

ग्रहगोचरीय फलम्

अमा पूर्णिमा शनैश्चरी अग्निकांड अधियोग। आंतक द्वन्द हिंसा गति, विस्फोटक अभियोग।। क्रूरवार तेजी करे, मावस शनि कुसंग। मन्दी से तेजी बने, वस्तु विविध प्रसंग।। निर्यातक गति न्यूनता, आयात रूप नवदेश। दलहन तिलहन नित्य का, उन्नत भाव निवेश।। रवि संक्रमण शनि दिवस, शासन कर्मी द्वन्द। भय आपदा, श्रीधर गणना मंद।। माघ मास की प्रतिपदा शनिवारी सुखसार। देश सुखी उत्तम उपज, आनन्दित नर नार।। माघ सुदी सातै पड़ै, शनि रवि चंदा वार।। विग्रह भय दुर्भिक्ष से दुःख पावै संसार।। माघ सुदी सातै दिना, भरणी नखत विचार। रोग नाश हो धरा पर, उत्तम पैदावार।। माघ सुदी आठै दिना, जो कृतिका रखि आव। कै फाल्गुन रोली लगै, के सावन मंहगा भाव।। माघ सुदी नौमी दिना, चौथे पहर निहार। बादल होत तो भादवा वर्षे भली प्रकार।। माघ मास प्रतिपदा को निर्मल नभ और वाय।। वस्तु सुगंधित तेल, तिल, तिलहन तेज बिकाय।। माघ अंधेरी तीज को गर्जे किंतु न मेह। जौ गेहूँ संग्रह करो लाभै निस्संदेह।। माघी पांचै सुदी में, बादल रहै आकाश। उत्तम वर्षा से रहै सुख मय भादव मास।। श्रीधरी श्रीचण्डांशु पंचांग

गोचर ग्रहाः



मा.कृ. पक्षे ३० शनौ स्टै.टा.प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०९	०४	१०	०३	०८	११	०९	०३
अं.	२२	१५	११	१०	२८	०८	१६	२६	२६
क.	४२	२६	३१	३१	२७	३०	२८	४१	४१
वि.	५३	२३	१७	२३	५५	४६	२४	५७	५७
ग	६०	७११	२०	३३	०७	६१	०५	०३	०३
ति	५०	२४	०७	२६	५४	०८	३०	११	११
मा/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	श्रवण४	श्रवण२	मघा ४	शतभि.२	आश्ले.४	मूल ३	उ.भा.४	धनिष्ठा२	आश्ले.४

माघ शुक्ल पक्षः विक्रम संवत् २०८३ राष्ट्रीय शाकः १९४८

❀❀ ०७ फरवरी से २० फरवरी सन् २०२७ ई. तक ❀❀

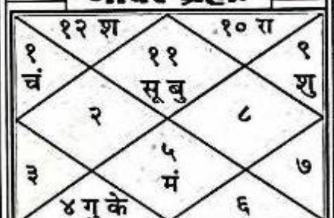
शिशिर-बसंत ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्रराशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	विविधतारीखें खं. माघ	मु. शाबान	भा. माघ	अं. फर.
मातंग	१	र	४०	१२	२३	२८	ध	४१	०४	२३	४९	व	३५	४३	किं	०७	४६	२७	२४	०७	२३	०६	२१	कु. १०/३६	०९	२३	४३	४३	६०	४९	२५	२९	१८	०७
अमृत	२	चं	४४	२१	२५	०७	श	४६	२५	२५	५७	प	३६	११	बा	१२	२५	२७	२७	०७	२३	०६	२१	कुंभ	०९	२४	४४	३२	६०	४७	२६	३०	१९	०८
काण	३	मं	४७	२६	२६	२०	पूभा	५०	४६	२७	४०	शि	३५	५२	तै	१६	०३	२७	३१	०७	२२	०६	२२	मी. २१/१७	०९	२५	४५	११	६०	४६	२७	र१	२०	०९
लुम्बक	४	बु	४९	११	२७	०५	उभा	५३	५७	२८	५६	सि	३४	३९	व	१८	३३	२७	३४	०७	२१	०६	२३	मीन	०९	२६	४६	०५	६०	४५	२८	०२	२१	१०
मित्र	५	गु	४९	५६	२७	११	रे	५५	५३	२९	४२	सा	३२	२८	ब	१९	४८	२७	३८	०७	२१	०६	२४	मे. २१/४२	०९	२७	४६	५०	६०	४३	२९	०३	२२	११
वज्र	६	शु	४९	१०	२७	००	अ	५६	३०	२९	५६	शु	२९	१६	कौ	१९	४४	२७	४१	०७	२०	०६	२४	मेष	०९	२८	४७	३३	६०	४१	३०	०४	२३	१२
ध्वांक्ष	७	श	४७	००	२६	०७	भ	५५	४६	२९	३७	शु	२४	५८	ग	१८	१६	२७	४५	०७	१९	०६	२५	मेष	०९	२९	४८	१४	६०	४०	फा१	०५	२४	१३
धूम्र	८	र	४३	२८	२४	४२	कृ	५३	४०	२८	४७	ब्र	११	३५	वि	१५	२५	२७	४८	०७	१८	०६	२६	वृ. ११/२८	१०	००	४८	५४	६०	३८	०२	०६	२५	१४
प्रवर्ध	९	चं	३८	३७	२२	४५	रो	५०	२०	२७	२६	ऐं	१३	०८	बा	११	१३	२७	५२	०७	१८	०६	२६	वृषभ	१०	०१	४९	३२	६०	३६	०३	०७	२६	१५
राक्षस	१०	मं	३२	३८	२०	२०	मृ	४५	५३	२५	३८	वै/वि	०५/५७	४१/२२	तै	०५	४६	२७	५५	०७	१७	०६	२७	मि. १४/३५	१०	०२	५०	०१	६०	३५	०४	०८	२७	१६
ए.व्रत	११	बु	२५	४१	१७	३२	आ	४०	३२	२३	२९	प्री	४८	२३	वि	२५	४१	२७	५९	०७	१६	०६	२८	मिथुन	१०	०३	५०	४३	६०	३३	०५	०९	२८	१७
प्रदोष	१२	गु	१८	०२	१४	२८	पुन	३४	३६	२१	०६	आ	३८	५७	बा	१८	०२	२८	०३	०७	१५	०६	२८	क. १५/४२	१०	०४	५१	१६	६०	३१	०६	१०	२९	१८
उत्पात	१३	शु	१०	०१	११	१५	पु	२८	२३	१८	३६	सौ	२९	१९	तै	१०	०१	२८	०६	०७	१५	०६	२९	कर्क	१०	०५	५१	४७	६०	२९	०७	११	३०	१९
पूर्णिमा	१४	श	०१	५७	०८	००	आ	२२	१५	१६	०८	शो	१९	४६	व	०१	५७	२८	१०	०७	१४	०६	३०	सिं. १६/०८	१०	०६	५२	१६	६०	२८	०८	१२	फा१	२०
क्षय	१५	श	५४	१०	२८	५४	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०	००	००	००	००

पंचक १०।३६ उ. गुप्त नवरात्रि विधान प्रा. **B** पंचमी कृंदावने सर्वा. ०७।२१ उ.
चन्द्रदर्शनं बाबा रामदेव बीज रेवत्यां १ शनि ०७।५१ **E** धनिष्ठायां बुधः २२।११
गौरी तृतीया सर्वा. २७।४० उ. ३१।२१ या. रमजान मास ९ मुस. पाक रोजे **A**
भ. १४।४६ उ. २७।०५ या. वरद विनायक तिल चतुर्थी पूषायां शुक्रः ०९।३७
बसन्त पंचमी सरस्वती ज. पंचक २१।४२ या. श्री राधा श्यामसुन्दर **B**
सर्वा. २९।५६ या. बुधास्त पश्चिमे १३।४२ **A** शुरू वक्री बुधः २३।०६
भ. २६।०७ उ. कुम्भेऽर्कः १०।०९ श्री नर्मदा ज. अचला रथ-आरोग्य **C**
भ. १३।२८ या. भीष्माष्टमी **D** देवनारायण ज. गुर्जरे बं. फाल्गुन मास प्रा.
सर्वार्थसिद्धि योग ०७।१८ उ. ३१।१७ या. अमृत. २७।२६ उ. ३१।१७ या.
भ. ३०।५९ उ. **C** सप्तमी अरूणोदय स्नान श्री माधवाचार्य जयंती श्री **D**
भ. १७।३२ या. जया ११ व्रतं सर्वे. वेणेश्वर मेला प्रा. डूंगरपुर (राज.) **E**
बसन्त ऋतु प्रा. भीष्मद्वादशी प्रदोष व्रतं गुरू पुष्यः सुयोग २१।०६ उ. **F**
विश्वकर्मा ज. गुरू गोरखनाथ ज. शतभिषायां रविः २४।३८ आश्लेषायां **G**
भ. ०८।०० उ. १८।२५ या. पूर्णिमा व्रतं रामचरण रामस्नेही ज. श्री करपात्रि **H**
H जी पु. दुर्मतिनाम संवत्सरे ५५वाँ ११।०३ मांद्य चन्द्रग्रहण गुरू रविदास **I**

गोचर ग्रहाः



माघशु. पक्षे ८ सूर्ये स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	००	०४	१०	०३	०८	११	०९	०३
अं.	००	२६	०८	१०	२७	१७	१७	२६	२६
क.	४८	३५	४५	०८	२४	४७	१४	१६	१६
वि.	५४	३५	३५	२५	२१	०५	१३	३१	३१
ग	६०	८२९	२३	४७	०७	७०	०६	०३	०३
ति	३८	३१	१७	३८	५५	००	०१	११	११
मा/व	मा	मा	व	व	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	धनिष्ठा २	भरणी ४	मघा ३	शतभि. २	आर्द्रा ४	पू.षा. २	रेवती १	धनिष्ठा १	आर्द्रा ३

✱ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री रौद्र-दुर्मति नाम संवत्सरे ✱

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः	दिवा
०७	१० ।४२	१२ ।२०	१४ ।१६	१६ ।२९	१८ ।४७	२१ ।०३	२३ ।१८	२५ ।३६	२७ ।५२	२९ ।५६	०७ ।४४	०९ ।१४
०८	१० ।३८	१२ ।१६	१४ ।१२	१६ ।२५	१८ ।४३	२० ।५९	२३ ।१४	२५ ।३२	२७ ।४८	२९ ।५२	०७ ।४०	०९ ।१०
०९	१० ।३४	१२ ।१२	१४ ।०८	१६ ।२१	१८ ।३९	२० ।५५	२३ ।१०	२५ ।२८	२७ ।४४	२९ ।४८	०७ ।३६	०९ ।०६
१०	१० ।३०	१२ ।०७	१४ ।०४	१६ ।१७	१८ ।३५	२० ।५१	२३ ।०६	२५ ।२३	२७ ।४०	२९ ।४४	०७ ।३२	०९ ।०२
११	१० ।२५	१२ ।०३	१४ ।००	१६ ।१३	१८ ।३१	२० ।४७	२३ ।०२	२५ ।१९	२७ ।३६	२९ ।४०	०७ ।२८	०८ ।५८
१२	१० ।२१	११ ।५९	१३ ।५६	१६ ।०९	१८ ।२७	२० ।४३	२२ ।५८	२५ ।१५	२७ ।३२	२९ ।३५	०७ ।२४	०८ ।५४
१३	१० ।१७	११ ।५५	१३ ।५२	१६ ।०५	१८ ।२३	२० ।३९	२२ ।५४	२५ ।११	२७ ।२८	२९ ।३१	०७ ।२०	०८ ।५०
१४	१० ।१३	११ ।५१	१३ ।४८	१६ ।०१	१८ ।१९	२० ।३४	२२ ।४९	२५ ।०७	२७ ।२४	२९ ।२७	०७ ।१६	०८ ।४६
१५	१० ।०९	११ ।४७	१३ ।४४	१५ ।५७	१८ ।१५	२० ।३०	२२ ।४५	२५ ।०३	२७ ।२०	२९ ।२३	०७ ।१२	०८ ।४१
१६	१० ।०५	११ ।४३	१३ ।३९	१५ ।५३	१८ ।११	२० ।२६	२२ ।४१	२४ ।५९	२७ ।१५	२९ ।१९	०७ ।०७	०८ ।३७
१७	१० ।०१	११ ।३९	१३ ।३५	१५ ।४९	१८ ।०६	२० ।२२	२२ ।३७	२४ ।५५	२७ ।११	२९ ।१५	०७ ।०३	०८ ।३३
१८	०९ ।५७	११ ।३५	१३ ।३१	१५ ।४४	१८ ।०२	२० ।१८	२२ ।३३	२४ ।५१	२७ ।०७	२९ ।११	०६ ।५९	०८ ।२९
१९	०९ ।५२	११ ।३०	१३ ।२७	१५ ।४०	१७ ।५८	२० ।१४	२२ ।२९	२४ ।४६	२७ ।०३	२९ ।०७	०६ ।५५	०८ ।२५
२०	०९ ।४९	११ ।२७	१३ ।२३	१५ ।३६	१७ ।५४	२० ।१०	२२ ।२५	२४ ।४३	२६ ।५९	२९ ।०३	०६ ।५१	०८ ।२१

२१।०६ उ. ३१।१५ या. मीने भानुः २७।०४ **G** ३ गुरूः २१।०५ **I** ज. माघ कवि जन्म वेणेश्वर मेला स्नान माही नदी पर्व डूंगरपुर श्री ललिता ज. माघ स्नान पूर्णता राष्ट्रीय फाल्गुन मास प्रा.

कुंभ संक्रान्ति फलम्

माघ शुक्ल पक्षे ७ शनौ कुम्भेऽर्कः प्र. (स्टे. टा. १०।०९) वा. ३ न. ४ अस्य पुण्यकालः अद्यैव सूर्योदय वेलातः पुण्यप्रदः तथा च भवन संभागीय रचना गति। वार नाम-राक्षसी-व्यवसायहीन समुदाय, श्रमजीवी, निर्धन परिवार, जनजाति हेतु मनोत्साह वर्धक सुखद प्रतिफल। नक्षत्र नाम-घोरा-वयोवृद्ध, अनुसूचित जाति, आदिवासी, अल्प-संख्यक, निर्धन असहाय वर्ग हेतु शासकीय नवीन योजना लाभ। दिवा २ याम् व्यापिनी उपदेशक, विशिष्ट नीतिशील जन, लेखक, पत्रकार, समाचार जगत् हेतु विकार कष्टद प्रभारक। पश्चिमें गमन, ईशान दृष्टि। संक्रांति वास निवास-दुष्टजन-पापात्मागृहे, गरकरणे, वाहन-गज, उपवाहन-खर, रक्तवस्त्र, धनुषायुध, लौह-पात्र, पय भक्षण, गौरोचन लेपन, पशुजाति, बिल्व पुष्प, कुक्कुट भूषण, श्वेत कंचुकी, प्रोढ़ावस्था, उपविष्ट मुहूर्त्त १५ धान्य गल्ला उन्नत भाव, मिर्च, मसूर, हल्दी, कलपूर्जे, मशीनरी, सोना, चांदी, असगंध, हाथी, गधा, लाल वस्त्र, लोहा, इस्पात, सरिया, सुगन्धित द्रव्य, सफेद रंग वस्तु, चावल, सूत, कपास, पोस्ता, लहसुन, कंदमूल पदार्थ कार्य व्यवसाय लाभद, भावी उन्नत भाव गति, शुक्रोदय पूर्वे, वत्स पश्चिमे, राहु दक्षिणे, मूल पाताले।।

F ३१।१५ या. सर्वा. ०७।१५ उ. ३१।१५ या. अमृत.

गोचर ग्रहाः



माघशु. पक्षे १४ शनौ स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०३	०४	१०	०३	०८	११	०९	०३
अं.	०६	२३	०६	०४	२६	२४	१७	२५	२५
क.	५२	२५	२३	०४	३७	४८	५१	५७	५७
वि.	१६	२९	३७	२७	१८	२९	०९	२६	२६
ग	६०	८८८	२३	६६	०७	७०	०६	०३	०३
ति	२८	०१	५२	५३	४१	३३	२१	११	११
मा/व	मा	मा	व	व	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	शतभि. १	आर्द्रा ३	मघा २	धनिष्ठा ४	आर्द्रा ३	पू.षा. ४	रेवती १	धनिष्ठा १	आर्द्रा ३

फाल्गुन कृष्ण पक्षः वि. संवत् २०८३ रा. शाकः १९४८

२१ फरवरी से ०८ मार्च सन् २०२७ ई. तक

बसन्त ऋतुः रविउत्तरायणे तथा च दक्षिणगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	विविध तारीखें खं.	मु.	भा.	अं.	
मुद्गर	१	र	४७	०७	२६	०४	म	१६	३५	१३	५१	अ	१०	३५	बा	२०	३३	२८	१४	०७	१३	०६	३०	सिंह	१०	०७	५२	४४	६०	२६	०९	१३	०२	२१	उषायां शुक्रः १९।२५ **A** शुक्रः १५।१६ सर्वा. ०७।१० उ. ०९।३९ या.
केतु	२	चं	४१	०९	२३	३९	पूफा	११	४७	११	५५	सु/बु	०२/५४	०४/२८	तै	१४	००	२८	१७	०७	१२	०६	३१	क. १७/३०	१०	०८	५३	१०	६०	२५	१०	१४	०३	२२	सूच्यते- सर्वा. अर्थात् सर्वार्थसिद्धि योग, अमृत. अर्थात् अमृतसिद्धि योग
धाता	३	मं	३६	३६	२१	४९	उफा	०८	१३	१०	२८	शू	४८	०७	व	०८	४२	२८	२१	०७	११	०६	३१	कन्या	१०	०९	५३	३५	६०	२३	११	१५	०४	२३	भ. १०।४० उ. २१।४९ या. मकरे बुधः २८।४०
चौथव्रत	४	बु	३३	४६	२०	४१	ह	०६	१२	०९	३९	गं	४३	११	ब	०४	५८	२८	२५	०७	१०	०६	३२	तु. २१/३०	१०	१०	५३	५८	६०	२२	१२	१६	०५	२४	फाल्गुनी चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २२।१३ मकरे **A**
चर	५	गु	३२	५२	२०	१८	चि	०५	५९	०९	३३	वृ	३९	४६	कौ	०३	०५	२८	२९	०७	०९	०६	३३	तुला	१०	११	५४	२०	६०	२०	१३	१७	०६	२५	बुधोदय पूर्वे ०८।५९ सूच्यते- भ. अर्थात् भद्रा
गद	६	शु	३३	५८	२०	४४	स्वा	०७	४२	१०	१३	ध्रु	३७	५५	ग	०३	११	२८	३२	०७	०८	०६	३३	वृ. २९/१४	१०	१२	५४	४०	६०	१९	१४	१८	०७	२६	भ. २०।४४ उ. सूच्यते- उ. अर्थात उपरांत (से), या. अर्थात् यावत् (तक)
शुभ	७	श	३६	५९	२१	५५	वि	११	२१	११	४०	व्या	३७	३२	वि	०५	१६	२८	३६	०७	०७	०६	३४	वृश्चिक	१०	१३	५४	५९	६०	१७	१५	१९	०८	२७	भ. ०९।१४ या.
मृत्यु	८	र	४१	४०	२३	४७	अ	१६	४२	१३	४७	ह	३८	२४	बा	०९	१०	२८	४०	०७	०७	०६	३४	वृश्चिक	१०	१४	५५	१६	६०	१६	१६	२०	०९	२८	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस श्री सीताष्टमी पर्व
पद्म	९	चं	४७	३५	२६	०८	ज्ये	२३	२४	१६	२७	व	४०	१२	तै	१४	३२	२८	४४	०७	०६	०६	३५	ध. १६/२७	१०	१५	५५	३२	६०	१४	१७	२१	१०	मा१	समर्थ रामदास नवमी मार्च मास ३ ता. ३१ प्रा.
छत्र	१०	मं	५४	११	२८	४५	मू	३०	५६	१९	२७	सि	४२	३४	व	२०	५१	२८	४८	०७	०५	०६	३६	धनु	१०	१६	५५	४६	६०	१३	१८	२२	११	०२	भ. १५।२५ उ. २८।४५ या. इबादतरात मुस.
श्रीवत्स	११	बु	६०	००	-	-	पूषा	३८	४६	२२	३४	व्य	४५	०६	ब	२७	३४	२८	५१	०७	०४	०६	३६	म. २१/२०	१०	१७	५५	५९	६०	११	१९	२३	१२	०३	मार्गी बुधः १८।०२ **C** सूरी पुण्य दादा मेला मालपुरा राजस्थान जैन
ए.व्रत	११	गु	००	५५	०७	२५	उषा	४६	२२	२५	३६	व	४७	२४	बा	००	५५	२८	५५	०७	०३	०६	३७	मकर	१०	१८	५६	११	६०	१०	२०	२४	१३	०४	विजया एकादशी व्रतं सर्वेषाम् पूभायां रविः ३०।५९ श्रवणे शुक्रः २५।३९
प्रदोष	१२	शु	०७	१२	०९	५४	श्र	५३	१७	२८	२१	प	४९	१०	तै	०७	१२	२८	५९	०७	०२	०६	३७	मकर	१०	१९	५६	२०	६०	०८	२१	२५	१४	०५	प्रदोष व्रतं सर्वार्थसिद्धि. ०७।०२ उ. २८।२१ या. **B** पंचक १७।३४ उ.
प्रवर्ध	१३	श	१२	३८	१२	०४	ध	५९	१३	३०	४२	शि	५०	१०	व	१२	३८	२९	०३	०७	०१	०६	३८	कु. १७/३४	१०	२०	५६	२८	६०	०६	२२	२६	१५	०६	भ. १२।०४ उ. २४।५९ या. महाशिवरात्रि व्रतं जागरणं रूद्राभिषेकञ्च **B**
राक्षस	१४	र	१६	५८	१३	४७	श	६०	००	-	-	सि	५०	१५	श	१६	५८	२९	०७	०७	००	०६	३८	कुंभ	१०	२१	५६	३५	६०	०५	२३	२७	१६	०७	स्वामी दयानन्द बोधोत्सव वासु जन्म जैन शब ए कद्र मुस.
अमावस	३०	चं	२०	०२	१४	५९	श	०४	००	०८	३५	सा	४९	२२	ना	२०	०२	२९	११	०६	५९	०६	३९	मी. २७/४०	१०	२२	५६	३९	६०	०३	२४	२८	१७	०८	देवपितृकार्ये सोमवती अमावस्या शिवखप्पर पूजा श्री जिन कुशल **C**





गोचर ग्रहाः

१२ श | रा बु शु | ११ | १० | १ | ९ | सू | ८ | २ | चं | ३ | ५ | मं | ७ | ४ गु के | ६

फा. कृ. पक्षे ८ सूर्येस्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०७	०४	०९	०३	०९	११	०९	०३
अं.	१४	१२	०३	२७	२५	०४	१८	२५	२५
क.	५५	२८	१६	२३	३७	१५	४३	३२	३२
वि.	१६	०४	३७	२३	४०	०४	२२	००	००
ग	६०	७२४	२२	२०	०७	७१	०६	०३	०३
ति	१६	४८	१४	५४	०५	०९	४४	११	११
मा/व	मा	मा	व	व	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	शतभि.३	अनुरा.३	मघा १	धनिष्ठा २	आश्ले.३	उ.षा.३	रेवती १	धनिष्ठा २	आश्ले.३

✻ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री दुर्गति नाम संवत्सर ✻

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	प्रातः
२१	०९।४५	११।२३	१३।१९	१५।३३	१७।५१	२०।०६	२२।२१	२४।३९	२६।५५	२८।५९	३०।४३	०८।१७
२२	०९।४१	११।१९	१३।१६	१५।२९	१७।४७	२०।०२	२२।१७	२४।३५	२६।५२	२८।५५	३०।३९	०८।१३
२३	०९।३७	११।१५	१३।१२	१५।२५	१७।४३	१९।५९	२२।१४	२४।३१	२६।४८	२८।५१	३०।३६	०८।१०
२४	०९।३३	११।११	१३।०८	१५।२१	१७।३९	१९।५५	२२।१०	२४।२७	२६।४४	२८।४८	३०।३२	०८।०६
२५	०९।३०	११।०८	१३।०४	१५।१७	१७।३५	१९।५१	२२।०६	२४।२४	२६।४०	२८।४४	३०।२८	०८।०२
२६	०९।२६	११।०४	१३।००	१५।१४	१७।३१	१९।४७	२२।०२	२४।२०	२६।३६	२८।४०	३०।२४	०७।५८
२७	०९।२२	११।००	१२।५६	१५।१०	१७।२८	१९।४३	२१।५८	२४।१६	२६।३२	२८।३६	३०।२०	०७।५४
२८	०९।१८	१०।५६	१२।५३	१५।०६	१७।२४	१९।३९	२१।५४	२४।१२	२६।२९	२८।३२	३०।१६	०७।५०
मा१	०९।१४	१०।५२	१२।४९	१५।०२	१७।२०	१९।३५	२१।५०	२४।०८	२६।२५	२८।२८	३०।१२	०७।४६
०२	०९।१०	१०।४८	१२।४५	१४।५८	१७।१६	१९।३२	२१।४७	२४।०४	२६।२१	२८।२४	३०।०९	०७।४३
०३	०९।०६	१०।४४	१२।४१	१४।५४	१७।१२	१९।२८	२१।४३	२४।००	२६।१७	२८।२०	३०।०५	०७।३९
०४	०९।०२	१०।४०	१२।३७	१४।५०	१७।०८	१९।२४	२१।३९	२३।५६	२६।१३	२८।१७	३०।०१	०७।३५
०५	०८।५९	१०।३६	१२।३३	१४।४६	१७।०४	१९।२०	२१।३५	२३।५२	२६।०९	२८।१३	२९।५७	०७।३१
०६	०८।५५	१०।३३	१२।२९	१४।४२	१७।००	१९।१६	२१।३१	२३।४९	२६।०५	२८।०९	२९।५३	०७।२७
०७	०८।५१	१०।२९	१२।२५	१४।३८	१६।५६	१९।१२	२१।२७	२३।४५	२६।०१	२८।०५	२९।४९	०७।२३
०८	०८।४७	१०।२५	१२।२१	१४।३५	१६।५२	१९।०८	२१।२३	२३।४१	२५।५७	२८।०१	२९।४५	०७।१९

ग्रहगोचरीय फलम्

अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना सुखद अधियोग। सुख सुभिक्ष की धारणा, श्रीधर शास्त्र सुयोग।। अमा पूर्णिमा वार शुभ, बना चन्द अधियोग। गौ पूजा के भाग्य से सुख सुभिक्ष अभियोग।। राजतंत्र नवचेतना, लोकतंत्र अभिसार। जन सुविधा के पक्ष में, शासन नित्य प्रसार।। आरोग्य स्वास्थ्य अभिनव गति, धर्म कर्म संचार। जन मंगल की कामना, जीव जगत उद्धार।। रवि संक्रमण सोम का, सुखद बना यह संग। मूंगा मोती धान्य में, मंदी देश सुरंग।। षष्ठी फागुन बदी में, चित्रा करै सुभिक्ष। यदि स्वाति नक्षत्र तो, तीन मास दुर्भिक्ष।। सत अठ नव दस ग्यारसी, फागुन सुदी में जोय। कृतिका करै सुभिक्ष अरू आर्दा उपज न होय। क्रमशः पूनम फागुनी पूफा उफा होय। प्रथम सुकाल विचारिये फिर दुकाल जिस जोय।। तृतीया फागुन बदी में, देखो बादल बात। आश्विन शुक्ला तीज को, वर्षा हो दिन रात। फागुन शुक्ला सप्तमी, ना बादल ना बाय।। तो तृण संज्ञक धान्य की, पैदावार सिवाय।। फागुन में बादल रहै किंतु न बरसै नीर। तो फिर वर्षा काल में, वर्षा हो गम्भीर। फागुन पूनम को रहै, बादल वर्षा गज। लाभ सातवें मास हो, खूब खरीदो अनाज।।

गोचर ग्रहाः

१२ श | रा बु शु | ११ | १० | १ | ९ | सू चं | २ | ८ | ३ | ५ | मं | ७ | ४ गु के | ६

फा. कृ. पक्षे ३० चन्द्रेस्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	१०	०४	०९	०३	०९	११	०९	०३
अं.	२२	१८	००	२७	२४	१३	१९	२५	२५
क.	५६	२३	३१	४१	४४	४५	३८	०६	०६
वि.	३९	५१	४८	१४	००	५७	२७	३४	३४
ग	६०	७५४	१८	२८	०६	७१	०७	०३	०३
ति	०३	०२	०७	११	१०	३६	०३	११	११
मा/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पू.भा.१	शतभि.४	मघा १	धनिष्ठा २	आश्ले.३	श्रवण २	रेवती १	धनिष्ठा १	आश्ले.३

फाल्गुन शुक्ल पक्षः वि. संवत् २०८३ राष्ट्रीय शाकः १९४८

०९ मार्च से २२ मार्च सन् २०२७ ई. तक

बसंत ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च दक्षिण-उत्तरगोलीय

इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट (प्रातः ५घं.३०मि. के) रा.	अं.	क.	वि.	गति	गति	विविधतारीखें ईस्वी	मुस्लिम	भा.	अं.
काण	१	मं	२१	४९	१५	४१	पूभा	०७	३१	०९	५८	शु	४७	३०	ब	२१	४९	२९	१५	०६	५८	०६	३९	मीन	१०	२३	५६	४२	६०	०१	२५	२९	१८	०९
लुम्बक	२	बु	२२	२२	१५	५३	उभा	०९	५०	१०	५३	शु	४४	४३	कौ	२२	२२	२९	१८	०६	५७	०६	४०	मीन	१०	२४	५६	४३	५९	५९	२६	श१	१९	१०
मित्र	३	गु	२१	४६	१५	३८	रे	११	०१	११	२०	ब्र	४१	०५	ग	२१	४६	२९	२२	०६	५६	०६	४१	मे. ११/२०	१०	२५	५६	४२	५९	५७	२७	०२	२०	११
वज्र	४	शु	२०	०८	१४	५८	अ	११	१०	११	२२	ऐं	३६	३९	वि	२०	०८	२९	२६	०६	५५	०६	४१	मेष	१०	२६	५६	३९	५९	५५	२८	०३	२१	१२
ध्वांक्ष	५	श	१७	३४	१३	५५	भ	१०	२४	११	०३	वै	३१	३१	बा	१७	३४	२९	३०	०६	५३	०६	४२	वृ. १६/५५	१०	२७	५६	३३	५९	५२	२९	०४	२२	१३
धूम्र	६	र	१४	१०	१२	३२	कृ	०८	४८	१०	२३	वि	२५	४४	तै	१४	१०	२९	३४	०६	५२	०६	४२	वृषभ	१०	२८	५६	२५	५९	५०	३०	०५	२३	१४
प्रवर्ध	७	चं	१०	०१	१०	५२	रो	०६	२७	०९	२६	प्री	१९	२३	व	१०	०१	२९	३८	०६	५१	०६	४३	मि. २०/५१	१०	२९	५६	१५	५९	४८	चै१	०६	२४	१५
राक्षस	८	मं	०५	११	०८	५५	मृ/आ	०३/५१	२६/४८	०८/३०	१३/४६	आ	१२	३०	ब	०५	११	२९	४२	०६	५०	०६	४३	मिथुन	११	००	५६	०३	५९	४६	०२	०७	२५	१६
क्षय	९	मं	५९	४४	३०	४४	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
गद	१०	बु	५३	५२	२८	२२	पुन	५५	४५	२९	०७	सौ/शो	०५/५७	०१/२३	तै	२६	५२	२९	४६	०६	४९	०६	४४	क. २३/३३	११	०१	५५	४९	५९	४३	०३	०८	२६	१७
ए. व्रत	११	गु	४७	३९	२५	५२	पु	५१	२२	२७	२१	अ	४९	२५	व	२०	४८	२९	५०	०६	४८	०६	४४	कर्क	११	०२	५५	३२	५९	४१	०४	०९	२७	१८
मृत्यु	१२	शु	४१	१७	२३	१८	आ	४६	५१	२५	३१	सु	४१	२०	ब	१४	२९	२९	५४	०६	४७	०६	४५	सिं. २५/३१	११	०३	५५	१३	५९	३९	०५	१०	२८	१९
प्रदोष	१३	श	३४	५९	२०	४६	म	४२	२६	२३	४५	धृ	३३	१८	कौ	०८	०८	२९	५७	०६	४६	०६	४५	सिंह	११	०४	५४	५२	५९	३७	०६	११	२९	२०
छत्र	१४	र	२९	०३	१८	२२	पूफा	३८	२५	२२	०७	शू	२५	३३	ग	०१	५९	३०	०१	०६	४५	०६	४५	क. २७/४५	११	०५	५४	२९	५९	३५	०७	१२	३०	२१
पूर्णिमा	१५	चं	२३	४५	१६	१४	उफा	३५	०५	२०	४६	गं	१८	१९	ब	२३	४५	३०	०५	०६	४४	०६	४६	कन्या	११	०६	५४	०३	५९	३३	०८	१३	चै१	२२

चन्द्रदर्शनं सर्वा. ०९।५८ उ. ३०।५७ या. आश्लेषायां कर्के भौमः २४।१३
फूलेरा दूज रामकृष्ण परमहंस जयंती रेवत्यां २ शनिः ३०।२७ शव्वाल A
भ. २७।२१ उ. सर्वा. ०६।५६ उ. पंचक ११।२० या. कुम्भे बुधः २९।०७
भ. १४।५८ या. सर्वार्थसिद्धि. ११।२२ या. A मास १० मुस. इदुलफितर
H सोनागिरी मेला अष्टाह्निका पर्व विधान पूर्ण जैन राष्ट्रीय चैत्र मास प्रारंभ
B ३०।५० या. मीनेऽर्कः ०७।०० बं. चैत्र मास प्रा. शाके १९४९ प्रा. धनिष्ठायां C
भ. १०।५२ उ. २१।५५ या. सर्वा. ०६।५१ उ. ३०।५० या. अमृत. ०९।२६ उ. B
श्री दादूदयाल ज. होलाष्टक प्रा. अष्टाह्निका पर्व होली चौमासा विधान प्रा.
E सुयोग ०६।४८ उ. २७।२१ या. उभायां रविः १५।२१ सर्वा. अमृत. F
D खाटूश्याम जी प्रा. रामस्नेही फूलडोल शाहपुरा मेवाड़ गुरू पुष्य E
भ. १५।०८ उ. २५।५२ या. आमलकी एकादशी व्रतं स्मार्त्त वैष्णव मेला D
आमलकी एकादशी व्रतं निम्बार्क शतभिषायां बुधः ११।५६
शनि प्रदोष व्रतं मेषे भानुः २५।५६ रवि उत्तरगोलीय प्रारंभ
भ. १८।२२ उ. २९।१५ या. पूर्णिमा व्रतं होलिका दहन रात्रि १८।४५ उ. G
चैतन्य महाप्रभु ज. छारण्डी बसंतोत्सव धूलण्डी कुण्डलपुरमक्षी जी H

गोचर ग्रहाः

१ | १२ सू श | ११ बु | १० शु रा | २ | ३ चं | ९ | के मं ४ गु | ६ | ८ | ५ | ७

फा. शु. पक्षे ८ भौमे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०२	०३	१०	०३	०९	११	०९	०३
अं.	००	०५	२८	०३	२३	२३	२०	२४	२४
क.	५६	०४	२६	२१	५८	१९	३५	४१	४१
वि.	०३	०२	१४	०३	३८	५५	४७	०८	०८
ग	५९	८५०	१२	५७	०४	७१	०७	०३	०३
ति	४६	५२	२३	५१	५९	५५	१८	११	११
म/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
नक्षत्र	पू.भा.४	मृगशि.४	आश्ले.४	धनिष्ठा४	आश्ले.३	श्रवण४	रेवती२	धनिष्ठा१	आश्ले.३

दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री दुर्गति नाम संवत्सरे

ता. मार्च	मेष प्रातः	वृषभ दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रि	वृश्चि. रात्रि	धनु रात्रि	मकर रात्रि	कुंभ रात्रि	मीन प्रातः
०९	०८।४३	१०।२१	१२।१७	१४।३१	१६।४८	१९।०४	२१।१९	२३।३७	२५।५३	२७।५७	२९।४१	०७।१५
१०	०८।३९	१०।१७	१२।१३	१४।२७	१६।४४	१९।००	२१।१५	२३।३३	२५।४९	२७।५३	२९।३७	०७।११
११	०८।३५	१०।१३	१२।०९	१४।२३	१६।४१	१८।५६	२१।११	२३।२९	२५।४५	२७।४९	२९।३३	०७।०७
१२	०८।३१	१०।०९	१२।०५	१४।१९	१६।३७	१८।५२	२१।०७	२३।२५	२५।४२	२७।४५	२९।२९	०७।०३
१३	०८।२७	१०।०५	१२।०२	१४।१५	१६।३३	१८।४८	२१।०३	२३।२१	२५।३८	२७।४१	२९।२५	०६।५९
१४	०८।२३	१०।०१	११।५८	१४।११	१६।२९	१८।४४	२०।५९	२३।१७	२५।३४	२७।३७	२९।२१	०६।५५
१५	०८।१९	०९।५७	११।५४	१४।०७	१६।२५	१८।४०	२०।५५	२३।१३	२५।३०	२७।३३	२९।१७	०६।५१
१६	०८।१५	०९।५३	११।५०	१४।०३	१६।२१	१८।३६	२०।५१	२३।०९	२५।२६	२७।२९	२९।१३	०६।४७
१७	०८।११	०९।४९	११।४६	१३।५९	१६।१७	१८।३२	२०।४७	२३।०५	२५।२२	२७।२५	२९।०९	०६।४३
१८	०८।०७	०९।४५	११।४२	१३।५५	१६।१३	१८।२८	२०।४३	२३।०१	२५।१८	२७।२१	२९।०५	०६।४०
१९	०८।०३	०९।४१	११।३८	१३।५१	१६।०९	१८।२४	२०।३९	२२।५७	२५।१४	२७।१७	२९।०१	०६।३६
२०	०७।५९	०९।३७	११।३४	१३।४७	१६।०५	१८।२०	२०।३५	२२।५३	२५।१०	२७।१३	२८।५७	०६।३२
२१	०७।५५	०९।३३	११।३०	१३।४३	१६।०१	१८।१६	२०।३१	२२।४९	२५।०६	२७।०९	२८।५३	०६।२८
२२	०७।५१	०९।२९	११।२६	१३।३९	१५।५७	१८।१२	२०।२८	२२।४५	२५।०२	२७।०५	२८।५०	०६।२४

मीन संक्रान्ति फलम्

फाल्गुन शुक्ल पक्षे ७ चन्द्रे मीनेऽर्कः प्र. (स्टे. टा. ०७।००) वा. ३ न. ३ अस्य पुण्यकालः अद्यैव सूर्योदय वेलातः पुण्यप्रदः तथा च दुर्गरक्षा संभागीय रचना गति। वार नाम-ध्वांक्षी-उद्योगपति, वैश्य-व्यापारीगण, आयात-निर्यातकर्त्ता, शेयर बाजार कम्पनी हेतु सुखद। नक्षत्र नाम-मंदा-साहित्यकार, प्राचार्य, ज्ञानप्रदाता, वैज्ञानिक, शोधकार्यकर्त्ता, विद्वान् जगत् हेतु सौख्य कारक। दिवा १ याम् व्यापिनी सेनापति, आरक्षी, नायक, सुरक्षा अधिकारी, गुप्तचर विभाग पद विशेष, शिक्षक, लेखक, व्याख्याता, राष्ट्रीय विकास प्रभारक कष्टद। पश्चिम गमन, ईशान दृष्टि। संक्रांति वास निवास रजकगृहे, वणिज करणे, वाहन-महिष, उपवाहन-उष्ट्र, श्यामवस्त्र, तोमरायुध, खप्पर पात्र, दधिभक्षण, अलक्तलेपन, मृगजाति, अर्कपत्र पुष्प, मणिभूषण, पांडुकंचुकी, प्रगल्भावस्था, उपविष्ट मुहूर्त्त-४५ धान्य गह्वर स्थिर समभाव। जीरा, अजवाइन, कलौंजी, उड़द, कालीमिर्च, विष-पदार्थ-रसायन, भेड़, बकरी, ऊँट, कालेवस्त्र, दूध, दही, घी, लोहा, इस्पात, मशीनरी, कलपूर्जे, तिल, अफीम, तरलद्रव्य कार्य व्यवसाय लाभद भावी उन्नत धारणा। शुक्रोदय पूर्वे, वत्स पश्चिमे, राहु दक्षिणे, मूल भूमौ।

C शुक्रः २९।३१ F ०६।४८ उ. २७।२१ या. G २१।०९ या. अस्तं शनि पश्चिमे १३।४७ कुम्भे शुक्रः १८।४१ सर्वार्थसिद्धि. २२।०७ उ. ३०।४४ या.

गोचर ग्रहाः

१ | १२ सू श | ११ बु शु | १० रा | २ | ३ | ९ | के मं ४ गु | ६ चं | ८ | ५ | ७

फा. शु. पक्षे १५ चन्द्रे स्टै. टा. प्रा. ५ घं. ३० मि.

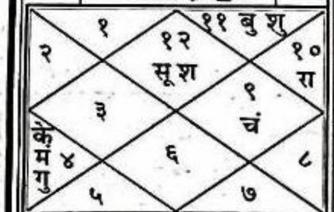
ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०५	०३	१०	०३	१०	११	०९	०३
अं.	०६	०१	२७	०९	२३	००	२१	२४	२४
क.	५४	०२	२३	४६	३१	३१	१९	२२	२२
वि.	०३	०१	३५	१३	०९	५७	५३	०३	०३
ग	५९	८४२	०७	७२	०४	७२	०७	०३	०३
ति	३३	४६	४२	११	०१	०८	२५	११	११
म/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ	अ
नक्षत्र	उ.भा.२	उफा.२	आश्ले.४	शतभि.१	आश्ले.३	धनिष्ठा१	रेवती२	धनिष्ठा१	आश्ले.३

चैत्र कृष्ण पक्षः विक्रम संवत् २०८३ राष्ट्रीय शाकः १९४८

२३ मार्च से ०६ अप्रैल सन् २०२७ ई. तक
बसन्त ऋतुः रवि उत्तरायणे तथा च उत्तरगोलीय
इस संदर्भ का सम्पूर्ण समय भा. स्टै. टा. घण्टा मिनटों में दिया गया है।

योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	घंटा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	घंटा	मिनट	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान घटी	दिनमान पल	स्टैण्डर्ड टाईम सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	चन्द्र राशि प्रवेश काल स्टै. टा. रा. घं. मि.	दैनिक सूर्यस्पष्ट प्रातः ५घं.३०मि. के रा. अं. क. वि.	गति	विविध तारीखें बं.	मु.	भा.	अं.	
सौम्य	१	मं	१९	२५	१४	२९	ह	३२	४७	१९	५०	वृ	११	५१	कौ	१९	२५	३०	०९	०६	४३	०६	४६	कन्या	[illegible]	[illegible]	०९	१४	०२	२३	शहीद दिवस बसन्तोत्सवः **B** दीक्षा श्री आदिनाथ कल्याणक जैन
कालदंड	२	बु	१६	२३	१३	१५	चि	३१	४९	१९	२५	ध्रु	०६	२३	ग	१६	२३	३०	१३	०६	४२	०६	४७	तु. ०७/३३	[illegible]	[illegible]	१०	१५	०३	२४	भ. २४।५१ उ. संत तुकाराम जन्म आश्लेषायां २ गुरूः २७।२१
चौथव्रत	३	गु	१४	५४	१२	३८	स्वा	३२	२७	१९	४०	व्या/ह	०२/५९	०७/११	वि	१४	५४	३०	१७	०६	४१	०६	४७	तुला	[illegible]	[illegible]	११	१६	०४	२५	भ. १२।३८ या. चैत्री चतुर्थी व्रतं चन्द्रोदय रात्रि २१।५७ **G** ३ शनिः २९।०४
मातंग	४	शु	१५	११	१२	४४	वि	३४	५१	२०	३६	व	५७	४३	बा	१५	११	३०	२१	०६	४०	०६	४८	वृ. १४/१८	[illegible]	[illegible]	१२	१७	०५	२६	सर्वा. २०।३६ उ. ३०।३८ या. गुडफ्राइडे **E** जोधपुर वारूणी योग १६।३३ या.
अमृत	५	श	१७	१८	२३	३४	अ	३९	००	२२	१५	सि	५७	३८	तै	१७	१८	३०	२५	०६	३८	०६	४८	वृश्चिक	[illegible]	[illegible]	१३	१८	०६	२७	श्री रंगपंचमी इस्टर सेटर्डे शतभिषायां शुक्रः ०७।५१ **A** ३०।३६ या.
काण	६	र	२१	१०	१५	०५	ज्ये	४४	४६	२४	३२	व्य	५८	४४	व	२१	१०	३०	२९	०६	३७	०६	४९	ध. २४/३२	[illegible]	[illegible]	१४	१९	०७	२८	भ. १५।०५ उ. २८।०५ या. एकनाथ षष्ठी इस्टर संडे सर्वा. २४।३२ उ. **A**
लुम्बक	७	चं	२६	२८	१७	१२	मू	५१	४४	२७	१८	व	६०	००	ब	२६	२८	३०	३३	०६	३६	०६	४९	धनु	[illegible]	[illegible]	१५	२०	०८	२९	शीतला सप्तमी बासोड़ा पूभायां बुधः २५।०३ **D** पंचक २५।३३ उ.
मित्र	८	मं	३२	४३	१९	४०	पूषा	५९	२४	३०	२१	व	००	४७	कौ	३२	४३	३०	३६	०६	३५	०६	५०	धनु	[illegible]	[illegible]	१६	२१	०९	३०	शीतलाष्टमी केसरिया जी मेला मेवाड़ वर्षीतप प्रा. जैन ऋषभदेव जन्म **B**
वज्र	९	बु	३९	१७	२२	१७	उषा	६०	००	-	-	प	०३	१६	तै	०६	०१	३०	४०	०६	३४	०६	५०	म. १३/०८	[illegible]	[illegible]	१७	२२	१०	३१	रेवत्यां रविः २६।१५ **C** अप्रैल मास ४ ता. ३० प्रा. मार्गी भौमः ११।४१
सौम्य	१०	गु	४५	३१	२४	४६	उषा	०७	११	०९	२५	शि	०५	४७	व	१२	३०	३०	४४	०६	३३	०६	५१	मकर	[illegible]	[illegible]	१८	२३	११	अ१	भ. ११।३३ उ. २४।४६ या. दशामाता व्रतं बैंक वार्षिक लेखाबंदी **C**
ए.व्रत	११	शु	५०	५१	२६	५३	श्र	१४	२१	१२	१६	सि	०७	५१	ब	१८	२१	३०	४८	०६	३२	०६	५१	कु. २५/३३	[illegible]	[illegible]	१९	२४	१२	०२	सर्वा. ०६।३२ उ. १२।१६ या. पापमोचिनी एकादशी व्रतं स्मार्त्त वैष्णव **D**
प्रवर्ध	१२	श	५४	५०	२८	२७	ध	२०	२७	१४	४२	सा	०९	०८	कौ	२३	०३	३०	५२	०६	३१	०६	५२	कुंभ	[illegible]	[illegible]	२०	२५	१३	०३	पापमोचिनी एकादशी व्रतं निम्बार्क वारूणी योग २८।२७ उ.
प्रदोष	१३	र	५७	१४	२९	२४	श	२५	०८	१६	३३	शु	०९	११	ग	२६	१६	३०	५६	०६	३०	०६	५२	कुंभ	[illegible]	[illegible]	२१	२६	१४	०४	भ. २९।२४ उ. प्रदोष व्रतं रंग तेरस श्री प्रकाश पुरी निर्वाण मण्डोर **E**
मुसल	१४	चं	५८	००	२९	४१	पूभा	२८	१५	१७	४७	शु	०८	१६	वि	२७	५१	३०	५९	०६	२९	०६	५३	मी. ११/३२	[illegible]	[illegible]	२२	२७	१५	०५	भ. १७।३७ या. मास शिवरात्रि मीने बुधः १६।१६ **F** १८।२३ या. रेवत्यां **G**
अमावस	३०	मं	५७	१३	२९	२१	उभा	२९	४८	१८	२३	ब्र	०५	५८	च	२७	४९	३१	०३	०६	२८	०६	५३	मीन	[illegible]	[illegible]	२३	२८	१६	०६	देवपितृकार्ये भौमवती अमावस्या सं. २०८३ पूर्णता सर्वा. ०६।२८ उ. **F**

गोचर ग्रहाः



चै. कृ. पक्षे ८ भौमे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०८	०३	१०	०३	१०	११	०९	०३
अं.	१४	१४	२६	२०	२३	१०	२२	२३	२३
क.	४९	२५	४३	१५	०४	०९	१९	५६	५६
वि.	३१	०३	३८	४९	०७	५२	४१	३७	३७
ग	५९	७०९	०१	८६	०२	७२	०७	०३	०३
ति	१८	४१	३३	२३	३४	२२	३२	११	११
मा/व	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ	अ
नक्षत्र	उ.भा.४	पू.षा.१	आश्ले.४	पू.भा.१	आश्ले.२	शतभि.२	रेवती २	धनिष्ठा१	आश्ले.३

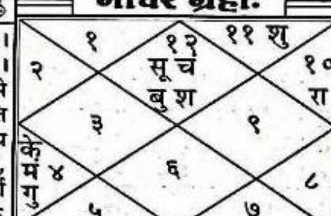
✲ दैनिक लग्न प्रवेश सारिणी (भा. स्टै. टा. घंटा मिनटों में) श्री दुर्गति नाम संवत्सर ✲

ता.	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मार्च	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	सायं	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि	रात्रि
२३	०७।४७	०९।२५	११।२२	१३।३५	१५।५३	१८।०९	२०।२४	२२।४१	२४।५८	२७।०१	२८।४६	३०।१६
२४	०७।४३	०९।२१	११।१८	१३।३१	१५।४९	१८।०५	२०।२०	२२।३७	२४।५४	२६।५७	२८।४२	३०।१२
२५	०७।३९	०९।१७	११।१४	१३।२७	१५।४५	१८।०१	२०।१६	२२।३३	२४।५०	२६।५३	२८।३८	३०।०८
२६	०७।३५	०९।१३	११।१०	१३।२३	१५।४१	१७।५७	२०।१२	२२।२९	२४।४६	२६।४९	२८।३४	३०।०४
२७	०७।३१	०९।०९	११।०६	१३।१९	१५।३७	१७।५३	२०।०८	२२।२५	२४।४२	२६।४५	२८।३०	३०।००
२८	०७।२७	०९।०५	११।०२	१३।१५	१५।३३	१७।४९	२०।०४	२२।२१	२४।३८	२६।४१	२८।२६	२९।५६
२९	०७।२३	०९।०१	१०।५८	१३।११	१५।२९	१७।४५	२०।००	२२।१७	२४।३४	२६।३७	२८।२२	२९।५२
३०	०७।१९	०८।५७	१०।५४	१३।०७	१५।२५	१७।४१	१९।५६	२२।१३	२४।३०	२६।३४	२८।१८	२९।४८
३१	०७।१५	०८।५३	१०।५०	१३।०३	१५।२१	१७।३७	१९।५२	२२।०९	२४।२६	२६।३०	२८।१४	२९।४४
अ१	०७।१२	०८।४९	१०।४६	१२।५९	१५।१७	१७।३३	१९।४८	२२।०५	२४।२२	२६।२६	२८।१०	२९।४०
०२	०७।०८	०८।४६	१०।४२	१२।५५	१५।१३	१७।२९	१९।४४	२२।०२	२४।१८	२६।२२	२८।०६	२९।३६
०३	०७।०४	०८।४२	१०।३८	१२।५१	१५।०९	१७।२५	१९।४०	२१।५८	२४।१४	२६।१८	२८।०२	२९।३२
०४	०७।००	०८।३८	१०।३४	१२।४७	१५।०५	१७।२१	१९।३६	२१।५४	२४।१०	२६।१४	२७।५८	२९।२८
०५	०६।५६	०८।३४	१०।३०	१२।४४	१५।०१	१७।१७	१९।३२	२१।५०	२४।०६	२६।१०	२७।५४	२९।२४
०६	०६।५२	०८।३०	१०।२६	१२।४०	१४।५८	१७।१३	१८।२८	२१।४६	२४।०२	२६।०६	२७।५०	२९।२०

ग्रहगोचरीय फलम्

अमा पूर्णिमा भौमवती, अग्निकाण्ड अधियोग। आंतक द्वन्द हिंसा गति विस्फोटक अभियोग।। क्रूरवार तेजी करे, मावस भौम कुसंग। मंदी से तेजी बने, वस्तु विविध प्रसंग।। निर्यातक गति न्यूनता, आयात रूप नवदेश। दलहन तिलहन नित्य का, उन्नत भाव निवेश।। एकम लागत चैत्र को, वर्षा बादल गाज। सावन भादव में नहीं, फिर वर्षा का काज।। चैत्र बदी पांचै दिना, मेघ झुके आकाश। सभी वस्तु सस्ती बिकै। फल जानों दो मास।। चैत्र बदी जो पंचमी, दक्षिण पूर्व वाय। वर्षा भी होवे कछुक, भादव तेज बिकाय।। चैत्र बदी सातै दिना, जो नभ बादल छाय। लाल वस्तुएं जान लो, आगे मंदी जाय।। चैत्र बदी एकादशी, चाले दक्षिणी पौन। बादल बिजली गाज हो, तो अकाल का सौन। चैत्र बदी में दूज से छठ तक जो वर्षाय। तो आगे बरसात में, वर्षा समझो नाय।। चैत्र सुदी में चौथ तक जो वर्षे दिन चार। वर्षा ऋतु में जानिये, वर्षा भली प्रकार। चैत्र उजेरी पंचमी दिन भर बादल छाव। गेंहू का संग्रह करो, सावन दुगुणा भाव। चैत्र सुदी पांचे दिवस, बादल वर्षे तोय। तो फिर सावन मास में कुछ वर्षा न होय।।

गोचर ग्रहाः



चै. कृ. पक्षे ३० भौमे स्टै. टा. प्रातः ५ घं. ३० मि.

ग्रह	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	११	०३	११	०३	१०	११	०९	०३
अं.	२१	०९	२६	००	२२	१८	२३	२३	२३
क.	४३	३८	४८	५२	५०	३६	१२	३४	३४
वि.	५६	२९	११	४९	०४	५८	३४	२१	२१
ग	५९	७८९	०३	९७	०१	७२	०७	०३	०३
ति	०५	०५	३१	०१	१५	३२	३४	११	११
मा/व	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ/अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	अ	अ	अ
नक्षत्र	रेवती २	उ.भा.४	आश्ले.४	पू.भा.४	आश्ले.२	शतभि.४	रेवती २	धनिष्ठा१	आश्ले.३

❁ श्री संक्रान्ति वाहनं गजः ❁ संक्रान्त्युपवाहनं खरः ❁



▲ श्रीमन् महामंगल मूर्त्तयेनमः ▲ **अथ मकर संक्रान्ति फलं**– स्वस्ति श्री विक्रमाब्द संवत् २०८३ शाके १९४८ श्री रौद्र–दुर्मति नामकीय संवत्सरे प्रवर्त्तमाने रविरुत्तरे शिशिर ऋतौ मासानां मासोत्तमे पौष मासे शुक्ल पक्षे ६ षष्ठी तिथि मध्ये गुरूवासरे १६।१० उत्तराभाद्रपदे नक्षत्रे ३९।२९ परिघ योगे २४।३७ तैतिल करणे १६।१० दिन प्रमाणं २६।१८ रात्रि प्रमाणं ३३।४२ अहोरात्रैक्यं ६०।०० एवं पंचांग शुद्धावत दिने श्री सूर्योदयादिष्टं ३४।०८ अस्तं रात्रि वेलायां मकर राशौ सूर्यस्त संक्रमणं स्यात् तदा देवानां दिनोदयः दैत्यानां रात्र्युद्गमो। अस्य पुण्यकालः धर्मशास्त्रीय वचनानुसारेण अद्यैव शुक्रवासरे सूर्योदय वेलातः श्रीकार शुभपुण्यप्रदः। **अथ मकर संक्रांति विषये वाहनादि** क्रमात् वारात् २ नक्षत्रात् ३ तथा च देवालय संभागीय रचना गति। वारनाम–मंदा–साहित्यकार, प्राचार्य, ज्ञानप्रदाता, वैज्ञानिक, शोधकार्यकर्त्ता विद्वान् जगत् हेतु सौख्य कारक। नक्षत्रनाम मंदा–लेखक, पत्रकार, शिक्षक, प्राफेसर, प्रवचनकर्त्ता, धर्मोपदेशक, कथावाचक, व्याख्याता वर्ग हेतु सुखद मनोत्साह वर्धक। रात्रि १ याम् व्यापिनी–देशद्रोही, विस्फोटक, हिंसा प्रसारकगण, भ्रष्टपंथी, आतंकवादी हेतु कष्टद प्रभारक। उत्तरे गमन, आग्नेय दृष्टिः, संक्रान्ति वास निवास–माली गृहे, गर करणे, वाहन– गजः, उपवाहन–खरः, रक्त वस्त्र, धनुषा युध, लौह पात्र, पय भक्षण, गोरोचन लेपन, पशु जाति, बिल्व पुष्प, कुक्कुट भूषण, श्वेत कंचुकी, प्रोढ़ाऽवस्था, उपविष्टा, मुहूर्त्त–४५ धान्यगल्ला स्थिर सम भाव। सूत–कपास, पोस्ता, लहसुन, मिर्च, मसूर, हल्दी, कलपूर्जे, मशीनरी, सोना, चांदी, असगंध, हाथी, गधा, लाल वस्त्र, लोहा–इस्पात, सरिया, सुगन्धित द्रव्य, कार्य व्यवसाय लाभद। इतीदं संक्रमणं फलं तस्यात् प्राक्परतोऽपि वा। श्रृणुयात पुत्र पौत्रद्यै मोऽते सुचिरम्भुवि।। इतीदं संक्रमणं मकर संक्रान्ति फलम्।।

शकुन सूत्रावली- रवि संक्रमण गुरू दिवस, वस्तु नियंत्रण देश। समकल वितरण की गति, शासन दक्ष विशेष।। बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी, ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर किशनगढ़-सिटी, राजस्थान।

अथ गुरूचार-शनिचार फलम्- इस विक्रम संवत् २०८३ मध्य देवगुरू बृहस्पति नवीन वर्ष प्रवेश चैत्र सुदी १ गुरूवार तारीख १९–०३–२०२६ से मिथुन राशि में गतिशील रहते आगामी द्वि.ज्येष्ठ बदी १ सोमवार तारीख ०१–०६–२०२६ से अपनी उच्च राशि कर्क में गतिशील बनेगें तथा कार्त्तिक बदी ६ शनिवार तारीख ३१–१०–२०२६ से मित्र राशि सिंह में एवं माघ बदी २ रविवार तारीख २४–०१–२०२७ से वर्षान्त तक पुनः कर्क राशि में गतिशील बनेगें। सहिंता शास्त्रानुसार इस राशि विषयक गुरू भ्रमण कालांश को सामान्य उत्पत्ति उत्पादन का सूचक कहा है। नाक्षत्रिक योग गणना गतिचार नियामक से पुनर्वसु–पुष्य–आश्लेषा–मघा आदि नक्षत्रचार से गुरू बृहस्पति का वर्चस्व रहेगा। गतिचार पक्ष नियामक अनुसार चैत्र वर्ष प्रारंभ से मार्गी गतिशील तथा मार्गशीर्ष बदी ९ बुधवार तारीख ०२–१२–२०२६ ई. से वर्षान्त पर्यन्त वक्रकाल से गमनशील रहेगें। संहिता शास्त्रानुसार गुरू मिथुन राशि स्थित प्रतिफल यहकि– मिथुने च गुरूर्याति तत्राब्दे दारूणं भयम्। नृपाणां विग्रहस्त स्वल्पं तोयं भविष्यती।। तथा कर्क राशि अंतरांश का प्रतिफल यहकि– बृहस्पतिर्यदा कर्के स्वल्पं मेघः प्रवर्षति। राजभिविग्रहश्चैव सुभिक्षं तत्र जायते।। तथा सिंह राशि अंतरांश का प्रतिफल यहकि– यदा सिंहे गुरूश्चैव सुभिक्षं तत्र जायते मेघाश्च प्रबलास्तत्र बहुसस्या च मेदिनी।। अभिप्राय यहकि– भाषा–भूषा तथा धार्मिक विचारों की संकीर्णता तथा इन विषयक हीन प्रदुषित मनोवृत्ति का चलन कलन जन मानस में विशेषकर बनें तथा विभिन्न देश सम्भाग प्रांत में भू विवाद जन आन्दोलन विवाद विग्रह की गतिमति बढ़े। ऋतु जनित विषमता तथा देवप्रकोप एवं प्रकृति विपर्यय पर्यावरण प्रदुषण तथा तापमान वृद्धि से जन मानस में यातना बनें। जल समस्या का प्रारूप विश्वव्यापी न्यूनाधिक चरितार्थ बनें। गुरू वक्रगति फलाशय यहकि– गुरू वक्रे स्थिरौ रोगः, धनक्षयस्तया लोके। चैरादराजादृऽपि शोषितः निराधारा प्रजा पीड़ा ग्रह भूतादि दोषतः।। भावार्थ यहकि–अर्थतंत्र वित्त समस्या हेतु अर्थशास्त्रियों द्वारा नवीन करभार टेक्स चरितार्थ बनें तथा राष्ट्रीय आर्थिक नीति–रीति में नवीन रचना दिशा सूत्र निर्धारित बनें। नक्षत्रचार अनुसार फलाशय यहकि पुनर्वसौ आरोग्यं सुभिक्षं सुवृष्टिः धान्य निष्पतिः सुयोगः। पुष्ये नेत्ररोगो वस्त्र महर्घता रोगा बलीवर्दा महर्घाः। आश्लेषायां तु सुभिक्षप्रदम्। मघा च यदा तिष्ठेद्बृहस्पतिः। सुभिक्षं क्षेममारोग्यं देश योगं बहुदकम्।। अर्थात्–जनमानस में नेत्र विकार सहज बन पावें। सूत–कपास, तिल, पशुओं में बैल आदि के भावों में उन्नत गति तथा उत्पत्ति उत्पादन अभिवृद्धि हेतु जनमानस में मनोत्साह विशेषकर बनें। व्यापार व्यवसाय दृष्टि से सोना, चांदी, सुपारी, सूत, कपास, कांसी, कपूर, नारियल, मजीठ, सोंठ, मिर्च, पीपल, जायफल, नमक, गुड़, तिल, ज्वार, चना, मूंग, उड़द का कार्य व्यवसाय फलद लाभद रहे।

शनिदेव का राश्यात्मक गतिचार- चैत्री वर्ष प्रारंभ तारीख १९–०३–२०२६ ई. गुरूवार से शनि मीन राशिगत वर्ष पर्यन्त प्रभावशील रहेगे तथा ता. २६–०७–२०२६ ई. रविवार से वक्रगति होकर ता. १०–१२–२०२६ ई. गुरूवार को मार्गी गति का चलन कलन मान्य रहेगा। वार्षिक नक्षत्र चालन अनुसार उत्तराभाद्रपद–रेवती दो नक्षत्र मध्य नक्षत्रचार रहेगा। मीन राशिगत प्रतिफल यहकि– पृथिव्यां कम्पयागं प्रचलित पवनः कम्पते नागलोकः सप्तद्वीपेषु सिन्धोगरिवर गहने सर्ववृक्षादि हानिः। नाशः पृथिवीपतीनां जनयदविलयो यान्ति मेघाः प्रणाशं चक्रावर्तै समस्तं भ्रमति जगदिदं मीनगे सूर्य पुत्रे।। भावार्थ सरलार्थ यहकि देश विदेश स्तरीय राष्ट्र कर्णधार–महापुरूष, नीति निर्णायक पद विशेषस्थ एवं शासकीय राजपत्रित अधिकारी इन पक्ष हेतु विषम प्रतिफल एवं कार्य समस्या समाधान हेतु कष्टद प्रतिफल प्रतिभारक रचना बन पावें। तस्करी कारोबार कार्य व्यवसाय में विशेष गति तथा नित्य उपयोगी वस्तु पदार्थ दुग्ध आदि भावों में उन्नत गति। विविध यान चालक, ड्राईवर पक्ष हेतु कार्य संचालन समस्या बनें। समुद्र सीमा–तटीय देश संभाग में ऋतु प्रकोपवश जनधन हानि की रचना, मुस्लिम देश संभाग विविध समस्या का अनुभव लेगें। वर्षा में कमी तथा मेघ प्रवर्षण में प्रतिकूलता बने। वृक्षों की उत्पत्ति हेतु कार्यक्रम में विलम्ब से पर्यावरण दुषित बनें। प्रचण्ड वायु से जनधन हानि एवं जन मानस में भय व्याप्त रहेंगा। भूकंप आदि प्राकृतिक आपदा से जनधन हानि हो सकती है। तापमान प्रतिवृद्धि, कुयोग, भूस्खलन, क्रन्दन आदि दैविक प्राकृतिक प्रकोप एवं जन धन क्षति कुयोग, पशुधन सम्पदा में न्यूनता एवं पशुपालन में श्रम साध्य रचना विशेष बनें। **राहु-केतु गतिचार :** चैत्र नववर्ष २०८३ में राहु कुंभ राशि में, केतु सिंह राशि में गतिशील रहेगें। तारीख ०५–१२–२०२६ ई. से राहु मकर राशि में एवं केतु कर्क राशि में वर्षान्त तक गतिशील रहेगे। संहिता प्रतिफल यह– कुंभे राशौ यदा राहुर्देवाद्धोगोपि संगता। तदालोक्य विधातव्यः शणसूत्राणि संग्रहः।। यदा राहुः स्थितः कुम्भेः। क्रूरग्रह समन्वितः। ग्रहीते सूत्र गोधूम मासे षष्ठे चतुर्गुणम्।। सैहिकेयो यदा याति राशि मकर नामकम्। तदा सवोक्ष्य कर्त्तव्यः पट्ट सूत्रस्य संग्रहः।। शुभमिति–यह अभिलेख मानवीय संहिता शास्त्रकृत है। तदुपरांत परमपिता परमेश्वर की मायावी सृष्टि रचना का विधान भी अस्तित्वशील बन जाता है। शुभमिति– पं. आशीष गौड़ (ज्योतिष रत्न) किशनगढ़–सिटी, जिला– अजमेर राजस्थान भारत ३०५८०२

अप्रैल सन् २०२७ ई. के दैनिक निरयन ग्रहस्पष्ट स्टैं. ०५ घ. ३० मि.

मासारम्भ अयनांशा २४।१४।२८

तारीख	सूर्य	चन्द्र	मंगल(मार्गी)	बुध(मार्गी)	गुरू(वक्री)	शुक्र	शनि	राहु
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.
०१	११।१६।४८।०४	०९।०८।०३।४०	०३।२६।४१मा	१०।२३।१०	०३।२२।५९	१०।१२।३४	११।२२।३४	०९।२३।५०
०२	११।१७।४७।१८	०९।१९।५७।०३	०३।२६।४१	१०।२४।३९	०३।२२।५६	१०।१३।४७	११।२२।४२	०९।२३।४७
०३	११।१८।४६।३१	१०।०१।५९।४०	०३।२६।४१	१०।२६।१०	०३।२२।५४	१०।१४।५९	११।२२।४९	०९।२३।४३
०४	११।१९।४५।४१	१०।१४।१५।३६	०३।२६।४३	१०।२७।४३	०३।२२।५३	१०।१६।११	११।२२।५७	०९।२३।४०
०५	११।२०।४४।५०	१०।२६।४७।५६	०३।२६।४५	१०।२९।१७	०३।२२।५१	१०।१७।२४	११।२३।०५	०९।२३।३७
०६	११।२१।४३।५६	११।०९।३८।२९	०३।२६।४८	११।००।५२	०३।२२।५०	१०।१८।३६	११।२३।१२	०९।२३।३४

मार्च सन् २०२६ ई. के दैनिक निरयन ग्रहस्पष्ट स्टैं. ०५ घ. ३० मि.

मासारम्भ अयनांशा २४।१३।२८

तारीख	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध(वक्री)	गुरू	शुक्र	शनि	राहु
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.
१९	११।०४।१०।०७	११।०३।२५।०२	१०।१८।४१	१०।१४।२५	०२।२०।५७	११।२१।२१	११।०९।४२	१०।१३।५२
२०	११।०५।०९।४८	११।१७।३०।१६	१०।१९।२८	१०।१४।१७	०२।२०।५९	११।२२।३५	११।०९।४९	१०।१३।४८
२१	११।०६।०९।२६	००।०१।४९।०९	१०।२०।१५	१०।१४।१६मा	०२।२१।०१	११।२३।५०	११।०९।५७	१०।१३।४५
२२	११।०७।०९।०३	००।१६।१६।१५	१०।२१।०३	१०।१४।२०	०२।२१।०३	११।२५।०४	११।१०।०४	१०।१३।४२
२३	११।०८।०८।३७	०१।००।४५।४८	१०।२१।५०	१०।१४।२९	०२।२१।०५	११।२६।१८	११।१०।११	१०।१३।३९
२४	११।०९।०८।०९	०१।१५।१२।२७	१०।२२।३७	१०।१४।४४	०२।२१।०७	११।२७।३२	११।१०।१९	१०।१३।३६
२५	११।१०।०७।३९	०१।२९।३१।५१	१०।२३।२४	१०।१५।०४	०२।२१।१०	११।२८।४६	११।१०।२६	१०।१३।३३
२६	११।११।०७।०६	०२।१३।४१।००	१०।२४।११	१०।१५।२९	०२।२१।१३	००।००।०१	११।१०।३४	१०।१३।२९
२७	११।१२।०६।३१	०२।२७।३८।०९	१०।२४।५८	१०।१५।५९	०२।२१।१५	००।०१।१५	११।१०।४१	१०।१३।२६
२८	११।१३।०५।५४	०३।११।२२।३८	१०।२५।४५	१०।१६।३३	०२।२१।१९	००।०२।२९	११।१०।४९	१०।१३।२३
२९	११।१४।०५।१४	०३।२४।५४।२१	१०।२६।३२	१०।१७।११	०२।२१।२२	००।०३।४३	११।१०।५६	१०।१३।२०
३०	११।१५।०४।३२	०४।०८।१३।३३	१०।२७।१९	१०।१७।५३	०२।२१।२५	००।०४।५७	११।११।०४	१०।१३।१७
३१	११।१६।०३।४८	०४।२१।२०।३०	१०।२८।०६	१०।१८।३९	०२।२१।२९	००।०६।११	११।११।११	१०।१३।१३

।। अग्निवास ज्ञान सारिणी ।।

पक्ष	तिथि	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
शुक्ल पक्ष	१	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	२	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल
	३	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी
	४	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी
	५	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	६	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल
	७	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी
	८	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी
	९	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	१०	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल
	११	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी
	१२	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी
	१३	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	१४	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल
	१५	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी
कृष्ण पक्ष	१	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी
	२	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	३	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल
	४	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी
	५	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी
	६	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	७	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल
	८	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी
	९	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी
	१०	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	११	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल
	१२	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी
	१३	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी
	१४	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश
	३०	पृथ्वी	आकाश	पाताल	पृथ्वी	पृथ्वी	आकाश	पाताल

विवाहे रवि-चन्द्र-गुरू त्रिबल शुद्धि चक्रम्

ग्रहाः	वरस्य रविः	उभयो चन्द्रः	कन्यायां गुरुः
शुभ स्थान	३-६-१०-११	१-२-३-५-६ ७-९-१०-११	२-५-७-९-११
पूज्य स्थान	१-२-५-७-९	१२वां चन्द्रमा वर को श्रेष्ठ है	१-३-६-१०
अपूज्य स्थान	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२

विवाह मुहूर्त शुद्धि हेतु वर-कन्या को चन्द्रबल, वर को सूर्य बल तथा कन्या को गुरू बल का विचार करें। इसकी गणना वर-कन्या की राशि से की जाती है।

- ○**पंचामृत**– गौदुग्ध, गाय का दही, गौघृत, शहद, गंगोदक।
- ○**पंचगव्य**– गौमूत्र, गौदुग्ध, गोबर, गाय का दही, गौघृत।
- ○**पंच रत्न**– स्वर्ण, रजत, प्रवाल, मोती, ताम्र।
- ○**पंच पल्लव** – पीपल–आम–गूलर –बड़–अशोक के पत्ते।
- ○**पंचोपचार** – कुमकुम–चन्दन, पुष्प, धूप, दीप, नैवद्य।
- ○**पंचदेवता** – सूर्यदेव, श्रीगणेश, शिव, विष्णु, शक्ति।
- ○**सप्तमृत्तिका**– अश्व का स्थान–हाथी का स्थान–वाल्मिक–स्थान–गौशाला स्थान–राजद्वार का स्थान–दीमक–नदी का संगम।
- ○**सप्तधान**– जौ, गेहूं, चावल, कांगनी, तिल, मूंग, उड़द।

वि. संवत् २०८३ मध्यें ग्रहण विवरण

इस वर्ष संवत् २०८३ के अन्तर्गत भू-मण्डलीय ग्रहण गणना नियामक से चार ४ ग्रहण का प्रारूप गणितागत प्राप्त हो रहा है इनमें से दो सूर्यग्रहण व दो चन्द्रग्रहण होंगें, परन्तु भारतीय भू-भाग मेंदोनोंसूर्यग्रहण तथा एक चन्द्रग्रहण दृश्य नहीं होंगें। भारत में अदृश्य ग्रहण हेतु वेध-सूतक-स्नान-दान-पुण्य-कर्म-यम-नियम एवं जप अनुष्ठान हेतु मान्यता नहीं होगी। इसी विषय में धर्मशास्त्रीय वचन विशेष यह है कि- द्विपान्तरे ग्रहण सत्वेऽपिदर्शन योग्यत्वायात्र पुण्यकालः ।।

(१) खग्रास सूर्यग्रहण-संवत् २०८३ श्रावण कृष्ण पक्ष ३० बुधवार तारीख १२-०८-२०२६ ई. को खग्रास सूर्यग्रहण भूमण्डल पर दृश्यमान होगा। इसका भारतीय समय से स्पर्श रात्रि २१।०४ बजे, मध्य रात्रि २३।१६ बजे, मोक्ष रात्रि २५।२८ बजे होगा। यद्यपि उक्त ग्रहण भारत भू-भाग में दृश्यमान नहीं होगा। इससे भारत में ग्रहण से सम्बन्धित वेध-सूतक-स्नान-दान-पुण्य-कर्म-यम-नियम मान्य नहीं होगें। उक्त ग्रहण मोरक्को, स्पेन, फ्रांस, आस्ट्रिया, जर्मनी, आयरलेंड, लेब्राडोर, पश्चिमी शहर, युनाईटेड किंगडम, उत्तरी अटलांटिक, डेनमार्क, पोलेण्ड, नार्वे, फिनलेण्ड, पुर्तगाल, स्वीडन, आईसलेण्ड, ग्रीनलेण्ड तथा समुद्री क्षेत्र, आर्कटिका क्षेत्र, पूर्वी साईबेरियन समुद्र आदि में दृश्यमान होगा।

(२) खंडग्रास चन्द्रग्रहण-संवत् २०८३ श्रावण शुक्ल पक्ष १५ शुक्रवार तारीख २८-०८-२०२६ ई. को खण्डग्रास चन्द्रग्रहण भूमण्डल पर दृश्यमान होगा। उक्त ग्रहण का भारतीय समय से स्पर्श प्रातः ०८। ०४ बजे, मध्य दिवा ०९। ४३ बजे, मोक्ष दिवा ११। २२ बजे होगा। चूंकि यह ग्रहण भारत भू-भाग में दृश्यमान नहीं होगा। इससे भारत में ग्रहण से सम्बन्धित वेध-सूतक-स्नान-दान-पुण्य-कर्म-यम-नियम मान्य नहीं होगें। उक्त ग्रहण दक्षिणी तथा दक्षिण-पश्चिम ग्रीनलेंड, लेब्राडोर, ऐसालेंड, पूर्तगाल, मोरक्को, वेस्टर्न शहर, दक्षिणी अमेरिका, अटलांटिक महाद्वीप, क्यूबा, मेक्सिको आदि देशों में दृश्य होगा।

(३) कंकणाकृति सूर्यग्रहण -संवत् २०८३ माघ कृष्ण पक्ष ३० शनिवार तारीख ०६-०२-२०२७ ई. को कंकणाकृति सूर्यग्रहण भूमण्डल पर दृश्यमान होगा। भारतीय समय से इसका स्पर्श सायं १८।२८ बजे, मध्य रात २१।३० बजे, मोक्ष रात २४।३२ बजे होगा। यद्यपि यह ग्रहण भारत में दृश्यमान नहीं होगा। इससे भारत में ग्रहण से सम्बन्धित वेध-सूतक-स्नान-दान-पुण्य-कर्म-यम-नियम मान्य नहीं होगें। उक्त ग्रहण दक्षिणी-उत्तरी अटलांटिक, वेस्टर्न शहर, मोरक्को, पुर्तगाल, आर्कटिका क्षेत्र, घाना, नामीबिया, दक्षिणी अफ्रिका, गुयाना, पेरू, बोलिबियां, पेरूग्वे, चिले, अर्जेंटीना, साउथ पेसिफिक आदि में दृश्यमान होगा।

(४) मांद्य चन्द्रग्रहण- संवत् २०८३ माघ शुक्ल पक्ष १४ शनिवार तारीख २०-०२-२०२७ ई. को मांद्य चन्द्रग्रहण भूमण्डल पर दृश्यमान होगा। भारतीय समय से ग्रहण का स्पर्श रात २६।४२ बजे, मध्य रातशेष २८।४३ बजे, मोक्ष रातशेष ३०।४३ बजे होगा। यहकि उक्त ग्रहण भारत में बरेली, इटावा, झांसी, ललितपुर, सागर, सतपुरा, नेशनल पार्क, अमरावती, यवतमाल, नांदेड़, बीड़र, रायचूर, बलारी, मैसूर, थ्रीसूर, कोच्ची आदि से पूर्व में तथा सम्पूर्ण पूर्वी भारत में दृश्य होगा। यद्यपि यह उपच्छाया (प्रतिच्छाया) ग्रहण है इससे इसका किसी भी प्रकार का यम-नियम-सूतक-दान-पुण्य आदि मान्य नहीं होगें। यह ग्रहण उत्तरी अमेरिका, कनाडा, मेक्सिको, क्यूबा, नाई-जीरिया, दक्षिणी अमेरिका, आर्कटिक महाद्वीप, आष्ट्रेलिया, नेपाल, मंगोलिया, मध्य पूर्वी रूस, चीन, बर्मा, थाईलेंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, फिलिपिन्स, कोरिया, जापान, नार्थ-साऊथ पेसिफिक समुद्र आदि में दृश्यमान होगा।

संदिग्ध व्रत पर्व निर्णय

१. चैत्री नवरात्रि घटस्थापना - चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का क्षय होने से चैत्र कृष्ण पक्ष ३० अमावस्या तारीख १९-०३-२०२६ ई. को नवरात्रि दुर्गा पूजन एवं घटस्थापना करना शास्त्रोक्त मान्य रहेगा।

२. अक्षय तृतीया- वैशाख शुक्ल पक्ष ३ को अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है। परंतु इस वर्ष तृतीया तिथि त्रिमुहूर्त्त न्यून होने से अक्षय तृतीया एक दिन पहले वैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया रविवार तारीख १९-०४-२०२६ को ही मान्य होगी।

३. गंगा दशहरा- धर्मसिंधु शास्त्रानुसार गंगा दशहरा प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष १० सोमवार ता. २५-०५-२०२६ ई. में मनाया जाना शास्त्रोक्त है।

गंगा दशहरे का निर्णायक बिंदु वृषभ का सूर्य है। जिस वर्ष ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास होता है उस वर्ष वृषभ का सूर्य सिर्फ प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में ही मिलता है इससे गंगादशहरा प्रत्येक स्थिति में पुरुषोत्तम मास अर्थात् प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी तिथि को ही मनाया जाना शास्त्रोक्त है।

शास्त्र प्रमाण-ज्येष्ठ शुक्ला दशमी को गंगा का अवतार हुआ इसकी दशहरा संज्ञा है, इसमें ये दशयोग कहे हैं कि ज्येष्ठमास, शुक्लपक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, हस्त नक्षत्र, व्यतीपात योग, गर करण, आनंद योग, कन्या का चन्द्रमा और वृषभ का सूर्य; बुधवार और हस्त हो तो आनंद नाम का योग होता है, इसमें दशमी और व्यतीपात ये दो मुख्य हैं, जिससे जिस दिन कई एक योगवाली दशमी पूर्वाह्न में मिले उस दिन दशहरा का व्रत करना। दोनों दिन दशमी पूर्वाह्न में हो तो जिसमें बहुत योग हों वह ग्रहण करनी चाहिये, ज्येष्ठ मलमास हो तो उसमें ही गंगा दशहरा व्रत करना शुद्ध मास में नहीं, क्योंकि हेमादि में ऋष्यश्रृंग ने यह कहा है कि, दशहरा और चारों युगादि तिथियों में उत्कर्ष नहीं अर्थात् गौण और मुख्य का विचार नहीं है, इसमें काशी के वासी दशाश्वमेध तीर्थ में स्नान करकेगंगा का पूजन करें, इतर देश के निवासी तो अपने समीप की नदी में स्नान करके गंगा के पूजन आदि को करें ।

ज्येष्ठशुक्लदशम्यां गंगावतारः ॥ इयं दशहरासंज्ञिका। अत्र दश योगा उक्ताः ॥ ज्येष्ठे मासि १ सितेपक्षे २ दशम्यां ३ बुध ४ हस्तयोः ५॥ व्यतीपाते ६ गरा ७ नन्दे ८ कन्या चंद्रे ९ वृषे रवौ १० इति॥ गराख्यं करणम् ॥ बुधवार हस्त योगे आनन्दाख्यो योगः ॥ अत्र दशमीव्यतीपातयोर्मुख्यत्वम्॥ तेन यस्मिन्दिने कतिपययोगवती दशमी पूर्वाह्न लभ्यते तत्र दशहराव्रतं कार्यम् ॥ दिनद्वये पूर्वाह्ने तत्सत्त्वे यत्र बहूनां योगः सा ग्राह्या॥ ज्येष्ठे मलमासे सति तत्रैव दशहरा कार्या न तु शुद्धे॥ दशहरासु नोत्कर्षश्चतुर्ष्वपि युगादिषु इति हेमाद्रौ ऋष्यश्रृंगोक्तेः ॥ अत्र काशीवासिभिर्दशाश्वमेघतीर्थेस्नात्वा गंगापूजनं कार्यम् ॥ इतरदेशस्थैः स्वसं-४६निहितनद्यां स्नात्वा गंगापूजनादिकं कार्यम् ॥

४. रक्षाबंधन पर्व- श्रावण शुक्ल पक्ष १५ को रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है। पूर्णिमा तिथि त्रिमुहूर्त्त व्यापिनी होना शास्त्र सम्मत है। इस वर्ष पूर्णिमा त्रिमुहूर्त्त से अधिक होने से रक्षाबंधन श्रावण शुक्ल पक्ष १५ शुक्रवार ता. २८-०८-२०२६ ई. को मान्य रहेगी।

५. श्री गणेश चतुर्थी- भादपद शुक्ल पक्ष ४ मध्याह्न व्यापिनी चतुर्थी को श्री गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस वर्ष मध्याह्न व्यापिनी चतुर्थी तारीख १४-०९-२०२६ ई. को होने से इसी दिन श्री गणेश चतुर्थी पर्व मनाया जाना शास्त्र सम्मत् रहेगा।

६. दीपावली महालक्ष्मी पूजन- प्रदोष व्यापिनी कार्त्तिक कृष्ण ३० को दीपावली पर्व शास्त्रोक्त मनाया जाता है। इस वर्ष प्रदोष व्यापिनी अमावस्या तारीख ०८-११-२०२६ ई. को है, अतः शास्त्रोक्त दीपावली पर्व इसी दिन मान्य होगा।

७. होलिका दहन- प्रदोष व्यापिनी फाल्गुन शुक्ल पक्ष १५ तारीख २१-०३-२७ को होलिका दहन पर्व मान्य रहेगा।

८. सिंहस्थ गुरू में शुभ कार्य निर्णय-

गुरू सिंह राशि पर होने पर मांगलिक कार्य एवं (विवाह, यज्ञोपवित, गृहारंभ, गृहप्रवेश, मशीनरी) आदि शुभ कार्य किया जाना शास्त्रानुसार निषेध है। परंतु पुनः शास्त्र निर्देश अनुसार यदि गुरू सिंह राशि का हो और नवांश भी सिंह राशि का ही हो तो समस्त शुभ कार्य करना वर्जित माना गया है। यदि गुरू सिंह राशि के सिंह नवांश में ना हो तो सभी शुभ मांगलिक कार्य सम्पन्न किये जा सकते है। इस वर्ष तारीख ३१-१०-२०२६ ई. को दिवा १२।०२ से २४-०१-२०२७ ई. रात २५।३१ तक गुरू सिंह राशि पर रहेगें। इस समय यह सिंह नवांश में नहीं रहेगें। अतः इस समय में सभी मांगलिक शुभ कार्य सम्पन्न किये जा सकते है।

अथमुहूर्त्तचिंतामणिमार्तण्डगणपतीत्यादिमतेन श्रीधरीय आवश्यक मुहूर्त्ताः

१. गर्भाधान मुहूर्त्त :– ऋतुकाल के प्रथम चार रात्रि को छोड़कर सम रात्रि में यह संस्कार किया जाता है। **तिथि**–१, २, ३, ५, ७ ,१०, ११, १२, १३ **वार**–रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**– ज्येष्ठा, मूल, मघा, रेवती को छोड़कर सभी नक्षत्र शुभ है।

२. पुंसवन मुहूर्त्त :– गर्भ तीसरे मास में पुंसवन संस्कार करना चाहिये कहीं कहीं द्वितीय मास में भी पुंसवन संस्कार कहा गया है। **तिथि**– १, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ **वार**– रवि, मंगल, गुरु मतान्तर से चन्द्र, बुध, शुक्र। **नक्षत्र**–पुरुष नक्षत्र–पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, मृगशिरा, श्रवण।

३. सीमन्तोन्नयन मुहूर्त्त :– गर्भाधान के अनन्तर गर्भाधान के छठे या आठवें मास में मासाधिपति बलवान होने पर यह संस्कार किया जाता है। राजस्थान में इस संस्कार को आठवां पूजन भी कहा जाता है। **तिथि**– १, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ **वार**–रवि, मंगल, गुरु। **नक्षत्र**–पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, मृगशिरा, श्रवण। रक्षा हेतु विष्णु भगवान की पूजा करनी चाहिये।

४. जातकर्म–नामकरण मुहूर्त्त :– जातकर्म जातक के जन्म के तुरन्त बाद किया जाता है। जातक के जन्म के ११ वें या १२ वें दिन पूर्वाह्न में नामकरण किया जाता है। **तिथि**–भद्रा., व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित १, २, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३। **वार**–चन्द्र, बुध, शुक्र। **नक्षत्र**– अश्वि., रोहि., मृग, पुन., पु., ह., चि., स्वा., अनु., तीनों उत्तरा, अभि., श्रव., धनि., शत., रेव.। लग्न नवांश बल का विचार अवश्य करें।

५. निष्क्रमण मुहूर्त्त :– शिशु के जन्म से तीसरे या चौथे मास में यह संस्कार किया जाता है। **तिथि**–२, ३, ५, ७, १०, ११ कृ. १, शु.१३, १५। **वार**–चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**–अश्वि., मृग., अनु., पुन., पु., ह., श्रव., धनि.। सूर्य व नक्षत्रों का पूजन कराना शुभ है। आवश्यक होने पर १२ वें दिन में भी कर सकते है।

६. भूम्यूपवेशन मुहूर्त्तः–जातक के जन्म समय से पाचवें मास में संस्कार किया जाता है। इस काल में मंगल ग्रह शोच स्वराशि, मित्रराशि आदिगत होकर बलवान हो तो शुभ है। **तिथि**–२, ३, ५, ७, १०, ११ कृ. १, शु.१३, १५। **वार**–चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**–अश्वि., रो., मृग., अनु., पु., ह., ज्ये., ३उत्तरा, अभि.। चरलग्न शुभ माना गया है। पृथ्वी और वराह भगवान की पूजा करके कमर में करधनी बांध कर भूमि पर बैठावें।

७. कर्णवेध मुहूर्त्तः– शिशु के जन्म से बारवें या सोलवें दिन या ६, ७, ८ वें मास में या किसी विषम वर्ष में करें। चैत्र , पौष मास, देवशयन, अधिकमास व जन्ममास, समवर्ष क्षयतिथि में निषेध है। **तिथि**–शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, ६, ७, १०, १२, १३, १५। **वार**– चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**–अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, चित्रा, अभिजित्, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती।

८. अन्नप्राशन मुहूर्त्तः–बालक को जन्म समय से ६, ८, १० वें मास में व कन्या को ५, ७, ९ वें मास में पहली बार अन्नप्राशन कराया जाता है। मीन, मेष, वृश्चिक लग्न एवं जन्म राशि अथवा जन्म लग्न से ८ वीं राशि या उसका नवांश निषेध है। **तिथि**– शुक्लपक्ष की २, ३, ५, ७, १०, १३, १५। **वार**–चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**– अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, अनुराधा, चित्रा, स्वाति, अभिजित्, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, शतभिषा। अन्य मत से जन्म नक्षत्र निषेध है। **नोटः**–ऊपर बतलाये गये इन संस्कारों में गर्भाधान से अन्नप्राशन तक के मुहूर्त्तों में गुरु–शुक्रास्त, अधिक मास, श्राद्धपक्ष, सिंहस्थ गुरु आदि का विचार नहीं किया जाता हैं। क्योंकि इनका समय नियत है।

९. मुण्डन (जड़ूला) मुहूर्त्तः– यह संस्कार जन्मकाल से तृतीयादि विषम वर्षो में किया जाता है। चैत्र मास को छोड़कर अन्य उत्तरायण काल श्रेष्ठ है। **तिथि**–२, ३, ५, ७, १०, ११, १३ **वार**–चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**– मृग., चि., रे., पुन., स्वा., श्रव., धनि., शत., अश्वि., पु., ह., अभि., ज्ये.। प्रथम गर्भ से ज्येष्ठ में जन्में बालक का ज्येष्ठ में मुण्डन निषेध है। बालक की माता को पांच महीनें का गर्भ होने पर मुण्डन संस्कार निषेध है। लेकिन पांच वर्ष से अधिक आयु के बालक के लिये मुण्डन शुभ है।

१०. अक्षरारम्भ मुहूर्त्तः– शिशु की आयु से पांचवें वर्ष में लिपिज्ञान के उद्देश्य से यह संस्कार किया जाता है। कुम्भस्थ सूर्य को छोड़कर शेष उत्तरायण काल मे सरस्वती आदि का पूजन कर यह संस्कार करना चाहिये। **तिथि**– २, ३, ५, ६, १०, ११, १२। **वार**– चन्द्र, बुध, गुरु , शुक्र। **नक्षत्र**– अश्विनी, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, श्रवण, रेवती। स्थिर एवं द्विस्वभाव लग्न शुभ।

११. विद्यारम्भ मुहूर्त्तः– **तिथि**–२, ३, ५, ६, १०, ११, १२ **वार**– रवि., बुध., गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**–अश्वि., रो., मृ., आ., पुन., पुष्य, आश्ले., पू. फा., उ. फा., ह., चि., स्वा., अनु., मू., पू. षा., उ.षा., श्रव., धनि., शत., रेव., पू.भा., उ.भा.। उत्तरायण में कुम्भ का सूर्य छोड़कर विद्यारम्भ करना शुभ है।

१२. उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त्तः– शिशु के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण को ५ या ८वां, क्षत्रिय को छठे या ग्यारवें और वैश्यों को ८वां या १२ वें वर्ष में उपनयन संस्कार करना चाहिए। यदि इन वर्षो में यह संस्कार न हो सकें तो बाह्मणों का १६वां, क्षत्रियों का २२वें व वैश्यों का २४ वें वर्ष तक उपनयन करा सकते हैं। उत्तरायण में माघादि ६ मासों में देवशयन से पूर्व करना शुभ है। **तिथि**–शुक्ल की २, ३, ५, १०, ११, १२ कृष्ण की १, २, ३, ५ (पंचमी के दोपहर तक) मन्वादि व सोम पदा तिथियों को छोड़कर। **वार**– रवि, चन्द्र, बुध, गुरू, शुक्र। **नक्षत्र**– अश्वि., रो., मृ., पुन., आर्द्रा, पुष्य., आश्ले., तीनों पू. और तीनों उत्तरा, ह., चि., स्वा., अनु., मू., श्र., धनि., शत., रेव., अभि.। बालक का गुरु, चन्द्र, सूर्य बल अवश्य देखें। ऋग्वेदियों हेतु गुरु, यजुर्वेदियों हेतु शुक्र, सामवेदियों हेतु भौम बल, अथर्वेदियों हेतु बुध बल आवश्यक है। संक्रांति दिन, रोगबाण (सूर्य के गतांश ८। १७। २६) गुरु शुक्र के अस्त काल को छोड़कर मध्याह्न से पहले अभिजित् शुभ है। चैत्र में मीन के सूर्य में यज्ञोपवीत श्रेष्ठ है।

१३. केशान्त मुहूर्त्तः– ब्राह्मण जातक के १६वां, क्षत्रिय के २२ वां और वैश्य के २४ वें वर्ष में निम्न संस्कार किया जाता है। इसमें तिथ्यादि नक्षत्र आदि मुण्डन संस्कार के आधार पर निर्दिष्ट होते हैं।

१४. समावर्तन मुहूर्त्तः– जब ब्रह्मचारी गुरु की आज्ञा से घर लोटता है इसके अनन्तर वह विवाह संस्कार का अधिकारी बनता है। इसके तिथि नक्षत्रादि उपनयन संस्कार के समान मान्य है।

१५. विवाह मुहूर्त्तः–विवाहांगकृत्य मुहूर्त्त

(१) वर वरण मुहूर्त्तः–**तिथि**– दोनो पक्षों की २, ३, ५, ७, १०, ११, १२ कृ. १, शु. १३ **वार**–चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**–कृतिका, रोहिणी, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा.।

(२) कन्या वरण मुहूर्त्त (सगाई) :–**तिथि**–२, ३, ५, ७, १०, ११, १२ कृ. १, शु. १३ **वार**–चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**–विवाह मुहूर्त्त के नक्षत्र, कृतिका, तीनों पूर्वा, स्वा., अनु., उ.षा., श्र., धनि.।

(३) विवाह मुहूर्त्तः–**तिथि**– शु. १, कृ. १३, १४, ३० तिथियों को छोड़कर शेष तिथियां। **वार**–सभी वार। **नक्षत्र**–अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा., मघा., तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती.। **नोटः**– लग्न शुद्धि एवं ग्रह बल के लिए अलग से **बृहद् पंचांग** में परिशिष्ट देखें।

(४.) नव वधू प्रवेश मुहूर्त्तः– **तिथि**– रिक्ता, अमावस्या को छोड़कर शेष सभी। **वार**– चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि। **नक्षत्र**– अश्वि., रो., मृग., पुष्य, मघा. तीनों उत्तरा., ह., चि., अनु., मू., श्र., स्वा., धनि., रे.।

विवाह के १६ दिन के भीतर सम दिनों में ५, ७, ९ वें दिन प्रवेश करावें इसके बाद एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में स्थिर लग्न में प्रवेश करावें। कुछ आचार्यों ने बुधवार को अशुभ कहा है।

(५.) द्विरागमन मुहूर्त्तः- विवाह के १६ दिन के भीतर ११ वें दिन या सम दिनों में शुभ है वर का सूर्य बल औ कन्या का गुरु बल देखें। मेष,वृश्चिक, कुम्भ के सूर्य में एवं २, ३, ६, ७, १२ लग्न में शुभ है। **तिथि-** रिक्ता, अमावस्या को छोड़कर सभी। **वार-** चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र-** अश्वि., रोहि., मृग., पुन., पुष्य., ३ उत्तरा., हस्त., चि., स्वा., अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, अभिजित्, रेवती। १६ दिन के भीतर चन्द्र बल, गुरु, शुक्र अस्तादि तथा सन्मुख दक्षिणस्थ शुक्रादि दोषो का विचार नही किया जाता है।

१६. स्त्रियों की चोटी गूथनें का मुहूर्त्तः- तिथि- शुभ। **वार-** सूर्य, चन्द्र, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र-** हस्त, मूल, रोहिणी, विशाखा, श्रवण, स्वाति, तीनों उत्तरा, मृगशिरा। **लग्न-**२, ३, ४, ५, ८, १२ शुभ है।

१७. गर्भवती को प्रसूति के लिए भेजने का मुहूर्त्तः- तिथि-रिक्ता अमावस्या को छोड़कर शेष सभी। **वार-**शुभ। **नक्षत्र-**अश्वि., रो., मृग., पुन., पुष्य, ३ उत्तरा, स्वा., ह., चि., अनु., ध., शत., रेव.।

१८. सूतिका स्नान मुहूर्त्तः- सूतिका स्नान शिशु जन्म से एक सप्ताह बाद होता है। **तिथि-** दोनो पक्षों की २, ३, ५, ७, १०, ११, कृ. १ और शु. १३, १५। **वार-** सूर्य, मंगल, गुरु। **नक्षत्र-** अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, तीनों उत्तरा, हस्त, स्वाति, अनुराधा, रेवती एवं कुयोग रहित दिनों में शुभ है।

१९. जलवा पूजन मुहूर्त्तः- प्रसव के एक मास उपरान्त मास पूरा होने पर यह संस्कार किया जाता है। **तिथि-** २, ३, ५, ७, १०, ११ कृ. १ शु. १३, १५ **वार-** चन्द्र, बुध., गुरु.। **नक्षत्र-** मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, मूल, श्रवण। चैत्र, पौष तथा अधिक मास और गुरु शुक्रादि में निषिद्ध है।

२०. पालने में सुलाने का मुहूर्त्तः- तिथि- १, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ **वार-** चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र-** अश्वि., रोहि., मृग., पुष्य., तीनों उत्तरा, ह., चि., अभि., अनु., रेव.। बालक के जन्म से १०, १२, १६, १८, ३२ वें दिन का बालक का सिर पूर्व की ओर करके पालने में सुलाना चाहिए।

२१. गंधर्व विवाह मुहूर्त्तः- तिथि- २, ३, ५, ६, १०, ११, १३। **वार-** सूर्य, मंगल, शनि.। **नक्षत्र-** अश्विनी, कृतिका, आर्द्रा., पुनर्वसुं, आश्ले, ज्ये., धनि., शत.। गुरु व शुक्रास्त का विचार नहीं करें।

२२. चूड़ा पहनने का मुहूर्त्तः- तिथि- २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ **वार-** सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र-** अश्विनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, धनिष्ठा, रेवती। **सूर्यभात-** सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिनें। ३ नेष्ट ५ नेष्ट ३ शुभ ४ शुभ ७ नेष्ट २ नेष्ट १ शुभ २ शुभ १ नेष्ट।

२३. ऋण लेन देनः- रविवार युक्त हस्त, मंगलवार, संक्रांति के दिन, वृद्धि योग, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर योग में ऋण नहीं लेवें। मंगलवार को चुकावें तथा बुधवार को धन नहीं देवे। भौम प्रदोष व्रत से ऋण से मुक्ति मिलती है।

२४. दुकान खोलने का मुहूर्त्तः- तिथि- २, ३, ५, ७, १०, १२, १३। **वार-** मंगल को छोड़कर सभी वार। **नक्षत्र-** अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य., तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, रेवती। चन्द्र व शुक्र लग्न में शुभ, कुम्भ लग्न निषेध है। २-१०-११ वें स्थान में शुभ ग्रह। ३-६ ठें स्थान में पाप ग्रह हो।

२५. क्रय मुहूर्त्तः- तिथि-रिक्ता व ८, १५, ३०, कृष्ण की १३, शुक्ल १, तिथियों को छोड़कर सभी। **नक्षत्र-**अश्विनी, रेवती, स्वाति, चित्रा, श्रवण, शतभिषा,। **वार-** सभी शुभ, रवि, बुध विशेष शुभ।

२६. विक्रय मुहूर्त्तः- तिथि- रिक्ता व ८, १५, ३०, कृष्ण की १३, शुक्ल १, तिथियों को छोड़कर सभी। **वार-** सभी शुभ। **नक्षत्र-** ३ पूर्वा, विशा., कृ., आश्ले., भ.। कुम्भ लग्न निषेध। चन्द्र, गुरु विशेष शुभ।

२७. बहीखाता मुहूर्त्तः- तिथि- १ कृ. दोनों २, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३, १५। **वार-** सूर्य, चन्द्र, बुध., गुरु., शनि। **नक्षत्र-** मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य., तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, रेवती। चतुर्मास, गुरु व शुक्र अस्तकाल में निषेध। दीपावली, विजयादशमी, अक्षय तृतीया, नवरात्रा स्थापना दिवस आदि अबूझ मुहूर्त में प्रारंभ करें। चर व द्विस्वभाव लग्न श्रेष्ठ।

२८. नौकर रखने का मुहूर्त्तः- तिथि- २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १३ **वार-** सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र-** अश्वि., मृग., पुष्य, ह., चि., अनु., अभि., रे.। स्वामी व सेवक दोनों की योनिमैत्री एवं दोनों की राशीशों की मैत्री शुभ होवें। स्थिर लग्न अवश्य देखें। शुभ ग्रह लग्न में व सू. मं. १०, ११ में हो।

२९. द्वारशाखा मुहूर्त्तः- तिथि-शुभ। **वार-** शुभ। **नक्षत्र-** रवि भाद्रगणना-सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक ४ श्रेष्ठ, ८ नेष्ट, ८ श्रेष्ठ, ३ नेष्ट ४ श्रेष्ठ।

३०. देवप्रतिष्ठा मुहूर्त्तः- तिथि-शुक्ल प्रतिपदा, रिक्ता, अमावस्या को छोड़कर सभी शुभ व जिस देव की प्रतिष्ठा की जा रही है उस देव की तिथि मान्य है। **मास-** सभी देवताओं की प्रतिष्ठा उत्तरायण (हरिशयन निषेध काल) में की जाती है, व मातृ, भैरव, नृसिंह, त्रिविक्रम, चण्डी, काली तामस देवों की (हरिशयन वर्जित) दक्षिणायन में भी की जा सकती है। **नक्षत्र-** अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, ३ उत्तरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अभिजित्, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती। देव प्रतिष्ठा हमेंशा पूर्वाह्न में होती है। आर्द्रा नक्षत्र में शिव प्रतिष्ठा शुभ है।

लग्न शुद्धिः- चन्द्र और पाप ग्रह ३, ६, ११ वें भावों में हो, शुभग्रह ८, १२ वें भावों को छोड़कर अन्य भावों में शुभ होते है। सूर्य की सिंह, शिव की मिथुन, विष्णु की कन्या, ब्रह्मा की कुंभ, दुर्गा की द्विस्वभाव व शुद्र (यक्ष गन्धर्व) देवों की चर लग्न में प्रतिष्ठा करना चाहिये। प्रायः सभी देवों की प्रतिष्ठा स्थिर लग्न में होना चाहिये जो शास्त्रविहित है।

३१. तंत्र-मंत्र-यंत्र साधना मुहूर्त्तः- (१) सूर्य चन्द्र ग्रहण के पर्व काल (२) दीपावली की रात्रि (३) सायन एवं निरयन संक्रान्ति काल से पूर्वापरवर्ती ६-६ घंटा काल (४) प्रत्येक मास की अमावस्या (५) क्रान्तिसाम्य काल (६) षडशीति मुख संक्रान्तियों से पूर्वापरवर्ती ६-६ घंटा काल (७) वारूणी/महावारूणी/महामहावारूणी पर्व काल (८) अर्धोदय/महोदय योग काल में तंत्र-मंत्र-यंत्र की साधना करनी चाहिए।

३२. यज्ञानुष्ठान प्रारम्भ मुहूर्त्तः- तिथि १, ५, ७, १०, १३, १५ **वार-** रवि, चन्द्र , गुरु, शुक्र। **नक्षत्र-** अश्वि., रोहि., मृग., पुन., पुष्य, विशा., ज्येष्ठा, ३ उत्तरा, हस्त, स्वा., अनु., श्रवण, धनिष्ठा, शत., रेव.। **लग्न-** २, ३, ४, ६, ७, ९, १२ लग्न शुद्धि देखें। **मास-** आश्विन, कार्तिक, वैशाख, माघ, मार्ग., फा.।

३३. भूमि क्रय-विक्रय मुहूर्त्तः- तिथि- १, ५, ६, १०, ११, १५ **वार-** गुरु, शुक्र। **नक्षत्र-** मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, तीनों पूर्वा, विशाखा, अनुराधा, मूल, रेवती।

३४. गृहारंभ मुहूर्त्तः- तिथि- २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १३, १५। **वार-** चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र शनि। **नक्षत्र-** रो., मृ., चि., हस्त, स्वाति, अनु., उत्तरा ३, घनिष्ठा, शत. रेव. पुष्य आदि नक्षत्रों में शुभ। **मास-**वैशा., श्रावण, कार्त्तिक, मार्ग., माघ, फाल्गुनादि सोर मास तथा भाद्र., कार्तिक सामान्यतया मान्य। वेध रहित नक्षत्रों में तथा १, ३, ५, ६, ८, ११, १२ लग्नों में शुभ है। पंचबाण और भूमि शयन रहित दिनों में साथ ही लग्न बल हेतु लग्न से केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा ३, ६, ११ वें स्थान में पापग्रह एवं अष्टम स्थान शुद्ध होने पर गृहारंभ शुभ है। **भूशयनः-**भूशयन काल में गृहारंभ नहीं किया जाता है।

(1) सूर्य नक्षत्र से ग्रहारंभ दिन ५, ७, ९, १२ १९, २६ वां हो तो भूशयनशील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमशः ४, ८, ५, ३, ६, ७ घटी कालांश मात्र में भूशयन शेष घटियों में सुप्त नही।

(2) सूर्य संक्रान्ति दिन से ५, ७, ९, १५, २१ २४ वें दिन भूशयनकाल होता है।

वास्तु चक्रः-सूर्य नक्षत्र से लेकर ७ नक्षत्र अशुभ। तदन्तर ८ वें से १८ नक्षत्र तक शुभ उसके बाद १९ वें नक्षत्र से २८ वें नक्षत्र तक अशुभ होते हैं।

ग्रहारम्भे वृषभवास्तु चक्रम

सूर्य भात	३	४	४	३	४	३	४	३
अंग	मस्तक	अग्रपाद	पृष्ठपाद	पृष्ठ	दक्षिणकुक्षौ	पुच्छे	वामकुक्षे	मुखे
फलम्	दाह	शून्य	स्थिर	श्री	लाभ	नाश	दरिद्रता	पीड़ा

भूशयन परीक्षण- जिस भूमि पर मकान बनाना है वहां एक हाथ गहरा, एक हाथ लंबा, एक हाथ चौड़ा गड्डा बनावें। उसे पानी से भर देवें। दूसरे दिन प्रातः उसे देखें। यदि जल से युक्त हो तो शुभ, निर्जल मध्यम, निर्जल छिन्न-भिन्न हो तो अशुभ भूमि जाने।

खात चक्र

संक्रांति	विवाह में सूर्य	देवालय में सूर्य	गृहारम्भ में सूर्य	जलाशय में सूर्य	खा. दिशा	राहु मुख
सूर्य	वृष, मिथुन, कर्क	मीन, मेष, वृषभ	सिंह, कन्या, तुला	मकर, कुंभ, मीन	आग्नेय	ईशान
सूर्य	कुंभ, मीन, मेष	धनु, मकर, कुंभ	वृष, मिथुन, कर्क	तुला, वृश्चि., धनु	नैऋत्य	आग्नेय
सूर्य	वृश्चि., धनु, मकर	कन्या, तुला, वृश्चि.	कुंभ, मीन, मेष	कर्क, सिंह, कन्या	वायव्य	नैऋत्य
सूर्य	सिंह, कन्या, तुला	मिथु., कर्क, सिंह	वृश्चि., धनु, मकर	मेष, वृष, मिथुन	ईशान	वायव्य

३५. कुआ-बोरिंग खोदने का मुहूर्त्तः- **तिथि**-शुक्ल पक्ष की १, रिक्ता तिथि, कृष्ण पक्ष की १३ व ८, १४, १५, ३० को छोड़कर सभी तिथियां। **वार**- चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**- रोहि., मृग., पुष्य, मघा, हस्त, अनु., पू.षा., तीनों उत्तरा, धनि., शत., रेव.। **नोट**-घर के मध्य, आग्नेय, दक्षिण, नैऋत्य, वायव्य में शुभप्रद नहीं है। वापी कूपादि में उत्तरायण, लग्न शुद्धि, भूशयन का विचार करें। गुरु शुक्रास्त में वर्जित है।

३६. गृहप्रवेश मुहूर्त्तः-**मास**- वेशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास शुभ है। **वार**-चंद्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि। **तिथि**- रिक्ता तिथि एवं अमावस्या को छोड़कर शेष सभी तिथियां। **नक्षत्र**- रोहिणी, मृगशिरा, उत्तरा तीनों, चित्रा, अनुराधा, रेवती, विशेष शुभ है। **तिथि नक्षत्र विशेष**-पूर्वद्वार गृह के लिए रो. मृगशिरा नक्षत्र पूर्णा तिथि पश्चिमद्वार के लिए अनुराधा, उत्तराषाढ़ा, नक्षत्र एवं भद्रा तिथि। उत्तर द्वार के लिए उत्तराभाद्रपद, रेवती नक्षत्र एवं जया तिथि। दक्षिण द्वार के लिए उत्तराफाल्गुनी, चित्रा नक्षत्र एवं नंन्दा तिथि शुभ मानी जाती है। स्थिर लग्न में उत्तम एवं द्विस्वभाव लग्न में मध्यम तथा लग्न से १, २, ३, ४, ५, ७, ९, १० इस स्थानों में शुभ ग्रह हो, ३-६-११ वे स्थानों में पाप ग्रह हों। १-६-८-१२ वे स्थानों में चंद्र न हो तथा चौथा, आठवां स्थान शुद्ध हो, जन्म लग्न व जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न नहीं हो एवं कलश चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गौ, कन्या, जलपूर्ण, पुष्प माला श्रीफल सह कलश सहित मंगल गीत गुंजन एवं गायन वाद्य सहित ग्रह प्रवेश शुभ होता है।

वाम सूर्य विचारः- ग्रह प्रवेश में सूर्य यदि ८ से १२ वें स्थानों में हो तो पूर्वाभिमुख द्वारा के घर में ५ से ९ वें स्थानों में हो तो दक्षिणाभिमुखी वाले घर में २ से ६ठें स्थानों में हो तो पश्चिमद्वार वाले घर में ११ वें से ३ रें स्थानों में हो तो उत्तरद्वार वाले घर में प्रवेश शुभप्रद होता है। **कलश चक्रम्** - सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिनें ५ तक अशुभ, ६ से १३ तक शुभ, १४ से २१ तक अशुभ, २२ से २७ तक शुभ जानें।

गृह प्रवेश कलश चक्रम् सूर्य नक्षत्रात्

सूर्य भात	१	४	४	४	४	४	३	३
अंग	मुखे	पूर्वे	दक्षिणे	पश्चिमे	उत्तरे	गर्भे	गुदे	कंठे
फलम्	मृत्यु	उदासिनम्	धनलाभ	लक्ष्मी	कलह	विनाश	स्थिरता	सुख

३७. चूल्हा भट्टी मुहूर्त्तः- **तिथि**- २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १३। **वार**- बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**- पू.भा., तीनों उत्तरा, रो., पुष्य, अश्वि., आ.। **चुल्ही चक्रमः**- सूर्य नक्षत्र से ६ नक्षत्र पृष्ठे (पीठ) सुख प्रद। ४ सिर मृत्यु, ८ बाहु सौख्य, ५ वां नक्षत्र गर्भ के नाशक। २ नक्षत्र भूजा (कर) श्रेष्ठप्रद २ पाद स्त्री नाशक। शुभ नक्षत्रों में चूल्हा बनाये व निम्न नक्षत्रों में प्रथम अग्नि प्रज्वलित करें।

३८. वास्तु शांति मुहूर्त्तः- **नक्षत्र**-अश्वि., रो., मृग., पुन., पुष्य., उत्तरा तीनों, ह., चि., स्वा., अनु., मूल., श्रवण., धनि., रेव., इन नक्षत्रों में एवं कुयोग से रहित दिनों में वास्तु शान्ति करें।

३९. दत्तक पुत्र ग्रहण- **तिथि**- रिक्ता, अमावस्या को छोड़कर सभी। **वार**- रवि, मंगल, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**- पुष्य., ह., चि., स्वा., विशा., अनु., धनि., शत., **लग्न शुद्धि** २, ५, ८, ११ राशियां लग्न में हो।

४०. जीर्णगृह प्रवेश- मास-कार्तिक, मार्गशीर्ष श्रावण। **नक्षत्र**-शत., पुष्य., स्वाति, धनिष्ठा। **लग्न**- जन्म राशि जन्म लग्न से ३, ६, १०, ११ वें व स्थिर लग्न में प्रवेश करना चाहिये। गुरु-शुक्रास्त, क्षय-अधिकमास तथा सिंहस्थ-मकरस्थ गुरु आदि का विचार नहीं किया जाता है।

४१. पशु क्रय-विक्रय मुहूर्त्त :-**तिथि**-रिक्ता, अमावस्या, अष्टमी तिथि को छोड़कर अन्य सभी। **वार**- मंगलवार त्याज्य। **नक्षत्र**- अश्वि., पुन., पुष्य, हस्त, विशा., ज्येष्ठा., धनि., शत., रेवती नक्षत्र में गाय खरीदना बेचना शुभ है। अन्य पशु हेतु पुन., ३ पूर्वा, ह., अनु., ज्ये., मू., धनि., रे. क्रय-विक्रय शुभ है।

४२. रोगमुक्त स्नान मुहूर्त्तः- **तिथि**-रिक्ता तिथियां ग्राह्य है। **वार**- सूर्य, मंगल, बुध, गुरु, शनि। **नक्षत्र**- आश्लेषा, स्वाति, मघा., तीनों उत्तरा, रोहिणी, पुनर्वसु, रेवती, इन नक्षत्रों में निषेध बाकी सभी नक्षत्रों में चर लग्न एवं अशुभ चन्द्र स्थिति में स्नान करें।

४३ औषधि निर्माण एवं सेवन मुहूर्त्त- **तिथि**-कृ. पक्ष १, दोनो पक्ष की २, ३, ५, ७, १०, ११। **वार**-रवि, चंद्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**-अश्वि., मृग., पुन., पुष्य., हस्त., चि., स्वा., अनु., मूल., श्रव., धनि., शत., रेव। **लग्न**- द्विस्वभाव एवं शुभ लग्न। **नोट**-जन्म नक्षत्र वर्जित है।

४४. विशेष पदग्रहण मुहूर्त्तः- **नक्षत्र**- ज्येष्ठा, श्रवण, हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित, मृगशिरा, रेवती, चित्रा., अनुराधा, उत्तरा तीनों, रोहिणी। **तिथि**- रिक्ता तिथि, मंगलवार, रात्रि समय, मलमास का त्याग करे। **लग्न**- ३, ५, ६, ७, ८, ११ **लग्न शुद्धि**-३, ६, ११ स्थानों में पाप ग्रह तथा १, ४, ७, १०, ५, ९, ११-२, ३ भावों में शुभग्रह होवें।

४५ राजसेवा पदग्रहण मुहूर्त्त-**तिथि**- कृष्ण १, दोनों पक्ष की २, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५। **वार**- सूर्य, बुध गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**-अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, रेवती, अभिजित्। **नोट**- १० वें ११वें स्थान पर सूर्य और मंगल शुभ है तथा लग्न से १, २, ४, ७, १०, ११ वें स्थान में शुभ ग्रह होवे, सूर्य ५, १४, २३ वें अंश पर हो तब नृप बाण होता है। अतः नृपबाण का त्याग करना चाहिये।

४६. अग्निवासः- जिस दिन हवन करना हो उस दिन तिथि और वार की संख्या जोड़कर १ और जोड़े। योग में ४ का भाग देवें। ० या ३ शेष रहे तो पृथ्वी पर अग्नि का वास सुखप्रद होता है। इसमें होम करने से सुख मिलता है। यदि १ बचे तो आकाश में अग्नि का वास रहता है जो हानिकारक होता है। २

बचे तो पाताल में अग्नि का वास रहता है, वह हानिकारक है। तिथि की गणना शुक्ल प्रतिपदा से तथा वार की गणना रविवार से करना चाहिये। निम्न चक्र में सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिने।

सूर्य नक्षत्र से हवन चक्र

सूर्य भात	३	३	३	३	३	३	३	३	३
ग्रह	सूर्य	बुध	शुक्र	शनि	चन्द्र	मंगल	गुरु	राहु	केतु
फलम्	नेष्ट	श्रेष्ठ	श्रेष्ठ	नेष्ट	श्रेष्ठ	नेष्ट	श्रेष्ठ	नेष्ट	नेष्ट

नोटः- नित्य कार्य, जन्म समय, दुर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहण, रोग, पीड़ा, दुर्भिक्ष, शांति यज्ञ यज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

४७. बड़े अधिकारी से मिलने का मुहूर्त्तः- तिथिः-दोनों पक्ष की २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ कृष्ण पक्ष की १ शुभ है। **वारः**- सूर्य, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्रः**- अश्विनी, रोहिणी, मृग., पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण आदि नक्षत्र शुभ है।

४८. अनाज रखने का मुहूर्त्तः- नक्षत्रः-विशाखा, कृतिका, तीनों पूर्वा, भरणी, मघा, आर्द्रा, श्ले., ज्येष्ठा, को छोड़कर सभी नक्षत्र। **वारः**-चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **तिथिः**-२, ३, ५, ७, १०, १२, १५। लग्नः-चर लग्नों को छोड़कर अन्य लग्न में संग्रह शुभ।

४९. हल प्रवाह मुहूर्त्तः- तिथि- २, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५ **वार**- चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**- अश्वि., रोहि., मृग., पुन., पुष्य, अभि., हस्त, चि., स्वा., अनु., मूल., ३ उत्तरा, श्रव., धनि., शत., रेव.। **सूर्यभात गणना**-सूर्यभात नक्षत्र से अभिजित् सहित दिन नक्षत्र तक गिनें। १ से ३ अशुभ, ४ से ११ शुभ, १२ से २० अशुभ, २१ से २८ शुभ। सिंह, कुम्भ, कर्क, मेष, मकर, तुला लग्नों में तथा रिक्ता व षष्ठी तिथि में निषेध।

५०. बीज बावणी मुहूर्त्तः- तिथि-शुभ। **वार**- रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि। **नक्षत्र**- हल प्रवाह नक्षत्रों में से श्र., शत., पुन., विशा. को छोड़कर सभी नक्षत्र शुभ है। राहु शुद्धि चक्र देखें। **राहु नक्षत्र गणना**- राहु नक्षत्र से दिन नक्षत्र गिनना ८ नेष्ट, ३ श्रेष्ठ, १ नेष्ट, ३ श्रेष्ठ, १ नेष्ट, ३ श्रेष्ठ, १ नेष्ट, ३ श्रेष्ठ, ४ नेष्ट।

५१. फसल कटाई मुहूर्त्तः- तिथि-२, ३, ५, ७, १०, ११, १३ **वार**- चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, रवि। **नक्षत्र**- हस्त, मूल, श्रवण, स्वाति, तीनों उत्तरा, पू.षा., मघा, मृगशिरा, पुष्य, आर्द्रा, आश्लेषा, ज्येष्ठा, पू.भा., कृतिका, धनिष्ठा, भरणी। स्थिर लग्न में फसल की कटाई शुभ है।

५२. स्कूटर कार, वाहन खरीदनाः-तिथि-कृ. १, दोनो की ३, ४, ५, १०, १५। **वार**- सोम, बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**- अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य हस्त, चित्रा, स्वाति, श्रवण धनिष्ठा, शतभिषा, अभिजित्, रेवती। **लग्न**-चर लग्न शुभ। चंद्र शुद्धि देखें।

५३. मशीनरी शुभारंभ मुहूर्त्तः- नक्षत्र - धनिष्ठा, अश्वि, हस्त., चि., अनु. पुन., पुष्य., ज्ये., रेव.,। **वार**- बुधवार विशेष शुभ । अन्य वार सामान्य **लग्न**- चर लग्न , चरसंज्ञक नक्षत्र विशेषकर शुभ।

५४. कम्प्यूटर निर्माण व संचालन मुहूर्त्तः- तिथि- १, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ **वार**- रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि। **नक्षत्र**- अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती। लग्न शुद्धि का विचार अवश्य करना चाहिये।

५५. फिल्म निर्माण एवं संचालन मुहूर्त्तः- तिथि- २, ५, ७, १०, १५। **वार**- बुध, गुरु, शुक्र। **नक्षत्र**- अश्वि., मृग., पु., ह., चि., अनु., रे.। फिल्म प्रसारण हेतु रवि, शुक्र शुभ। चन्द्र शुद्धि अवश्य देखें।

नक्षत्रों की संज्ञा व करने योग्य काय

१. ध्रुव-स्थिर नक्षत्र- रोहिणी, उत्तराफाल्गुन, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद तथा रविवार ध्रुव और स्थिर संज्ञक है। इनमें स्थिर कार्य बीज बोना, बगीचा लगाना, गीत वाद्योत्सव, विवाह, वस्त्र आभूषण धारण करना, शांति कर्म, गृहारंभ, नृत्य सीखना, मैत्री, शपथ ग्रहण करना, खेल कूद आरम्भ करना शुभप्रद है।

२. चर-चल नक्षत्र- पुन., स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तथा सोमवार। इनमें स्कूटर, कार, बस, ट्रक आदि वाहन का लेन देन एवं उपयोग करना, क्रय-विक्रय, रतिक्रिया, शिक्षा ज्ञान, दुकान खोलना, लम्बी यात्रा, चित्रकारी शुभ है।

३. उग्र-क्रूर नक्षत्र- भरणी, मघा, तीनों पूर्वा तथा मंगलवार। दुष्टकार्य, तस्करी, सट्टा, लॉटरी, विष, शस्त्रकर्म शुभ है।

४. मिश्र-साधारण नक्षत्र- कृत्तिका, विशाखा नक्षत्र तथा बुधवार इनमें अग्निदाह, मांगलिक कार्य, व्यापार, शस्त्र-विष संबंधी कर्म, घात कर्म आदि शुभ है।

५. क्षिप्र-लघु नक्षत्र- अश्विनी, पुष्य, हस्त, अभिजित् तथा गुरुवार। दुकान खोलना, रतिकर्म, ज्ञानार्जन, शिल्पकर्म, चित्राकला, वाहन, लेन-देन, दूर समीप यात्रा, क्रय-विक्रय शुभ होता है।

६. मृदु-मैत्र नक्षत्र- मृगशिरा, चित्रा, अनुराधा, रेवती तथा शुक्रवार। इनमें गीत विवाहादि मंगलोत्सव, नृत्य सीखना, गृह निर्माण, क्रीड़ा कर्म, बीज बोना, बगीचा लगाना, शांति कर्म, गोपनीयता की शपथ लेना, आभूषण बनवाना अथवा धारण करना।

७. तीक्ष्ण दारूण नक्षत्र- आर्द्रा, आश्लेषा, ज्येष्ठा, मूल तथा शनिवार। इनमें अस्त्र-शस्त्र निर्माण एवं प्रयोग विषादि कर्म, पशु शिक्षा, तस्करी, लॉटरी, सट्टा, पापकर्म, अभिचार, घात आदि शुभ है।

रवि योग- सूर्य और चन्द्रमा की परस्पर दूरी की खगोलीय स्थितियों में शुभ और अशुभ समय का निर्धारण होता है, जिसे सुयोग और कुयोग की संज्ञा दी जाती है। सुयोगो अथवा शुभ योगों में रवि बहुत ही शुभ माना जाता है। रवि योग में १३ प्रकार के कुयोगों का स्वतः ही शमन होता है। अतः रवि योग में किसी भी प्रकार के शुभ कार्य सम्पन्न किये जा सकते हैं। सूर्य जिस नक्षत्र में होता है उस नक्षत्र से चौथे, छठे, नौवें, दसवें, तेरहवें अथवा बीसवें नक्षत्र पर जब चन्द्रमा संचरण करता है, तब सूर्य के नक्षत्र से चन्द्रमा के उस नक्षत्र-संचरण अवधि को रवि योग कहा जाता है।

अमृतसिद्धि/सर्वार्थ सिद्धि योग

निश्चित वार और निश्चित नक्षत्र के संयोग से बनने वाले शुभ और अशुभ योगों में अमृतसिद्धि और सर्वार्थसिद्धि जैसे अति शुभ योग बनते हैं। इन शुभ योगों में शुभ कार्य किये जा सकते हैं। परन्तु कुछ कार्य वर्जित भी हैं।

(१) अमृतसिद्धि योग- निम्न स्थितियों में बनता है-रविवार+हस्त नक्षत्र, सोमवार+मृगशिरा, मंगलवार+अश्विनी, बुधवार+अनुराधा, गुरुवार+पुष्य, शुक्रवार+रेवती, शनिवार+रोहिणी। परन्तु मंगल +अश्विनी के योग में गृह-प्रवेश, शनि+रोहिणी में यात्रा और गुरु+पुष्य में विवाह कार्य कभी सम्पन्न नहीं करने चाहिये।

(२) सर्वार्थसिद्धियोग- निम्न स्थितियों में बनता है-रविवार को अश्विनी, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त अथवा मूल नक्षत्र, सोमवार को रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, अनुराधा अथवा श्रवण, मंगलवार को अश्विनी, कृत्तिका, आश्लेषा अथवा उत्तरा भाद्रपद, बुधवार को कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, हस्त अथवा अनुराधा, गुरुवार को अश्विनी, पुनर्वसु, पुष्य, अनुराधा अथवा रेवती, शुक्रवार को अश्विनी, पुनर्वसु, अनुराधा, श्रवण अथवा रेवती, शनिवार को रोहिणी स्वाति अथवा श्रवण नक्षत्र होने पर जो वर्जनाएँ अमृतसिद्धि योग की हैं वे ही सर्वार्थसिद्धि योग होते है।

आनन्दादि योग परिज्ञान सारिणी

संख्या	आनंद योग	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	फल
०१	आनन्द	अश्वि	मृग.	आश्ले	हस्त	अनु.	उषा.	शत.	शुभ
०२	कालदंड	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठ	अभि.	पूभा.	अशुभ
०३	धूम्र	कृति.	पुन.	पूफा.	स्वाति	मूल	श्रवण	उभा.	अशुभ
०४	धाता	रोहि.	पुष्य	उफा.	विशा.	पूषा.	धनिष्ठ	रेवती	शुभ
०५	सौम्य	मृग.	आश्ले	हस्त	अनु.	उषा.	शत.	अश्वि	शुभ
०६	ध्वांक्ष	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठ	अभि.	पूभा.	भरणी	अशुभ
०७	केतु	पुन.	पूफा.	स्वाति	मूल	श्रवण	उभा.	कृति.	शुभ
०८	श्रीवत्स	पुष्य	उफा.	विशा.	पूषा.	धनिष्ठ	रेवती	रोहि.	शुभ
०९	वज्र	आश्ले	हस्त	अनु.	उषा.	शत.	अश्वि	मृग.	अशुभ
१०	मुद्गर	मघा	चित्रा	ज्येष्ठ	अभि.	पूभा.	भरणी	आर्द्रा	अशुभ
११	छत्र	पूफा.	स्वाति	मूल	श्रवण	उभा.	कृति.	पुन.	शुभ
१२	मित्र	उफा.	विशा.	पूषा.	धनिष्ठ	रेवती	रोहि.	पुष्य	शुभ
१३	मानस	हस्त	अनु.	उषा.	शत.	अश्वि	मृग.	आश्ले	शुभ
१४	पद्म	चित्रा	ज्येष्ठ	अभि.	पूभा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	शुभ
१५	लुम्बक	स्वाति	मूल	श्रवण	उभा.	कृति.	पुन.	पूफा.	अशुभ
१६	उत्पात	विशा.	पूषा.	धनिष्ठ	रेवती	रोहि.	पुष्य	उफा.	अशुभ
१७	मृत्यु	अनु.	उषा.	शत.	अश्वि	मृग.	आश्ले	हस्त	अशुभ
१८	काण	ज्येष्ठ	अभि.	पूभा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	अशुभ
१९	सिद्धि	मूल	श्रवण	उभा.	कृति.	पुन.	पूफा.	स्वाति	शुभ
२०	शुभ	पूषा.	धनिष्ठ	रेवती	रोहि.	पुष्य	उफा.	विशा.	शुभ
२१	अमृत	उषा.	शत.	अश्वि	मृग.	आश्ले	हस्त	अनु.	शुभ
२२	मुसल	अभि.	पूभा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठ	अशुभ
२३	गद	श्रवण	उभा.	कृति.	पुन.	पूफा.	स्वाति	मूल	अशुभ
२४	मातंग	धनिष्ठ	रेवती	रोहि.	पुष्य	उफा.	विशा.	पूषा.	शुभ
२५	राक्षस	शत.	अश्वि	मृग.	आश्ले	हस्त	अनु.	उषा.	अशुभ
२६	चर	पूभा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठ	अभि.	शुभ
२७	सुस्थिर	उभा.	कृति.	पुन.	पूफा.	स्वाति	मूल	श्रवण	शुभ
२८	प्रवर्ध	रेवती	रोहि.	पुष्य	उफा.	विशा.	पूषा.	धनिष्ठ	शुभ

रवियोग ज्ञानसूत्र सारिणी

सूर्य नक्षत्र	दैनिक चन्द्र नक्षत्र गणना क्रम					
अश्विनी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा	मघा	हस्त	पू.षा.
भरणी	मृगशिरा	पुनर्वसु	मघा	पू.फा.	चित्रा	उ.षा.
कृतिका	आर्द्रा	पुष्य	पू.फा.	उ.फा.	स्वाति	श्रवण
रोहिणी	पुनर्वसु	आश्लेषा	उ.फा.	हस्त	विशाखा	धनिष्ठ
मृगशिरा	पुष्य	मघा	हस्त	चित्रा	अनुराधा	शतभिषा
आर्द्रा	आश्लेषा	पू.फा.	चित्रा	स्वाति	ज्येष्ठ	पू.भा.
पुनर्वसु	मघा	उ.फा.	स्वाति	विशाखा	मूल	उ.भा.
पुष्य	पू.फा.	हस्त	विशाखा	अनुराधा	पू.षा.	रेवती
आश्लेषा	उ.फा.	चित्रा	अनुराधा	ज्येष्ठ	उ.षा.	अश्विनी
मघा	हस्त	स्वाति	ज्येष्ठ	मूल	श्रवण	भरणी
पू.फा.	चित्रा	विशाखा	मूल	पू.षा.	धनिष्ठ	कृतिका
उ.फा.	स्वाति	अनुराधा	पू.षा.	उ.षा.	शतभिषा	रोहिणी
हस्त	विशाखा	ज्येष्ठ	उ.षा.	श्रवण	पू.भा.	मृगशिरा
चित्रा	अनुराधा	मूल	श्रवण	धनिष्ठ	उ.भा.	आर्द्रा
स्वाति	ज्येष्ठ	पू.षा.	धनिष्ठ	शतभिषा	रेवती	पुनर्वसु
विशाखा	मूल	उ.षा.	शतभिषा	पू.भा.	अश्विनी	पुष्य
अनुराधा	पू.षा.	श्रवण	पू.भा.	उ.भा.	भरणी	आश्लेषा
ज्येष्ठ	उ.षा.	धनिष्ठ	उ.भा.	रेवती	कृतिका	मघा
मूल	श्रवण	शतभिषा	रेवती	अश्विनी	रोहिणी	पू.फा.
पू.षा.	धनिष्ठ	पू.भा.	अश्विनी	भरणी	मृगशिरा	उ.फा.
उ.षा.	शतभिषा	उ.भा.	भरणी	कृतिका	आर्द्रा	हस्त
श्रवण	पू.भा.	रेवती	कृतिका	रोहिणी	पुनर्वसु	चित्रा
धनिष्ठा	उ.भा.	अश्विनी	रोहिणी	मृगशिरा	पुष्य	स्वाति
शतभिषा	रेवती	भरणी	मृगशिरा	आर्द्रा	आश्लेषा	विशाखा
पू.भा.	अश्विनी	कृतिका	आर्द्रा	पुनर्वसु	मघा	अनुराधा
उ.भा.	भरणी	रोहिणी	पुनर्वसु	पुष्य	पू.फा.	ज्येष्ठ
रेवती	कृतिका	मृगशिरा	पुष्य	आश्लेषा	उ.फा.	मूल

एकादशी फलाहार सूत्रम्

मास एवं पक्ष	एकादशी	फलाहार	फलाहार से योनि मुक्ति
चैत्र शुक्ल	कामदा	लौंग	स्वर्णकार
वैशाख कृष्ण	वरूथिनी	खरबूजा	चकवा
वैशाख शुक्ल	मोहिनी	गौमूत्र	मनुष्य योनि
ज्येष्ठ कृष्ण	अपरा	ककड़ी	यमफांसी मुक्ति
ज्येष्ठ शुक्ल	निर्जला	कैरी(गोमूत्र)	बगुला
आषाढ़ कृष्ण	योगिनी	मिश्री	कोयला
आषाढ़ शुक्ल	देवशयनी	किशमिश	शिकरा
श्रावण कृष्ण	कामिका	गौ दुग्ध	शुक
श्रावण शुक्ल	पवित्रा	गुड़	अजगर
भाद्रपद कृष्ण	अजा	छुहारे	गूंगा
भाद्रपद शुक्ल	जलझूलनी	ककड़ी	पशु
आश्विन कृष्ण	इन्दिरा	तिल	गिलहरी
आश्विन शुक्ल	पापांकुशा	ईमली	दीमक
कार्त्तिक कृष्ण	रमा	केला	सर्प
कार्त्तिक शुक्ल	प्रबोधिनी	काचरी	तोते
मार्गशीर्ष कृष्ण	उत्पन्ना	गुड़, बादाम	कुत्ते
मार्गशीष शुक्ल	मोक्षदा	बिलपत्र	अजा
पौष कृष्ण	सफला	तिल,गुड़	नो योनि
पौष शुक्ल	पुत्रदा	गौ दुग्ध	नीच कुल
माघ कृष्ण	षट्तिला	तिलपपड़ी	बिच्छु
माघ शुक्ल	जया	ईख (गन्ना)	हाथी
फाल्गुन कृष्ण	विजया	सिंगाड़ा	चुहा
फाल्गुन शुक्ल	आमलकी	आंवला	चौरासीलाख यानि
चैत्र कृष्ण	पापमोचिनी	चिरोंजी	जूं
अधिक कृष्ण	कमला	दाख	शिकरा
अधिक शुक्ल	कमला	मिश्री	कोयल

बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलालजी, ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर किशनगढ़-सिटी जिला-अजमेर (राजस्थान)

सूक्ष्मतम एवं शुद्ध सूर्योदयास्त की गणना

पंचांग में पृष्ठ १२३, १२४, १२५ में क्रमशः सूर्य क्रान्ति / चर सारिणी व वेलान्तर सारिणी दी गई है। इनके प्रयोग से अपने अभीष्ट स्थान का सही सूर्योदयास्त/दिनमान आदि सैकण्ड पर्यन्त तक सूक्ष्म प्राप्त कर सकते है। जिनको इष्टकाल से लग्न गणना करनी हो उनके लिए यह आवश्यक है कि वे इसी विधि का प्रयोग करके शुद्ध सूर्योदय ज्ञात करके ही इष्ट काल निकालें इष्टकाल की छोटी सी अशुद्धि भी आगे जाकर लग्नांशो में काफी अन्तर ला सकती है।

इस विधि द्वारा सूर्योदय स्पष्ट करें। यदि आप तारीखों की अपेक्षा सायन सूर्य स्पष्ट का प्रयोग करे तो सही परिणाम प्राप्त होगें। सायन सूर्य स्पष्ट करने के लिए अभीष्ट दिन के प्रातः कालीन सूर्य स्पष्ट में अयनांश जोड़ने पर सायन सूर्य स्पष्ट हो जायेगा।

इस सायन सूर्य के अंशो तथा परम क्रांति के आधार पर निम्न सूत्र द्वारा रवि क्रान्ति की गणना की गई है।

सूत्रः- रवि क्रान्ति ज्या=सायन सूर्यांश ज्या×परम क्रान्ति ज्या

यहां परम क्रान्ति का आधार २३°। २७' लिया गया है। जिसकी **त्रिज्या** ०.३९७९४८६ है। जिसके आधार पर यह सारिणी तैयार की गई है। अतः सायन सूर्यांश अथवा तारीख के द्वारा इष्ट सारणी से रवि क्रान्ति प्राप्त करें। रवि क्रान्ति और अक्षांश के आधार पर चर सारिणी से चर मिनट उठाएं, फिर ६ घंटा में (+,-) करके दिनार्द्ध काल बनाऐ, दिनार्द्ध काल बनाते समय चर संस्कार इस प्रकार करें।

	क्रांति	अक्षांश	चरसंस्कार
(६+-)	+	+	+
	-	-	+
	+	-	-
	-	+	-

(+ उत्तर, - दक्षिण) दिनार्द्ध काल का दूना दिनमान होगा। सायन सूर्य के आधार पर वेलान्तर सारिणी से वेलान्तर उठाए और उसे १२ में से चिन्हानुसार धन, ऋण कर स्पष्ट मध्यान्ह काल बनाए, अब सूर्योदयास्त की गणना इस प्रकार करें।

(१) स्पष्ट मध्यान्ह - दिनार्द्ध काल = सूर्योदय

(२) स्पष्ट मध्यान्ह + दिनार्द्ध काल = सूर्यास्त

स्टैण्डर्ड समयान्तर का संस्कार चिन्ह के विपरीत करने से भारतीय स्टैण्डर्ड समय में सूर्योदयास्त प्राप्त होगा

सूर्यास्त - सूर्योदय = दिनमान। २४ - दिनमान = रात्रिमान

उदाहरणः- दिनांकः १३ अगस्त १९९९, स्थानः जयपुर, अक्षांशः २६। ५५ उत्तर, देशान्तर ७५। ४९, स्टै. अन्तरः ४ (७५°-४९''-८२°-३०'')=(-)६.६८३३×४=(-) २६'। ४४'

अयनांशः- १ अगस्त को २३°। ५०'। ५३''

प्रातः निरयन रवि स्पष्ट ५घ. ३०मि. पर ३। २५°-५८'-४५''

सायन सूर्य = ३। २५°-५८'-४५''

+ २३°-५०'-५३'' **अयनांश**

३। ४९°-४९'-३८'' = १३९.८२७२२ सूर्यांश

रवि कान्ति - १४°-५२'-३१'' उत्तर सारिणी से अथवा सूत्र से

चर ३१'-०''-(उत्तर)+ सारिणी से अक्षांश व क्रान्ति द्वारा

वेलान्तर = +४'-५६''

अतः उक्त उपकरणों के आधार पर स्पष्ट मध्यान्ह= १२+४'.५६ **वैलांतर** = १२-४'-५६'' स्पष्ट मध्याह्न

दिनार्द्ध काल = ६+चर ३१'-०'' = ६-३१'-००''

सूर्योदयः- = १२-०४'-५६''

(-) = ०६-३१'-०० सूर्योदय का मध्याह्न काल

०५-३३'-५६''

(+) = ००-२६'-४४'' स्टैण्डर्ड अन्तर

०६-००-०० स्पष्ट समय भा.स्टै.समय

सूर्यास्तः- = १२-०४'-५६''

(+) = ०६-३१'-००''

= १८-३५'-५६''

(+) = ००-२६'-४४''

= १९-०२-४० स्पष्ट समय भा.स्टै.समय

देशान्तर संस्कार एवं पंचाग विभेद विधि

जोधपुर से अन्यत्र नगरों का देशान्तर जानने हेतु सुगम विधि यह है जोधपुर के **रेखांश** ७३ ।४ में से अपने इष्ट स्थान के रेखांश घटा देवें, शेष अंश-कला संख्या के प्राप्त होगें। इस शेष में ४ से गुणा करें, जो गुणनफल आवेगा वह **देशान्तर संस्कार** मिनिट सेकण्ड मे आवेगा। इसके घटि पल बना लेंवे इस हेतु नियम ढ़ाई गुणा करने से पलात्मक **देशान्तर** प्राप्त होगा। इसे जोधपुर से पूर्व देशों में **धन** तथा पश्चिम देशों में ऋण करें एवं मध्यम इष्ट नगरीय पंचांग बन जायेगा यथा देहली रेखांश ७७। १२ जोधपुर रेखांश ७३। ४ के अन्तर से शेष ४ अंश ८ कला आया इसमें ४ से गुणित फल १६ ।३२ आया इसे ढ़ाई से गुणन करने पर ४० ।८० आया विपल में ६० से संशोधन करने पर ४२ पल **देशान्तर** फलाशय आया। जोधपुर से देहली पूर्व देश वश धन + संज्ञक प्रतिफल बना। **चरांतर संस्कार** मध्यम इष्ट नगरीय पंचांग में चर संस्कार करने से स्पष्ट पंचांग इष्टनगरीय बनता है। यथा इष्ट दिन तारीख की **सूर्य क्रान्ति** क्रान्ति सारिणी से लेवें तथा इष्ट नगर के अक्षांश लेवें इनका परस्पर गुणन करें, गुणनफल में ५ का भाग देने से **चरपल** प्राप्त होगें। सूर्य कांति **उत्तर** हो तो तिथ्यादि में जोड़े तथा **दक्षिण** हो तो घटावें। इष्टनगरीय **दिनमान-चरपल** का २ से गुणा करें। सूर्य उत्तरगोल में हो तो ३० घटी में जोड़ें तथा सूर्य दक्षिण गोल हो तो ३० घटी घटावें एवं उस दिन का इष्ट नगर स्पष्ट होगा। **उदाहरणः-** बाड़मेर रेखांश ७१ ।२३ जोधपुर रेखांश ७३ ।४ घटाने पर १ अंश ४१ कला अन्तर आया। नियमत : ४ से गुणा करने ६ अंश ४४ कला बने। ६। ४४ को ढ़ाई से गुणित करने पर १६ ।५० पल बने ३० अर्धाधिक विपल वंश १७ पल देशान्तर ऋण बना।

सारिणी द्वारा शुद्ध लग्न कला पर्यन्त बनाईये

पंचांग में जो विभिन्न अक्षांश की लग्न सारिणीयां दी गई है वे २४ अयनांश पर दी गई है। ये लग्न सारिणीयां इन लिखित अक्षांशो के न्यूनतम **३०'** एवं अधिकतम् **३०'** तक के लिए उपयोगी है। वैसे परामर्श है कि जहां तक हो सके अभिष्ट स्थान की ही लग्न सारिणीयों का ही प्रयोग करना चाहिये। चूंकि अयनांश का इसमें प्रयोग हो चुका है अतः अयनांश की अब इसमें आवश्यकता नहीं है। इष्ट कालीन सूर्य और इष्ट काल के द्वारा इन सारिणीयों से शुद्ध लग्न प्राप्त किये जा सकते है।

सायन सारिणी से लग्न बनाते समय सायन सूर्य बनाने की आवश्यकता नहीं होती, केवल इष्ट कालीन निरयन सूर्य ही लिया जाता है। सूर्य के अंश जिस राशि के भीतर हो उस राशि के अंश के नीचे सारणी में जो अंक मिले इसमें इष्टकाल जोड़ना चाहिये यह इष्ट युक्त सारिणी का अंक हुआ। इसे सारिणी में खोजने पर प्राप्त अंक से मिलता-जुलता समीप का अंक जिस राशि के नीचे मिले वह राशि अंश लग्न की हुई- यह निरयन लग्न है।

(१) यह लग्न निकालने का स्थूलतम व सर्वमान्य सिद्धान्त है इस सारिणी से लग्न की कला विकला पर्यन्त पूर्णतया शुद्ध लग्न प्राप्त नही होती है। कला विकला पर्यन्त तक शुद्धतम् लग्न प्राप्त करने हेतु इसमें इष्टकाल व स्पष्ट सूर्य जितने निकटतम् की प्राप्त होगी लग्नांशों में उतनी ही अधिक शुद्धता प्राप्त होगी। (२) दो अंको की लग्न सारिणी की अपेक्षा ३ अंको की लग्न सारिणीयां अधिक शुद्ध फल देती है। **श्रीधरी पंचांग एवं बृहद श्रीधरी पंचांग में इस वर्ष दी गई कई सारिणीयां** त्रिकोण-मिति निष्पत्तियों के आधार पर अक्षांशो की पलभा प्राप्त ज्ञात करके चरखण्ड व स्वोदय पल के आधार पर निर्माण की गई है। (३) इष्ट कालीन स्पष्ट सूर्य की राशि के सामने और नीचे के कोष्ठक में जो घटीपल प्राप्त हो उनमें इष्ट काल के घटी पल जोड़ने पर जो फल प्राप्त हो उसे लग्न फल कहेंगे। (४) यह लग्न फल पुनः सारिणी में खोजनें से इसके समीपतम् का अंक जिस राशि और अंश के सामने प्राप्त हो उसे लग्नांश फल कहेंगे। यह लग्नांश फल स्थूल मान से प्राप्त होगा। इससे कला पर्यन्त जानना हो तो सूर्य की शेष कला विकला पर से फल लेकर फल में जोड़ना चाहिये तब वास्तविक लग्न फल प्राप्त होगा और इस वास्तविक लग्न फल से भी अनुपात द्वारा लग्न की कला विकला का साधन करना चाहिये। **अन्य सारिणीयों हेतु बृहद श्रीधरी पंचांग देखें।**

सुगम सूर्यक्रान्ति सारिणी श्रीधरीय

उपकरण सायन सूर्य अथवा तारिख

सूत्रः- रविक्रान्ति ज्या = सायन सूर्यांश ज्या × परमक्रान्ति ज्या
परमक्रांति २३°२७' ज्या ०.३९७९४८६

दिनांक	जनवरी		फरवरी		मार्च		अप्रैल		मई		जून	
	सायन सूर्यांश	दक्षिण अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	दक्षिण अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	दक्षिण अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	उत्तर अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	उत्तर अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	उत्तर अ. क. वि.
०१	२८०	२३/०४/२३	३११	१७/२८/३९	३४०	०७/४९/२१	११	०४/२१/१७	४१	१५/०८/०२	७१	२२/०६/१०
०२	२८१	२२/५९/३८	३१२	१७/१२/०६	३४१	०७/२६/३९	१२	०४/४४/४५	४२	१५/२६/३४	७२	२२/१४/२०
०३	२८२	२२/५४/२८	३१३	१६/५५/१३	३४२	०७/०३/४९	१३	०५/०८/०९	४३	१५/४४/५१	७२	२२/१४/२०
०४	२८३	२२/४८/५२	३१४	१६/३८/०३	३४३	०६/४०/५३	१४	०५/३१/२८	४४	१६/०२/५२	७३	२२/२२/०६
०५	२८४	२२/४२/४९	३१५	१६/२०/३५	३४४	०६/१७/५०	१५	०५/५४/४२	४५	१६/२०/३५	७४	२२/२९/२६
०६	२८५	२२/३६/२०	३१६	१६/०२/५२	३४५	०५/५४/४२	१६	०६/१७/५०	४६	१६/३८/०३	७५	२२/३६/२०
०७	२८६	२२/२९/२६	३१७	१५/४४/५१	३४६	०५/३१/२८	१७	०६/४०/५३	४७	१६/५५/१३	७६	२२/४२/४९
०८	२८७	२२/२२/०६	३१८	१५/२६/३४	३४७	०५/०८/०९	१८	०७/०३/४९	४८	१७/१२/०५	७७	२२/४८/५२
०९	२८८	२२/१४/२०	३१९	१५/०८/०३	३४८	०४/४४/४५	१९	०७/२६/३९	४९	१७/२८/३९	७८	२२/५४/२८
१०	२८९	२२/०६/१०	३२०	१४/४९/१४	३४९	०४/२१/१७	२०	०७/४९/२१	५०	१७/४४/५६	७९	२२/५९/३८
११	२९०	२१/५७/३३	३२१	१४/३०/१२	३५०	०३/५७/४४	२१	०८/११/५६	५१	१८/००/५३	८०	२३/०४/२३
१२	२९१	२१/४८/३३	३२२	१४/१०/५४	३५१	०३/३४/०९	२२	०८/३४/२३	५२	१८/१६/३२	८१	२३/०८/४०
१३	२९२	२१/३९/०८	३२३	१३/५१/२३	३५२	०३/१०/३०	२३	०८/५६/४३	५३	१८/३१/५१	८२	२३/१२/३०
१४	२९३	२१/२९/१८	३२४	१३/३१/३८	३५३	०२/४६/४७	२४	०९/१८/५३	५४	१८/४६/५०	८३	२३/१५/५३
१५	२९४	२१/१९/०५	३२५	१३/११/३९	३५४	०२/२३/०२	२५	०९/४०/५५	५५	१९/०१/३०	८४	२३/१८/५०
१६	२९५	२१/०८/२८	३२६	१२/५१/२७	३५५	०१/५९/१५	२६	१०/०७/४८	५६	१९/१५/४८	८५	२३/२१/२९
१७	२९६	२०/५७/२६	३२७	१२/३१/०३	३५६	०१/३५/२७	२७	१०/२४/३०	५७	१९/२९/४७	८६	२३/२३/२२
१८	२९७	२०/४६/०३	३२८	१२/१०/२६	३५७	०१/११/३६	२८	१०/४६/०३	५८	१९/४३/२४	८७	२३/२४/५७
१९	२९८	२०/३४/१५	३२९	११/४९/३७	३५८	००/४७/५५	२९	११/०७/२६	५९	१९/५६/३९	८८	२३/२६/०५
२०	२९९	२०/२२/०६	३३०	११/२८/३७	३५९	००/२३/५३	३०	११/२८/३७	६०	२०/०९/३४	८९	२३/२६/४६
२१	३००	२०/०९/३४	३३१	११/०७/२६	३६०	द०/००/०० उत्तरक्रांति	३१	११/४९/३७	६१	२०/२२/०६	९०	२३/२७/००
२२	३०१	१९/५६/३९	३३२	१०/४६/०३	०१	उ०/२३/५३	३२	१२/१०/२६	६२	२०/३४/१५	९१	२३/२६/४६
२३	३०२	१९/४३/२४	३३३	१०/२४/३०	०२	००/४७/४५	३३	१२/३१/०३	६३	२०/४६/०३	९२	२३/२६/०५
२४	३०३	१९/२९/४७	३३४	१०/०२/४८	०३	०१/११/३६	३४	१२/५१/२७	६४	२०/५७/२६	९३	२३/२४/५७
२५	३०४	१९/१५/४८	३३५	०९/४०/५५	०४	०१/३५/२७	३५	१३/११/३९	६५	२१/०८/२८	९३	२३/२४/५७
२६	३०५	१९/०१/३०	३३६	०९/१८/५३	०५	०१/५९/१५	३६	१३/३१/३८	६६	२१/१९/०५	९४	२३/२३/२२
२७	३०६	१८/४६/५०	३३७	०८/५६/४३	०६	०२/२३/०२	३७	१३/५१/२३	६७	२१/२९/१८	९५	२३/२१/१९
२८	३०७	१८/३१/५१	३३८	०८/३४/२३	०७	०२/४६/४७	३८	१४/१०/५४	६८	२१/३९/०८	९६	२३/१८/५०
२९	३०८	१८/१६/३२	३३९	०८/११/५६	०८	०३/१०/३०	३९	१४/३०/१२	६९	२१/४८/३३	९७	२३/१५/५३
३०	३०९	१८/००/५३	---	-------	०९	०३/३४/०९	४०	१४/४९/१४	७०	२१/५७/३३	९८	२३/१२/३०
३१	३१०	१७/४४/५६	---	-------	१०	०३/५७/४४	---	-------	---	-------	---	-------

दिनांक	जुलाई		अगस्त		सितम्बर		अक्टुबर		नवम्बर		दिसम्बर	
	सायन सूर्यांश	उत्तर अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	उत्तर अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	उत्तर अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	दक्षिण अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	दक्षिण अ. क. वि.	सायन सूर्यांश	दक्षिण अ. क. वि.
०१	९९	२३/०८/४०	१२९	१८/००/५३	१५९	०८/११/५६	१८८	०३/१०/३०	२१९	१४/३०/१२	२४९	२१/४८/३३
०२	१००	२३/०४/२३	१३०	१७/४४/५६	१६०	०७/४९/२१	१८९	०३/३४/०९	२२०	१४/४९/१४	२५०	२१/५७/३३
०३	१०१	२२/५९/३८	१३१	१७/२८/३९	१६१	०७/२६/३९	१९०	०३/५७/४४	२२१	१५/०८/०२	२५१	२२/०६/१०
०४	१०२	२२/५४/२८	१३२	१७/१२/०५	१६२	०७/०३/४९	१९१	०४/२१/१७	२२२	१५/२६/३४	२५२	२२/१४/२०
०५	१०३	२२/४८/५२	१३३	१६/५५/१३	१६२	०७/०३/४९	१९२	०४/४४/४५	२२३	१५/४४/५१	२५३	२२/२२/०६
०६	१०४	२२/४२/४९	१३४	१६/३८/०३	१६३	०६/४०/५३	१९३	०५/०८/०९	२२४	१६/०२/५२	२५४	२२/२९/२६
०७	१०५	२२/३६/२०	१३५	१६/२०/३५	१६४	०६/१७/५०	१९४	०५/३१/२८	२२५	१६/२०/३५	२५५	२२/३६/२०
०८	१०६	२२/२९/२६	१३६	१६/०२/५२	१६५	०५/५४/४२	१९५	०५/५४/४२	२२६	१६/३८/०३	२५६	२२/४२/४९
०९	१०७	२२/२२/०६	१३६	१६/०२/५२	१६६	०५/३१/२८	१९६	०६/१७/५०	२२७	१६/५५/१३	२५७	२२/४८/५२
१०	१०८	२२/१४/२०	१३७	१५/४४/५१	१६७	०५/०८/०९	१९७	०६/४०/५३	२२८	१७/१२/०५	२५८	२२/५४/२८
११	१०९	२२/०६/१०	१३८	१५/२६/३४	१६८	०४/४४/४५	१९८	०७/०३/४९	२२९	१७/२८/३९	२५९	२२/५९/३८
१२	११०	२१/५७/३३	१३९	१५/०८/०२	१६९	०४/२१/१७	१९९	०७/२६/३९	२३०	१७/४४/५६	२६०	२३/०४/२३
१३	१११	२१/४८/३३	१४०	१४/४९/१४	१७०	०३/५७/४४	२००	०७/४९/२१	२३१	१८/००/५३	२६१	२३/०८/४०
१४	११२	२१/३९/०८	१४१	१४/२०/१२	१७१	०३/३४/०९	२०१	०८/११/५६	२३२	१८/१६/३२	२६२	२३/१२/३०
१५	११३	२१/२९/१८	१४२	१४/१०/५४	१७२	०३/१०/३०	२०२	०८/३४/२३	२३३	१८/३१/५१	२६३	२३/१५/५३
१६	११४	२१/१९/०५	१४३	१३/५१/२३	१७३	०२/४६/४७	२०३	०८/५६/४३	२३४	१८/४६/५०	२६४	२३/१८/५०
१७	११४	२१/१९/०५	१४४	१३/३१/३८	१७४	०२/२३/०२	२०४	०९/१८/५३	२३५	१९/०१/३०	२६५	२३/२१/२९
१८	११५	२१/०८/२८	१४५	१३/११/३९	१७५	०१/५९/१५	२०५	०९/४०/५५	२३६	१९/१५/४८	२६६	२३/२३/२२
१९	११६	२०/५७/२६	१४६	१२/५१/२७	१७६	०१/३५/२७	२०६	१०/०२/४८	२३७	१९/२९/४७	२६७	२३/२४/५७
२०	११७	२०/४६/०३	१४७	१२/३१/०३	१७७	०१/११/३६	२०७	१०/२४/३०	२३८	१९/४३/२४	२६८	२३/२६/०५
२१	११८	२०/३४/१५	१४८	१२/१०/२६	१७८	००/४७/४५	२०८	१०/४६/०३	२३९	१९/५६/३९	२६९	२३/२६/४६
२२	११९	२०/२२/०६	१४९	११/४९/३७	१७९	००/२३/५३	२०९	११/०७/२६	२४०	२०/०९/३४	२७०	२३/२७/००
२३	१२०	२०/०९/३४	१५०	११/२८/३७	१८०	उ०/००/०० दक्षिणक्रांति	२१०	११/२८/३७	२४१	२०/२२/०६	२७१	२३/२६/४६
२४	१२१	१९/५६/३९	१५१	११/०७/२६	१८१	द०/२३/५३	२११	११/४९/३७	२४२	२०/३४/१५	२७२	२३/२६/०५
२५	१२२	१९/४३/२४	१५२	१०/४६/०३	१८२	००/४७/४५	२१२	१२/१०/२६	२४३	२०/४६/०३	२७३	२३/२४/५७
२६	१२३	१९/२९/४७	१५३	१०/२४/३०	१८३	०१/११/३६	२१३	१२/३१/०३	२४४	२०/५७/२६	२७४	२३/२३/२२
२७	१२४	१९/१५/४८	१५४	१०/०७/४८	१८४	०१/३५/२७	२१४	१२/५१/२७	२४५	२१/०८/२८	२७५	२३/२१/१९
२८	१२५	१९/०१/३०	१५५	०९/०२/५५	१८५	०१/५९/१५	२१५	१३/११/३९	२४६	२१/१९/०५	२७६	२३/१८/५०
२९	१२६	१८/४६/५०	१५६	०९/१८/५३	१८६	०२/२३/०२	२१६	१३/३१/३८	२४७	२१/२९/१८	२७७	२३/१५/५३
३०	१२७	१८/३१/५१	१५७	०८/५६/४३	१८७	०२/४६/४७	२१७	१३/५१/२३	२४८	२१/३९/०८	२७८	२३/१२/३०
३१	१२८	१८/१६/३२	१५८	०८/३४/२३	---	-------	२१८	१४/१०/५४	---	-------	२७९	२३/०८/४०

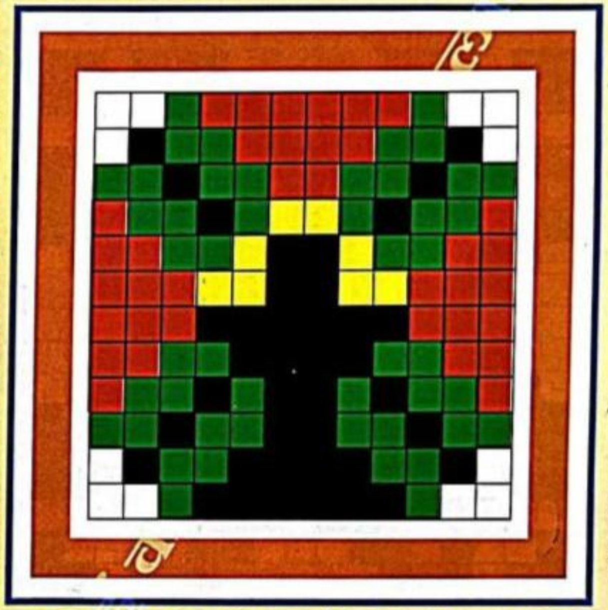
(१) अस्ताभिमुख ग्रह के सूर्यास्त कालिक उन्नतांश (क्षितिज से अंशात्मक ऊचांई) प्राप्त होने पर अस्त तथा उदयाभिमुख ग्रह के सूर्योदय कालिक उन्नतांश प्राप्त होने पर उदय होता है। ग्रहों के उन्नतांश अक्षांश भेद से परिवर्तित होते है। मंगल लगभग ७८०, बुध वर्ष में ६बार, गुरू ३९९ दिनों में , शुक्र ५८४ दिनों में, शनि ३७८ दिनों में सूर्य के पास आकर अस्त होते है।(२) मंगल १६४, बुध १४४, गुरू १३०, शुक्र १६३, शनि ११५ शीघ्र केन्द्रांशों पर वक्री होते है।(३) मंगल १९६, बुध २१६, गुरू २३०, शुक्र १९७, शनि, २४५, शीघ्र केन्द्रांशों पर मार्गी होता है।

॥ अथ गणपति भद्रमण्डलम् ॥



प्राचीन श्रीधरी श्रीचंडांशु पञ्चाङ्ग

एकलिंगतोभद्रचक्रम्

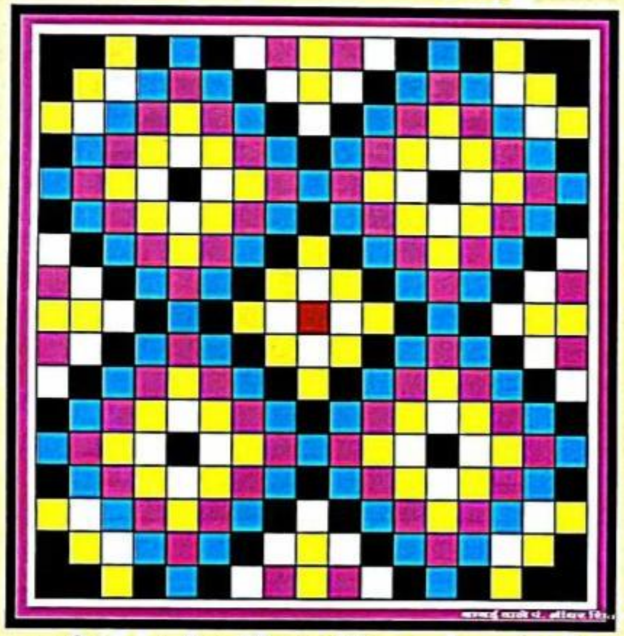


सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।
बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी
ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक
किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

प्राचीन श्रीधरी श्रीचंडांशु पञ्चाङ्ग

गौरी तिलक मंडलम्

(दुर्गा पूजा प्रतिष्ठा समये)



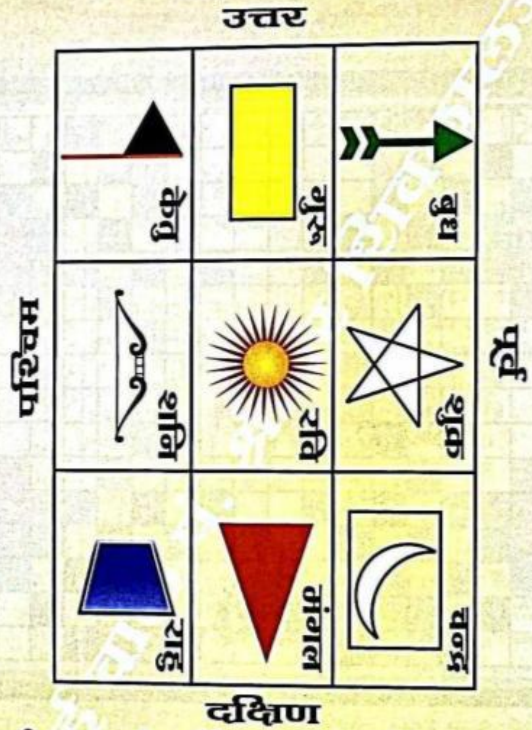
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।

बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी

ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक

किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

नवग्रह मण्डलम्



सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।

बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी

ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक

किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

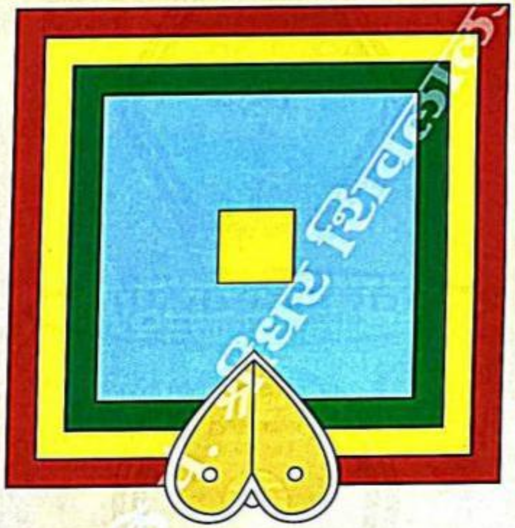
कुण्ड बनाने का विधान

यदि 5 कुण्ड बनावें तो आहूति संख्या शीघ्र हो जावे। एतदर्थ कुण्ड बनाना लिखते है ।

कुण्ड	आकार	योनि	होतृमुख	ब्रह्मा
1 पूर्व में	चतुरस्र	दक्षिण	उत्तर	पूर्व
2 दक्षिणे	अर्द्धचन्द्र	दक्षिण	उत्तर	पूर्व
3 पश्चिमे	गोल	पश्चिम	पूर्व	दक्षिण
4 उत्तरे	पद्म	पश्चिम	पूर्व	दक्षिण
5 मध्ये	चोकोर	पश्चिम	पूर्व	दक्षिण

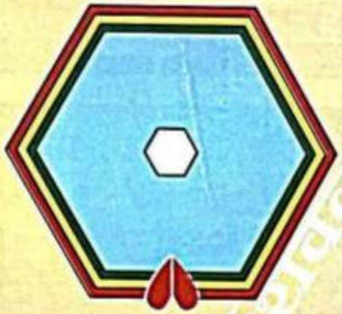
मध्य कुण्ड एवं उनका ब्रह्मा ही प्रधान होते है ।

कुण्ड स्वरूपम्



कुण्ड का चित्र ऊपर अंकित है यानी 12 अंगुल ऊँची, 12 अंगुल लम्बी, 8 अंगुल चौड़ी लाल वर्ण ।ऊपर की साड़ी 4 अंगुल चौड़ी, 4 अंगुल चौड़ी स्वेत वर्ण उसके तीन अंगुल ऊँची 3 अंगुल चौड़ी लाल वर्ण तथा फिर नीचे को 2 अंगुल ऊँची 2 अंगुल चौड़ी श्याम वर्ण और मध्य में नाभि का चिन्ह बनाऐ ।

समभुज-षडस्त्र-कुण्डस्वरूपम्



वृतकुण्डस्वरूपम्



त्रिकोणकुण्डस्वरूपम्



कुण्डसिद्धि-हस्तादिमानम्

ह.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१६
अं.	२४	३४	४१	४८	५३	५८	६३	६७	७२	७५	९६
य.	०	०	५	०	५	६	४	७	०	७	०
यू.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि की पुस्तिकें मिलने का एक मात्र विश्वसनीय स्थान।

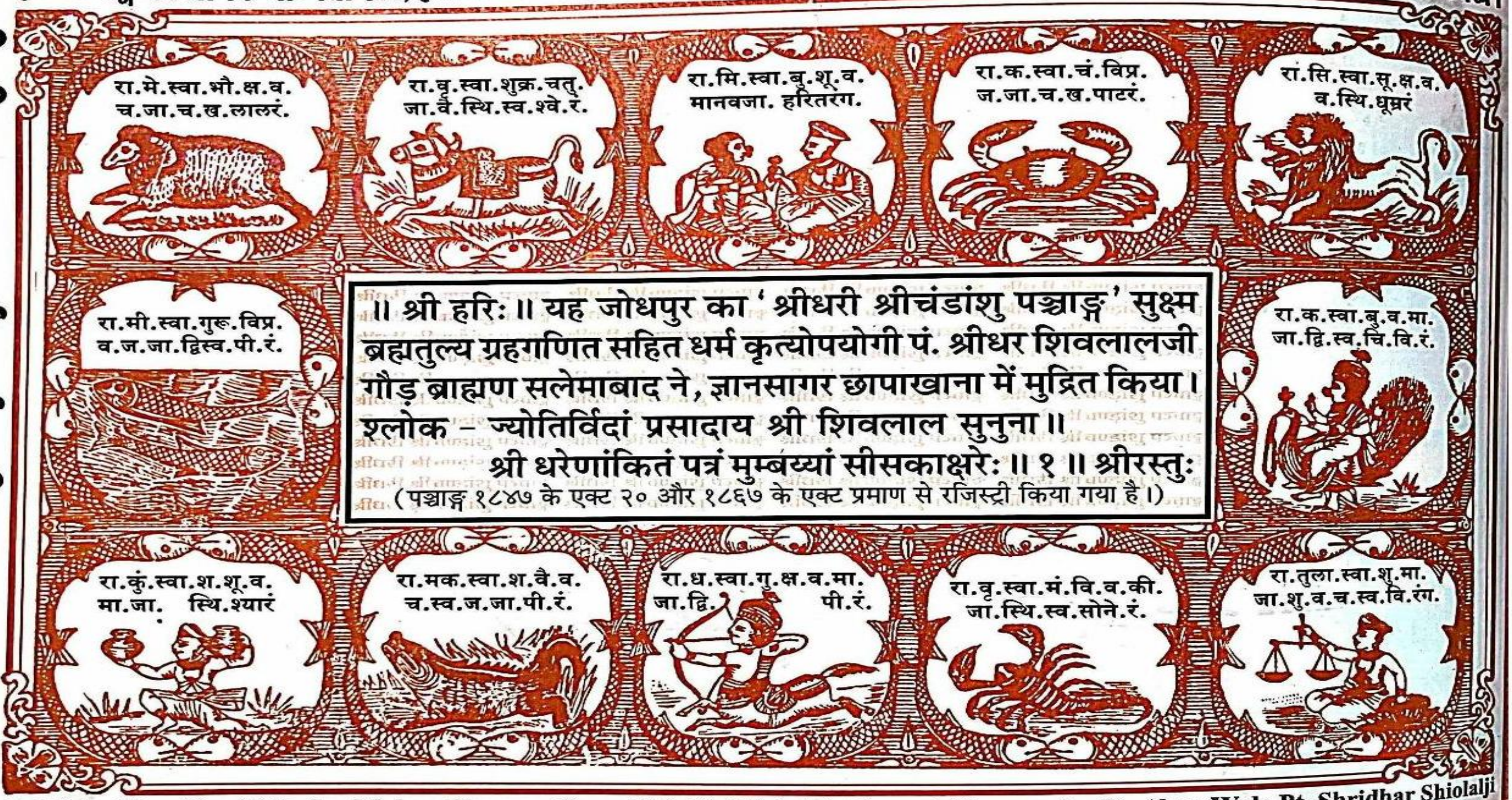
बम्बई वाले पं. श्रीधर शिवलाल जी

ज्ञानसागर छापाखाना, पुराना शहर, कचहरी चौक
किशनगढ़-सिटी, जिला-अजमेर (राज.) मो.नं. 09462504750

इस पञ्चाङ्ग की अधिक मान्यता देख, इसी माफिक अन्य पञ्चाङ्ग बने हैं, अतः पञ्चाङ्ग लेते समय पं. महावीर प्रसादजी का शुद्ध चित्र अवश्य देखें।

श्रीधरी पञ्चाङ्ग बम्बई कार्यालय किशनगढ़ (राजस्थान)

नकलचियों से सावधान– असली श्रीधरी श्रीचण्डांशु पञ्चाङ्ग खरीदते समय कवर पृष्ठ पर 3D इफेक्ट एवं महावीर प्रसाद जी का शुद्ध चित्र तथा श्रीधरी वाला गोल्डन सतरंगी होलोग्राम अवश्य देखें। नकली की सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जायेगा।



Published by- Pandit Indra Mohan Sharma Grand S/o Pt. Mahabir Prasad Sharma for Bombay Wale Pt. Shridhar Shiolalji
Printed by- Gyan Sagar Press, Kishangarh (Rajasthan) PIN 305802 Ph.: (01463) 244160 Mob. +9194625 04750